THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 277 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु. 14 2082 शुक्रवार, 2 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

2026 में बदल जाएगी राज्यसभा की तस्वीर 75 सीटों पर होंगे चुनाव

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। इस साल राज्यसभा की तस्वीर मौजूदा साल से अलग होगी, ऊपरी सदन की 75 सीटों पर चुनाव है, इनमें से कई सीटों का भविष्य कई राज्यों में होने वाले चुनाव तय करेंगे। इतना ही नहीं, आने वाले साल में राज्यसभा में दिखने वाले कई राजनेताओं के कार्यकाल खत्म हो रहे हैं। केरल, पश्चिम बंगाल, असम और तमिलनाडु जैसे राज्यों में चुनाव हैं, जिसके बाद वहां की विधानसभाओं की तस्वीर बदलेगी। 2026 में मोदी सरकार के छह मंत्रियों का भी राज्यसभा टर्म पूरा होगा। >14

भारत-पाक ने एक-दूसरे को परमाणु ठिकानों की जानकारी दी

> 35 साल पुरानी परंपरा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उड़ी थी किराना हिल्स पर हमले की अफवाह

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान ने गुरुवार 1 जनवरी को एक-दूसरे के साथ अपने परमाणु ठिकानों की लिस्ट शेयर की है। ये ठिकाने वही हैं, जहां दोनों देशों के परमाणु हथियार रखे जाते हैं। यह परंपरा पिछले 35 साल से चल रही है। भारत और पाकिस्तान ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद में राजनयिक चैनलों के जरिए इस लिस्ट का आदान-प्रदान किया। यह सूची भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं पर हमले के निषेध संबंधी समझौते के तहत आती है। यह समझौता 31 दिसंबर 1988 को साइन किया गया था। इसमें लिखा है कि दोनों देश इन परमाणु ठिकानों पर हमला नहीं करेंगे।

समझौता 27 जनवरी 1991 से लागू हुआ। इसके तहत भारत और पाकिस्तान हर कैलेंडर वर्ष के 1 जनवरी को एक-दूसरे को परमाणु ठिकानों के बारे में बताते हैं। पहली बार लिस्ट 1 जनवरी 1992 को शेयर की गई थी। यह लिस्ट ऐसे समय में

बदली गई है जब मई 2025 में पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। इसी दौरान पाकिस्तान के परमाणु ठिकाने किराना हिल्स पर ड्रोन गिरने का दावा किया गया था।

सीपरी की रिपोर्ट में दावा-भारत के पास 180 परमाणु हथियार :

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार भारत के पास 180 और पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार हैं। ये आंकड़े एसआईपीआरआई की 2025 के वर्ल्ड न्यूक्लियर फोर्सेस डेटा पर आधारित हैं, जिसमें दोनों देशों के हथियारों की संख्या स्टॉकपाइल (पूंजीकृत भंडार) के रूप में दी गई है। यह वीडियो 14 मई को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें दावा किया गया था कि किराना हिल्स पर मिसाइल अटैक हुआ है।

क्या भारत ने पाकिस्तान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था :

9-10 मई की रात पाकिस्तानी हमलों के जवाब में भारत ने पाकिस्तान के 11 एयरबेस पर अटैक किए। इसके बाद सोशल मीडिया पर अफवाह फैल गई कि किराना हिल्स, जहां पाकिस्तान के न्यूक्लियर हथियार रखे जाने का दावा किया जाता है, वहां भारत ने हमला कर दिया। हमले के बाद इलाके में न्यूक्लियर रिसाव भी हुआ। पाकिस्तानी न्यूज वेबसाइट डॉन ने किराना हिल में भारत का एक ड्रोन गिरने का दावा किया। हालांकि, उसने न्यूक्लियर साइट पर अटैक की कोई बात नहीं की। सीजफायर के बाद 12 मई 2025 को भारतीय सेना की प्रेस कॉन्फ्रेंस में एयर मार्शल एके भारती से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा था-किराना हिल्स पर जो भी है, हमने वहां हमला नहीं किया। शुक्रिया हमें बताने के लिए कि किराना हिल्स में न्यूक्लियर इंस्टॉलेशन है। हमें यह नहीं पता था।

भारत ने पाकिस्तानी परमाणु ठिकानों पर हमला नहीं किया :

इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) के प्रवक्ता फ्रेडरिक डाहल ने बताया, हमें मिली जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान में किसी भी परमाणु संयंत्र से कोई रिसाव या उत्सर्जन नहीं हुआ है। लेफ्टिनेंट जनरल (रि.) संजय कुलकर्णी ने भास्कर को बताया था- भारत ने पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस पर हमला किया, जहां अमेरिका के दिए हुए एफ-16 फाइटर जेट्स खड़े हैं। सरगोधा से कुछ ही दूरी पर नमक के पहाड़ हैं, जिन्हें किराना हिल्स कहा जाता है। इसी जगह पाकिस्तान का न्यूक्लियर टेस्टिंग स्टेशन भी मौजूद है। हालांकि, भारत ने जानबूझकर परमाणु ठिकानों पर हमला नहीं किया।

पुंछ में नए साल पर घुसपैठ की साजिश

> आतंकियों ने ड्रोन से गिराया बैग सुरक्षाबलों ने किया बरामद

जम्मू, 1 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल के पहले दिन जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा पर खड़ी सेक्टर में पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ का एक नापाक प्रयास सामने आया है। सीमा पार से एक ड्रोन के माध्यम से एक संदिग्ध बैग गिराया गया था। इस गतिविधि का पता चलते ही नियंत्रण रेखा पर तैनात सतर्क जवानों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सुबह तड़के अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर एक तलाशी अभियान शुरू किया। इस संयुक्त अभियान में सेना, एसओजी (स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप) और पुलिस के जवान शामिल थे।

तलाशी अभियान के दौरान, पुलस्त्य नदी में ड्रोन से गिराया गया वह बैग बरामद करने में सफलता मिली। बैग की जांच करने पर उसमें तीन पैकेट मिले। इन पैकेटों में नशीला पदार्थ, गोलियां और एक आईईडी (इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) बरामद हुआ है। बरामद सामग्री की विस्तृत जांच की जा रही है ताकि इसके स्रोत और उद्देश्य का पता लगाया जा सके। यह घटना उस समय हुई जब सुरक्षा बलों को पहले से ही पाकिस्तान अथवा सीमा पार सक्रिय आतंकी संगठनों की ओर से किसी नापाक हरकत को अंजाम देने की खुफिया जानकारी मिल चुकी थी। इसी इनपुट के चलते सुरक्षा बल पहले से ही उच्च अलर्ट पर थे और सतर्कता बरत रहे थे। इस सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के कारण ही घुसपैठ की इस कोशिश को नाकाम किया जा सका और एक बड़े खतरे को टालने में मदद मिली। सुरक्षा एजेंसियां इस घटना के पीछे की पूरी साजिश का पता लगाने के लिए गहन जांच कर रही हैं।

भारतवंशी जोहरान ममदानी बने पहले मुस्लिम मेयर

कुरान पर हाथ रखकर शपथ ली, न्यूयॉर्क के इतिहास में ऐसा पहली बार

न्यूयॉर्क, 1 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय मूल के जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम मेयर बन गए हैं। उन्होंने गुरुवार को कुरान पर हाथ रखकर पद की शपथ ली। अब तक न्यूयॉर्क सिटी के अधिकतर मेयर बाइबिल पर हाथ रखकर शपथ लेते रहे हैं। हालांकि संविधान के तहत शपथ के लिए किसी धार्मिक ग्रंथ का इस्तेमाल अनिवार्य नहीं है। 34 साल के डेमोक्रेट ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम, पहले दक्षिण एशियाई और पहले अफ्रीका में जन्मे मेयर हैं। ममदानी ने न्यूयॉर्क के सिटी हॉल के नीचे स्थित एक बंद पड़े सबवे स्टेशन में शपथ ली। यह एक प्राइवेट समारोह था, जिसमें ममदानी का परिवार शामिल हुआ। इसके बाद दोपहर में एक सार्वजनिक शपथ ग्रहण समारोह होगा। ममदानी ने दो कुरानों पर हाथ रख कर शपथ ली। इनमें एक उनके दादा की कुरान और दूसरी जेब में रखी जाने वाली छोटी कुरान थी। >14

तिरुवनंतपुरम के महापौर वीवी रमेश को पीएम मोदी ने लिखा पत्र

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। केरल के निकाय चुनाव में एनडीए ने तिरुवनंतपुरम कॉरपोरेशन में जीत हासिल कर वामपंथ का किला ढहाया था। इसी क्रम में नए साल के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तिरुवनंतपुरम के महापौर वी.वी. राजेश को पत्र भेजकर केरल की राजधानी में पहली बार सत्ता में आने पर उन्हें और भाजपा नेताओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह एक युग-प्रवर्तक जीत थी। 30 दिसंबर, 2025 को राजेश को संबोधित पत्र में प्रधानमंत्री ने कहा कि मेयर और डिप्टी मेयर जी.एस. आशा नाथ के शपथ ग्रहण के बाद तिरुवनंतपुरम में इतिहास रचा गया है। पीएम मोदी ने कहा कि श्री पद्मनाभस्वामी का आशीर्वाद पाने वाले शहर तिरुवनंतपुरम की यात्रा की उनकी सुखद यादें हैं। प्रधानमंत्री के अनुसार केरल की राजधानी ने नेताओं, समाज सुधारकों, कलाकारों, संगीतकारों, कवियों, सांस्कृतिक दिग्गजों, संतों और ऋषियों को पोषित किया है। उन्होंने कहा, जब ऐसा शहर हमारी पार्टी

को आशीर्वाद देता है, तो यह बहुत ही गर्व की बात है। विकासशील तिरुवनंतपुरम बनाने का हमारा दृष्टिकोण शहर भर के लोगों के बीच गूंज रहा है, जो समाज के सभी वर्गों को प्रभावित कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों ने केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के काम और विभिन्न राज्यों में शहरी विकास की दिशा में किए गए प्रयासों को देखा है, जिसने उन्हें पार्टी को आशीर्वाद देने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा, मैं इस शहर के लोगों को उनके स्नेह के लिए धन्यवाद देता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा की जीत से अपार खुशी और गर्व का भाव आया है। उन्होंने कहा, तिरुवनंतपुरम की जनता के आशीर्वाद से जो कुछ हुआ है, वह ऐतिहासिक है। यह सुनहरे अक्षरों में लिखा गया एक मील का पत्थर है। उन्होंने एलडीएफ और यूडीएफ की आलोचना करते हुए उन पर कुशासन, भ्रष्टाचार और भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ हिंसा का आरोप लगाया।

सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर बढ़ा टैक्स

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने देश में तंबाकू नियंत्रण और राजस्व ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी ताजा अधिसूचना के अनुसार, सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। यह नई कर व्यवस्था 1 फरवरी, 2026 से प्रभावी होगी, जो धूम्रपान करने वालों की जेब पर सीधा असर डालेगी।

उत्पाद की लंबाई के आधार पर तय हुआ शुल्क :

सरकार ने सिगरेट की लंबाई और उसके प्रकार को आधार बनाकर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क निर्धारित किया है। नए नियमों के तहत, प्रति 1,000 सिगरेट पर अतिरिक्त शुल्क की सीमा 2,050 रुपये से लेकर 8,500 रुपये तक तय की गई है। यह

वर्गीकरण प्रीमियम और साधारण सिगरेट के बीच कर के अंतर को स्पष्ट करता है।

40 प्रतिशत जीएसटी के ऊपर लगेगा अतिरिक्त टैक्स :

महत्वपूर्ण बात यह है कि यह नया उत्पाद शुल्क कोई स्वतंत्र टैक्स नहीं है, बल्कि यह तंबाकू उत्पादों पर पहले से लागू 40 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के अतिरिक्त देय होगा। हाल ही में संसद द्वारा पारित 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025' के माध्यम से इस बदलाव को कानूनी रूप दिया गया है। इस विधेयक का प्राथमिक उद्देश्य जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर की समय सीमा समाप्त होने के बाद पैदा होने वाली राजस्व की कमी को पूरा करना और शुल्क ढांचे को अधिक व्यवस्थित बनाना है।

राज्यों के साथ साझा होगा राजस्व :

संसद में इस विषय पर चर्चा के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने साफ किया कि इस माध्यम से एकत्र किया गया राजस्व 'विभाजित किए जाने वाले कोष' का हिस्सा बनेगा। उन्होंने कहा, उत्पाद शुल्क कोई उपकर नहीं है। एकत्रित राजस्व को 41 प्रतिशत की निर्धारित दर से राज्यों के साथ साझा किया जाएगा। वित्त मंत्री ने आगे तर्क दिया कि जीएसटी से पहले भी तंबाकू उत्पादों पर वार्षिक आधार पर कर बढ़ाए जाते थे। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देश महंगाई के साथ या स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण हर साल तंबाकू करों में वृद्धि करते हैं। भारत में इस वृद्धि का मुख्य उद्देश्य लोगों को तंबाकू की लत से दूर रखना और सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करना है।

आरएसएस के सांगठनिक ढांचे में हो सकता है बदलाव

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपने सांगठनिक ढांचे में बदलाव पर विचार कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, संघ में इस तरह के प्रस्ताव पर चर्चा हो रही है। मार्च 2026 में होने वाली संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में बदलाव के प्रस्ताव पर बात होगी। प्रतिनिधि सभा में ही अंतिम फैसला लिया जाएगा। ये सभा हरियाणा के समालखा में होगी। संघ के सांगठनिक ढांचे में तीन तरह के बदलाव का प्रस्ताव है। अभी संघ ने पूरे देश को काम के लिहाज से 11 क्षेत्रों में बांटा है, लेकिन इसे 9 करने का प्रस्ताव है। अभी संघ के प्रांत प्रचारक राज्य की सरकारी परिभाषा के हिसाब से बने प्रांत के आधार पर नहीं होते हैं, ये भी संघ के कामकाज की सुविधा के हिसाब से बनाए गए हैं। >14

'कृत्रिम बुद्धिमत्ता परिवर्तन लाने का शक्तिशाली अवसर'

> राष्ट्रपति मुर्मू ने एआई चैलेंज का किया शुभारंभ

भुवनेश्वर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को एआई चैलेंज का शुभारंभ किया। इसके साथ ही राष्ट्रपति मुर्मू ने ओडिशा के रायरांगपुर में इंजू क्षेत्रीय केंद्र और कौशल केंद्र का वर्चुअल उद्घाटन किया। उन्होंने भारत के भविष्य के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर दिया। राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित एक समारोह में बोलते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता विश्व भर की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को नया आकार दे रही है, जिससे लोगों के सीखने, काम करने और आधुनिक सेवाओं तक पहुंचने के तरीके प्रभावित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत जैसे युवा देश के लिए, एआई केवल एक तकनीक नहीं बल्कि सकारात्मक और समावेशी परिवर्तन लाने का एक शक्तिशाली अवसर है। उभरती प्रौद्योगिकियों की ओर से आकार दिए जा रहे भविष्य के लिए छात्रों को तैयार देखकर खुशी जताते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने उनसे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज की सेवा करने, चुनौतियों

का समाधान करने और दूसरों को सशक्त बनाने के लिए करने का आग्रह किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने एआई लर्निंग मॉड्यूल पूरा करने वाले सांसदों की भी सराहना की और कहा कि उनके प्रयास निरंतर सीखने के माध्यम से नेतृत्व को दर्शाते हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एआई को एक प्रमुख विकास चालक बताते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि यह आने वाले दशक में जीडीपी, रोजगार और उत्पादकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ईयू के कार्बन टैक्स पर कांग्रेस ने जताई चिंता

बताया भारतीय निर्यात के लिए नुकसानदायक

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस ने यूरोपीय संघ (ईयू) द्वारा लगाए गए कार्बन टैक्स को भारतीय निर्यातकों के लिए 'अस्वीकार्य' बताते हुए कहा है कि इससे निर्यात लागत में भारी बढ़ोतरी होगी। पार्टी ने मांग की है कि इस महीने प्रस्तावित भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में इसे गैर-शुल्कीय बाधा को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि लंबे समय से लंबित भारत-ईयू एफटीए को इस महीने अंतिम रूप दिया जा सकता है। ऐसे में ईयू का कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म (सीबीएएम) भारतीय उद्योगों के लिए बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है। उन्होंने बताया कि गुरुवार से भारतीय स्टील और एल्युमिनियम निर्यातकों को यूरोपीय संघ के 27 देशों में निर्यात पर कार्बन टैक्स देना होगा। वित्त वर्ष 2024-25 में ईयू को भारत का स्टील और एल्युमिनियम निर्यात औसतन 5.8 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष 7 अरब डॉलर था। यह गिरावट सीबीएएम लागू होने की तैयारी के चलते पहले ही शुरू हो चुकी थी। जयराम रमेश ने थिंक-टैंक जीटीआरआई के अनुमान का हवाला देते हुए कहा कि कई भारतीय निर्यातकों को अपने उत्पादों की कीमतें 15 से 22 प्रतिशत तक कम करनी पड़ सकती हैं, ताकि ईयू के आयातक उसी मार्जिन से कार्बन टैक्स का भुगतान कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि कार्बन उत्सर्जन की विस्तृत रिपोर्टिंग और जटिल दस्तावेजी प्रक्रियाएं भारतीय निर्यातकों पर अतिरिक्त बोझ डाल रही हैं। कांग्रेस नेता ने जोर देकर कहा कि अगर भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता होता है, तो उसमें इस अस्वीकार्य गैर-शुल्कीय बाधा को दूर करने के लिए ठोस प्रावधान किए जाने चाहिए।

ईयू का कार्बन कर आज से लागू

यूरोपीय संघ (ईयू) का कुछ धातुओं पर कार्बन कर (सीबीएएम) एक जनवरी, 2026 से लागू हो रह है। यह भारत के एल्युमीनियम एवं इस्पात निर्यातकों के लिए बड़ा झटका है। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने बुधवार को कहा कि यूरोपीय संघ के इस कदम से कई भारतीय निर्यातकों को कीमतों में 15 से 22 प्रतिशत तक की कटौती करनी पड़ सकती है, ताकि ईयू के आयातक उसी मुनाफे (मार्जिन) से सीबीएएम कर का भुगतान कर सकें।

बुरी ताकतों के आगे नहीं झुकेंगे : सीएम ममता

कोलकाता, 1 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका दल जनता के लिए संघर्ष करता रहेगा और किसी भी 'बुरी ताकतों' के सामने समर्पण नहीं करेगा।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के स्थापना दिवस के मौके पर, मैं सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। तृणमूल कांग्रेस का सफर आज ही के दिन 1998 में मातृभूमि और लोगों की सेवा के मकसद से शुरू हुआ था। इस ऐतिहासिक सफर की मुख्य बातें मातृभूमि का सम्मान, बंगाल का विकास और लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों की सुरक्षा हैं। आज भी हमारी पार्टी का हर कार्यकर्ता और समर्थक इस लक्ष्य के लिए अडिग और प्रतिबद्ध है। मैं उनके लगातार प्रयासों और बलिदानों का विनम्रतापूर्वक सम्मान करता हूं और उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं।

सुप्रीम कोर्ट ने 2025 में 75,000 केस निपटाया

> क्यों अमेरिका, ब्रिटेन सोच भी नहीं सकते

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने साल 2025 में 75,000 से भी ज्यादा केस का निपटारा किया है। यह इतनी बड़ी संख्या है, जिसके लिए दुनिया की सर्वोच्च अदालतों को सोचना भी मुमकिन नहीं है। यह बात सही है कि भारत की जनसंख्या के मुकाबले यह संख्या बहुत ज्यादा नहीं है, लेकिन अगर हम आबादी और जजों की संख्या के अनुपात को दुनिया में न्यायपालिका की हालातों से तुलना करेंगे तो यह बहुत ही बड़ा आंकड़ा है। क्योंकि, भारत में जनसंख्या के मुकाबले जजों की संख्या विश्व में सबसे कम है।

हाल ही में 'एक्सप्लोरिंग द एफिशिएंसी एंड रीच ऑफ मीडिएशन' नाम के एक नेशनल कॉन्फ्रेंस में भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि देश में मुकदमों की बढ़ती संख्या को देखते हुए नए और व्यवहारिक समाधान की ओर देखने की जरूरत है। इसके लिए मीडिएशन सही तरीका हो सकता है। उनके अनुसार इससे दोनों ही पार्टियों को आपसी

सहमति पर आने का मौका मिलता है, न कि परंपरागत तरीके से अदालती लड़ाई लड़ते रहने की। देश के अनेकों कानूनविद् तुषार मेहता की तरह का ही विचार रखते हैं, ताकि हमारी न्यायपालिका पर बोझ कम हो सके।

भारतीय सुप्रीम कोर्ट के मुकाबले सब पीछे :

एक तरफ सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 75,000 से ज्यादा मामले निपटाए हैं। वहीं तथ्य यह है कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में हर साल जो हजारों केस दर्ज होते हैं, उनमें से बहस के लिए उसके पास मुश्किल से 70 से 80 मामले ही पहुंच पाते हैं। ब्रिटेन का उदाहरण ले लें। पिछले साल 29 दिसंबर तक यूके सुप्रीम कोर्ट के सामने 200 से कुछ ज्यादा केस आए और इसने लगभग 50 केस में ही फैसला सुनाया। इसके ठीक उलट भारत के सुप्रीम कोर्ट ने 1,400 बड़े फैसले सुनाए और हजारों आदेश देकर मामलों का निपटारा किया। अगर भारतीय न्यायपालिका की बात करें तो यहां आबादी के अनुमात में जजों की संख्या दुनिया में सबसे कम यानी प्रत्येक 10 लाख की जनसंख्या पर सिर्फ 21 है। वहीं अमेरिका में इतनी ही आबादी पर 150 जज काम कर रहे हैं। विधि आयोग की 1987 में प्रकाशित रिपोर्ट में भी प्रत्येक 10 लाख की जनसंख्या पर 50 जजों की सिफारिश की गई थी, और यह भी अमेरिका के मुकाबले मात्र एक-तिहाई ही है। यह स्थिति सुप्रीम कोर्ट में भी है और फिर भी जितने केस का समाधान एक साल में हुआ है, वह अमेरिका और ब्रिटिश न्यायपालिका के लिए सोच पाना भी नामुकिन है।

जजों की संख्या बढ़ाने की जरूरत

सुप्रीम कोर्ट में अभी जजों की स्वीकृत संख्या 34 है। अगर देश की जनसंख्या करीब 150 करोड़ मानकर अंदाजा लगाएं तो लगभग 4.5 करोड़ की आबादी पर सुप्रीम कोर्ट में मात्र एक जज हैं। 34 संख्या भी 2019 में बढ़ाई गई है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट में जितने मामले पहुंच रहे हैं, उस हिसाब से जजों की संख्या न के बराबर है और फिर भी दुनिया भर की न्यायपालिका के लिए यह एक नजीर पेश करने में सफल हुआ है।

जानवर का हमला, हाथ से गिर गई थी बच्ची, नवजात की चोटों पर मां की बदलती कहानी पुलिस ने जताया शक

पालघर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर जिले में चार दिन की एक बच्ची को गंभीर चोटों की वजह से अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस को इस मामले में मां के ऊपर शक है। एक अधिकारी ने बताया कि बच्ची की मां के बयान में विरोधाभास के कारण पुलिस को उसकी मां की संलिप्तता का संदेह है। पीटीआई की रिपोर्ट में अस्पताल सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि नवजात शिशु को हाल ही में गंभीर हालत में दहानू उप-जिला अस्पताल लाया गया था। डॉक्टरों को शुरुआत में शक था कि किसी जानवर ने नवजात पर हमला किया है, लेकिन चिकित्सा जांच में पता चला कि उसके घाव ताजे नहीं थे। डॉक्टरों की ओर से सूचना मिलने पर पुलिस ने बच्चे की मां से बात की। एक अधिकारी ने बताया, 'शुरुआत में महिला ने दावा किया कि बच्चा गलती से गिर गया था। बाद में उसने अलग-अलग कारण बताए, जो चिकित्सकीय जांच से मेल नहीं खाते थे।'

16 कोच, 180 की स्पीड... गुवाहाटी-कोलकाता के बीच चलेगी पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

गुवाहाटी, 1 जनवरी (एजेंसियां)। बंगाल चुनाव से पहले केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत को जोड़ने वाली एक बड़ी रेल परियोजना की घोषणा की है। भारतीय रेलवे जल्द ही देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन गुवाहाटी और कोलकाता के बीच शुरू करने जा रहा है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही इस सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। यह अत्याधुनिक स्लीपर ट्रेन लंबी दूरी और रात भर की यात्रा को ध्यान में रखकर डिजाइन की गई है। ट्रेन पूरी तरह से एयर-कंडीशन्ड होगी और इसमें कुल 16 कोच होंगे, जिनमें 11 एसी 3-टियर, 4 एसी 2-टियर और 1 एसी फर्स्ट क्लास कोच शामिल है। एक ट्रेन में कुल 823 यात्री सफर कर सकेंगे। 180 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से ट्रायल रन

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की डिज़ाइन स्पीड 180 किमी प्रति घंटा है, जबकि इसे व्यावसायिक रूप से 160 किमी प्रति घंटा तक चलाया जाएगा। ट्रायल रन के दौरान ट्रेन ने 180 किमी प्रति घंटा की रफ्तार हासिल की थी और स्थिरता परीक्षण में पानी से भरे गिलास भी बिना छलके संतुलित रहे। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में यूरोपियन डिजाइन स्टैंडर्ड पर आधारित कोच होंगे, जिनमें आरामदायक गद्देदार बर्थ, बेहतर अपर बर्थ एक्सेस और रात के समय सॉफ्ट लाइटिंग की सुविधा होगी। ट्रेन में सीसीटीवी कैमरे, विज़ुअल इंफॉर्मेशन डिस्प्ले, पब्लिक एड्रेस सिस्टम और मॉड्यूलर पेंट्री यूनिट मौजूद होगी।

स्वच्छता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसमें एडवांस्ड बायो-वैक्यूम टॉयलेट, दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष शौचालय, बेबी केयर एरिया और फर्स्ट क्लास कोच में गर्म पानी के शॉवर दिए गए हैं। सुरक्षा के लिए स्वदेशी कवच एंटी-कोलिजन सिस्टम लगाया गया है। हर कोच में पर्सनल रीडिंग लाइट, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, फोल्डेबल टेबल और इमरजेंसी टॉकबैक सिस्टम होगा, जिससे यात्री सीधे लोको पायलट से संपर्क कर सकेंगे।

रेल मंत्री ने बताया कि गुवाहाटी से चलने वाली ट्रेन में यात्रियों को असमिया व्यंजन, जबकि कोलकाता से चलने वाली ट्रेन में बंगाली भोजन परोसा जाएगा। भारतीय रेलवे अगले छह महीनों में आठ और वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें शुरू करने की योजना बना रहा है, जबकि साल के अंत तक इनकी संख्या 12 हो जाएगी। आने वाले वर्षों में 200 से अधिक वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें देशभर में चलाने का लक्ष्य रखा गया है।

नए साल पर फारूक अब्दुल्ला ने जताई नई उम्मीद

बोले- 'पड़ोसियों से हमारी दोस्ती हो जाए'

जम्मू कश्मीर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल की मुबारकबाद देते हुए जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनला कांफ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने नए साल पर भारत में अमन और शांति की कामना करते हुए यह इच्छा जताई है कि भारत और पाकिस्तान के बीच दोस्ती हो जाए। फारूक अब्दुल्ला ने नए साल की शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि इस बार 'पड़ोसियों' यानी पड़ोसी मुल्क से हमारी यानी भारत की दोस्ती हो जाए। पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा, नया साल शुरू हो गया है। अल्लाह बारिश और बर्फ भेजे और हमारी मुश्किलें कम हो जाएं। हमारे वतन में अमन आए।

अल्लाह करे हमारी पड़ोसियों के साथ दोस्ती हो जाए और हम इन मुश्किलों से निकल आएं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी जम्मू-कश्मीर की जनता को नए साल की मुबारकबाद दी। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश में शांति और समृद्धि की कामना की। वहीं, न्यू ईयर ईव पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि नया साल जीवन में नई आशाएं और नए अवसर लेकर आए। उन्होंने जनता से एक खुशहाल और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए मिलकर काम करने और जम्मू-कश्मीर को विकास और समृद्धि की नई ऊंचाइयों पर ले जाने का आग्रह किया। उपराज्यपाल ने कहा, "आइए हम राष्ट्र के कल्याण और प्रगति के लिए स्वयं को समर्पित करें और अपने मूल मूल्यों को संरक्षित रखते हुए और अपनी आकांक्षाओं को आकार देते हुए भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहें।"

कांग्रेसी नेता ने राहुल गांधी की भगवान राम से की तुलना

बीजेपी बोली- ' ये तो चापलूसी प्रो मैक्स'

मुंबई, 1 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने एक बयान देकर राजनीतिक हलचल मचा दी है। उन्होंने राहुल गांधी की तुलना भगवान राम से कर दी। पटोले का कहना है कि राहुल गांधी वही काम कर रहे हैं जो भगवान राम करते थे। इस बयान पर भाजपा ने तुरंत हमला बोला और इसे कांग्रेस की 'चापलूसी प्रो मैक्स' बताया है। पटोले ने यह बात तब कही जब उनसे पूछा गया कि राहुल गांधी अब तक अयोध्या के नवनिर्मित राम मंदिर क्यों नहीं गए। पटोले ने जवाब दिया कि राहुल गांधी भगवान राम का काम कर रहे हैं। भगवान राम का काम था पीड़ितों और वंचितों को न्याय दिलाना, राहुल गांधी भी यही कर रहे हैं। वे लोगों की सेवा करना पसंद करते हैं, न कि राम मंदिर में फोटो सेशन कराना। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा।

नाना पटोले ने क्यों दिया बयान?

पटोले ने आगे कहा कि जब राम लला ताले में बंद थे, तब पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने मंदिर के ताले खुलवाए थे। जब राहुल गांधी अयोध्या जाएंगे, तब वे पूजा करेंगे। उनका जोर इस बात पर था कि राहुल गांधी न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं, इसलिए मंदिर जाने की जल्दी नहीं है। बीजेपी लगातार राहुल गांधी पर हमला कर रही है कि मंदिर के उद्घाटन के बाद भी वे वहां नहीं गए।

बीजेपी का जोरदार पलटवार

बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने पटोले के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने फिर से चापलूसी की सारी हदें पार कर दीं। राहुल गांधी को भगवान राम बता रहे हैं। हाल ही में उन्होंने सोनिया गांधी को क्रिसमस मनाने का कारण बताया था। यह कैसी चापलूसी है? और फिर हिंदू आस्था का अपमान कर रहे हैं। पूनावाला ने याद दिलाया कि यही कांग्रेस राम मंदिर बनने का विरोध करती थी। प्राण प्रतिष्ठा को 'नाच-गाना' कहती थी। वे लगातार हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचा रहे हैं।

बर्फ की चादर से ढकी कश्मीर की वादियां, सोनमर्ग समेत ऊंचाई वाले इलाकों में जमी मोटी परत

जम्मू-कश्मीर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में नए साल की शुरुआत बर्फबारी के खूबसूरत नजारे के साथ हुई है। कश्मीर घाटी के ऊंचाई वाले इलाकों में भारी हिमपात के चलते पूरी वादियां सफेद चादर से ढक गई हैं। लोकप्रिय पर्यटन स्थल सोनमर्ग में भी मोटी बर्फ की परत जम गई है, जिससे यहां का नजारा और भी मनमोहक हो गया है। बर्फबारी के कारण ठंड में इजाफा हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ठंड और बढ़ सकती है।

हिमाचल प्रदेश में नए साल पर धमाका

नालागढ़ में पुलिस थाने के पास जोरदार ब्लास्ट; खिड़कियों के शीशे भी टूटे

शिमला, 1 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में नए साल पर धमाका हुआ है। सोलन के नालागढ़ के पुलिस स्टेशन की दीवार के पास सुबह करीब 9.15 बजे एक जोरदार धमाका हुआ। इस घटना से पुलिस स्टेशन, ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक भवन और मार्केट कमेटी के भवन की खिड़कियों के शीशे टूट गए। पुलिस ने तत्काल घटनास्थल को सील कर दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। धमाके का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सुबह के समय हुए इस धमाके की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी। धमाके के कारण पुलिस स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी मच गई। धमाके के कारण किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। नालागढ़ में हुए इस जोरदार धमाके के बाद स्थानीय लोगों में भारी दहशत फैल गई है। स्थानीय निवासियों के मुताबिक धमाके की गूंज काफी दूर तक महसूस की गई। बताया जा रहा है पुलिस थाना के आसपास निजी व सरकारी भवन भी हैं। यहां पास में स्थित सैनिक विश्राम गृह की दीवारें और शीशे बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। आसपास की इमारतों को नुकसान पहुंचा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। घटनास्थल को तुरंत सील कर दिया गया ताकि किसी भी प्रकार के साक्ष्य नष्ट न हों। पुलिस घटना के संबंध में जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है।

धमाके के कारणों का पता लगाने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम भी मौके पर बुलाई गई है। प्रारंभिक जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि यह धमाका किसी विस्फोटक उपकरण के कारण हुआ है या किसी अन्य कारण से। घटना के समय इलाके में किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की भी जांच कर रही है ताकि घटना से जुड़े सुराग मिल सकें। मार्केट कमेटी और ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक भवन को हुए नुकसान का भी आकलन किया जा रहा है।

गजब है! बीएमसी चुनाव के लिए बीजेपी नेता ने भरा फर्जी फॉर्म

इलेक्शन कमीशन ने कर लिया एक्सेप्ट

मुंबई, 1 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। महानगरपालिका चुनाव के लिए बीजेपी से टिकट न मिलने पर पार्टी की एक बागी नेता ने मुंबई में डुप्लीकेट एबी फॉर्म अटैच किया है और उससे भी बड़ी बात ये है कि चुनाव आयोग ने उसे एक्सेप्ट भी कर लिया। यह घटना वार्ड नंबर 173 में हुई। मुंबई बीजेपी अध्यक्ष अमित साटम ने शिकायत की है कि शिल्पा केलुस्कर ने डुप्लीकेट एबी फॉर्म अटैच किया है। साटम ने इलेक्शन कमीशन को लेटर लिखकर फॉर्म कैंसिल करने की मांग की।

दरअसल, शिल्पा केलुस्कर मुंबई के वार्ड 173 से बीजेपी की उम्मीदवार थीं। लेकिन उन्हें ऑफिशियल एबी फॉर्म नहीं दिया गया इसलिए, उन्होंने विरोध किया और पार्टी का डुप्लीकेट एबी फॉर्म अटैच करके नामांकन भर दिया। जब मुंबई बीजेपी अध्यक्ष अमित साटम को इस बारे में पता चला, तो उन्होंने इलेक्शन कमीशन से इसकी शिकायत की। उन्होंने इस बारे में म्युनिसिपल इलेक्शन कमीशन को लेटर लिखा और शिल्पा केलुस्कर की एप्लीकेशन कैंसिल करने की मांग की।

बीजेपी ने पहले एबी फॉर्म दिया, फिर वापस लिया

बता दें कि बीजेपी ने पहले शिल्पा केलुस्कर को एबी फॉर्म दिया था। लेकिन बाद में पार्टी ने उसे वापस ले लिया। फिर पता चला कि शिल्पा केलुस्कर ने डुप्लीकेट एबी फॉर्म तैयार करके एप्लीकेशन के साथ अटैच किया था। इस बारे में बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि इलेक्शन कमीशन में पहले ही शिकायत दर्ज करा दी गई है और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नए साल पर गंदी हरकत से बाज नहीं आया पाकिस्तान, ड्रोन से भारत में भेजा गोला-बारूद, अलर्ट पर एजेंसियां

जम्मू, 1 जनवरी (एजेंसियां)। पूरी दुनिया इस वक्त नए साल का जश्न मना रही है, लेकिन पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। नए साल के पहले दिन (1 जनवरी) को जम्मू-कश्मीर के पुंछ में पाकिस्तान ने ड्रोन के जरिए गोला बारूद और कारतूस भिजवाए। भारत में आतंकी वारदात को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान की तरफ से ये नापाक हरकत की गई है। जम्मू के पुंछ जिले में ड्रोन के जरिए विस्फोटक और कारतूस से भरे पैकेट गिराए गए हैं। ये पैकेट मिलने के बाद सेना हरकत में आ गई है और तलाशी के लिए पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। बता दें कि ये पाकिस्तानी ड्रोन लाइन ऑफ़ कंट्रोल के पास पुंछ के खाड़ी करमाड़ा इलाके में भारतीय सीमा में घुस आया। भारतीय सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस ने इलाके में बड़ा सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। इसके अलावा सुरक्षा एजेंसियां ड्रोन के उड़ान ट्रैक की जांच कर रही हैं। जम्मू और कश्मीर प्रशासन की तरफ से सुरक्षा को देखते हुए पिछले दिनों कुछ हिस्सों में वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क के इस्तेमाल पर बैन लगाया गया है। इस बैन के बाद ये दूसरी बार है जब एलओसी के पास ड्रोन की हरकत देखी गई। सुरक्षा बलों की सतर्कता के चलते ड्रोन के जरिए भेजी गई विस्फोटक सामग्री को कब्जे में लिया गया है।

ऐसे में अब सुरक्षा एजेंसियां ये पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि इसके पीछे किन आतंकी नेटवर्कों का हाथ है। बता दें कि भारत-पाकिस्तान की सीमा के पास पिछले 24 घंटों के भीतर ये दूसरी बार है जब ड्रोन देखा गया है। इससे पहले सांबा के फूलपुर में संदिग्ध ड्रोन को देखा गया था। ड्रोन कुछ समय तक भारतीय सीमा में था। हालांकि कुछ देर बार ही वह वापस चला गया। सेना ने ड्रोन एक्टिविटी को देखते हुए तुरंत पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

'जल्दी आओ मैं इंतजार कर रहा हूं'

पहले शेयर किया इमोशनल पोस्ट फिर लड़के ने किया सुसाइड

नांदेड़, 1 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नांदेड़ ज़िले के किनवट तालुका के सहस्त्रकुंड इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना हुई है, यहां एक कॉलेज स्टूडेंट के फांसी लगाकर सुसाइड करने से इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। अंदाज़ा लगाया जा रहा है कि लड़के ने अपने माता-पिता के बहुत ज़्यादा प्यार और मानसिक परेशानी के कारण यह कदम उठाया। सुसाइड करने वाले 20 साल के लड़के का नाम रानोजी विलास ऐनवालेवाड है और वह नांदेड़ में बीएसी। के पहले साल में पढ़ रहा था। रानोजी के माता-पिता नौकरी के लिए तेलंगाना राज्य गए थे। वह कुछ दिन पहले काम के लिए गांव आया था। सुबह रानोजी ने अपने भाई से कहा कि वह नांदेड़ लौटना चाहता है। इसलिए उसके भाई ने उसे इस्लापुर छोड़ दिया। लेकिन, नांदेड़ जाने के बजाय वह सहस्त्रकुंड इलाके में लौट आया। बाद में दोपहर के करीब उसने सहस्त्रकुंड में पानी की टंकी के पास एक ताड़ के पेड़ से फांसी लगाकर अपनी जान दे दी।

घटना से पहले रानोजी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया था। इस पोस्ट में उन्होंने अपने मम्मी-पापा को याद करते हुए लिखा था, "मॉम डैड आज आपकी बहुत याद आ रही है। मैं घर पर हूं, लेकिन आप यहां नहीं हैं। जल्दी आइए मैं इंतज़ार कर रहा हूं।" बताया गया है कि यह पोस्ट करने के करीब दो घंटे के अंदर ही उन्होंने सुसाइड कर लिया। इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। रिश्तेदारों की मौजूदगी में पंचनामा किया गया और बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए इस्लापुर के प्राइमरी हेल्थ सेंटर भेज दिया गया है। इस बीच रानोजी के सुसाइड के पीछे की सही वजह अभी साफ नहीं है। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन पुलिस इस बात की जांच कर रही है

ईडी ने लंदन में 150 करोड़ की संपत्ति की कुर्क

नितिन कासलीवाल के स्वामित्व की प्रॉपर्टी, बकिंघम पैलेस के पास स्थित हाई-वैल्यू प्रॉपर्टी पर कार्रवाई

भोपाल, 1 जनवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ईडी इंदौर की सब जोनल यूनिट इकाई ने लंदन (यूनाइटेड किंगडम) में स्थित 150 करोड़ की अचल संपत्ति को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है। यह संपत्ति बकिंघम पैलेस के नजदीक एक प्राइम लोकेशन में स्थित बताई गई है। मेसर्स एस कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन पर भारत का पैसा विदेशों में निवेश कर वहां प्रॉपर्टी खरीदने का आरोप है। जिसकी जांच चल रही है। 1400 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में एफआईआर भी दर्ज है।

23 दिसंबर को ईडी ने की थी सर्चिंग

ईडी के अनुसार यह संपत्ति नितिन शंभू कुमार कासलीवाल और उनके परिवार के स्वामित्व में थी। नितिन कासलीवाल मेसर्स एस। कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर रह चुके हैं। उन पर भारतीय बैंकों के एक कंसोर्टियम के साथ करीब 1400 करोड़ की धोखाधड़ी करने का आरोप है, जिसे लेकर कई एफआईआर दर्ज हैं। जांच के दौरान ईडी ने 23 दिसंबर 2025 को पीएमएलए 2002 की धारा 17 के अंतर्गत सर्चिंग की थी। इस छापेमारी के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए।

ईडी की जांच में खुलासा हुआ कि नितिन कासलीवाल ने ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स (बीवीआई), जर्सी और स्विट्जरलैंड जैसे टैक्स हेवन देशों में ट्रस्ट और कंपनियों का एक नेटवर्क खड़ा किया था। जांच में यह भी सामने आया कि उन्होंने 'कैथरीन ट्रस्ट' (पूर्व में सूर्य ट्रस्ट) की स्थापना की थी, जिसमें वे और उनके परिवार के सदस्य मुख्य लाभार्थी थे। यह ट्रस्ट जर्सी और ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स स्थित कंपनी मेसर्स कैथरीन प्रॉपर्टी होल्डिंग लिमिटेड (सीपीएचएल) को कंट्रोल करता था, जिसके माध्यम से लंदन स्थित इस महंगी संपत्ति का स्वामित्व रखा गया था।

ईडी का आरोप है कि नितिन कासलीवाल ने बैंक धोखाधड़ी से प्राप्त धन को विदेशी निवेश के रूप में भारत से बाहर भेजा और फिर विदेशों में अचल संपत्तियां खरीदीं, जिन्हें निजी ट्रस्टों और विदेशी कंपनियों के फ्रेम के जरिए छिपाया गया। अभी इस मामले में और खुलासे होने हैं, जिसकी जांच जारी है।

जम्मू-कश्मीर : कठुआ में आतंकी समर्थकों पर पुलिस का शिकंजा

39 नए अंडरग्राउंड वर्कर की हुई पहचान,18 गिरफ्तार

कठुआ, 1 जनवरी (एजेंसियां)। जिले में आतंक समर्थकों पर पुलिस ने कड़ा शिकंजा कसा है। जिले में 39 नए ओजी वर्करों की पहचान की गई है। इनमें से पुलिस ने 18 को गिरफ्तार कर पीएसए लगाकर विभिन्न जिलों की जेलों में भेज दिया है। उक्त जानकारी एसएसपी मोहिता शर्मा ने पत्रकार वार्ता में दी। एसएसपी मोहिता ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ पुलिस जीरो टॉलरेंस पर काम करेगी। साथ ही यह भी कहा कि नववर्ष और आगामी गणतंत्र दिवस को लेकर पुलिस हाई अलर्ट पर है। आतंकवाद और इससे जुड़ी घटनाओं की चुनौती हमेशा से बनी रहती है, जिससे निपटने के लिए पुलिस मुस्तैद है। हर मोर्चे पर पुलिस दूसरी एजेंसियों से मिलकर सतर्क है।

हालांकि, किसी तरह की सीमा पार से कोई घुसपैठ या किसी तरह के हमले को लेकर कोई विशिष्ट इनपुट नहीं है।

एसएसपी ने जानकारी दी कि बीते वर्ष पुलिस ने सीमा पार से आतंकियों द्वारा हथियार और नशा भेजने के बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया है। इसमें 400 ग्राम हेरोइन, तीन बुलेट के साथ 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया। यह रैकेट पंजाब से लेकर जम्मू तक चल रहा था। एसएसपी ने दावा किया कि बीते वर्ष अपराध के दर्ज होने वाले मामलों में पुलिस ने इन्हें हल करने में 80 फीसदी कामयाबी पाई है, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में काफी अच्छा परिणाम है। हमारा मकसद है कि नए वर्ष में भी इसे और बेहतर किया जाए।

25 गैंगस्टरों की हिस्ट्रीशीट खोली गई

सालभर का लेखा जोखा साझा करते हुए एसएसपी ने जानकारी दी कि बीते वर्ष जिले में आतंकवाद से संबंधित 4 एफआइआर दर्ज हुई हैं। इसमें 2 आतंकी मारे गए, जबकि 7 आतंकी समर्थकों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि 7 गैंगस्टर को पकड़ा गया,जबकि 25 गैंगस्टरों की हिस्ट्रीशीट खोली गई है। इनकी बेनामी संपत्तियों जब्त करने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके अलावा पुलिस ने नशा तस्करी, खनन और पशु तस्करी पर भी कड़ी कार्रवाई की है। जिले में 118 पशु तस्करों को गिरफ्तार किया गया। 2 हजार इनके चंगुल से छुड़ाया गया। तस्करी में इस्तेमाल किए जाने वाले 100 वाहनों को जब्त कर इनका पंजीकरण रद करने की सिफारिश भी की गई है। नशा तस्करी के 128 एफआइआर दर्ज की गई। इसमें 158 गिरफ्तार किए गए हैं।

11 तस्करों की 3 करोड़ की संपत्ति जब्त की गई। 37 लोगों पर पीएसए लगाया गया। इनमें 12 नशा तस्कर शामिल हैं। खनन में इस्तेमाल 600 वाहन भी जब्त किए गए हैं। इनसे डेढ़ करोड़ जुर्माना वसूला गया है। साइबर अपराध के मामलों में 4 करोड़ रुपये की रिकवरी कर पीड़ितों को लौटाई गई है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

जहाँ प्रेम नहीं, वहाँ शान्ति नहीं हो सकती। जहाँ पवित्रता नहीं, वहाँ प्रेम नहीं हो सकता।

वृद्धाश्रमों से मुक्त समाज का निर्माण होना आवश्यक : वी.सी. सज्जनार

> पुलिस अधिकारियों के साथ वृद्धाश्रम में मनाया नववर्ष

> अभिनेत्री पावला श्यामला से मुलाकात, एसीपी रमेश की सराहना

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नववर्ष को दिखावे से दूर, सेवा भाव के साथ मनाने के संकल्प के तहत हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने गुरुवार को सादगीपूर्ण ढंग से नववर्ष मनाया।

इस अवसर पर उन्होंने अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर कारखाना स्थित आरके फाउंडेशन द्वारा संचालित वृद्धाश्रम एवं हेल्थ केयर सेंटर का दौरा किया। आश्रम में रह रहे 48 बुजुर्गों को पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर फल व मिठाइयाँ वितरित की गईं।

सीपी ने बुजुर्गों का हालचाल जाना और उनके साथ आत्मीय समय बिताया। केक काटकर सभी को नववर्ष की शुभकामनाएँ दीं। करीब एक माह पूर्व अस्वस्थ वरिष्ठ अभिनेत्री पावला श्यामला

को तिरुमलगिरी एसीपी रमेश की पहल पर आरके फाउंडेशन हेल्थ केयर सेंटर में भर्ती कराया गया था। इस जानकारी पर सीपी सज्जनार ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाने वाले एसीपी रमेश की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने आश्रम में उपचाररत पावला श्यामला से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी भी ली। इस अवसर पर सीपी ने कहा कि पिछले 18 वर्षों से लगभग 15 हजार लोगों को निःशुल्क चिकित्सा सेवाएँ प्रदान कर रहे आरके फाउंडेशन के संचालक डॉ. रामकृष्ण सराहना के पात्र हैं। सीपी सज्जनार ने स्पष्ट किया कि माता-पिता की देखभाल करना संतान का कर्तव्य है। आधुनिक जीवनशैली और कामकाज के दबाव का बहाना बनाकर माता-पिता को वृद्धाश्रमों तक सीमित करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने हमें पाल-पोसकर बड़ा किया, उनके त्याग को नहीं भूलना चाहिए।

वृद्धावस्था में माता-पिता को संपत्ति नहीं, बल्कि बच्चों का स्नेह चाहिए। उन्होंने वृद्धाश्रमों से मुक्त समाज की कामना करते हुए अपील की कि माता-पिता को बोझ नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और ईश्वर स्वरूप मानकर उनकी सेवा की जाए।

कार्यक्रम में नॉर्थ जोन डीसीपी रश्मि पेरुमल, अतिरिक्त डीसीपी अशोक, तिरुमलगिरी एसीपी रमेश, कारखाना इंस्पेक्टर अनुराधा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नव वर्ष की पार्टी में बिरयानी खाने से युवक की मौत 15 लोग बीमार

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार रात जगतगिरिगुट्टा इलाके में नव वर्ष की पार्टी के दौरान कथित तौर पर बिरयानी खाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 15 अन्य लोग बीमार पड़ गए।

जानकारी के अनुसार, जगतगिरिगुट्टा के भवानीनगर निवासी पांडु ने स्थानीय स्तर पर आयोजित एक पार्टी में बिरयानी खाई थी। खाना खाने के कुछ देर बाद उसे उल्टियां होने लगीं और वह बेहोश हो गया। दोस्तों ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, बिरयानी खाने वाले 15 अन्य लोगों की भी तबीयत बिगड़ गई। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक तौर पर खाद्य विषाक्तता की आशंका जताई जा रही है।

तीन नगर निगमों के गठन की तैयारी जनवरी में अधिसूचना संभव

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नगर प्रशासन और शहरी विकास प्राधिकरण राज्य में तीन नए नागरिक निकायों को अंतिम रूप देने में जुटा है। अधिकारियों के अनुसार इनकी घोषणा जनवरी के अंत तक किए जाने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावों के तहत नगर निकायों को या तो प्रत्येक नगर निगम में 100 वार्डों में या एक निगम में 150 वार्डों और दो निगमों में 75-75 वार्डों में विभाजित करने पर विचार किया जा रहा है। जीएचएमसी के सूत्रों के अनुसार, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम को तीन नगर निगमों में विभाजित किया जा सकता है। एक अधिकारी ने बताया कि 300 वार्डों की भौगोलिक जानकारी और प्रत्येक वार्ड के नक्शे पहले ही जमा कर दिए गए हैं।

सूत्रों का कहना है कि राज्य सरकार ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम, ग्रेटर सिकंदराबाद नगर निगम और ग्रेटर साइबराबाद नगर निगम को 100-100 वार्डों के साथ बनाए रखने की योजना पर विचार कर रही है, हालांकि इस पर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। तीन नगर निगमों के गठन के बाद प्रत्येक निगम के लिए एक-एक महापौर होगा। हर निगम में 20 सर्कल और पांच जोन होंगे, जबकि प्रत्येक जोन में चार सर्कल शामिल होंगे। प्रत्येक नगर निगम के लिए सचिव स्तर के आईएएस अधिकारी को आयुक्त नियुक्त किया जाएगा। प्रक्रिया पूरी होने के बाद जनवरी में अंतिम अधिसूचना जारी होने की संभावना है, जबकि नगर निगम चुनाव अप्रैल-मई में कराए जा सकते हैं। जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने बताया कि नए पुलिस आयुक्तों की घोषणा के बाद अब 300 वार्डों के आधार पर तीन नगर निगमों की घोषणा भी की जा सकती है।

85वीं नुमाइश शुरू, बिजली कनेक्शन की कमी से व्यापारियों को परेशानी

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 85वीं अखिल भारतीय औद्योगिक प्रदर्शनी (एआईआईई), जिसे नुमाइश के नाम से जाना जाता है, गुरुवार को खराब शुरुआत के साथ शुरू हुई। प्रबंधन कई स्टॉलों में बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराने में विफल रहा, जिससे व्यापारियों को अंधेरे में अपना कारोबार चलाना पड़ा। स्टॉलों के बाहर की सड़क स्ट्रीट लाइटों से जगमगा रही थी, लेकिन स्टॉलों के अंदर अंधेरा था।

उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क ने अन्य अधिकारियों और प्रदर्शनी समिति के सदस्यों की उपस्थिति में वार्षिक नुमाइश का उद्घाटन किया। यह प्रदर्शनी पहली बार 1938 में बाग-ए-आम में शुरू हुई थी और 1948 में वर्तमान स्थान पर आ गई। दशकों से यह आयोजन स्थानीय और पड़ोसी जिलों के लोगों के लिए लोकप्रिय दर्शनीय स्थल बन चुका है। व्यापारियों ने बताया कि उन्होंने स्टॉलों के लिए पर्याप्त भुगतान किया था, लेकिन समिति स्टॉलों में बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराने और संबंधित विभाग के साथ समन्वय करने में विफल रही।

नव वर्ष की पूर्व संध्या पर ईगल फोर्स की कार्रवाई

> 4 डीजे समेत 5 नशेड़ी हिरासत में

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस की ईगल फोर्स टीम ने नव वर्ष की पूर्व संध्या पर चलाए गए विशेष निरीक्षण अभियान के दौरान नारकोटिक्स स्क्रीनिंग में पॉजिटिव पाए जाने पर चार डिस्क जॉकी (डीजे) समेत पांच लोगों को हिरासत में लिया है। ईगल फोर्स की 15 टीमों और आबकारी विभाग की आठ टीमों ने देर रात से तड़के तक शहर में अचानक निरीक्षण अभियान चलाया।

टीजी-ईगल फोर्स के निदेशक संदीप शांडिल्य ने बताया कि मौके पर ही नशीले पदार्थों की पहचान के लिए उन्नत तकनीक का इस्तेमाल किया गया। एबॉट यूरिन टेस्टिंग किट, जर्मनी निर्मित ड्रेगर सलाइवा किट और सोटोक्सा सलाइवा किट के माध्यम से 51 संदिग्धों की जांच की गई, जिनमें से चार लोग प्रतिबंधित पदार्थों के सेवन में पॉजिटिव पाए गए। उन्होंने बताया कि प्रवर्तन टीमों ने शहर के प्रमुख चौराहों पर वाहन जांच भी की। इस दौरान 38 लोगों की स्क्रीनिंग की गई, जिनमें से एक व्यक्ति में नशीली दवाओं के सेवन की पुष्टि हुई। उसे भी हिरासत में ले लिया गया।

नव वर्ष के उत्सव से पहले ईगल फोर्स ने पार्टी में शामिल होने वालों को चेतावनी दी थी कि वे संगीत कार्यक्रमों या मनोरंजन की आड़ में नशीली दवाओं की संस्कृति से दूर रहें। इसके अलावा, ईगल फोर्स ने पब, रिसॉर्ट, इवेंट आयोजकों और डीजे सहित 500 से अधिक प्रतिष्ठानों को दिशानिर्देश जारी किए थे। इनमें स्पष्ट किया गया था कि यदि नए साल के जश्न के दौरान उनके परिसरों में नशीले पदार्थों की आपूर्ति या सेवन की अनुमति दी गई तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

तेलंगाना जेल विभाग की नव वर्ष डायरी और कैलेंडर का अनावरण

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को तेलंगाना सचिवालय में तेलंगाना जेल विभाग की नव वर्ष डायरी और कैलेंडर का अनावरण किया। जेल एवं सुधार सेवा की महानिदेशक सौम्या मिश्रा और अन्य अधिकारी बैठक में उपस्थित थे। जेल डायरी में विभाग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी संकलित की गई है और इसे तेलंगाना जेल और सुधार सेवा के अधिकारियों ने तैयार किया है। सौम्या मिश्रा ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री को नव वर्ष की शुभकामनाएं भी दीं।

2028 में केसीआर को फिर मुख्यमंत्री बनाना ही बीआरएस का लक्ष्य : केटी रामाराव

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि पार्टी का एकमात्र उद्देश्य वर्ष 2028 में पार्टी प्रमुख के. चंद्रशेखर राव को दोबारा मुख्यमंत्री के रूप में देखना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा के संयुक्त हमलों के बावजूद कार्यकर्ताओं को लक्ष्य पर केंद्रित रहना चाहिए और अस्थायी असफलताओं से निराश नहीं होना चाहिए।

गुरुवार को तेलंगाना भवन में बीआरएस की नव वर्ष डायरी और कैलेंडर का अनावरण करते हुए तथा तेलंगाना के लोगों को नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए रामाराव ने कहा कि पिछले दो वर्षों में कांग्रेस शासन के दौरान लोगों का जीवन स्तर और खराब हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य पिछड़ेपन की ओर बढ़ रहा है और अविभाजित आंध्र प्रदेश के दौर की

समस्याएं फिर से सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि कड़ाके की ठंड के बावजूद किसान कई दिनों से यूरिया के लिए लंबी कतारों में खड़े हैं। कांग्रेस सरकार द्वारा चुनावी वादों को पूरा न किए जाने के कारण आम लोगों का जीवन बीआरएस से पहले की स्थिति में लौट गया है।

तेलंगाना राज्य स्थापना आंदोलन को याद करते हुए केटी रामाराव ने कहा कि बीआरएस शासन के दौरान विकास और कल्याण के दस वर्षों ने राज्य के इतिहास पर अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक साजिशों और हमलों के बावजूद, जब तक बीआरएस को जनता का समर्थन मिलता रहेगा, पार्टी को कमजोर नहीं किया जा सकता।

उन्होंने दोहराया कि तेलंगाना के हितों की रक्षा और लोगों के कल्याण को सुनिश्चित करने वाली एकमात्र पार्टी बीआरएस है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि जीत और हार अस्थायी होती हैं, लेकिन केसीआर का स्थान जनता के दिलों में स्थायी है। साथ ही उन्होंने घोषणा की कि बीआरएस कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष जारी रखेगी और 2026 में संगठन को मजबूत करने पर विशेष ध्यान देगी।

हैदराबाद में कुछ क्षेत्रों में 3 और 4 जनवरी को पानी की आपूर्ति प्रभावित रहेगी

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के कई हिस्सों में 3 जनवरी सुबह 10 बजे से 4 जनवरी सुबह 4 बजे तक पानी की आपूर्ति प्रभावित रहेगी। इस दौरान पानी का दबाव कम रहेगा या कुछ क्षेत्रों में पानी नहीं मिलेगा। एचएमडब्ल्यूएसएसबी ने बताया कि कृष्णा फेज-III में भारी रिसाव की मरम्मत और टीएस ट्रांसको के रखरखाव कार्यों के कारण शटडाउन किया गया है। इसमें 132 केवी एसएस कंडी में 132 केवी पेद्दापुर फीडर का एमआरटी परीक्षण, हॉटलाइन शिकायतों का समाधान और सामान्य रखरखाव शामिल है।

प्रभावित क्षेत्रों में माधापुर, कोंडापुर, डोयेन्स सेक्शन, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, भरत नगर, मूसापेट, गायत्री नगर, बालानगर, केपीएचबी, बालाजी नगर के कुछ हिस्से, फतेहनगर, गोपाल नगर, हफीजपेट, मयूरी नगर, मियापुर, प्रगति नगर, मायटास, बीएचईएल, एमआईजी-I और II, रेल विहार, एचसीयू और चंदनगर शामिल हैं।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-North-WAT-52-2025
दिनांक : 24.12.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के वरिष्ठ मण्डल अभियंता/ उत्तर के अधिकार क्षेत्र के अधिन गुमड़ा एवं डुमुरीपुट में लंबी लूप लाइन के पास रास्ते बनाने का प्रावधान।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 1,64,31,818.95, **EMD :** ₹ 2,32,200.00, **कार्य पूरा होने की अवधि:** 06 (छह) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 20.01.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-961/Q/25-26

एमएलसी गतिरोध जारी रहने से अजहरुद्दीन के भविष्य पर सस्पेंस

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अल्पसंख्यक कल्याण एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन के राजनीतिक भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। उन्हें 30 अप्रैल, 2026 तक राज्य विधानमंडल के किसी एक सदन की सदस्यता हासिल करनी होगी, अन्यथा उन्हें मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना पड़ेगा।

अजहरुद्दीन को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाना अपने आप में असामान्य था। 31 अक्टूबर, 2025 को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने एक रणनीतिक कदम के तहत पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान को राज्य मंत्रिमंडल में शामिल किया। इसका मुख्य उद्देश्य सरकार में अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना और जुबली हिल्स उपचुनाव को प्रभावित करना था। हालांकि, संविधान के अनुच्छेद 164(4) के अनुसार, जो व्यक्ति विधानमंडल का सदस्य नहीं है, उसे मंत्री नियुक्ति के छह महीने के भीतर किसी एक सदन का सदस्य बनना अनिवार्य है।

अजहरुद्दीन के लिए यह समय-सीमा अप्रैल 2026 में समाप्त हो रही है। जुबली हिल्स उपचुनाव के दौरान, अजहरुद्दीन को बिना किसी सदन के सदस्य बने जल्दबाजी में मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था। दरअसल, कांग्रेस सरकार ने उन्हें राज्यपाल कोटे से एमएलसी के रूप में समायोजित करने की योजना बनाई थी। लेकिन यह मामला कानूनी जटिलताओं में फंस गया। सत्ता में आने के बाद सरकार ने प्रोफेसर कोदंडाराम और वरिष्ठ पत्रकार आमेर अली खान को राज्यपाल कोटे से एमएलसी नामित किया। इन नियुक्तियों को विपक्षी बीआरएस ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जिसके बाद अदालत ने इन्हें रद्द कर दिया और अंतिम फैसले तक किसी भी नई नियुक्ति पर रोक लगा दी।

इसके बाद 30 अगस्त को मंत्रिमंडल ने राज्यपाल को एक प्रस्ताव भेजकर प्रोफेसर कोदंडाराम और अजहरुद्दीन को एमएलसी नामित करने की सिफारिश की। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम निर्देश के चलते, दोनों को शपथ नहीं दिलाई जा सकी। वर्तमान में विधान परिषद में कोई रिक्ति नहीं है, और अगली तीन एमएलसी सीटें नवंबर 2026 में ही खाली होंगी। ऐसे में अजहरुद्दीन के पास विकल्प सीमित हैं। यदि एमएलसी कविता का इस्तीफा स्वीकार भी कर लिया जाता है, तो उनकी सीट-जो निजामाबाद की स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्र से है-स्थानीय निकाय चुनाव कराए बिना भरी नहीं जा सकती। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला ही अजहरुद्दीन के मंत्री बने रहने का एकमात्र व्यवहार्य रास्ता है। कांग्रेस नेताओं के बारे में बताया जा रहा है कि वे अनिश्चितता समाप्त करने के लिए शीर्ष अदालत से शीघ्र स्पष्टीकरण या राहत मांगने की संभावना तलाश रहे हैं।

लोक भवन में नववर्ष का ओपन हाउस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने आज लोक भवन में नववर्ष 2026 के अवसर पर ओपन हाउस समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर राज्य के विभिन्न वर्गों के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे और राज्यपाल से भेंट कर नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। समारोह में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, कई कैबिनेट मंत्री, गणमान्य नागरिक तथा वरिष्ठ नौकरशाह शामिल हुए।

उपस्थित अतिथियों ने एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं और सौहार्दपूर्ण वातावरण में कार्यक्रम संपन्न हुआ। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने प्रदेशवासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी के लिए स्वस्थ, सुखी, सुरक्षित और समृद्ध वर्ष की कामना की। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव एम. दाना किशोर सहित लोक भवन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

आर एंड बी विभाग मेरे लिए परिवार की तरह : कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सड़क एवं भवन (आर एंड बी) तथा सिनेमाटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि आर एंड बी विभाग के इंजीनियर और कर्मचारी उनके लिए परिवार के सदस्यों के समान हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि विभाग से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए कर्मचारियों को उनसे मिलने हेतु किसी विशेष अपॉइंटमेंट की आवश्यकता नहीं है। नववर्ष 2026 के अवसर पर गुरुवार को एर्रामंजिल स्थित आर एंड बी मुख्यालय में विभाग की डायरी और कैलेंडर का भव्य रूप से विमोचन किया गया।

मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। कर्मचारियों के साथ केक काटकर नववर्ष समारोह में भाग लिया और सहपंक्ति भोज भी किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि नए साल के पहले ही दिन संपूर्ण तकनीकी जानकारी और विभागीय दिशानिर्देशों से युक्त डायरी का विमोचन उनके लंबे राजनीतिक जीवन में पहली बार हुआ है। उन्होंने इसे इंजीनियरों और कर्मचारियों के लिए उपयोगी मार्गदर्शक बताया। मंत्री ने घोषणा की कि नए वर्ष में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त ऑडिटोरियम का निर्माण किया जाएगा और फील्ड में कार्यरत सहायक अभियंताओं (एई) को

लैपटॉप उपलब्ध कराए जाएंगे। मंत्री ने बताया कि विभाग में अधिकांश पदोन्नतियां पहले ही दी जा चुकी हैं और शेष लंबित मुद्दों का समाधान मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से चर्चा कर शीघ्र किया जाएगा। राज्य के विकास में आर एंड बी विभाग की अहम भूमिका बताते हुए उन्होंने कहा कि कॉलेजों, अस्पतालों, हाईकोर्ट, जिला न्यायालयों, कलेक्टरेटों सहित लगभग 60 हजार करोड़ रुपये मूल्य की डबल लेन, फोर लेन और सिक्स लेन सड़कों का निर्माण विभाग के अंतर्गत किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 11,399 करोड़ रुपये की लागत वाली एचएएम सड़कों की परियोजनाओं को शीघ्र गति देने के लिए मुख्यमंत्री से विशेष चर्चा की जाएगी। साथ ही, रीजनल रिंग रोड के समानांतर ग्रामीण सड़कों के विकास से उद्योगों और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मंत्री ने कहा कि ग्लोबल समिट के मंच पर पहली बार आर एंड बी रोड पॉलिसी का विमोचन किया गया, जो विभाग की दूरदृष्टि को दर्शाता है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से अपने संपर्कों का उल्लेख करते हुए मंत्री ने बताया कि पिछले दो वर्षों में 2,000 करोड़ रुपये के सीआरआईएफ फंड प्राप्त किए गए हैं। उन्होंने कर्मचारियों से निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ कार्य कर राइजिंग तेलंगाना के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया। मंत्री ने बताया कि एई से एईई तक 38, एईई से डीईई 118, डीईई से ईई 72, ईई से एसई 29, एसई से सीई 5 और सीई से ईएनसी 3 पदोन्नतियां दी गई हैं। इसके अलावा 153 एईई, 38 एई और 60 जेटीओ की नियुक्तियां भी की गई हैं।

आंध्र प्रदेश विभाजन से जुड़ी लंबित वरिष्ठता संबंधी समस्याओं के समाधान और रिक्त 265 एईई व एई पदों की शीघ्र भर्ती का भी आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम में ईएनसी मोहन नायक, जय भारती, कई मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, कार्यकारी अभियंता, आर एंड बी इंजीनियर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे। इससे पूर्व, 1 जनवरी 2026 को मंत्री कोमटी रेड्डी वेंकट रेड्डी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव से भेंट कर उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने मेडाराम जातरा पर आधारित अपनी पुस्तक सम्मक्का- द ग्लोरी ऑफ मेडाराम का विमोचन भी किया। मंत्री ने इसे नववर्ष में प्रेरणा लेने का महत्वपूर्ण अवसर बताया और राज्यवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद के लोक भवन, हैदराबाद में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से मुलाकात की और उन्हें नए साल की शुभकामनाएं दीं।

गुरु नानक विश्वविद्यालय में छात्र की कथित आत्महत्या, परिसर में तनाव

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इब्राहिमपटनम स्थित गुरु नानक विश्वविद्यालय में एक छात्र की कथित आत्महत्या के बाद परिसर में हल्का तनाव व्याप्त हो गया। कुछ छात्र संघ नेताओं ने फर्नीचर और अन्य सामान को नुकसान पहुंचाया। इब्राहिमपटनम के एसीपी केपी राजू ने बताया कि सीएसई पाठ्यक्रम के छात्र अमुंडा राम बुधवार सुबह लगभग 11 बजे अपने छात्रावास के कमरे में गए और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। दोस्तों की शिकायत पर छात्रावास वार्डन ने दरवाजा तोड़कर कमरे में प्रवेश किया और राम को लटका हुआ पाया। घटना की जानकारी मिलते ही कुछ छात्र नेता विश्वविद्यालय परिसर में पहुंचे और उन्होंने फर्नीचर तोड़फोड़ की। पुलिस ने छात्र द्वारा आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए राम का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय अस्पताल के मुर्दाघर भेज दिया है। जांच जारी है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Vineeta Devi, W/o, JC 784560F, Nb Sub, Durgesh Kumar, R/o, Dist : Ambedkar Nagar, U P, changed my name from Vineeta Devi to Kumari Vineeta Devi vide Affidavit No. 284104 dt. 31.12.2025, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.'

I, No. 14671993F, NK, Gite Prashant Pandurang, R/o, Dist: Jalgaon, Maharashtra, changed my Son's name from Pranav to Pranav Prashant Gite, vide Affidavit No 284106 dt. 31.12.2025, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

घूसखोर महिला आईआरएस अफसर एक कॉल से पकड़ी गई

झांसी में सुपरिटेंडेंट बोला- पार्टी ने 70 लाख दे दिए, जबाव मिला- गोल्ड में कनवर्ट करो

झांसी, 1 जनवरी (एजेंसियां)। झांसी में सेंट्रल जीएसटी की डिप्टी कमिश्नर (आईआरएस अफसर) प्रभा भंडारी रिश्वतकांड की मास्टरमाइंड निकलीं। एक फोन कॉल के जरिए उनकी पोल खुली और सीबीआई की टीम ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। दरअसल, सीबीआई ने 70 लाख की घूस लेते जीएसटी के 2 सुपरिटेंडेंट को रंगेहाथ पकड़ा। पूछताछ में दोनों ने बताया कि मास्टरमाइंड मैडम हैं। उनके कहने पर ही डेढ़ करोड़ में डील हुई थी। पहली किस्त के तौर पर 70 लाख रुपए ले रहे थे। ऐसे में सीबीआई अफसरों ने अपने सामने सुपरिटेंडेंट से मैडम को फोन करवाया। दो रिंग जाते ही मैडम ने कॉल उठा ली।

सुपरिटेंडेंट ने कहा- पार्टी से 70 लाख रुपए आ गए। जबाव में प्रभा बोली- बहुत बढ़िया। इस रकम को गोल्ड में कनवर्ट कराकर मुझे दे दो। इस दौरान प्रभा भंडारी दिल्ली में थी। तब एक टीम ने उनको दिल्ली में ही अरेस्ट कर लिया। इस बीच झांसी में बुधवार रात उनके फ्लैट का ताला तोड़कर सीबीआई ने लगभग 4 घंटे तक तलाशी ली। जहां से गोल्ड, कैश और प्रॉपर्टी के कागजात बरामद किए गए। प्रभा भंडारी के पति आर्मी में कर्नल हैं।

सीबीआई टीम ने कार्रवाई के लिए मंगलवार को ही झांसी में डेरा डाल दिया था। टीम को मालूम चला था कि कार्रवाई रोकने की एवज में सेंट्रल जीएसटी अफसर लंबी रिश्वत लेने की फिराक में हैं। इनपुट मिला कि घूस के 70 लाख रुपए अफसरों तक पहुंचने वाले हैं।

सीबीआई की टीम के जाल में अफसर फंस गए। 70 लाख की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ दो सुपरिटेंडेंट अनिल तिवारी और अजय कुमार शर्मा को गिरफ्तार किया। साथ में फर्म के मालिक राजू मंगतानी और वकील नरेश कुमार गुप्ता को भी अरेस्ट किया गया।

सीबीआई ने सुपरिटेंडेंट से पूछताछ की तो बोले- प्रभा भंडारी के कहने पर रिश्वतखोरी का खेल चल रहा था। मैडम ही मास्टरमाइंड हैं। मैडम को ये भी पता है कि आज पहली किस्त के तौर पर 70 लाख मिलने वाले हैं। तब सीबीआई अफसरों ने अपने सामने डिप्टी कमिश्नर को फोन कराया। कॉल को रिकॉर्ड भी किया।

सीबीआई के ट्रैप की पूरी कहानी

12 दिन पहले डिप्टी कमिश्नर ने छापा मारा थाः 19 दिसंबर को डिप्टी कमिश्नर प्रभा भंडारी के नेतृत्व में सेंट्रल जीएसटी की टीम ने झोकन बाग में जय दुर्गा हार्डवेयर फर्म पर छापा मारा था। फर्म पर टैक्स में गड़बड़ी करने का आरोप था। 13 करोड़ की कर वसूली का मामला बन रहा था। टीम यहां से 3 बोरों में कागजात भरकर ले गई थी।

अफसर डेढ़ करोड़ रुपए की डिमांड कर रहे थे

मामले को निपटाने के लिए सेंट्रल जीएसटी अफसर डेढ़ करोड़ रुपए की डिमांड कर रहे थे। इसको लेकर वकील नरेश कुमार गुप्ता के जरिए जय दुर्गा हार्डवेयर का प्रोपराइटर राजू मंगनानी से बातचीत चल रही थी। इनपुट सीबीआई तक पहुंचा। फिर आरोपियों को पकड़ने के लिए जाल बिछाया गया।

बताया जा रहा है कि 12 दिन पहले सेंट्रल जीएसटी ने जय दुर्गा हार्डवेयर फर्म पर छापा मारा था। इस केस को रफा-दफा करने के लिए अफसरों ने डेढ़ करोड़ की घूस मांगी थी। इसकी खबर सीबीआई को लग गई।

तलाशी में 90 लाख रुपए और मिले

इसके बाद सीबीआई ने दिल्ली से प्रभा भंडारी को अरेस्ट किया। उनके घर और अन्य ठिकानों की तलाशी ली गई। 90 लाख रुपए, कई प्रॉपर्टी के दस्तावेज समेत सोने-चांदी के जेवरात बरामद हुए। तीनों आरोपियों के पास से अब तक कुल एक करोड़ 60 लाख रुपए 15 साल से झांसी में तैनात था अनिल तिवारी

फ्लाइट से लाया गया लखनऊ

गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने डिप्टी कमिश्नर प्रभा भंडारी को गाजियाबाद कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें रिमांड पर लिया गया। इसके बाद सीबीआई अफसर उनको लेकर फ्लाइट से लखनऊ पहुंचे। बाकी के चार आरोपियों को झांसी कोर्ट में पेश किया गया। उनको भी लखनऊ ले जाया गया। अब गुरुवार को चारों को लखनऊ सीबीआई कोर्ट में पेश किया।

कैश की बरामदगी हो चुकी है।

सीबीआई टीम सबसे पहले सेवाराम मिल कंपाउंड निवासी अनिल तिवारी के यहां पहुंची। अनिल के यहां महंगे फर्नीचर समेत पूरे घर में लग्जरी वस्तुएं थीं। एक से एक महंगे आइटमों का घर की सजावट में इस्तेमाल हुआ था। सीबीआई को यहां से कई गोपनीय फाइल भी मिली। टीम इसे अपने साथ ले गई। यहां से नकदी भी बरामद हुई। सीबीआई को बताया गया कि अनिल झांसी में करीब ढाई दशक से तैनात हैं। तब से सेंट्रल जीएसटी विभाग जांच एजेंसी की रडार पर था।

कुत्ते और बंदर के बाद अब यूपी में तेंदुओं की नसबंदी

लखनऊ/बिजनौर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में तेंदुओं के लगातार बढ़ते हमले को देखते हुए वन विभाग ने एक खास योजना बनाई है। कुत्तों और बंदरों के बाद अब तेंदुओं की नसबंदी कराई जाएगी। इस पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत बिजोर जिले से होगी। वन विभाग का मानना है कि इस प्रोजेक्ट से मानव-जीव के बीच बढ़ते संघर्ष को रोकने में कामयाबी मिलेगी। दरअसल, प्रदेश के कई जिलों में तेंदुओं के हमले में बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। यही नहीं कई बार तेंदुए इंसानी हिंसा का भी शिकार हो रहे हैं। यह स्थिति एक गंभीर चुनौती बन चुकी है।

इंसानी बस्तियों, खेतों और गांवों में बार-बार तेंदुओं का घुसना आम बात हो गई है। इससे एक तरफ स्थानीय लोगों में दहशत फैल रही है, तो दूसरी तरफ कई बार लोग अपनी सुरक्षा के लिए तेंदुओं पर हमला कर देते हैं, जिससे ये खूबसूरत जंगली बिल्ली प्रजाति भी खतरे में पड़ रही है। इस बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए उत्तर प्रदेश वन विभाग ने एक अनोखी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाली योजना तैयार की है। विभाग अब तेंदुओं की नसबंदी पर काम कर रहा है। इसका मकसद तेंदुओं की अनियंत्रित वंशवृद्धि पर रोक लगाना है, ताकि उनकी आबादी संतुलित रहे और इंसानों पर हमलों की घटनाएं कम हों।

छात्राएं बोलीं- अकेले में बुलाकर गंदे वीडियो चलाता, फिर कपड़ों में हाथ डालकर बैड टच करता

गोरखपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। सरकारी स्कूल के टीचर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि 56 साल का टीचर कक्षा 4-5 में पढ़ने वाली छात्राओं को अश्लील फोटो और वीडियो दिखाता। छात्राओं का आरोप है कि टीचर नवल किशोर (56) उन्हें अपने पास बुलाकर उनके साथ गंदा काम करता है। छात्राओं को अकेले में बुलाकर उनके कपड़ों के अंदर हाथ डालकर बैड टच करता। जब वह ऐसा करने से मना करतीं तो वह पीटने की धमकी देता। कहता अगर किसी से कुछ कहा या ऐसा नहीं करने दिया तो तुम्हें मारेंगे। छात्राओं का कहना है कि जब रोज-रोज टीचर ऐसा करने लगा तो हम लोगों ने अपने मम्मी-पापा को पूरी बात बताई। इसके बाद परिजनों ने 26 दिसंबर को थाने पहुंचकर शिकायत दी। आरोप है कि पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया।

पीड़ित परिवार से मिले कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय

योगी सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

अम्बेडकर नगर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने आज अम्बेडकरनगर पहुंचे। यहां पर सरकार और जिला प्रशासन पर संवेदनहीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि परिवार को आर्थिक सहायता के साथ सरकारी नौकरी देने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जंगलराज चल रहा है। पीड़ितों को न्याय नही मिल रहा है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय आज मृतक बीएलओ सुशीला वर्मा के परिवार से मुलाकात की। अजय राय ने सरकार से मृतक परिवार को सरकारी नौकरी और एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एसआईआर के दबाव में अब तक दो दर्जन बीएलओ की मौत हो चुकी है। जिसमे 5-6 बीएलओ दबाव में आकर आत्महत्या कर चुके है। अजय राय ने टांडा के रसूलपुर मुबारकपुर में मृतक बीएलओ सुशीला वर्मा के परिवार से मुलाकात की और अपनी संवेदना व्यक्त की।

इससे पहले, उन्होंने जिला मुख्यालय पर गायब बेटे की बरामदगी के लिए 40 दिनों से धरने पर बैठे परिजनों से भी मुलाकात की और प्रदेश जंगलराज का आरोप लगाया। अजय राय ने कहा कि इस सरकार में पीड़ितों को न्याय नही मिल रहा है,, बेटे की बरामदगी के लिए धरने पर बैठे परिजन दो बार सीएम से मुलाकात कर चुके है,उसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो पा रही है।

यूपी में बीजेपी विधायक को लोकायुक्त का नोटिस

आय से अधिक संपत्ति का है मामला

महाराजगंज, 1 जनवरी (एजेंसियां)। पनियरा से भाजपा विधायक ज्ञानेंद्र सिंह को आय से अधिक संपत्ति से जुड़े आरोपों के मामले में लोक आयुक्त, उत्तर प्रदेश ने नोटिस जारी किया है। नोटिस में 9 जनवरी तक सभी सूचनाएं निर्धारित प्रारूप में उपलब्ध कराने को कहा गया है। यह कार्रवाई घुघली थाना क्षेत्र के मेदनीपुर नारायन टोला निवासी अजीत सिंह की ओर से लोक आयुक्त में प्रस्तुत परिवाद के आधार पर की गई है।

उत्तर प्रदेश लोक आयुक्त की सचिव डॉ। रीमा बंसल की ओर से जारी पत्र में विधायक से आरोपों के संबंध में विस्तृत जानकारी मांगी है। नोटिस में विधायक को अपने विरुद्ध लगाए गए आरोपों पर स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। साथ ही स्वयं तथा अपने आश्रित परिवार के सदस्यों की पिछले 5 वर्षों की आय के सापेक्ष अर्जित चल-अचल संपत्तियों का पूर्ण विवरण निर्धारित प्रारूप में उपलब्ध कराने को कहा गया है। लोक आयुक्त कार्यालय ने परिवादी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज भी विधायक को उपलब्ध कराए हैं,

ताकि तथ्यों के आधार पर विधायक जवाब दे सकें। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि मांगी गई सभी सूचनाएं 9 जनवरी तक हर हाल में प्रस्तुत की जाएं। इस बारे में जब विधायक से बात कर उनका जवाब जानने की कोशिश की गई तो उनके बेटे निर्भय सिंह ने कहा कि इस मामले में वह कोई बयान नहीं देना चाहते।

नए साल पर दरोगा ने मचाया बवाल: बैरिकेडिंग पर चढ़ाई कार, डीसीपी से बोला- तुम्हें देख लेंगे

लखनऊ, 1 जनवरी (एजेंसियां)। लखनऊ में एक दरोगा ने नए साल पर नशे में धुत हो गया। वह कार लेकर हजरतगंज चौराहे पहुंचा। वहां भीड़ को देखते हुए पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी थी। दरोगा ने आव देखा न ताव, अपनी कार बैरिकेडिंग पर चढ़ा दी। मौके पर पहुंचे सिपाहियों से स्थिति काबू में नहीं आई। डीसीपी को बुलाया गया। वह आए तो दरोगा से सवाल किया। इस पर नशे में धुत दरोगा भड़क गया। उसने डीसीपी से भी नोकझोंक कर डाली। डीसीपी से बोला- तुम्हें देख लेंगे। इसके बाद डीसीपी ने अपनी पहचान बताई तो दरोगा माफी मांगने लगा। हालांकि डीसीपी भी नहीं माने, उसे कोतवाली भेज दिया। 1 जनवरी की रात करीब 12:30 बजे दरोगा नशे की हालत में कार चलाते हुए ट्रैफिक बैरिकेडिंग तोड़ता हुआ आगे बढ़ गया।

नशीले कफ सिरप सिंडिकेट केस में ईडी की जांच तेज

आरोपी विशाल सिंह और विभोर राणा के परिवार को किया तलब

लखनऊ, 1 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में कोडीन युक्त कफ सिरप की अवैध तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग के बड़े सिंडिकेट के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी जांच तेज कर दी है। इस मल्टी-करोड़ के रैकेट में शामिल गिरफ्तार आरोपियों विशाल सिंह और विभोर राणा के परिवार के सदस्यों को ईडी ने तलब किया है। विभाग ने उनके परिजनों को नोटिस जारी कर 5 जनवरी और 8 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया है। ईडी की टीम इन परिवारों से पिछले तीन वर्षों में हुई कमाई के स्रोत, संपत्ति के विवरण और वित्तीय लेन-देन पर सवाल करेगी। जांचकर्ताओं का मानना है कि सिंडिकेट से होने वाली काली कमाई का बड़ा हिस्सा इन परिवारों के माध्यम से निवेश किया गया हो सकता है। इस पूरे मामले का मास्टरमाइंड माने जाने वाले शुभम जायसवाल अब तक फरार है। ईडी ने उसे कई बार नोटिस जारी कर लखनऊ दफ्तर में पेश होने को कहा, लेकिन तीन नोटिस के बावजूद वह पेश नहीं हुआ। सूत्रों के अनुसार, अब ईडी जल्द ही उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवाने की प्रक्रिया शुरू करेगी, ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी तलाश की जा सके। शुभम के दुबई में छिपे होने की आशंका जताई जा रही है। ईडी की टीम वर्तमान में शुभम जायसवाल, बर्खास्त पुलिसकर्मी आलोक सिंह और अमित सिंह टाटा से जुड़ी संपत्तियों को गहराई से खंगाल रही है।

15.17 ग्राम हेरोइन बरामद मौके से महिला समेत 2 तस्कर गिरफ्तार

आरा, 1 जनवरी (एजेंसियां)।भोजपुर में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर हेरोइन के साथ एक महिला समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। दोनों की गिरफ्तारी नवादा थाना क्षेत्र से हुई है। पुलिस ने इनके पास से भारी मात्रा में मादक पदार्थ, नकद और तस्करी से जुड़े अन्य सामान बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में बहीरो मोहल्ला वार्ड संख्या-45 निवासी परदोश पासवान और श्रीटोला वार्ड संख्या-36 निवासी मिथिलेश पासवान की पत्नी रिंकी देवी शामिल है।

तलाशी के दौरान कुल 15.17 ग्राम हेरोइन बरामद किया गया, जिसे 96 पुड़िया में पैक किया गया था।

इसके अलावा छह मोबाइल, 3,750 रुपए कैश, एक रबर बैंड और पुड़िया बनाने में इस्तेमाल कागज भी जब्त किए गए हैं।

नक्सलवाद पर बड़ा वार !

बेगूसराय में 50 हजार का इनामी नक्सली ढेर, दो सहयोगी गिरफ्तार

बेगूसराय, 1 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के बेगूसराय जिले में सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में 50 हजार रुपये का इनामी नक्सली मारा गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मारे गए नक्सली की पहचान प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की उत्तर बिहार केंद्रीय जोनल कमेटी के सचिव दयानंद मलाकार के रूप में हुई है। उसने बताया कि नक्सली के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है। बिहार पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की ओर से जारी बयान में कहा गया, ''14 से अधिक आपराधिक मामलों में वांछित मलाकार उर्फ छोटू बुधवार शाम बेगूसराय के तेघड़ा इलाके में एसटीएफ और जिला पुलिस की संयुक्त टीम के साथ मुठभेड़ में मारा गया।'' बयान के मुताबिक, सूचना के आधार पर सुरक्षाकर्मी उस स्थान पर पहुंचे, जहां मलाकार अपने सहयोगियों के साथ छिपा हुआ था और पुलिस को देखते ही उसने भागने की कोशिश करते हुए गोलीबारी शुरू कर दी। इसमें कहा कि जवाबी कार्रवाई में नक्सली घायल हो गया, जबकि उसके दो सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि मलाकार को नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ में किसी भी सुरक्षाकर्मी के घायल होने की सूचना नहीं है।

हथियार और गोला-बारूद बरामद

पुलिस के अनुसार, घटनास्थल से एक 5।56 एमएम इंसास राइफल, एक देसी पिस्तौल, 25 कारतूस और 15 खोखे बरामद किए गए हैं। बयान में कहा गया कि 50 हजार रुपये का इनामी मलाकार उत्तर बिहार में हुई कई नक्सली वारदातों में संलिप्त था।

चलती ट्रेन में यात्री से पुलिसवालों ने छीना 1.44 करोड़ का सोना, थानाध्यक्ष ही निकला मास्टरमाइंड, भेजा गया जेल

पटना, 1 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के गया में चलती ट्रेन में सोना लूटने वाले जीआरपी के थानाध्यक्ष सहित 4 जवानों पर पटना रेल एसपी ने बड़ी कार्रवाई की है। अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए पहचाने जाने वाले गया जीआरपी थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह आखिरकार खुद सलाखों के पीछे पहुंच गए। 22307 हावड़ा-बीकानेर एक्सप्रेस ट्रेन से सफर कर रहे कारोबारी के स्टाफ से 1 किलो सोना लूट की घटना पिछले 21 नवंबर को हुई थी। इस मामले में गया रेल थाना 29 नवंबर को एफआईआर दर्ज कराई थी। पटना रेल

एसपी के नेतृत्व में गठित जांच टीम ने सीडीआर से यह खुलासा हुआ कि सभी जीआरपी जवान और थानाध्यक्ष की संलिप्तता है। घटना के बाद गया रेल थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह को गिरफ्तार कर रेल कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। सोना लूट मामले की जांच के लिए तीन डीएसपी की एसआईटी टीम बनाई गई। ट्रेन में सफर कर रहे पीड़ित धनंजय शाश्वत से जीआरपी के जवानों ने 1 करोड़ 44 लाख रुपये का 1 किलो सोना मारपीट कर लूट लिया था। गया जंक्शन पहुंचने के पहले ही जीआरपी जवानों ने घटना को अंजाम दिया और फिर उसे टिकट कराकर भेज दिया गया। साथ ही किसी को कुछ नहीं बताने की धमकी भी दी थी। रेल थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह की गिरफ्तारी के बाद संलिप्त 4 जवान करन कुमार, अभिषेक चतुर्वेदी, रणंजय कुमार और आनंद मोहन सहित परवेज आलम और रेल थाना का पूर्व चालक सीताराम फरार है। इनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

मंदिर में प्रेम विवाह के बाद कर ली दूसरी शादी पीड़िता को पुणे में छोड़कर घर भाग आया पति

बांदा, 1 जनवरी (एजेंसियां)। मंदिर में प्रेम विवाह करने के बाद पति विवाहिता को पुणे में छोड़कर बिना बताए घर चला आया। जहां उसने बाद में पहली पत्नी के रहते दूसरी शादी कर ली। पीड़िता ने आरोपित पति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। जरैली कोठी मुहल्ला निवासी 45 वर्षीय नीमा को उसका पड़ोसी गनेश भुर्जी सात साल पहले बहला-फुसलाकर तरह-तरह के प्रलोभन देते हुए लुधियाना पंजाब ले गया था। जहां बाद में उसने मंदिर में शादी कर ली। पीड़ित पत्नी नीमा ने शहर कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि मंदिर में प्रेम विवाह करने के बाद पति उसे आठ माह लुधियाना में रखने के बाद पुणे महाराष्ट्र ले गया और अभी तक अपने साथ बतौर पत्नी की तरह रखे रहा है। दोनों के बीच पति-पत्नी के तरह ही रिश्ते रहे हैं, लेकिन 25 सितंबर 2025 को पति उससे यह कहकर भागकर अपने घर चला आया कि मैं घूमकर आ रहा हूं। पति के माता-पिता के घर से वापस न आने पर वह लौटकर आने का इंतजार करती रही है। उसके जीवित रहते हुए पति ने अपने माता-पिता की सहमति से एक मूकबधिर युवती से शादी कर ली। इसके बाद अब अपने साथ रखने से मना कर दिया। इससे वह बेसहारा हो गयी है। उसकी जिंदगी बर्बाद हो रही है। उसके पास जो भी जेवरात व रुपये थे उन्हे भी चोरी-छिपे अपने साथ पति ले आया है। पति उसके साथ गाली-गलौज, मारपीट करता रहा व खाना नही देता था। कोतवाली निरीक्षक बलराम सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपित पति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।

ससुराल में बेटी की हत्या, सास पहुंची थाने, खोला गहरा राज

पूर्णिया, 1 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक विवाहिता की उसी के ससुराल में हत्या कर दी गई। विवाहिता की मां ने अपने दामाद पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि दामाद का अपनी ही भाभी से अवैध संबंध था। जब मेरी बेटी ने इसका विरोध किया तो उसे जान से ही मार डाला गया। मामला अतरी थानाक्षेत्र के केवटी गांव का है। यहां रहने वाले नीतीश कुमार पर अपनी 25 साल की पत्नी की बेरहमी से हत्या करने का आरोप लगा है।

'आवेदन में जानबूझकर ज्यादा नंबर भरना मानवीय भूल नहीं', इलाहाबाद हाईकोर्ट की बड़ी टिप्पणी

प्रयागराज, 1 जनवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि चयन प्रक्रिया में अनुचित लाभ लेने के लिए भर्ती के आवेदन पत्र में जानबूझकर अधिक अंक भरने से एक अभ्यर्थी की नियुक्ति मौलिक रूप से अवैध हो जाती है। अदालत ने कहा कि इस प्रकार से ऐसे अभ्यर्थी विबंधन के लाभ की मांग नहीं कर सकते क्योंकि प्रारंभ से ही यह नियुक्ति दागदार है। न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने यह निर्णय देते हुए अवधेश कुमार चौधरी और छह अन्य लोगों द्वारा दायर रिट याचिकाएं खारिज कर दीं। कोर्ट ने कहा, "किसी भी तर्क के आधार पर ऐसे कृत्य को महज मानवीय त्रुटि या अनजाने में हुई गलती नहीं माना जा सकता क्योंकि इससे अन्य योग्य उम्मीदवारों की तुलना में अनुचित लाभ मिलता है और चयन प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता प्रभावित होती है।" तथ्यों के मुताबिक, याचिकाकर्ताओं ने सहायक अध्यापकों के पदों के लिए आवेदन किया था और भर्ती परीक्षा, 2019 के परिणाम में सफल घोषित किए गए थे जिसके बाद उन्होंने नियुक्ति के लिए आवेदन किया और कुशीनगर

जिले में उनकी नियुक्ति की गई। कुछ आपत्तियां के चलते याचिकाकर्ताओं को हलफनामा दाखिल करने को कहा गया और उस पर विचार करने के बाद उनके नियुक्ति पत्र बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी किए गए थे। पांच साल काम करने के बाद इनकी सेवाएं नौ मई, 2025 को बेसिक शिक्षा बोर्ड के सचिव द्वारा पारित आदेशों के तहत समाप्त कर दी गईं। आदेश में आवेदन पत्र में अधिक अंक दिखाए जाने को सेवा समाप्ति का आधार बनाया गया।सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के वकील ने दलील दी कि याचिकाकर्ताओं ने हलफनामा के जरिए सही सूचना दी थी और पांच साल तक उनके कामकाज को लेकर कोई शिकायत नहीं की गई। इसलिए बर्खास्तगी का दंड जरूरत से अधिक कठोर है। रिकॉर्ड पर गौर करने के बाद अदालत ने कहा कि कुछ याचिकाकर्ताओं ने अंक बढ़ाकर नहीं दिखाए थे बल्कि अलग प्रारूप में उनका उल्लेख किया गया था जिसे एक वास्तविक गलती माना गया। हालांकि, कुछ याचिकाकर्ताओं ने आवेदन पत्र में अधिक अंक भरे थे। उच्चतम न्यायालय के विभिन्न निर्णयों को आधार बनाते हुए अदालत ने कहा कि अधिक अंक भरने को महज मानवीय त्रुटि नहीं माना जा सकता, बल्कि यह जानबूझकर किया गया कृत्य है जो भर्तियों में योग्यता के आधार पर स्थिति को बदल सकता है।

पहाड़ों पर हिमपात के साथ नए साल का आगाज ऊना में बारिश से किसानों ने ली राहत की सांस

शिमला/धर्मशाला, 1 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में पहाड़ों पर हिमपात के साथ नए साल का आगाज हुआ है। बुधवार को नव वर्ष की पूर्व संध्या पर लाहौल के कोकसर, अटल टनल और मणिमहेश सहित ऊंची चोटियों पर बर्फबारी हुई। बर्फबारी के कारण रोहतांग के लिए वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। गुलाबा से आगे वाहन ले जाने पर पुलिस ने प्रतिबंध लगा दिया है। उधर, मौसम विभाग ने वीरवार और शुक्रवार (एक और 2 जनवरी) को भी पहाड़ी इलाकों में बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है। 3 और 4 जनवरी को मौसम साफ रहेगा, जबकि 5 एवं 6 को फिर मौसम में बदलाव के आसार हैं। लाहौल-स्पीति और कुल्लू के अलावा बुधवार को चंबा और किन्नौर के पर्वतीय क्षेत्रों में भी हिमपात हुआ है। सुबह ऊंची चोटियों पर रुक-रुक कर फाहे गिरे, लेकिन दोपहर होते-होते कोकसर और अटल टनल के दोनों छोर में बर्फबारी का दौर शुरू हो गया। इसी बीच, नया साल मनाने पहुंचे पर्यटकों ने भी यहां हिमपात का आनंद लिया। रोहतांग दर्रा पर 12 सेंटीमीटर, शिंकुला में 15, कुंजुम दर्रा में 15, जांस्कर- समदो में 10, बारालाचा में 20 और कोकसर में 5 सेंटीमीटर ताजा बर्फबारी रिकॉर्ड की गई है। लाहौल घाटी और अटल टनल रोहतांग में बर्फ के फाहे गिरने से पर्यटक रोमांचित हो गए। पर्यटकों ने बर्फबारी का जमकर लुत्फ लिया। जिला चंबा के पांगी की हुडान भटोरी, सुराल भटोरी और अन्य चोटियों व भरमौर की ऊपरी चोटियों कुगति, काली छौ समेत मणिमहेश में हल्का हिमपात हुआ है।

तोतों ने ऐसा क्या खाया? 250 की मौत

पोस्टमार्टम में आंतों में मिली ऐसी 'चीज', वन विभाग भी हैरान

खरगोन, 1 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के नावघाट खेड़ी के आसपास बड़ी संख्या में पक्षियों की मौत से हड़कंप मच गया है। अब तक 250 से अधिक तोते मृत पाए जा चुके हैं, जबकि कबूतर और गौरैया की मौत की भी पुष्टि हुई है। वहीं, इस घटना को लेकर वन विभाग अलर्ट हो गया है। वहीं, पक्षियों का पोस्टमार्टम कराया गया है, जिसकी शुरुआती रिपोर्ट चौंकाने वाली है। शुरुआती पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, तोतों की बड़ी और छोटी आंत में चावल और पत्थर पाए गए हैं। आंतें और लिवर पूरी तरह लाल पाए गए, जो गंभीर आंतरिक संक्रमण की ओर इशारा करता है। डॉक्टरों के मुताबिक, पक्षियों की मौत फूड पॉइजनिंग के कारण हुई हो सकती है। उन्होंने ठंड या किसी संक्रामक बीमारी से मौत की संभावना से इनकार किया है। किसी जहरीले या दूषित खाद्य पदार्थ के सेवन से यह घटना हुई हो सकती है।

जबलपुर-भोपाल भेजे गए सैंपल

पशु चिकित्सकों ने बताया कि उन्हें कबूतर, डायमंड डव और गौरैया के भी मरने की सूचना मिली है। फिलहाल विसरा को सुरक्षित रखकर जांच के लिए जबलपुर और भोपाल की प्रयोगशालाओं में भेजा जा रहा है, ताकि मौत के वास्तविक कारणों की वैज्ञानिक पुष्टि की जा सके। वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी मिल चुकी है और वे पोस्टमार्टम की विस्तृत रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रहे हैं। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

क्या पक्षियों को जहरीला भोजन खिलाया गया?

इस बीच, स्थानीय लोगों ने इस घटना को षड्यंत्र करार दिया है। उन्होंने आशंका जताई कि फलों के बगीचों को नुकसान पहुंचाने वाले तोतों से छुटकारा पाने के लिए जानबूझकर जहरीला भोजन डाला गया हो सकता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि पर्यटकों और आम लोगों के लिए पक्षियों को खिलाने संबंधी स्पष्ट गाइडलाइन जारी की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। फिलहाल पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोग पक्षियों की इस सामूहिक मौत के पीछे की सच्चाई जानने का इंतजार कर रहे हैं।

नए साल के जश्न में नशे की काली छाया डॉक्टर्स और छात्रों को ड्रग्स बेचने वाले गैंग का भंडाफोड़

कोच्चि, 1 जनवरी (एजेंसियां)। केरल पुलिस ने गुरुवार को नए साल के दिन एक बड़े एंटी-नारकोटिक्स ऑपरेशन में एक एमबीबीएस डॉक्टर और एक बीडीएस छात्र सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोग नशे का कारोबार कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि तिरुवनंतपुरम ग्रामीण एसपी को जानकारी मिली थी जिसके बाद अटिंगल और नेदुमंगड ग्रामीण जिला एंटी-नारकोटिक्स स्पेशल एक्शन फोर्स (डांसैफ) की टीमों ने तड़के थोप्पिल, कनियापुरम में एक मकान पर छापा मारकर नशे के काले कारोबार में लिप्त सात लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में दो महिलाएं और एक आईटी प्रोफेशनल भी शामिल हैं। कडिनमकुलम स्टेशन के पुलिस अधिकारी ने बताया, यह गैंग कथित तौर पर बेंगलुरु से एमडीएमए और अन्य सिंथेटिक ड्रग्स की तस्करी करके उन्हें मुख्य रूप से चिकित्सका पेशेवरों और छात्रों को सप्लाई करता था। पुलिस ने बताया कि इस ग्रुप को तीन आदतन अपराधी चला रहे थे। पुलिस ने बताया कि यह ऑपरेशन एक पूर्व में घटी घटना के बाद किया गया, जिसमें संदिग्ध अपनी कार से पुलिस जीप को टक्कर मारकर फरार हो गए थे। नई खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, नारकोटिक्स डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम ने उनके ठिकाने को घेर लिया और सभी सात संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। छापेमारी के दौरान, पुलिस ने चार ग्राम एमडीएमए, 100 ग्राम गांजा और एक ग्राम हाई-क्वालिटी हाइब्रिड गांजा जब्त किया, जिसकी कीमत लगभग 3,000 रुपये प्रति ग्राम है। दो कारें, दो मोटरसाइकिलें और 10 मोबाइल फोन भी जब्त किए गए।

द्रिपल मर्डर से सनसनी, मकान में कारोबारी दंपती समेत 3 की गोली लगने से मौत

मंदसौर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मंदसौर शहर में शाम एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। गोल चौराहे पर स्थित एक मकान के अंदर गोली चलने की आवाज सुनते ही इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मकान के भीतर का नजारा देखकर हर कोई सन्न रह गया। पुलिस जब घर के अंदर दाखिल हुई तो वहां एक महिला और दो पुरुषों के शव पड़े मिले। मृतकों की पहचान मंदसौर के जाने-माने ऑटोमोबाइल और गोल्ड व्यवसायी दिलीप जैन, उनकी पत्नी रेखा जैन और एक अन्य व्यक्ति के रूप में हुई है, जो राजस्थान के निंबाहेड़ा का बताया जा रहा है। घटनास्थल से एक पिस्तौल और एक चाकू भी बरामद किया गया है।

पहले गोली मारने, फिर आत्महत्या की आशंका

पुलिस की शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि तीसरे व्यक्ति ने पहले पति-पत्नी को गोली मारी और फिर पकड़े जाने के डर से खुद को भी गोली मार ली। हालांकि, अभी यह सिर्फ प्रारंभिक अनुमान है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

लेन-देन के विवाद की आशंका

पुलिस का कहना है कि मामला किसी लेन-देन या पैसों के विवाद से जुड़ा हो सकता है। पुलिस मृतकों के आपसी संबंध, आर्थिक लेन-देन और हालिया गतिविधियों की जानकारी जुटा रही है। परिवार और करीबी लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। इस मामले में मंदसौर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना ने बताया कि गोल चौराहे स्थित मकान में फायरिंग की सूचना मिलने पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा था। घर के अंदर 3 शव मिले हैं। मौके से एक पिस्तौल और एक चाकू बरामद किया गया है। मकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

'अगर मैं जिंदा रहा तो लोकसभा में जरूर लौटूंगा', बृजभूषण शरण सिंह ने दिया बड़ा बयान

गोंडा 1 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कैसरगंज के पूर्व सांसद और भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता बृजभूषण शरण सिंह ने दावा किया कि उन्हें लोकसभा से जनता ने नहीं, बल्कि एक साजिश के जरिए हटाया गया। उन्होंने वादा किया कि अगर वे जिंदा रहे, तो जीवन में एक बार फिर लोकसभा में जरूर लौटेंगे। बृजभूषण ने बताया कि उनका कार्यकाल बीच में ही खत्म कर दिया गया और उन्हें अपमानित करके बाहर कर दिया गया। बृजभूषण ने कहा, 'अगर मैं जिंदा रहा, तो लोकसभा में एक बार फिर जरूर जाऊंगा। मैं बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ने की कोशिश करूंगा। अगर पार्टी टिकट नहीं देगी, तो निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ूंगा। लेकिन अगर मैं जिंदा रहा, तो जरूर चुनाव लड़ूंगा।'

यौन उत्पीड़न के आरोपों के दौर को याद करते हुए बृजभूषण ने कहा कि उस समय समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने उनके खिलाफ कोई बयान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की इस बात को वह कभी नहीं भूलेंगे। बृजभूषण ने कहा कि बीएसपी, जेडीयू और आरजेडी के नेताओं ने भी उस समय उनके खिलाफ कोई बयान नहीं दिया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर बोलते हुए बृजभूषण ने कहा कि जब सेना और सनातन धर्म पर सवाल उठाए जाते हैं, तो उन्हें दुख होता है।

बीएमसी चुनाव में रामदास अठावले ने बढ़ाई एकनाथ शिंदे की मुश्किल? सीटों को लेकर रख दी अब यह मांग

मुंबई, 1 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से उनके आवास पर मुलाकात की। इस बैठक का मुख्य मुद्दा मुंबई और ठाणे में होने वाले आगामी नगर निगम चुनाव रहे। रामदास अठावले ने इन चुनावों में अपनी पार्टी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भाजपा–शिवसेना कोटे से अतिरिक्त सीटों की मांग रखी।

सीट बंटवारे को लेकर नाराजगी

इस मुलाकात से एक दिन पहले ही केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने मुंबई नगर निगम चुनावों के सीट-बंटवारे के समझौते से अपनी पार्टी को बाहर रखने पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना के गठबंधन पर निशाना साधते हुए इसे अपनी पार्टी के साथ विश्वासघात करार दिया था। अठावले का कहना था कि गठबंधन में शामिल रहते हुए भी आरपीआई (ए) को नजरअंदाज किया जाना पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए

निराशाजनक है। उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कार्यालय की ओर से जारी बयान में बताया गया कि बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने मुंबई सहित अन्य बड़े नगर निगमों में प्रतिनिधित्व को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं की भावनाओं को सामने रखा। उन्होंने साफ कहा कि यदि आरपीआई (ए) को सम्मानजनक हिस्सेदारी नहीं मिली तो जमीनी स्तर पर गलत संदेश जाएगा।

अतिरिक्त सीटों की औपचारिक मांग

बैठक में रामदास अठावले ने औपचारिक रूप से भाजपा-शिवसेना कोटे से अतिरिक्त सीटें देने का अनुरोध किया, ताकि उनकी पार्टी चुनावों में मजबूती से उतर सके। उनका तर्क था कि दलित और वंचित वर्गों में आरपीआई (ए) की पकड़ है और इसका लाभ गठबंधन को भी मिल सकता है। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री ने प्रमुख सरकारी योजनाओं और प्रशासनिक निकायों में अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को शामिल करने की भी मांग रखी। उनका कहना था कि इससे न सिर्फ कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में भी मदद मिलेगी।

'10-20 रुपये के पाउच में बिक रही अवैध शराब' जबलपुर में 6 महीने में 19 मौतें, रुला देगी अपनों को खोने वाली बुजुर्ग महिला की कहानी

जबलपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में जबलपुर के बाबा टोला और सिंधी कैंप इलाके में शराब ने ऐसा कहर बरपाया कि छह माह के अंदर शराब पीने से 19 लोगों की मौत हो गई। इसे लेकर हाथों में तख्ती और मृतकों के पोस्टर लेकर क्षेत्रीय महिलाएं पुलिस अधीक्षक और कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचीं और शराब बंद करने की मांग की। 19 लोगों की मौत के आरोपों ने प्रशासन और पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इन मौतों के खिलाफ स्थानीय लोगों ने मोर्चा खोल दिया है, जिससे प्रशासन सकते में आ गया है और घर-घर जाकर परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इलाके में 10, 20 और 50 रुपये में पाउचों में अवैध शराब धड़ल्ले से बिक रही है। सरकारी शराब दुकान के अलावा घर-घर में अवैध शराब उपलब्ध है। शराब दुकान में जो शराब 100 रुपये में मिलती है,
वही शराब बाहर 50 रुपये में मिल रही है, जिसने क्षेत्र के पुरुषों को बुरी तरह अपनी गिरफ्त में ले लिया है। मजदूरी और अन्य छोटे-मोटे काम से होने वाली आय का पैसा शराब पर खर्च किया जा रहा है, जिसका खामियाजा पूरे परिवार को भुगतना पड़ रहा है। 19 मौतों के बाद लोगों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। मृतकों की तस्वीरें बैनर पर लगाकर क्षेत्रीय लोगों ने रैली निकाली और शराब दुकान हटाने तथा अवैध शराब की बिक्री पर सख्त रोक लगाने की मांग की। आंदोलन में स्थानीय लोगों के साथ-साथ राजनीतिक दल भी शामिल हो गए हैं। क्षेत्र की महिलाओं ने शराब पीकर मारपीट करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि शराब ने न सिर्फ उनके पति और बेटों की जान ली, बल्कि कई परिवारों का वंश ही खत्म कर दिया है।

टेकऑफ से पहले पायलट ने पी शराब! दिल्ली जाने वाली फ्लाइट में हड़कंप, पुलिस ने रोका

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली कनाडा के वैंकूवर एयरपोर्ट पर एयर इंडिया की दिल्लीआने वाली फ्लाइट में उस समय हड़कंप मच गया जब उड़ान से ठीक पहले एक पायलट को शराब पीने के आरोप में हिरासत में ले लिया गया।

यह घटना 23 दिसंबर को क्रिसमस से ठीक पहले हुई और इसके कारण फ्लाइट में देरी हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वैंकूवर एयरपोर्ट के ड्यूटी-फ्री स्टोर के एक कर्मचारी ने कनाडाई अधिकारियों को अलर्ट किया। उसने या तो पायलट को शराब पीते देखा या खरीदते समय उससे शराब की बदबू महसूस की। इसके बाद अधिकारियों ने पायलट का ब्रेथ एनालाइज़र टेस्ट कराया, जिसमें वह फेल हो गया। तुरंत उसे हिरासत में ले लिया गया।

एयर इंडिया का बयान

एयर इंडिया ने अपने बयान में कहा कि कनाडाई अधिकारियों ने पायलट की ड्यूटी के लिए फिटनेस को लेकर चिंता जताई थी। इसी वजह से उसे उड़ान से हटाया गया और पूछताछ के लिए ले जाया गया। एयरलाइन ने बताया कि सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत दूसरे पायलट को तैनात किया गया, जिससे फ्लाइट में देरी हुई।

यात्रियों से माफी और सख्त नीति

एयर इंडिया ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया और कहा कि कंपनी नियमों के उल्लंघन पर जीरो-टॉलरेंस पॉलिसी अपनाती है। जांच पूरी होने के बाद दोषी पाए जाने पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। एयरलाइन ने दोहराया कि सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

डीजीसीए का कारण बताओ नोटिस

इस घटना के अलावा, डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने एयर इंडिया के एक कॉकपिट क्रू को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। आरोप है कि उन्होंने दिल्ली और टोक्यो के बीच कई उड़ानें ऑपरेट कीं, जबकि नियमों में गंभीर चूक की जानकारी थी। रेगुलेटर ने पायलटों से दो हफ्ते में जवाब मांगा है।

बाथरूम तो गई, लेकिन वापस नहीं आई लड़की, गीजर ने ले ली जान

जालंधर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर के मीठा बाज़ार क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया। उत्तर भारत के राष्ट्रीय प्रमुख शिव सेना नेता दीपक कंबोज के घर उस समय मातम छा गया, जब उनकी 22 साल की बेटी मुनमुन चितवान की अचानक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि नहाते समय बाथरूम में गीज़र की पाइप से गैस लीक हो गई, जिस कारण बेटी को सांस लेने में दिक्कत हुई और वह बेहोश हो गई। परिवार वाले जब तक समझ पाते बहुत देर हो चुकी थी। खास बात यह है कि एक दिन पहले ही नए साल के मौके पर मुनमुन का जन्मदिन था, जिसकी तैयारियां पूरे घर में चल रही थीं, पर खुशियों से भरा यह मौका मातम में बदल गया। मिली जानकारी के मुताबिक, दीपक कंबोज की बेटी मुनमुन चितवान रोज़ाना की तरह घर के बाथरूम में नहाने गई थी।
इस दौरान गीज़र से जुड़ी पाइप में तकनीकी खराबी आ गई और गैस लीक होने लगी। बाथरूम बंद होने के कारण वहां गैस भर गई, जिस कारण बेटी को सांस लेने में मुश्किल हुई और वह बाथरूम में ही बेहोश हो गई। काफी देर तक बाहर न आने पर परिवार वालों ने दरवाज़ा खटखटाया, पर अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। अनहोनी की संभावना देखते हुए दरवाज़ा तोड़ा गया तो बेटी बेहोश हालत में पाई थी। तुरंत परिवार वाले उसे अस्पताल ले गए। पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों की शुरुआती जांच के मुताबिक गैस लीक होने के कारण सांस रुकने के कारण मौत हुई है।

'सिर्फ महिला की मर्जी ही मायने रखती है', पति की सहमति के बिना ही पत्नी करा सकती है गर्भपात, कोर्ट का आदेश

चंडीगढ़, 1 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने महिलाओं के बच्चे को जन्म देने के अधिकारों को लेकर एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि एक विवाहित महिला को गर्भपात कराने के लिए अपने पति की सहमति की कोई आवश्यकता नहीं है। हाईकोर्ट ने कहा कि इस मामले में 'सिर्फ महिला की इच्छा ही मायने रखती है।' यह याचिका पंजाब के फतेहगढ़ साहिब की एक 21 वर्षीय महिला ने दायर की थी। महिला की शादी इसी साल मई में हुई थी, लेकिन पति के साथ उसके संबंध तनावपूर्ण चल रहे हैं। वह उससे अलग रह रही है। इस बीच, वह गर्भवती हो गई और तलाक की कार्यवाही के चलते इस बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती थी। जब उसने गर्भपात की मांग की, तो कानूनी सवाल यह खड़ा हुआ कि क्या इसके लिए उसके अलग रह रहे पति की अनुमति जरूरी है?

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

हाईकोर्ट के आदेश पर पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के डॉक्टरों के एक बोर्ड ने महिला की जांच की। 23 दिसंबर को सौंपी गई रिपोर्ट में बताया गया कि महिला का गर्भ 16 सप्ताह और एक दिन का है। डॉक्टरों ने यह भी बताया कि तलाक की कार्यवाही के कारण महिला पिछले 6 महीनों से गंभीर डिप्रेशन और एंग्जायटी (तनाव) से जूझ रही है। बोर्ड ने उसे गर्भपात के लिए चिकित्सकीय और मानसिक रूप से फिट घोषित किया। जस्टिस सुवीर सहगल की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि एमटीपी (एमटीपी) एक्ट के तहत 20 सप्ताह से कम के गर्भ को गिराने की अनुमति है।
जस्टिस सहगल ने कहा, 'एक विवाहित महिला यह मूल्यांकन करने के लिए सबसे बेहतर जज है कि वह गर्भावस्था को जारी रखना चाहती है या उसे समाप्त करना चाहती है। इसमें सिर्फ उसकी रजामंदी और इच्छा ही मायने रखती है।' कोर्ट ने महिला की याचिका को स्वीकार करते हुए उसे अगले एक सप्ताह के भीतर पीजीआईएमईआर या किसी अन्य अधिकृत अस्पताल में गर्भपात कराने की अनुमति दे दी है।

गैंगस्टर छेनू के करीबी गुर्गे की चाकुओं से गोदकर हत्या

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में गैंगस्टर छेनू के करीबी गुर्गे की चाकू से वारकर हत्या कर दी गई। मृतक की शिनाख्त वसीम (33) के रूप में हुई है। मंगलवार देर रात वसीम किसी काम से बाहर निकला था। इस बीच शास्त्री पार्क फ्लाईओवर लूप के पास बदमाशों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। वसीम पर इसके दो भतीजों शाकिर 26 और इस्लाम उर्फ बार्डर 22 ने ही हमला किया है। उस पर वार करने वाला चाकू भी बरामद कर लिया गया है।

वसीम को नजदीकी जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसको मृत घोषित कर दिया गया। वसीम की पत्नी ने उसके ही भतीजे पर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि वसीम के खिलाफ 20 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। पुलिस रंजिश के अलावा दूसरे एंगल से भी मामले की जांच कर रही है। बुधवार को जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के बाद वसीम का शव परिजनों के हवाले कर दिया गया।

दूषित पानी से मचा हाहाकार, अब तक 13 की मौत, 100 से ज्यादा की हालत गंभीर

इंदौर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में दूषित पानी से मौतों का मामला लगातार बढ़ता जा रहा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अब तक दूषित पानी की वजह से 4 मौतें हो चुकी हैं, लेकिन स्थानीय आंकड़े कुछ और ही हकीकत बयां कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में उल्टी, दस्त और डायरिया की वजह से 6 महीने के बच्चे समेत कुल 13 लोगों की जान जा चुकी है। दूषित पानी को पीने की वजह से 1300 से ज्यादा लोग अभी भी बीमार हैं, जबकि 100 से ज्यादा लोग अलग-अलग अस्पतालों में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। मामले की गंभीरता और इस घटना में होने वाली मौतों को देखते हुए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर पीठ ने सख्त रुख अपनाया है। 2 जनहित याचिकाओं की सुनवाई के बाद कोर्ट ने सरकार से स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। कोर्ट ने नगर निगम और राज्य सरकार को 2 जनवरी तक विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने इस मामले पर कार्रवाई करते हुए अब तक नगर निगम के 2 अधिकारियों को निलंबित कर दिया है जबकि एक अधिकारी को बर्खास्त कर दिया गया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मामले की जांच के लिए एक कमिटी का गठन किया है और कहा है कि रिपोर्ट मिलने के बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि दूषित पानी से प्रभावित इलाके में राहत कार्य तेजी से चल रहे हैं। भागीरथपुरा के 7992 घरों के सर्वे में तकरीबन 40,000 लोगों की जांच की गई है।

स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित क्षेत्र में 21 टीमों को तैनात किया है। इंदौर नगर निगम क्षेत्र के सभी चैंबरों की सफाई की जा रही है और मेन लाइन की जांच की जा चुकी है। इंदौर के अलग-अलग अस्पतालों में दर्जनों मरीज गंभीर हालत में भर्ती हैं, जिनमें से 26 से ज्यादा मरीज आईसीयू में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्थानीय लोग दूषित पानी की समस्या से लंबे समय से परेशान थे लेकिन बार-बार शिकायतों के बावजूद समस्या के निवारण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 2 जनवरी- 2026

मंत्री जी का विवादित बयान

देश का सबसे स्वच्छ शहर होने का तमगा लेने वाले इंदौर के भागीरथपुरा में इन दिनों मातम पसरा है। खबरों के अनुसार अब तक 13 लोगों की गंदा पानी पीने से मौत हो चुकी है। सैकडों लोग अस्पताल में भर्ती हैं। विभागीय मंत्री एवं इंदौर के ही बीजेपी के वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से जब इस बारे में पत्रकार ने सवाल पूछा तो उन्हें इस तरह का सवाल फोटक लगा। 13 घरों की चीत्कार इन्हें घंटा लगता है। आखिर लगेगा भी क्यों नहीं? इन्होंने किसी अपनों को नहीं खोया है। न ही इनके परिवार के लोग जहर मिला हुआ पानी पीते हैं, जिसके पीने से लोग काल के गाल में समां गए। इसके बाद भी उनकी संवेदनहीनता भी देखते व सुनते ही बनती है। इंदौर के भागीरथपुरा में 15 दिनों से डायरिया फैली है। लोग बीमार पड़ रहे हैं और अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं। सरकार की नींद एक बुजुर्ग की मौत के बाद खुली। नगर निगम कैलाश विजयवर्गीय के नगर विकास विभाग मंत्रालय में ही आता है। इसके बाद भी अधिकारी व नेता सब कान में तेल डालकर सोए रहे। किसी के कानों तक भागीरथपुरा की चीख नहीं पहुंची। अब तक 13 मौतें हो गई हैं लेकिन सरकार को पता नहीं है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से इन्हीं खामियों पर सवाल पूछा गया तो वह तिलमिला गए। पहले कहा कि क्या फोकट का सवाल पूछते रहते हो। क्या घंटा हो गया। पत्रकार ने भी मंत्री को मुंहतोड़ जवाब दिया तो वह बिना कुछ बोले आगे बढ़ गए। जब गलती का एहसास हुआ तो एक्स पर माफी मांग ली। उन्होंने लिखा कि मैं और मेरी टीम पिछले दो दिनों से बिना सोए प्रभावित क्षेत्र में लगातार स्थिति सुधारने में जुटी है। दूषित पानी से मेरे लोग पीड़ित हैं और कुछ हमें छोड़कर चले गए, इस गहरे दुःख की अवस्था में मीडिया के एक प्रश्न पर मेरे शब्द गलत निकल गए। इसके लिए मैं खेद प्रकट करता हूं। लेकिन जब तक मेरे लोग पूरी तरह सुरक्षित और स्वस्थ नहीं हो जाते, मैं शांत नहीं बैठूंगा। वहीं, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के कानों तक उस मां की चीत्कार नहीं पहुंच रही होगी, जिसने अपने बच्चे को वह पानी पिलाया जिसकी वजह से उसकी गोद सूनी हो गई। उस पानी का घूंट मंत्री या उनके परिवार के गले से नीचे नहीं उतरा है। उतरता तो शायद उनकी भाषा ऐसी नहीं होती। खुद व परिवार आरओ का पानी पीने वाला है तो इन्हें कैसे पता चलेगा कि उनका विभाग ही लोगों के घरों तक जहरीला पानी कैसे पहुंचा रहा था। बहरहाल, मंत्री जी ने पत्रकार के साथ बदतमीजी की, इसके बाद भागीरथपुरा इलाके का पार्षद वाघेला भी तू-तड़ाक करने लगा। वह यही पार्षद है जो इतनी मौतों के बाद पार्क में झूला झूल रहा था। बता दें कि यह पहली बार नहीं हुआ है, जब कैलाश विजयवर्गीय की जुबान फिसली हो। वह कभी महिलाओं के कपड़े तो कभी राहुल और प्रियंका गांधी के निजी जिंदगी पर टिप्पणी करते रहते हैं। जिस भागीरथपुरा इलाके में लोगों की मौत हुई है, वह कैलाश विजयवर्गीय के विधानसभा क्षेत्र में ही आता है। शहर को देश का जब स्वच्छ शहर का अवॉर्ड मिलता है तो फोटो खींचाने कैलाश विजयवर्गीय ही जाते हैं। इंदौर नगर निगम पर कब्जा भी बीजेपी का ही है। ऐसे में जवाबदेही तो मंत्री कैलाश की ही बनती है।

2026 में भी चांदी चमकती रहेगी: नया साल, नई धारणाएं

स्नेहा सिंह

साल 2026 लग गया है। 2025 का अंतिम दौर चांदी की चमकदार रोशनी में बीता। अब यह चर्चा तेज है कि 2026 में भी चांदी चमकती रहेगी या नहीं? इस साल के गर्भ में क्या छुपा है, यह अभी कहना मुश्किल है, लेकिन 2025 के रुझानों को देखते हुए इतना कहा जा सकता है कि 2026 में भारतीयों के सामने चुनौतियां बढ़ सकती हैं। बीते वर्ष भारत ने युद्ध सहित कई बड़ी चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया। अमेरिका के कड़े टैरिफ को भी हमने झेल लिया। 2026 में ये सारे अनुभव काम आ सकते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के दिनों में यह माना जा रहा था कि अगर युद्ध लंबा चला तो स्थिति रूस-यूक्रेन जैसी हो जाएगी, लेकिन भारत ने ताबड़तोड़ हमलों के जरिए युद्ध के मोर्चे पर शांति स्थापित कर दी। पाकिस्तान जवाबी हमला करने में असफल रहा और यही भारत की जीत थी। युद्ध और चमकदार धातुओं के बीच सीधा संबंध होता है। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव और युद्ध के बाद चांदी के दाम लगातार बढ़ते गए।

आजकल चांदी हर घर में चर्चा का विषय बन गई है। जिसे कभी 'गरीबों का सोना' कहा जाता था, उसे खरीदने के लिए आज हाई नेटवर्थ वाले लोग कतार में खड़े हैं। शुभ अवसरों पर अमीर लोग सोना खरीदते थे, जबकि मध्यमवर्ग चांदी खरीदता था, क्योंकि सोने के मुकाबले चांदी काफी सस्ती होती थी। सोने की कीमत मध्यमवर्ग की पहुंच से बाहर थी। लेकिन 2025 ने यह ट्रेंड बदल दिया। चांदी सोने से भी महंगी हो गई है।

यह कहना गलत होगा कि केवल ज्यादा खरीदारी के कारण चांदी महंगी हुई है। दरअसल, इलेक्ट्रिक कंडक्टर के रूप में चांदी का इस्तेमाल करने वाले उद्योगों की संख्या बढ़ी है, जिससे इसकी मांग में इजाफा हुआ है। कुछ मेडिकल डिवाइसेज में भी चांदी की इलेक्ट्रिक कोटिंग की जाती है।

एक समय था जब एक्स-रे फिल्म धोने के घोल में चांदी का उपयोग होता था। आज चांदी का सबसे अधिक इस्तेमाल सोलर एनर्जी के उपकरणों और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के निर्माण में बड़े पैमाने पर हो रहा है।

सोने की तुलना में चांदी की बाजार कीमत बढ़ाने वाले प्रमुख कारकों में अब सोलर इक्विपमेंट और ईवी कार निर्माता शामिल हो गए हैं। जैसे-जैसे चांदी के दाम बढ़े, वैसे-वैसे बाजार से चांदी लगभग गायब हो गई। चांदी की कीमत ढाई लाख रुपए के पार चली गई थी। बाजार में चांदी खरीदने निकले लोगों को निराश होना पड़ा। पिछली दिवाली, खासकर धनतेरस के दिन, दुकानों में सोने से ज्यादा चांदी की खरीदारी हुई थी। समय की मांग ने चांदी की वैल्यू को पूरी तरह बदल दिया है। अब मध्यमवर्ग न तो सोना और न ही चांदी, दोनों एक साथ खरीद पाने की स्थिति में है, क्योंकि दोनों के दाम उनकी पहुंच से बाहर हो गए हैं। शादियों में होने वाले सोने-चांदी के लेनदेन की जगह अब नकद लेनदेन बढ़ सकता है। वर्षों से सोने के बाद चांदी का नंबर आता रहा है, लेकिन 2025 में चांदी ने सोने को टक्कर देकर आगे निकलने का रुझान दिखाया है, जो 2026 में भी जारी रहने का अनुमान है। 2025 की शुरुआत में किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि चांदी के दाम इस कदर उछलेंगे, लेकिन 2025 के अंत तक चांदी ढाई लाख रुपए को पार कर चुकी थी। जिसे मध्यमवर्ग का सोना कहा जाता था, वही चांदी 2025 के अंत तक मध्यमवर्ग के लिए एक सपने जैसी बन गई।

इस समय चांदी के दाम कुछ गिरे हैं, लेकिन 2,40,000 रुपए की कीमत भी मध्यमवर्ग के लिए सुलभ नहीं है।

अगर 2026 में चांदी के प्रमुख उत्पादक देश, मेक्सिको, पेरू और चीन, उत्पादन में कटौती करते हैं तो चांदी की कीमतों में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। चांदी की खदानें पर्यावरण संबंधी समस्याओं और सरकार द्वारा बनाए

भारत दुनिया की चौथी सबसे बडी अर्थव्यवस्था

अशोक भाटिया

भारत 4.18 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ जापान को पछाड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अगले 2.5 से 3 वर्षों में जर्मनी को पछाड़कर तीसरी रैंक हासिल कर लेगा और 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। यह जानकारी सोमवार को एक आधिकारिक बयान में दी गई। चीन, जो दूसरे से पहले स्थान पर जाना चाहता है, और अद्वितीय संयुक्त राज्य अमेरिका, जो दशकों से नंबर एक पर स्थापित है। एक बार आगे निकलने के बाद ये तीन देश क्यों होते हैं?

अनुमान है कि भारत 2030 तक जर्मनी को भी पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन जाएगा. मजबूत घरेलू खपत और कड़े संरचनात्मक सुधारों के दम पर भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है.वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी 8.2 प्रतिशत बढ़ी, जो पहली तिमाही के 7.8 प्रतिशत और पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के 7.4 प्रतिशत से अधिक है. यह छह तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है, जो वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के बावजूद दर्ज की गई.सरकार ने भरोसा जताया है कि मजबूत आर्थिक नींव के साथ, भारत की जीडीपी 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी. वर्तमान में अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जिसके बाद चीन दूसरे स्थान पर है. वहीं तीसरे पर जर्मनी है.

हम एक महाशक्ति तो बन गए हैं पर वास्तव में, जर्मनी हमारे महाराष्ट्र के बराबर भी नहीं है। अकेले महाराष्ट्र को जनसंख्या और आकार दोनों मोर्चों पर इसे पार करना चाहिए। और उत्तर प्रदेश की तुलना पूरे यूरोप से की जानी चाहिए। वो भी तब होगा जब विकसित भारत का सपना साकार होने की कगार पर होगा। इसलिए हमें जर्मनी के बारे में चिंता करने की कोई बात नहीं है। यानी आप तीसरे स्थान से ज्यादा दूर नहीं होंगे। जबकि हम चार ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर रहे हैं, तीसरे स्थान पर जर्मनी हमसे केवल सवा लाख ट्रिलियन डॉलर आगे है। हम इस अंतर को आसानी से पार कर सकते हैं। इसके बाद चीन 19,000 अरब डॉलर और अमेरिका 31,000 अरब डॉलर की है।

बदसूरत विवरण जो इन संख्याओं की खुशी को परेशान कर सकता है, वह यह है कि जिस देश में हमने पार कर लिया है, जापान के नागरिकों की औसत प्रति व्यक्ति आय लगभग $ 40,000 है, जिस देश के नागरिक हम पार करना चाहते हैं, वे प्रति वर्ष $ 60,000 कमाते हैं, औसत चीनी प्रति वर्ष $ 14,000 कमाता है। एक अमेरिकी नागरिक की औसत वार्षिक आय $ 89,000 है और इस प्रतियोगिता का नेतृत्व करने वाले भारत के नागरिकों की औसत वार्षिक आय $ 2700 है।

यहां तक कि जब आइंस्टीन की प्रतिभा का एक छात्र कक्षा में पहले आता है, तो हमेशा कोई न कोई दूसरे स्थान पर होता है, लेकिन क्या उसे यह दिखावा करना चाहिए कि आइंस्टीन पहले थे और मैं दूसरे स्थान पर था, या क्या नहीं। चूंकि इस सवाल का जवाब नए साल की खुशी को खराब कर देगा, इसलिए दो अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं पर ध्यान देना जरूरी है।

भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट और विदेशी निवेशकों द्वारा भारत सरकार के बॉन्ड की तेजी से बिक्री, वास्तव में, ऐसे समय में जब देश आर्थिक विकास के मामले में चौथे स्थान पर जा रहा है, नए साल के दिन नमक का एक दाना नहीं होता, लेकिन सभी संख्याओं और विवरणों को नियंत्रित नहीं किया गया होता। कोई आयोग नहीं है, न ही उन्हें जनगणना से दूर रखा जा सकता है। इस वास्तविकता ने भारत की आर्थिक प्रगति और एक ही समय में परेशान करने वाली सच्चाई की खबरें भी सामने आईं। इसलिए, इसे ध्यान में रखा जाना चाहिए। इसका कोई इलाज नहीं है। पहला मुद्दा भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों के रिसाव का है। पिछले साल की तुलना में भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में करीब 12 फीसदी की गिरावट आई है। खासकर वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में पहली तिमाही की तुलना में विदेशी पर्यटकों को दूर करना ज्यादा दर्दनाक होता है। पहली तिमाही में 26 लाख विदेशी पर्यटक भारत आए। दूसरी तिमाही में यह संख्या घटकर 16 लाख रह गई। यह कहने की जरूरत नहीं है कि तीसरा बढ़ गया है। लेकिन केवल थोड़ा सा। तिमाही के दौरान भारत में 19 लाख विदेशी पर्यटक आए, लेकिन यह अफसोस का विषय है कि हम कोविड से पहले के समय से पिछड़ रहे हैं।

यह सही है कि घरेलू पर्यटक हमारे पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त हैं। लेकिन विदेशी पर्यटक डॉलर में खर्च करते हैं, और इससे एयरलाइंस से लेकर होटल कंपनियों तक फायदा होता है। विदेशी पर्यटक, इसलिए, अर्थव्यवस्था के आकार और विस्तार के लिए आवश्यक हैं। हालांकि इनकी संख्या बढ़ाने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिली है। इतने बड़े महाद्वीपीय देश में एक साल में हमारे पास आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या मुश्किल से एक करोड़ है। इस पृष्ठभूमि के खिलाफ, यह तथ्य कि दुबई जैसे शहरी देश में, एक वर्ष में भारत से लगभग दोगुना विदेशी पर्यटक भारत आते हैं, चौंकाने वाला है। इसलिए हमें अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए और अधिक प्रयास करने होंगे।

दूसरा मुद्दा भारतीय बॉन्ड में निवेश वापस लेने वाले विदेशी निवेशकों की बढ़ती प्रवृत्ति है. अकेले दिसंबर 2025 को समाप्त होने वाले महीने में, विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से निवेश वापस लेने वाले विदेशी संस्थागत निवेशकों को छोड़कर, भारत सरकार के बॉन्ड के 16 बिलियन डॉलर के बड़े पैमाने पर बाहर निकाले. यह इस तथ्य तक सीमित नहीं है कि गारंटी है। यह 2020 के बाद से सबसे अधिक है कि भारत सरकार के बॉन्ड में निवेश की इतनी बड़ी वापसी का मतलब है कि कोरोना के बाद पर्यटकों की संख्या में गिरावट और एक ही समय में पोस्ट-कोरोना बॉन्ड की बिक्री में वृद्धि दोनों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। निवेशकों के भारत सरकार के बॉन्ड को रखने की तुलना में बेचने के लिए अधिक झुकाव होने का एक मुख्य कारण हमारे रुपये का तेजी से मूल्यह्रास है।सिंगापुर डॉलर के लिए कीमत लगभग 70 रुपये या ब्रिटिश पाउंड के लिए 121 रुपये है।

विदेशी निवेशकों को उन देशों के बांड में निवेश करना अधिक फायदेमंद लगता है जो उनकी अर्थव्यवस्थाओं के मामले में कई गुना छोटे हैं, क्योंकि उनकी अर्थव्यवस्थाएं छोटी हैं, उनके बाजार मजबूत हैं, उनकी मुद्राओं का अच्छा मूल्य है, और उनकी सरकारों की नीतियां पारदर्शी हैं।

वैश्विक अव्यवस्था में भारतीय विवेक की दस्तक

आरके जैन

नववर्ष 2026 के साथ भारत द्वारा ब्रिक्स की अध्यक्षता ग्रहण किया जाना केवल एक कूटनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन में एक निर्णायक संकेत है। ऐसे समय में जब विश्व युद्ध, ध्रुवीकरण, आर्थिक अनिश्चितता और संस्थागत अविश्वास के दौर से गुजर रहा है, भारत की यह भूमिका वैश्विक दक्षिण के लिए आशा और दिशा—दोनों का स्रोत बनकर उभरती है। यह अध्यक्षता भारत को न केवल अपनी नेतृत्व क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर देती है, बल्कि वैश्विक विमर्श को अधिक समावेशी, संतुलित और मानव-केंद्रित बनाने की जिम्मेदारी भी सौंपती है।

ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालते हुए भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि उसका दृष्टिकोण प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि दूरदर्शी और समाधान-उन्मुख है। ब्राजील से प्रतीकात्मक गेवेल प्राप्त करने के साथ भारत ने चार मूल स्तंभों—लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता—पर आधारित एजेंडा सामने रखा है। ये स्तंभ वर्तमान वैश्विक संकटों की जड़ों को संबोधित करते हैं। महामारी, युद्ध, आपूर्ति श्रृंखला बाधाओं और जलवायु आपात स्थितियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बिना लचीली प्रणालियों के कोई भी अर्थव्यवस्था सुरक्षित नहीं रह सकती। भारत इसी अनुभव के आधार पर ब्रिक्स को अधिक सक्षम और अनुकूलनशील मंच के रूप में विकसित करना चाहता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की "मानवता पहले" की सोच इस पूरी अध्यक्षता की वैचारिक रीढ़ है। यह दृष्टिकोण उस पारंपरिक शक्ति-राजनीति से अलग है जिसमें राष्ट्रों के संबंध केवल हितों और प्रभाव के आधार पर तय होते हैं। विस्तारित ब्रिक्स प्लस के दस सदस्य (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, यूएई, इंडोनेशिया) देश भौगोलिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत विविध हैं। ऐसे में भारत की भूमिका एक सेतु-निर्माता की है, जो मतभेदों को टकराव नहीं बल्कि संवाद में बदलने की क्षमता रखता है। वैश्विक दक्षिण की आवाज को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से उठाना भारत की प्राथमिकता रहेगी, ताकि विकासशील देशों की चिंताएं केवल सुनी ही नहीं जाएँ, बल्कि नीति निर्माण का आधार भी बनें।

आज की वैश्विक व्यवस्था व्यापार युद्धों, प्रतिबंधों और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से प्रभावित है। ऐसे माहौल में भारत की संतुलित विदेश नीति विशेष महत्व रखती है। एक ओर वह रूस और चीन के साथ ऊर्जा, व्यापार और डिजिटल अवसंरचना में सहयोग को आगे बढ़ाता है, तो दूसरी ओर पश्चिमी देशों के साथ अपने रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को भी बनाए रखता है। यह बहुस्तरीय कूटनीति भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का प्रमाण है। ब्रिक्स मंच पर इस संतुलन का उपयोग कर भारत यह दिखाना चाहता है कि सहयोग किसी एक ध्रुव के विरोध में नहीं, बल्कि साझा हितों के विस्तार के लिए हो सकता है।

एनडीबी (न्यू डेवलपमेंट बैंक) की भूमिका इस संदर्भ में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। बुनियादी ढांचे, ऊर्जा, परिवहन और सामाजिक विकास से जुड़ी परियोजनाओं में निवेश बढ़ाकर यह बैंक विकासशील देशों को वैकल्पिक वित्तीय सहारा प्रदान करता है।

भारत की अध्यक्षता में बैंक को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाने पर जोर दिया जाएगा। इससे रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को दीर्घकालिक स्थिरता प्राप्त होगी। यह प्रयास वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में संतुलन लाने की दिशा में एक ठोस कदम माना जा सकता है।

जलवायु परिवर्तन आज केवल पर्यावरण का प्रश्न नहीं रह गया है, बल्कि यह विकास, सुरक्षा और सामाजिक न्याय से जुड़ा केंद्रीय मुद्दा बन चुका है। भारत अपनी ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान हरित वित्त, स्वच्छ ऊर्जा और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को प्राथमिकता देगा। पेरिस समझौते की प्रतिबद्धताओं को समय से पहले पूरा करने की दिशा में भारत की प्रगति उसे नैतिक बढ़त प्रदान करती है। यही कारण है कि भारत जलवायु न्याय की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए यह तर्क देता है कि ऐतिहासिक रूप से कम उत्सर्जन करने वाले देशों पर असमान दायित्व नहीं डाला जाना चाहिए। ब्रिक्स मंच इस विमर्श को संस्थागत स्वर देने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

तेजी से विकसित हो रही कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीकों के संदर्भ में भारत एक संतुलित और नैतिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। तकनीक का लाभ सीमित देशों या कॉरपोरेट समूहों तक सिमटने के बजाय समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, यह भारत की सोच का मूल है। ब्रिक्स के भीतर एआई सहयोग, कौशल विकास और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के साझा मॉडल को प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही ब्रिक्स वैक्सीन अनुसंधान एवं विकास केंद्र को सुदृढ़ कर भविष्य की महामारियों के प्रति सामूहिक तैयारी सुनिश्चित करने पर बल दिया जाएगा। "वन अर्थ, वन हेल्थ" का विचार इसी व्यापक मानवतावादी दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करता है।

स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने का भारत का दृष्टिकोण व्यावहारिक और संतुलित है। इसका उद्देश्य किसी एक मुद्रा के वर्चस्व को चुनौती देना नहीं, बल्कि वैश्विक व्यापार को अधिक लचीला और सुरक्षित बनाना है। भारत यह स्पष्ट करता है कि डी-डॉलराइजेशन कोई वैचारिक अभियान नहीं, बल्कि विकल्पों के विस्तार की प्रक्रिया है। इसके साथ ही आईएमएफ और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर भी बल दिया जाएगा, ताकि विकासशील देशों को निर्णय प्रक्रिया में उचित प्रतिनिधित्व मिल सके और वैश्विक शासन अधिक लोकतांत्रिक बन सके।

लोगों से लोगों के संपर्क को सशक्त बनाना भारत की अध्यक्षता का मानवीय पक्ष है। सांस्कृतिक आदान-प्रदान, युवा कार्यक्रम, शैक्षणिक सहयोग, स्टार्टअप नेटवर्क और पर्यटन को बढ़ावा देकर ब्रिक्स को केवल आर्थिक समूह नहीं, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक मंच के रूप में विकसित किया जाएगा। नए सदस्य देशों के समुचित एकीकरण के लिए संस्थागत सुधार आवश्यक होंगे, ताकि निर्णय प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, प्रभावी और सर्वसम्मति आधारित बन सके। इससे ब्रिक्स की आंतरिक एकता और वैश्विक विश्वसनीयता दोनों मजबूत होंगी।

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता 2026 बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह अध्यक्षता यह संदेश देती है कि वैश्विक नेतृत्व का अर्थ प्रभुत्व नहीं, बल्कि साझेदारी, संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व है। सहयोग, नवाचार और सतत विकास के मूल्यों पर आधारित यह दृष्टिकोण वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं को नई आवाज देता है। भारत एक ऐसे जिम्मेदार और दूरदर्शी नेता के रूप में उभरता है, जो न केवल वर्तमान चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करता है, बल्कि भविष्य की अधिक न्यायपूर्ण, संतुलित और मानव-केंद्रित विश्व व्यवस्था की नींव भी रखता है।

जो बोलते नहीं, वही बहुत कुछ रचते हैं

कृति आरके जैन

जब नववर्ष की चकाचौंध पीछे छूट जाती है और उत्सवों का कोलाहल धीरे-धीरे शांत होता है, तब 2 जनवरी की सुबह एक अलग प्रकार का बोध लेकर आती है। यह वह क्षण है जब समय स्वयं धीमा पड़ जाता है और मन भीतर की ओर मुड़ने लगता है। इसी मौन की पृष्ठभूमि में विश्व अंतर्मुखी दिवस अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है — ऐसा दिवस जो बाहरी शोर के विरुद्ध आंतरिक संतुलन की गरिमा को रेखांकित करता है। यह दिन उन व्यक्तित्वों का सम्मान है जिनकी शक्ति प्रदर्शन में नहीं, बल्कि विचार में निवास करती है; जो बोलने से पहले महसूस करते हैं और प्रतिक्रिया से पहले अर्थ खोजते हैं। इस दिवस की परिकल्पना 2011 में जर्मन मनोवैज्ञानिक फेलिसिटास हाइने द्वारा की गई थी, ताकि नववर्ष के सामाजिक दबावों के पश्चात अंतर्मुखी व्यक्तियों को आत्मिक विश्राम का अवसर मिल सके। यह केवल विश्राम का दिन नहीं, बल्कि आत्म-पुनर्संयोजन का अवसर है — जहाँ व्यक्ति फिर से अपनी ऊर्जा को भीतर समेटता है।

मानव व्यक्तित्व का एक बड़ा वर्ग अंतर्मुखी प्रवृत्ति लिए होता है, किंतु सामाजिक ढाँचे बहिर्मुखी अभिव्यक्ति को प्राथमिकता देते हैं। इसी असंतुलन के कारण अनेक शांत स्वभाव वाले लोग स्वयं को अनदेखा अनुभव करते हैं, जबकि उनका योगदान गहराई और स्थायित्व से परिपूर्ण होता है।

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से अंतर्मुखिता मस्तिष्क की विशिष्ट सक्रियता से जुड़ी हुई अवस्था है। ऐसे व्यक्तियों का तंत्रिका तंत्र बाहरी उत्तेजनाओं के प्रति अधिक संवेदनशील होता है, इसलिए वे सीमित वातावरण में अधिक सहज और संतुलित रहते हैं। डोपामिन जैसे रसायनों के प्रति उनकी प्रतिक्रिया भिन्न होती है, जिससे वे आंतरिक शांति और एकांत में मानसिक स्पष्टता अनुभव करते हैं। यही विशेषता उन्हें विचारशील, विश्लेषणात्मक और दूरदर्शी बनाती है। अल्बर्ट आइंस्टीन का यह कथन कि शांत जीवन रचनात्मक चेतना को पोषित करता है, इसी मानसिक संरचना की पुष्टि करता है।

अंतर्मुखी स्वभाव केवल आत्मकेंद्रित प्रवृत्ति नहीं, बल्कि संबंधों को गहराई देने वाली क्षमता है। ऐसे लोग संवाद को शब्दों की मात्रा से नहीं, अर्थ की गुणवत्ता से परखते हैं। वे सुनने को एक कौशल मानते हैं, न कि निष्क्रियता। उनकी मित्रताएँ सीमित हो सकती हैं, किंतु उनमें भरोसे और समझ की गहराई होती है। भावनात्मक स्तर पर वे सूक्ष्म संकेतों को पहचानने में सक्षम होते हैं, जिससे वे मानवीय रिश्तों को स्थायित्व प्रदान करते हैं। यही कारण है कि उनके संबंध प्रायः कम लेकिन मजबूत होते हैं।

नेतृत्व की अवधारणा भी अंतर्मुखिता के साथ नया अर्थ ग्रहण करती है। प्रभावी नेतृत्व सदैव ऊँचे स्वर या प्रभावशाली भाषणों से नहीं उपजता। कई बार वह शांत विवेक, धैर्य और नैतिक स्पष्टता से आकार लेता है। इतिहास साक्षी है कि महात्मा गांधी, बिल गेट्स और बराक ओबामा जैसे व्यक्तित्वों ने बिना आक्रामकता के व्यापक परिवर्तन संभव किए। वे सुनते थे, विचार करते थे और फिर निर्णय लेते थे। उनकी शक्ति आत्मसंयम में थी, न कि प्रदर्शन में।

विश्व अंतर्मुखी दिवस यह भी स्मरण कराता है कि व्यक्तित्व कोई स्थिर खाँचा नहीं होता। अंतर्मुखिता और बहिर्मुखिता एक निरंतर प्रवाह के दो छोर हैं, जिनके बीच अधिकांश लोग स्थित होते हैं। परिस्थितियों के अनुसार व्यक्ति अपने व्यवहार में लचीलापन दिखा सकता है। यही संतुलन जीवन को व्यावहारिक बनाता है। शांत स्वभाव वाले लोग प्रायः जोखिमों का विश्लेषण गहराई से करते हैं, विकल्पों को तौलते हैं और परिणामों पर विचार कर निर्णय लेते हैं। इस प्रवृत्ति के कारण वे दीर्घकालिक स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं।

प्रकृति के साथ उनका संबंध भी विशेष होता है। शांत वातावरण, हरियाली और एकांत उन्हें मानसिक ऊर्जा प्रदान करते हैं। जापान की 'वन-स्नान' जैसी परंपराएँ इस मानसिक संरचना से सामंजस्य रखती हैं, जहाँ प्रकृति के सान्निध्य में मन संतुलित होता है। यह अनुभव बताता है कि अंतर्मुखिता केवल मनोवैज्ञानिक नहीं, बल्कि जीवनशैली से जुड़ा दृष्टिकोण है - ऐसा दृष्टिकोण जो गति नहीं, गहराई को महत्व देता है।

शिक्षा और कार्यक्षेत्र में यदि इस प्रवृत्ति को समझदारी से स्थान दिया जाए, तो सृजनात्मकता का नया आयाम खुल सकता है। कक्षा में शांत बैठा विद्यार्थी अनुत्तरदायी नहीं, बल्कि विचारशील हो सकता है। कार्यालय में कम बोलने वाला कर्मचारी कम सक्रिय नहीं, बल्कि रणनीतिक सोच से परिपूर्ण हो सकता है। जब मूल्यांकन केवल अभिव्यक्ति की तीव्रता पर आधारित होता है, तब चिंतन की गुणवत्ता उपेक्षित रह जाती है। यह दिवस हमें दृष्टिकोण बदलने का आग्रह करता है। विश्व अंतर्मुखी दिवस मौन की उस शक्ति की ओर संकेत करता है जो बिना शोर के परिवर्तन रचती है। यह दिन बताता है कि प्रभाव का अर्थ केवल दिखाई देना नहीं, बल्कि अर्थपूर्ण होना है। अंतर्मुखी व्यक्ति संसार को धीरे-धीरे, भीतर से बदलते हैं — अपने विचारों, मूल्यों और संवेदनशील निर्णयों के माध्यम से। इस दिवस पर हमें न केवल उनका सम्मान करना चाहिए, बल्कि अपने भीतर मौजूद उस शांत चेतना को भी पहचानना चाहिए, जो हमें अधिक संतुलित, विवेकशील और मानवीय बनाती है। क्योंकि अंततः, मौन में ही वह गहराई जन्म लेती है, जिससे सच्चा परिवर्तन संभव होता है।

देशी नस्ल के विदेशी कुत्ते

डॉ. सुरेश कुमार

दिल्ली की ठंडी सुबह थी। सरकारी दफ्तरों में हीटर चल रहे थे, और सारा देश जानना चाहता था कि सरकार जनता के लिए क्या नया करने जा रही है। तभी खबर आई – "विदेश से आवारा कुत्ते मंगाए जा रहे हैं, ताकि अधिकारियों को स्ट्रेस से मुक्ति मिले। वैसे दिल्ली केवल लोगों की ही नहीं कुत्तों की भी राजधानी है।"

मंत्रालय ने प्रेस नोट जारी किया – "देश के विकास के लिए अफसरों का मानसिक स्वास्थ्य बहुत ज़रूरी है। उनके तनाव कम करने के लिए प्रत्येक अधिकारी को एक–एक विदेशी कुत्ता दिया जाएगा। कुत्ता भौंकेगा, तो फाइलें भागेंगी।"

जनता हैरान थी – सड़क पर जो देसी कुत्ते बरसों से मुफ्त में भौंक रहे थे, वे शायद सरकारी स्कीम के लिए ज़रूरत से ज़्यादा स्वदेशी थे। विदेशी नस्लों पर भरोसा ज़्यादा था; शायद उनकी भौंक में भी डॉलर की गारंटी होगी।

एक बड़े अफसर के कमरे में नया कुत्ता पहुँचा। अफसर ने प्यार से पूछा, "बेटा, तुम्हें लाया इसीलिए है कि मेरा तनाव कम करो।" कुत्ता कुर्सी पर चढ़ गया और फाइल पर पेशाब कर दिया।

अफसर बोला, "लगता है इसे हमारी नीति समझ आ गई – हम भी जनता की फाइलों पर यही करते हैं।" पीएस ने सुझाव दिया, "सर, इसे 'फाइल प्रोसेसिंग' नाम दे देते हैं, रिपोर्ट में अच्छा लगेगा।"

बाहर प्रेस कॉन्फ्रेंस चल रही थी। एक पत्रकार ने पूछा, "साहब, देश में इतने देसी कुत्ते हैं, उन्हें क्यों नहीं अपनाते?"

अधिकारी मुस्कराया, "देखिए, देसी कुत्ते तो जनता के साथ रहते हैं, उन्हें भ्रष्टाचार की गंध की आदत पड़ जाएगी, फिर हमें भौंक–भौंक कर परेशान करेंगे।

विदेशी कुत्ते को पता ही नहीं चलेगा कि घोटाला क्या होता है, इसलिए वह शांत रहेगा। यही तो थैरेपी है।"

अगले दिन अख़बार में खबर छपी – "अधिकारियों के तनाव घटे, पर जनता का ब्लड प्रेशर बढ़ा।" सरकार ने तुरंत नया नारा दिया – "हर हाथ में बिल, हर कुर्सी पर कुत्ता।" राह चलते एक बूढ़े ने अख़बार पढ़ कर कहा, "पहले यह लोग जनता को कुत्ता समझते थे, अब कुत्ते को ही नागरिक बना रहे हैं। बस फर्क इतना है कि कुत्ते को राशन कार्ड नहीं, सीधे विदेशी पासपोर्ट मिला है।"

स्वास्तिक सनातन परंपरा का मंगल प्रतीक जो दूर करता है अमंगल और वास्तुदोष

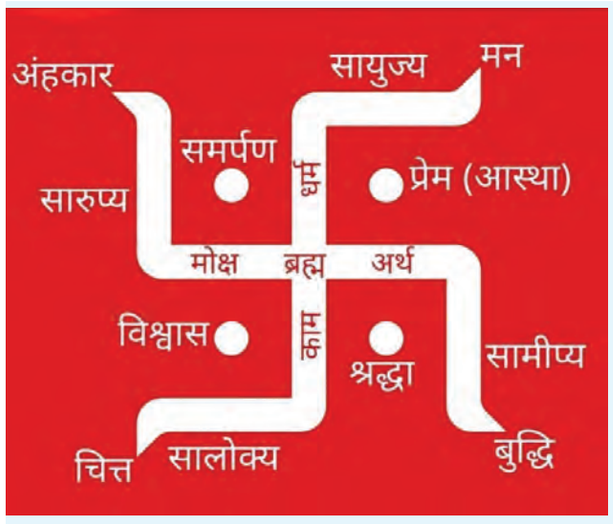

सनातन धर्म में ही नहीं, अपितु अन्य धर्मों में भी स्वास्तिक को परम पवित्र और मंगलकारी प्रतीक माना गया है। किसी भी शुभ और मांगलिक कार्य की शुरुआत स्वास्तिक बनाए बिना अधूरी मानी जाती है। स्वास्तिक सौभाग्य, शांति, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है, इसलिए पूजा-पाठ से लेकर गृह प्रवेश, विवाह और अन्य संस्कारों में इसका विशेष स्थान है।

स्वास्तिक का धार्मिक और पौराणिक महत्व

स्वास्तिक को सातिया भी कहा जाता है और इसे सुदर्शन चक्र का प्रतीक माना गया है। स्वस्तिवाचन के बिना हिंदुओं का कोई भी शुभ कार्य संपन्न नहीं होता। स्वास्तिक सत्य, शाश्वत, शांति, अनंत, दिव्य ऐश्वर्य एवं सौंदर्य का मांगलिक चिन्ह है। यह धनात्मक या प्लस को भी इंगित करता है, जो सम्पन्नता और उन्नति का प्रतीक माना गया है। स्वास्तिक के चारों ओर लगाए गए बिंदु चार दिशाओं के प्रतीक होते हैं, जो संतुलन और समरसता को दर्शाते हैं।

चार भुजाओं का रहस्य

शास्त्रों के अनुसार स्वास्तिक बनाते समय इसकी चारों भुजाएं समान और समानांतर होती हैं। इन चार भुजाओं का बड़ा धार्मिक महत्व है। इन्हें चार दिशाओं के साथ-साथ चार वेदों का प्रतीक माना जाता है। इसके अलावा स्वास्तिक चार पुरुषार्थ धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का भी प्रतिनिधित्व करता है। गणेश पुराण में कहा गया है कि स्वास्तिक स्वयं गणेशजी का ही स्वरूप है, इसलिए किसी भी शुभ, मांगलिक और कल्याणकारी कार्य की शुरुआत स्वास्तिक बनाकर की जाती है। इसमें विघ्नों को हरने और अमंगल को दूर करने की शक्ति निहित मानी गई है।

घर की आठ दिशाएं और उनके स्वामी ग्रह, जानिए दोष होने पर क्या-क्या होते हैं दुष्परिणाम

स्वास्तिक से वास्तुदोष निवारण के उपाय

वास्तुदोष दूर करने के लिए स्वास्तिक को एक प्रभावी उपाय माना गया है। चूंकि इसकी चारों भुजाएं चारों दिशाओं का प्रतीक होती हैं, इसलिए यह चिन्ह चारों दिशाओं की ऊर्जा को संतुलित करता है। यदि आपके घर के मुख्य द्वार के आसपास किसी प्रकार का वास्तुदोष है, तो नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त करने के लिए दरवाजे पर 9 इंच लंबा और चौड़ा स्वास्तिक सिंदूर से बनाना चाहिए। इसके स्थान पर अष्टधातु या तांबे का स्वास्तिक भी लगाया जा सकता है।

व्यापार, सफलता और बुरी नजर से सुरक्षा

यदि व्यापार में लगातार घाटा हो रहा हो, तो कार्यस्थल के ईशान कोण में लगातार सात गुरुवार तक सूखी हल्दी से स्वास्तिक का चिन्ह बनाना लाभकारी माना गया है। इसी प्रकार उत्तर दिशा में हल्दी का स्वास्तिक बनाने से कार्यों में सफलता प्राप्त होती है। नए घर या इमारत को बुरी नजर से बचाने के लिए प्रायः बाहर काले रंग का सातिया बनाया जाता है। मान्यता है कि काले कोयले से बना स्वास्तिक नकारात्मक ऊर्जा, बुरी शक्तियों और भूत-प्रेत आदि को घर में प्रवेश करने से रोकता है तथा बुरी नजर से रक्षा करता है। स्वास्तिक का चिन्ह भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण के चरणों और भगवान बुद्ध के हृदय पर अंकित बताया गया है, जो इसकी दिव्यता और शक्ति को दर्शाता है।

अब्राहम लिंकन ने अपने पूर्वजों के बारे में जानने पर कहीं ये बातें

अब्राहम लिंकन का पूरा जीवन प्रेरणादायक है। लिंकन को जीवन में कुछ भी आसानी से नहीं मिला है और उसके लिए उन्होंने कड़ी मेहनत भी की है। ऐसा ही एक प्रेरणादायक किस्सा मिलता है, जब वह अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए चुन लिए गए थे और फिर लोगों ने उनके पूर्वजों के बारे में जानकारी जुटाना शुरू किया....

घटना तब की है जब अब्राहम लिंकन अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर चुने गए थे। उनके इस सर्वोच्च पद पर आते ही लोगों ने उनके पूर्वजों तक के बारे में खंगालना आरंभ कर दिया था। जब यह बात लिंकन को पता चली तो उन्होंने सभी से करबद्ध निवेदन करते हुए कहा, 'यदि आप मेरे विगत जीवन को केवल इसलिए खंगालने का प्रयत्न कर रहे हैं कि मैं अब राष्ट्रपति हूं तो यह मूर्खता के अलावा कुछ नहीं है। राष्ट्रपति तो मैं अब बना हूं, इसलिए कृपया आप मेरे पुराने जीवन के प्रसंगों को खोज-खोजकर उनमें से महानता ढूंढने का प्रयास न करें।'

अपनी जिम्मेदारियों की ओर इशारा करते हुए लिंकन ने कहा, 'मेरा सारा ध्यान अब इस बात पर है कि मैं अपने पद पर रहते हुए ऐसा क्या खास करूं कि अमेरिका पूरे विश्व में एक महान और विकसित राष्ट्र के रूप में समृद्ध हो। यदि मैं अपने देश के लिए कल्याण के कार्य करुंगा तो किसी को भी मेरी महानता बताने के प्रयास नहीं करने पड़ेंगे। मैं चाहता हूं कि मुझे इन बातों से कतई न पहचाना जाए कि मैं गरीब था, मेहनती था, बल्कि इन बातों से पहचाना जाए कि मैंने अपने राष्ट्र के लिए ऐसे कार्य किए जिनसे एक नए युग का सूत्रपात हुआ।

मैं चाहता हूं कि आप और हम मिलकर एक ऐसे देश का निर्माण करें जहां पर हर वर्ग समान हो, जहां पर किसी को व्यर्थ ही सताया न जाए।'

उनकी ऐसी बातों पर वहां उपस्थित लोग देर तक तालियां बजाते रहे। किसी व्यक्ति ने वहां ऊंचे स्वर में कहा, 'देखना, राष्ट्रपति महोदय की यही बातें एक दिन पूरी दुनिया में प्रसिद्ध होंगी और प्रत्येक व्यक्ति के अंदर प्रेरणा भरेंगी।'

पौष महीने की पूर्णिमा तिथि 2 जनवरी 2026 को शाम 6 बजकर 53 मिनट पर शुरू होगी। इस तिथि का समापन 3 जनवरी 2026 को दोपहर 3:32 पर होगा। उदया तिथि के मुताबिक, 3 जनवरी 2026 को पौष पूर्णिमा मनाई जाएगी। यह साल 2026 की पहली पूर्णिमा होगी। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 05 बजकर 25- से 6:20 तक रहने वाला है। पूजा के लिए शुभ मुहूर्त शाम 5 बजकर 34 मिनट से लेकर शाम 6 बजकर 2 मिनट तक मान्य है। इस दिन चंद्रोदय शाम 5.28 पर होगा।

पौष पूर्णिमा के दिन सूर्योदय से पहले स्नान करें। इसके बाद आप सूर्यदेव को जल अर्पित करें। अब आप एक चौकी पर विष्णु जी और माता लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित कर लें। प्रभु को फूल माला अर्पित करें और शुद्ध देसी घी का दीप जला लें। इस दौरान ॐ नारायणाय विद्महे वासुदेवाय धीमहि तन्नो विष्णुः प्रचोदयातः मंत्र का उच्चारण करें और पूजा में मौसमी फल, मिठाई और दान की सामग्री शामिल कर लें। इसके बाद विष्णु जी को पंजीरी का भोग लगाएं और ॐ श्री विष्णवे च विद्महे वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णुः प्रचोदयात॥ मंत्र का स्मरण करें। इसके बाद सत्यनारायण भगवान की कथा का पाठ करें। अंत में लक्ष्मी-विष्णु जी की आरती करें और सभी में प्रसाद बांट दें।

ये भ्रम है कि अधिक धन-संपत्ति और महंगी वस्तुओं से व्यक्ति महान बन जाता है

व्यक्ति की सच्ची सुंदरता केवल धन, वस्तुओं और भौतिक साधनों की अधिकता से नहीं होती। अक्सर ये भ्रम रहता है कि अधिक धन-संपत्ति और महंगी वस्तुएं किसी व्यक्ति को महान बना देती हैं, लेकिन ये सब केवल बाहरी दिखावा है। व्यक्तित्व की असली सुंदरता हमारे विचारों, व्यवहार, संस्कार, ईमानदारी, करुणा और चरित्र से प्रकट होती है। धन और वस्तुएं क्षणिक होती हैं, लेकिन अच्छे गुण स्थायी होते हैं।

नए साल में करना है गृह प्रवेश तो कौन सा दिन रहेगा सही

जानिए ग्रह प्रवेश के शुभ मुहूर्त
– फरवरी – 6, 11, 19, 20, 21, 25 और 26 फरवरी
– मार्च – 4, 5, 6, 9, 13, 14 मार्च
– अप्रैल – 20 मार्च नहीं, अप्रैल के लिए तिथियां नहीं दी गई हैं
– मई – 4, 8, 13 मई
– जून – 24, 26 और 27 मई नहीं, जून के लिए तिथियां नहीं दी गई हैं, हो सकता है जून में 24, 26 और 27 तिथियां हों
– जुलाई – 1, 2 और 6 जुलाई
– नवंबर – 11, 14, 20, 21, 25 और 26 नवंबर
– दिसंबर – 2, 3, 4, 11, 12, 18, 19, 30 दिसंबर

हिंदू परंपरा में किसी भी मांगलिक कार्य से पहले शुभ मुहूर्त का विशेष महत्व माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शुभ योग और उत्तम समय में किए गए कार्य—जैसे विवाह, सगाई, गृह प्रवेश, मुंडन, पूजा-अर्चना या अन्य संस्कार—न केवल सफल होते हैं, बल्कि लंबे समय तक सकारात्मक फल भी प्रदान करते हैं। अंग्रेजी पंचांग के अनुसार, नववर्ष की शुरुआत जनवरी माह की 1 तारीख से हो रही है। नए वर्ष में यदि आप भवन निर्माण या किसी नए कार्य की योजना बना रहे हैं, तो उसे शुभ मुहूर्त में प्रारंभ करना अत्यंत लाभकारी रहेगा।

मान्यता है कि शुभ समय में शुरू किए गए कार्य न केवल बाधा रहित संपन्न होते हैं, बल्कि तय समय सीमा में पूरे होकर सुख-समृद्धि भी प्रदान करते हैं। साथ ही घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास रहता है। आइए उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज से जानते हैं कि अगर आप नए साल में नए घर में प्रवेश करने की योजना बना रहे हैं तो 2026 में गृह प्रवेश के लिए कौन-कौन से शुभ मुहूर्त रहने वाले हैं।

इन तिथियों का रहता है विशेष महत्व

हिंदू धर्म में हर शुभ कार्य करने से पहले मुहूर्त देखा जाता है। अगर किसी भी बिल्डिंग के कंस्ट्रक्शन के लिए शुभ तिथियां देखी जाएं तो महीनों की किसी भी तिथियों में द्वितीया, तृतीया, पंचमी, सप्तमी, दशमी, एकादशी, द्वादशी, त्रयोदशी और पूर्णिमा आदि शुभ हैं। इनके अलावा कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा भी शुभ रहेगी। अभी से यदि आप इसके माध्यम से सभी कार्यों को नियमबद्ध बनाकर चलेंगे तो आने वाले मुहूर्त का उपयोग करने में सफल हो सकते हैं और जीवन सफलतापूर्वक बितेगा।

ग्रह प्रवेश के दौरान इन बातों का रखें ध्यान

हिंदू मान्यता के अनुसार नए घर में सप्ताह के शनिवार, मंगलवार, रविवार के दिन प्रवेश नहीं करना चाहिए। इससे वास्तु दोष भी लग सकता है। वहीं गृह प्रवेश हमेशा शुभ तिथि और शुभ मुहूर्त में ही करना चाहिए तभी शुभफल की प्राप्ति होती है। नए घर में प्रवेश करने से पहले घर में पूजा-पाठ, हवन इत्यादि अवश्य कर लें। नए घर में शंख बजा कर ही प्रवेश करना चाहिए। बिना शंख बजाए घर में प्रवेश करने से घर में नकारात्मक शक्तियां बढ़ सकती हैं। मान्यता के अनुसार, महीने की प्रतिपदा तिथि में भूलकर भी गृह प्रवेश नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से अशुभ प्रभाव पड़ सकता है।

गांव में फैली हैजा बीमारी, तो बाबा ने अपनी जगह कुत्ता भेज दिया!

गोंडाः उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के विकासखंड छपिया के ग्राम सभा गुरुग्राम में स्थित कुकरहा बाबा मंदिर आस्था और विश्वास का एक प्रमुख केंद्र है। यह मंदिर न सिर्फ गोंडा, बल्कि आसपास के जिलों में भी काफी प्रसिद्ध है। दूर-दूर से श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं और अपनी मनोकामनाएं बाबा के चरणों में रखते हैं। लोगों का मानना है कि सच्चे मन से मांगी गई हर मुराद यहां जरूर पूरी होती है। मंदिर के नाम को लेकर कई मान्यताएं प्रचलित हैं। माना जाता है कि जो बाबा यहां तपस्या करते थे। उनके साथ दो कुत्ते रहते थे, इसीलिए इस स्थान का नाम कुकरहा बाबा पड़ा है। लोकल 18 से बातचीत के दौरान मंदिर के महंत शिव प्रसाद दास बताते हैं कि जब यहां पर कुकरहा बाबा आए थे तो उनके साथ दो कुत्ते रहते थे। आसाराम और मंसाराम एक ही थाली में भोजन किया करते थे। इसलिए उनका नाम कुकरहा बाबा पड़ा था।

क्या है मान्यता

शिव प्रसाद दास बताते हैं कि जब पहले किसी गांव में हैजा पढ़ता था तो उसके बारे में गांव के व्यक्ति आकर बाबा जी से बताते थे और बाबा जी स्वयं नहीं जाते थे, बल्कि अपने कुत्ते मंसाराम को भेजते थे और मंसाराम पूरे गांव का चक्कर लगाते थे और अपना पूछ पटक कर आ जाते थे। कहते हैं कि उससे गांव से हैजा की बीमारी खत्म हो जाती थी। उन्होंने बताया कि इस समय इस स्थान पर जो अपने सच्चे मन से कुछ भी मांगता है, तो उसको कुकरहा बाबा पूरी करते हैं।

कितनी पुरानी है मंदिर

शिवप्रसाद दास बताते हैं कि कुकरहा बाबा बस्ती जिला के दुबौली दुबे के रहने वाले थे यह एक ब्राह्मण परिवार के थे। शिवप्रसाद दास बताते हैं कि कुकरहा बाबा की मंदिर और समाधि लगभग 400 से 500 वर्ष पुरानी है और यह घटना भी 400 से 500 वर्ष पुरानी मानी जाती है। घटना के बारे में हमारे पूर्वज हमको बताते थे कि यहां पर ऐसी घटना घटी थी। इसलिए इस स्थान का नाम कुकरहा बाबा पड़ा है। अभी माना जाता है कि कुकरहा बाबा जीते जी समाधि ले लिए थे।

कहां-कहां से आते हैं लोग

शिव प्रसाद दास बताते हैं कि इस स्थान पर गोंडा, बस्ती, बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती, अयोध्या, मुंबई, गुजरात समेत पूरे भारत के लोग दर्शन करने आते हैं। यहां पर जिसकी मन्नतें पूरी होती हैं, वह घंटा चढ़ता है। उसके अलावा यहां पर जिसकी जो मनसा हो, वह प्रसाद के रूम में चढ़ा सकता है। शिव प्रसाद दास बताते हैं कि यहां पर तो प्रत्येक दिन श्रद्धालु आते हैं, लेकिन यहां पर विशेष रूप से मंगलवार को मेला लगता है।

साल 2026 : समय की दहलीज पर नया भारत

सुरेश गांधी

नया वर्ष केवल कैलेंडर बदलने की औपचारिकता नहीं होता, बल्कि यह समाज, राष्ट्र और व्यक्ति, तीनों के लिए आत्ममंथन का अवसर लेकर आता है। वर्ष 2026 भी कुछ इसी भाव के साथ हमारे सामने उपस्थित है। पीछे मुड़कर देखें तो बीते वर्षों ने भारत को आत्मविश्वास, वैश्विक पहचान और आर्थिक गति दी है, वहीं आगे की राह अनेक जटिल चुनौतियों से भरी हुई है। यह वर्ष उत्साह, उम्मीद और अवसरों के साथ-साथ कठिन सवालों और कड़ी परीक्षाओं का भी वर्ष है। भारत आज दुनिया का सबसे युवा देश है, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है. लोकतांत्रिक मूल्यों की लंबी परंपरा वाला राष्ट्र भी है। और वैश्विक मंच पर प्रभावशाली आवाज बन चुका है। लेकिन साथ ही सामाजिक विषमता, राजनीतिक ध्रुवीकरण, बेरोज़गारी, पर्यावरण संकट, वैश्विक अस्थिरता और नैतिक मूल्यों के क्षरण जैसी चुनौतियाँ भी हमारे सामने खड़ी हैं। वर्ष 2026 इन सभी पहलुओं का संगम है, जहाँ एक ओर संभावनाओं का आकाश है, वहीं दूसरी ओर ज़मीनी हकीकत की कठोरता। मतलब साफ है यह वर्ष केवल उत्सव और उम्मीदों का नहीं, बल्कि आत्ममंथन, उत्तरदायित्व और ठोस कार्यवाही का भी वर्ष है। नया वर्ष केवल कैलेंडर की तारीख बदलने का नाम नहीं है।

यह समय, समाज और सोच के उस मोड़ का संकेत है, जहाँ अतीत की स्मृतियाँ, वर्तमान की चुनौतियाँ और भविष्य की संभावनाएँ एक-दूसरे से टकराती हैं। बीते वर्षों ने भारत को आत्मविश्वास दिया है, वैश्विक मंच पर उसकी आवाज़ को मजबूत किया है और तकनीक, अर्थव्यवस्था व कूटनीति के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई है। लेकिन इन्हीं उपलब्धियों के साथ अनेक जटिल प्रश्न भी जुड़े हैं, जिनका उत्तर ढूँढना इस नए वर्ष की सबसे बड़ी आवश्यकता है। भारत का सामाजिक ताना-बाना सदियों से विविधता में एकता का उदाहरण रहा है। भाषा, धर्म, जाति, संस्कृति और परंपराओं की बहुरंगी छटा ने इस देश को विशिष्ट पहचान दी है। लेकिन हाल के वर्षों में सामाजिक संवाद में कटुता, अविश्वास और असहिष्णुता के स्वर तेज़ हुए हैं। जाति और धर्म के नाम पर खिंची रेखाएँ समाज को भीतर से कमजोर कर रही हैं। वर्ष 2026 की सबसे बड़ी सामाजिक चुनौती यही है कि मतभेद को मनभेद में बदलने से रोका जाए।

महिला सुरक्षा, बुज़ुर्गों की गरिमा, बच्चों का भविष्य, दलितों और वंचित वर्गों के अधिकार तथा अल्पसंख्यकों में विश्वास, ये सभी विषय केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और सामूहिक जिम्मेदारी से जुड़े हैं।

नया वर्ष समाज से यह अपेक्षा करता है कि वह सह-अस्तित्व, संवाद और संवेदना को फिर से सार्वजनिक जीवन का केंद्र बनाए। भारत की लगभग पैंसठ प्रतिशत आबादी पैंतीस वर्ष से कम आयु की है। यह आँकड़ा जितना आशाजनक है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। यदि इस युवा शक्ति को सही शिक्षा, कौशल और अवसर मिले तो भारत आने वाले दशकों में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभा सकता है। लेकिन बेरोज़गारी, अर्ध-रोज़गारी और

कौशल-अभाव युवाओं के सपनों को कुंद कर रहे हैं। वर्ष 2026 में शिक्षा व्यवस्था को केवल डिग्री आधारित सोच से आगे बढ़ाकर कौशल, नवाचार और चरित्र निर्माण से जोड़ना अनिवार्य है। नई शिक्षा नीति, डिजिटल लर्निंग और स्किल इंडिया जैसे प्रयास तभी सफल होंगे, जब उनका लाभ गाँव और कस्बों तक पहुँचे। युवाओं को नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजन करने वाला बनाने की सोच ही नए भारत की असली पहचान होगी। शिक्षा और स्वास्थ्य किसी भी राष्ट्र की रीढ़ होते हैं। वर्ष 2026 में भारत के सामने चुनौती है कि शिक्षा को परीक्षा-केंद्रित व्यवस्था से निकालकर शोध, नवाचार और नैतिक मूल्यों से जोड़ा जाए। तकनीक के दौर में डिजिटल शिक्षा ने नए अवसर खोले हैं, लेकिन डिजिटल डिवाइड अभी भी एक बड़ी सच्चाई है। स्वास्थ्य क्षेत्र में महामारी ने यह सिखाया कि मज़बूत स्वास्थ्य ढाँचा केवल शहरों तक सीमित नहीं होना चाहिए। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएँ, प्राथमिक चिकित्सा, मानसिक स्वास्थ्य और सस्ती दवाओं की उपलब्धता आज भी बड़ी चुनौती हैं। नया वर्ष मांग करता है कि स्वास्थ्य को खर्च नहीं, बल्कि निवेश के रूप में देखा जाए। पिछले एक दशक में भारत ने वैश्विक आर्थिक झटकों के बावजूद अपनी विकास दर को बनाए रखा है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने नई संभावनाएँ खोली हैं।

लेकिन वर्ष 2026 में सबसे बड़ा सवाल यह है कि आर्थिक विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक कैसे पहुँचे। महँगाई, ईंधन कीमतें, असंगठित क्षेत्र की असुरक्षा और कृषि संकट आज भी आम नागरिक की चिंता बने हुए हैं। किसान, छोटे व्यापारी और एमएसएमई सेक्टर स्थिर नीति, सस्ते ऋण और बाज़ार की पहुँच की मांग कर रहे हैं।

सुहाना खान से लेकर यशवर्धन आहूजा तक 2026 में बड़े पर्दे पर करेंगे डेब्यू

सुहाना खान

अगस्तय नंदा

सिमर भाटिया

साल 2026 दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस साल कई कलाकार बॉलीवुड की फिल्मों से बड़े पर्दे पर डेब्यू करने के लिए रेडी हैं। इनमें कई सेलेब्स की संतानें हैं। पिछले साल राशा थडानी, जुनैद खान और खुशी कपूर जैसे कलाकारों ने बड़ी स्क्रीन पर डेब्यू किया था। आइए जानते हैं साल 2026 में कौन से कलाकार बड़ी स्क्रीन पर नजर आ सकते हैं।

सुहाना खान

शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान 2026 में बड़ी स्क्रीन पर नजर आने वाली हैं। वह शाहरुख खान स्टारर 'किंग' में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म 2026 में रिलीज हो सकती है। इस फिल्म की अभी रिलीज की तारीख तय नहीं हुई है। सुहाना खान ने 'द आर्चीज' से एक्टिंग में कदम रखा था। यह फिल्म साल 2023 में ओटीटी पर आई थी।

अगस्त्य नंदा

अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा साल 2026 में बॉलीवुड फिल्म 'इक्कीस' से बड़े पर्दे पर डेब्यू करने वाले हैं। 1 जनवरी 2026 को रिलीज होने वाली इस फिल्म में अगस्त्य परमवीर चक्र प्राप्तकर्ता मेजर अरुण खेत्रपाल की भूमिका निभाएंगे। अगस्त्य नंदा पहली बार 'द आर्चीज' में नजर आए थी। यह फिल्म ओटीटी पर आई थी।

सिमर भाटिया

अभिनेत्री सिमर भाटिया 2026 में फिल्म 'इक्कीस' से डेब्यू करने वाली हैं। वह अक्षय कुमार की भांजी हैं। फिल्म में वह अगस्त्य नंदा के साथ नजर आएंगी। श्रीराम राघवन के निर्देशन में बनी यह फिल्म 1 जनवरी 2026 को रिलीज होगी। इसमें दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र नजर आएंगे।

यशवर्धन आहूजा

खबरें हैं कि गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा एक फिल्म में काम कर रहे हैं। उम्मीद है कि यह फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बताया जाता है कि यह फिल्म रोमांटिक होगी। इसका निर्देशन साउथ के निर्देशक साई राजेश कर रहे हैं।

मेधा राणा

मेधा राणा फिल्म 'बॉर्डर 2' से बड़ी स्क्रीन पर डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। इसमें वह वरुण धवन के साथ नजर आएंगी। मेधा राणा सीरीज 'लंदन फाइल्स' में नजर आई थीं। इसमें अर्जुन रामपाल और पूरब कोहली अहम किरदार में थे। अब वह बड़े पर्दे पर डेब्यू करने जा रहे हैं।

म्यूजिकल प्रोजेक्ट में सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ नजर आएंगी अलीजेह अग्निहोत्री, ऑस्कर विजेता फिल्म का है रीमेक

साल 2014 में रिलीज हुई फ्रेंच फिल्म 'ला फैमिली बेलियर' का हिंदी रीमेक बनने वाला है। खबर है कि निर्माताओं ने इस म्यूजिकल फिल्म के लिए सिद्धांत चतुर्वेदी और अलीजेह अग्निहोत्री को कास्ट किया है। फिल्म का निर्देशन विकास बहल करने वाले हैं। इसकी शूटिंग जून से अगस्त के बीच शुरू हो सकती है।

क्या है 'ला फैमिली बेलियर' की कहानी?

'ला फैमिली बेलियर' एक कॉमेडी फिल्म है जिसके निर्देशक एरिक लार्टिगाउ हैं। इसकी कहानी 16 साल की एक लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है। लड़की अपने मूक-बधिर माता-पिता की देखभाल करती है। उसकी जिंदगी तब बदल जाती है, जब उसके म्यूजिक टीचर को उसकी खूबसूरत गाने की आवाज का पता चलता है। लड़की को अपने सपने को पूरे करने और अपने परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारी के बीच चुनाव करना होता है। 'ला फैमिली बेलियर' ने 2022 में 94वें एकेडमी अवॉर्ड्स (ऑस्कर) में बेस्ट पिक्चर का अवॉर्ड जीता था।

ओरिजिनल फ्रेंच की रीमेक होगी फिल्म

'सिद्धांत चतुर्वेदी और अलीजेह अग्निहोत्री की एक फिल्म है, जिसे विकास बहल डायरेक्ट करेंगे। यह बेहतरीन फिल्म होगी। यह एक फ्रेंच फिल्म 'ला फैमिली बेलियर' का रीमेक है, जिसका रीमेक बनाया जाएगा। इस फिल्म ने ऑस्कर जीता था। यह एक म्यूजिकल फिल्म है, यह संजय लीला भंसाली की 'खामोशी' जैसी है। हमने इसे ओरिजिनल फ्रेंच फिल्म से लिया है।'

सिद्धांत-अलीजेह का काम

सिद्धांत चतुर्वेदी को आखिरी बार 2025 की फिल्म 'धड़क 2' में तृप्ति डिमरी के साथ देखा गया था। सिद्धांत चतुर्वेदी जल्द ही मृणाल ठाकुर के साथ फिल्म 'दो दीवाने सहर में' नजर आने वाले हैं। अलीजेह अग्निहोत्री ने साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म 'फर्रे' से एक्टिंग में डेब्यू किया था। यह उनकी आखिरी फिल्म भी है।

अक्षय खन्ना पर 'सेक्शन 375' के डायरेक्टर का गंभीर आरोप

कहा- एक्टर ने 2 करोड़ फीस तय होने के बाद 32 करोड़ रुपए की मांग की

पिछले कुछ दिनों से अक्षय खन्ना विवादों में हैं। 'दृश्यम-3' से बाहर निकलने के बाद उन पर कई तरह के गंभीर आरोप लग रहे हैं। अब उनकी फिल्म 'सेक्शन 375' के डायरेक्टर मनीष गुप्ता ने एक्टर पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

मनीष गुप्ता ने साल 2017 का किस्सा शेयर किया है। उन्होंने कहा- 'अक्षय ने मेरी फिल्म साइन की थी, जिसका मैं डायरेक्टर, राइटर था। कुमार मंगत उस फिल्म के प्रोड्यूसर थे।

अक्षय की फीस 2 करोड़ रुपए तय हुई थी, जिसमें से उन्हें 21 लाख रुपए एडवांस दिया गया था। लेकिन उन्होंने अचानक हमारी डेट फिल्म 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' को दे दी। वो उस फिल्म के लिए लंदन शूटिंग करने चले गए। मेरी टीम छह महीने तक खाली बैठी रही।

मनीष ने रहस्य, डरना जरूरी है, वन फ्राइडे नाइट जैसी फिल्में डायरेक्ट की हैं। सरकार और सेक्शन 375 के लिए इन्होंने स्क्रीनप्ले लिखा है।

मनीष ने रहस्य, डरना जरूरी है, वन फ्राइडे नाइट जैसी फिल्में डायरेक्ट की हैं। सरकार और सेक्शन 375 के लिए इन्होंने स्क्रीनप्ले लिखा है। अक्षय उस फिल्म की शूटिंग के बाद वापस आए। वापस आने के बाद उन्होंने कॉन्ट्रैक्ट में तय किए गए 2 करोड़ की रकम के बजाए 32.5 करोड़ रुपए की मांग करने लगे।

उन्होंने कॉन्ट्रैक्ट का उल्लंघन किया। इसके अलावा वो पूरी फिल्म पर भी कंट्रोल रखना चाहते थे। वो सब कुछ अपने हिसाब से करवाना चाहते थे। लेकिन मैं ऐसा डायरेक्टर नहीं हूं, जो किसी भी एक्टर की मनमानी के आगे झुक जाए। मैंने उनके इस बिहेवियर का विरोध किया।' मनीष ने अपने आरोप में आगे कहा- 'मुझसे ऑर्डर लेने में अक्षय के ईगो को ठेस पहुंच रही थी इसलिए उन्होंने प्रोड्यूसर कुमार मंगत पर प्रेशर बनाना शुरू किया कि डायरेक्टर को बदला जाए।

लेकिन कुमार मंगत ने अक्षय पर लगाम लगाने के बजाए मुझे ही फिल्म से बाहर निकाल दिया। साथ ही मेरी पूरी लिखी हुई स्क्रिप्ट और प्री-प्रोडक्शन पर तीन साल की कड़ी मेहनत से तैयार हार्ड ड्राइव को भी जब्त कर लिया।'

मनीष ने कहा है कि एक्टर ने उन्हें कोर्ट में घसीटने की धमकी दी थी और फिल्म के प्रोड्यूसर कुमार मंगत को दो लीगल नोटिस भी भेजे थे। लेकिन कोर्ट के बाहर प्रोड्यूसर ने उनसे समझौता कर लिया था। बता दें कि 'सेक्शन 375' साल 2019 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अक्षय खन्ना के अलावा ऋचा चड्ढा भी नजर आई थीं।

'चैनल का चेहरा होने की वजह से बने विजेता', बिग बॉस 19 विनर गौरव खन्ना ने आरोपों पर दिया जवाब

गौरव खन्ना बिग बॉस 19 का विजेता हैं। उन्होंने फाइनल में फरहाना भट्ट को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। एक ओर जहां गौरव के फैंस उनके विनर बनने से खुश हैं। वहीं दूसरी ओर कई लोग इस फैसले पर विरोध भी जता रहे हैं। उनका मानना है कि गौरव खन्ना सिर्फ इसलिए विजेता बने, क्योंकि वो लोकप्रिय हैं और कलर्स चैनल का चेहरा रहे। अब इन चर्चाओं पर गौरव खन्ना ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है।

मैंने बहुत मेहनत की है

फरीदून शहरयार के साथ बातचीत के दौरान गौरव खन्ना ने उन आरोपों पर प्रतिक्रिया दी, जिनमें कहा जा रहा है कि उन्होंने अपनी लोकप्रियता और कलर्स टीवी से जुड़ाव के कारण जीत हासिल की। अब गौरव ने कहा कि लोग कहते हैं कि मैं मशहूर होने की वजह से जीता, लेकिन मैंने सच में बहुत मेहनत की है। बीस साल की मेहनत कोई मामूली बात नहीं है। पिछले 15 साल से मैं कलर्स का चेहरा नहीं रहा हूं। कलर्स टीवी पर मेरा आखिरी शो यामी गौतम के साथ 'ये प्यार ना होगा कम' था, जो 2010 में प्रसारित हुआ था। इसलिए अगर 2025 में भी लोग मुझे कलर्स का जाना-पहचाना चेहरा मानते हैं, जबकि मैंने 15 साल पहले उनके साथ सिर्फ एक शो किया था, तो मैं वाकई बहुत बड़ा कलाकार हूंगा। मुफ्त में कुछ नहीं मिलता। मैं सिर्फ अपने अनुभव या काम के दम पर कोई शो नहीं जीत सकता, मुझे उसमें अच्छा प्रदर्शन भी करना होगा।

मेरा मकसद एक अच्छा इंसान बनना था

एक्टर ने आगे कहा कि मैं वहां दूसरों से प्रतिस्पर्धा करने नहीं गया था। इतने साल तक टेलीविजन का हिस्सा रहने के नाते, मैं जानता हूं कि बिग बॉस में लोग आपको निशाना बनाएंगे, आपको शर्मिंदा करेंगे, आपकी बदनामी करेंगे और आपको नीचे गिराने की कोशिश करेंगे। लेकिन मेरा पूरा मकसद एक बेहतर इंसान बनना था। मेरा जीवन मेरे द्वारा लिए गए फैसलों का नतीजा है। बिग बॉस एक बहुत ही समझदारी भरा खेल है, अगर आप इसे समझदारी से खेलें। मैंने यह बात पहले दिन से ही ध्यान में रखी थी। मैं वहां उन 15-16 लोगों को खुश करने के लिए नहीं गया था।

पांच फाइनलिस्ट को छोड़ा पीछे

बिग बॉस का फाइनल 7 दिसंबर को हुआ था। इस फाइनल में पांच कंटेस्टेंट पहुंचे थे। इनमें गौरव खन्ना के अलावा अरमान मलिक, फरहाना भट्ट, तान्या मित्तल और प्रणित मोरे शामिल थे। हालांकि, गौरव ने इन सभी को पीछे छोड़ते हुए बिग बॉस 19 की ट्रॉफी अपने नाम की।

सिमर भाटिया पर ट्विंकल खन्ना ने लुटाया प्यार 'इक्कीस' के कारण चर्चा में अक्षय कुमार की भतीजी

अक्षय कुमार की बहन की बेटी सिमर भाटिया भी अब फिल्मों में कदम रख चुकी हैं। उनका फिल्म 'इक्कीस' से उन्होंने डेब्यू किया है। फिल्म में उन्होंने अगस्त्य नंदा के किरदार अरुण खेत्रपाल की प्रेमिका का रोल किया है। इस किरदार में सिमर को पसंद किया जा रहा है। सिमर ने भी फिल्म से जुड़ी कुछ बीटीएस फोटो शेयर की हैं। इन तस्वीरों पर अक्षय कुमार की पत्नी और एक्ट्रेस ट्विंकल ने भी प्यार लुटाया है। जानिए, उन्होंने सिमर के बारे में क्या लिखा।

सिमर ने पोस्ट में फिल्म से जुड़ी यादें साझा कीं

सिमर भाटिया ने गुरुवार को एक पोस्ट की, जिसमें साल 2025 की यादों का जिक्र किया। फिल्म 'इक्कीस' से जुड़ी तस्वीरें और यादों का जिक्र किया। इन तस्वीरों पर ही ट्विंकल खन्ना ने रिएक्शन दिया है। ट्विंकल खन्ना अक्षय की भतीजी सिमर के बहुत करीब हैं।

ट्विंकल खन्ना ने सिमर को किया चियर

ट्विंकल खन्ना ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'मेरी सिमू बेस्ट है।' आगे उन्होंने हार्ट इमोजी बनाया है। ट्विंकल खन्ना के फैमिली फंक्शन में अक्सर सिमर को देखा जाता है। इन मौकों पर उनकी और ट्विंकल की बॉन्डिंग साफ नजर आती है। अक्षय कुमार भी अपनी भतीजी को सपोर्ट करने फिल्म 'इक्कीस' की स्क्रीनिंग पर कुछ दिन पहले पहुंचे थे।

क्या है फिल्म 'इक्कीस' की कहानी

फिल्म 'इक्कीस' की कहानी एक यंग आर्मी ऑफिसर अरुण खेतरपाल की है। महज 21 साल की उम्र में देश के लिए इस सैन्य अधिकारी ने बलिदान दिया था। फिल्म में अभिनेता धर्मेंद्र ने आर्मी ऑफिसर के पिता का किरदार निभाया। यह दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म है।

धुरंधर-2 को टक्कर देना यश के लिए अग्निपरीक्षा जैसा

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर, साल 2025 की सबसे बड़ी फिल्म साबित हुई है। फिल्म ने रिलीज के 26 दिनों में ही कई बड़े रिकॉर्ड तोड़े हैं। अब इस फिल्म का दूसरा पार्ट धुरंधर-2, 19 मार्च को रिलीज होगा, जिस दिन केजीएफ स्टार यश की फिल्म टॉक्सिक भी रिलीज हो रही है। धुरंधर पहले पार्ट से पहले ही देशभर में छाई हुई है, जिसकी बड़ी स्टारकास्ट ने हर किसी का ध्यान खींचा है। ऐसे में अब क्लैश की तैयारी करते हुए टॉक्सिक के मेकर्स भी लगातार फिल्म की बड़ी स्टारकास्ट रिवील कर रहे हैं।

फिल्म की डायरेक्टर और एक्टर यश ने बुधवार को फिल्म से साउथ की लेडी सुपरस्टार कही जाने वालीं नयनतारा का टॉक्सिक से लुक रिवील किया है। नयनतारा फिल्म में गंगा का किरदार निभा रही हैं। फिल्म के पोस्टर में उनके हाथों में गन लिए खड़ी हैं।

नयनतारा के अलावा भी फिल्म से कियारा आडवाणी और हुमा कुरैशी का लुक भी जारी किया जा चुका है। कियारा आडवाणी और हुमा कुरैशी फिल्म से कन्नड़ सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं। इनके अलावा तारा सुतारिया भी अहम किरदार निभाने वाली हैं। वहीं पीकू, फितूर और फाइटर में नजर आ चुके बॉलीवुड एक्टर अक्षय ऑबेरॉय भी फिल्म में हैं।

ठीक यही तरीका यश की ब्लॉकबस्टर हिट फिल्म के लिए कारगर

साबित हुआ था। दरअसल, यश को साल 2018 की फिल्म केजीएफ से देशभर में पहचान मिली थी। इससे पहले तक उनकी पॉपुलैरिटी साउथ सिनेमा तक ही सीमित थी। केजीएफ में कन्नड़ और साउथ एक्टर्स की ही कास्टिंग हुई थी, लेकिन इसकी सक्सेस के बाद सीक्वल फिल्म केजीएफ 2 में बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन और संजय दत्त को अहम किरदार दिया गया था। केजीएफ और केजीएफ -2 के 4 साल बाद अब यश फिल्म टॉक्सिक से कमबैक कर रहे हैं। उनकी पिछली दो फिल्में ब्लॉकबस्टर रहीं, ऐसे में हिट फिल्मों का ट्रैक रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए टॉक्सिक का हिट होना या पिछली फिल्मों से ज्यादा कमाई करना जरूरी है।टॉक्सिक के लिए सबसे बड़ी चुनौती है धुरंधर 2। दोनों ही फिल्में 19 मार्च को एक साथ रिलीज हो रही हैं। धुरंधर का पार्ट वन ब्लॉकबस्टर था। ऐसे में पार्ट 2 का सभी फैंस को बेसब्री से इंतजार है। धुरंधर से क्लैश में कार्तिक-अनन्या की फिल्म भी फ्लॉप साबित हो रही है, जबकि ये धुरंधर की रिलीज के 20 दिन बाद आई थी।

यश की पिछली ब्लॉकबस्टर फिल्म केजीएफ लगभग 6 हजार स्क्रीन्स पर रिलीज हुई थी। वहीं धुरंधर को करीब 5 हजार स्क्रीन मिली हैं। अब देखना होगा कि 19 मार्च को रिलीज हो रहीं इन दोनों फिल्मों में किसे ज्यादा स्क्रीन्स का फायदा मिलता है।

विजय देवरकोंडा की नए साल की पोस्ट में दिखीं रश्मिका मंदाना?

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा नए साल के मौके पर रोम पहुंचे हैं। दोनों ने यहां से अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। उनकी तस्वीरों में रोम की पुरानी इमारतें और कई दूसरी जगहें नजर आ रही हैं। फैंस ने नोटिस किया है कि रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने एक ही जगह की तस्वीरें शेयर की हैं।

विजय की पोस्ट में दिखीं रश्मिका

विजय देवरकोंडा ने जो तस्वीरें शेयर की हैं उनकी तथाकथित पार्टनर रश्मिका मंदाना पहले ही उन जगहों की तस्वीरें शेयर कर चुकी हैं। ऐसे में फैंस कयास लगा रहे हैं कि दोनों एक-साथ छुट्टियों पर निकले हैं। विजय देवरकोंडा की तस्वीरों पर फैंस ने रश्मिका मंदाना को लेकर कमेंट किए हैं। एक यूजर ने दावा किया है कि उन्हें विजय की एक फोटो के रिफ्लेक्शन में रश्मिका दिखीं। अंदाजा लगाया जा रहा है कि एक दूसरे इमेज में रश्मिका ने एक्टर विजय को पीछे से पकड़ा है। फ्रेम में उनके दोस्तों का रिएक्शन भी दिख रहा है।

रश्मिका ने रोम से शेयर कीं तस्वीरें

इससे पहले रश्मिका मंदाना ने रोम से अपनी कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर की थीं। इन तस्वीरों में वह अपने दोस्तों के साथ पोज दे रही थीं। उन्होंने कई ऐतिहासिक इमारतों की भी तस्वीरें शेयर की थीं। विजय देवरकोंडा की तस्वीरों में भी रोम की ऐतिहासिक इमारतें नजर आई हैं।

जल्द ही शादी कर सकता है कपल

खबरों के मुताबिक 3 अक्तूबर 2025 को रश्मिका और विजय ने हैदराबाद में सगाई की थी। इस समारोह में दोनों के परिवार और कुछ खास दोस्त ही मौजूद थे। हालांकि कपल ने खुद सोशल मीडिया पर कोई घोषणा नहीं की, लेकिन बाद में विजय की टीम ने सगाई की पुष्टि कर दी थी। खबरें हैं कि कपल 26 फरवरी 2026 को राजस्थान के उदयपुर में शादी करेगा। यह एक निजी समारोह होगा।

'धुरंधर 2' का हिस्सा होने पर क्रिस्टल डिसूजा ने तोड़ी चुप्पी, 'शरारत' की लोकप्रियता के बीच चर्चा शुरू

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूजा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। वजह है उनकी फिल्म 'धुरंधर 2' को लेकर चल रही चर्चाएं। हाल ही में रिलीज हुए गाने शरारत की जबरदस्त लोकप्रियता के बाद सोशल मीडिया पर यह कयास तेज हो गए कि क्रिस्टल इस मच अवेटेड सीक्वल का हिस्सा हो सकती हैं। हालांकि अभिनेत्री ने अभी तक किसी भी तरह की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन उनके बयानों ने फैंस की उत्सुकता जरूर बढ़ा दी है।

क्रिस्टल ने दूसरे पार्ट में होने पर कही बड़ी बात

एक इंटरव्यू के दौरान जब क्रिस्टल से धुरंधर पार्ट 2 को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि यह कोई बुरा आइडिया नहीं है और सही समय पर सब कुछ बताया जाएगा। उनके इस मजाकिया जवाब ने इंटरनेट पर हलचल मचा दी। फैंस ने इसे एक इशारा मानते हुए अलग-अलग कयास लगाने शुरू कर दिए। कुछ लोगों का मानना है कि क्रिस्टल जानबूझकर सस्पेंस बनाए रखना चाहती हैं।

क्रिस्टल ने बातचीत के दौरान यह भी कहा कि कुछ बातें सामने आने से पहले छुपी रहनी चाहिए। उनका यह बयान और अंदाज दर्शकों को खूब पसंद आया। सोशल मीडिया पर उनके इंटरव्यू के क्लिप तेजी से वायरल होने लगे और शरारत गाने के व्यूज में भी लगातार इजाफा देखा गया। दर्शक इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि क्या क्रिस्टल वाकई धुरंधर 2 में नजर आएंगी या यह सिर्फ अफवाह है।

एक और बातचीत में क्रिस्टल ने इस पूरे मामले पर थोड़ा गंभीर रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि जिंदगी में वही होता है जो किस्मत में लिखा होता है और हर इंसान को सही मौके के लिए तैयार रहना चाहिए। इसी दौरान उन्होंने अपनी को-स्टार तमन्ना भाटिया की भी जमकर तारीफ की। क्रिस्टल ने साफ किया कि वह किसी तरह की तुलना में विश्वास नहीं रखतीं और उन्हें लगता है कि हर कलाकार अपनी जगह खास होता है। उन्होंने तमन्ना के काम की सराहना करते हुए कहा कि वह न सिर्फ खूबसूरत हैं, बल्कि अपने काम को लेकर पूरी तरह समर्पित भी हैं।

ज्योतिषी पं महेशचंद्र शर्मा

कर्क राशिफल का यह विशेष आर्टिकल कर्क राशि वालों के लिए लेकर आया है जिसके अंतर्गत आपको वर्ष 2026 की विस्तृत भविष्यवाणी प्रदान की जा रही है। साथ ही, इस राशिफल की सहायता से आप जीवन के विभिन्न क्षेत्रों का हाल जान सकेंगे जैसे कि इस साल कैसा रहेगा आपका स्वास्थ्य? शिक्षा में कैसे मिलेंगे आपको परिणाम? करियर और व्यापार नए साल में कब पकड़ेगा रफ़्तार? प्रेम, विवाह समेत आर्थिक जीवन कैसा रहेगा वर्ष 2026 में? इसके अलावा, वर्ष 2026 में होने वाले ग्रहों के गोचर के आधार पर हम आपको कुछ सरल उपाय भी प्रदान करेंगे जिससे आप इस साल को बेहतर बना सकेंगे। तो चलिए आगे बढ़ते हैं और जानते हैं कि कर्क राशि वालों के लिए कर्क राशिफल 2026 क्या कुछ लेकर आएगा।

परिवार

कर्क राशिफल 2026 के अनुसार, कर्क राशि वालों के पारिवारिक जीवन के लिए वर्ष 2026 थोड़ा कमज़ोर रह सकता है। हालांकि, दूसरे भाव के स्वामी बुध ग्रह इस पूरे वर्ष सभी राशियों में गोचर करेंगे और यह अधिकांश राशियों को अच्छे परिणाम देने का काम करेंगे। लेकिन, दूसरे भाव पर शनि की दृष्टि इस बात का संकेत कर रही है कि पारिवारिक संबंधों को मधुर बनाए रखने में आपको काफ़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। वहीं, दूसरे भाव के कारक ग्रह बृहस्पति वर्ष के 12 महीनों में से 7 महीने अनुकूल स्थिति में होंगे, विशेषकर साल की शुरुआत से लेकर 2 जून 2026 तक। इस दौरान घर-परिवार में मांगलिक कार्य हो सकते हैं। परिजन थोड़े से असंतुष्ट रह सकते हैं, लेकिन एक-दूसरे का पूरा ख्याल रखेंगे। आशंका है कि इसके बाद परिस्थितियां उतार-चढ़ाव भरी रह सकती हैं।

बेहतर होगा कि इस वर्ष पारिवारिक रिश्तों को बहुत प्यार से संभालें और छोटी-छोटी समस्याओं को बड़ा न बनने दें।

कर्क राशिफल 2026 कहता है कि गृहस्थ जीवन के लिए, साल की शुरुआत से लेकर 2 जून तक का समय बेहद अनुकूल रहेगा। इसके बाद आपको सावधानी बरतनी होगी, तब ही जीवन मधुर बना रहेगा क्योंकि 2 जून से 31 अक्टूबर 2026 तक बृहस्पति ग्रह द्वादश भाव में बैठकर अपनी पंचम दृष्टि से चतुर्थ भाव को देखेंगे। इसके परिणामस्वरूप, गुरु देव उन लोगों की मदद जरूर करेंगे जो घर-गृहस्थी का ख्यालगृहस्थी का ख्याल रखते हैं। वहीं घर-परिवार में सुख सुविधाओं को बढ़ाने का प्रयास कर रहे जातकों की मेहनत रंग लाएगी। जो लोग गृहस्थी को लेकर लापरवाही बरतेंगे, उन्हें समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। 31 अक्टूबर के बाद भी समान परिस्थितियां बनी रह सकती हैं। कुल मिलाकर, आपका पारिवारिक और गृहस्थ जीवन साल 2026 में मिला-जुला रह सकता है, फिर भी आपको सावधान रहना होगा।

स्वास्थ्य

कर्क राशिफल 2026 के अनुसार, वर्ष 2026 कर्क राशि वालों के स्वास्थ्य के लिए औसत से बेहतर रहेगा। साल के अधिकांश समय में आपके लग्न या राशि पर किसी भी नकारात्मक ग्रह का प्रभाव नहीं रहेगा। लेकिन, 05 दिसंबर के बाद राहु-केतु का प्रभाव शुरू होगा। हालांकि, बृहस्पति महाराज का गोचर द्वादश भाव में होने के कारण बीच-बीच में कुछ स्वास्थ्य समस्याएं बनी रह सकती हैं, ख़ासकर पेट या कमर के आसपास कोई समस्या परेशान कर सकती है। साथ ही, घुटने या जांघों से जुड़ी शिकायत भी हो सकती है।

शनि देव की दृष्टि आपको कंधे, बाजू या सीने से संबंधित परेशानी भी दे सकती है। हालांकि, यह समस्याएं ज्यादा समय तक नहीं रहेंगी। वहीं, 02 जून से 31 अक्टूबर 2026 तक बृहस्पति देव आपके पहले भाव में रहेंगे और इनकी स्थिति काफ़ी हद तक आपके लिए मददगार बनेगी।

सरल शब्दों में कहें तो, साल की शुरुआत से 2 जून 2026 तक कुछ स्वास्थ्य समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं, लेकिन इसके बाद का समय काफ़ी अच्छा रहेगा। वहीं 31 अक्टूबर 2026 के बाद बृहस्पति महाराज की स्थिति मज़बूत होगी जो आपका पूरी तरह से सहयोग करेगी। दूसरी तरफ, शनि का गोचर आपके लिए अनुकूल नहीं कहा जा सकता है। हालांकि, भाग्य भाव में बैठे होने के कारण शनि आपके विरोध में भी नहीं माने जाएंगे, फिर भी योग-व्यायाम करना आवश्यक होगा। इन जातकों को वाहन सावधानी पूर्वक चलाना होगा।

कर्क राशिफल 2026 कहता है कि 05 दिसंबर के बाद राहु-केतु के प्रभाव को देखते हुए आपको स्वास्थ्य को लेकर अत्यंत सावधान रहना होगा। इस दौरान किसी भी तरह की कोई लापरवाही न बरतें। मंगल देव की स्थिति 23 जनवरी से लेकर 02 अप्रैल 2026 और 02 अगस्त 2026 से 18 सितंबर 2026 के बीच कमज़ोर रह सकती है। ऐसे में, इस समय आपको वाहन सावधानी से चलाने की सलाह दी जाती है, बाकी का समय सामान्य तौर पर ठीक रहेगा। कुल मिलाकर, सभी ग्रहों के गोचर के आधार पर साल 2026 आपको स्वास्थ्य के क्षेत्र में औसत या औसत से बेहतर परिणाम दे सकता है।

प्रेम

कर्क राशिफल 2026 के अनुसार, कर्क राशि के जातकों का प्रेम जीवन वर्ष 2026 में काफ़ी हद तक अनुकूल रहेगा। आपके पंचम भाव के स्वामी बृहस्पति देव साल की शुरुआत से लेकर 02 जून 2026 तक लाभ भाव में रहेंगे और यहाँ से इनकी दृष्टि पंचम भाव पर पड़ रही होगी। यह दोनों ही स्थितियां काफ़ी अच्छी कही जाएंगी। इसके फलस्वरूप, आपका प्रेम जीवन बहुत अच्छा रहेगा। युवा जातकों को किसी से प्रेम हो सकता है। जो पहले से रिश्ते में हैं, उनके प्रेम में वृद्धि देखने को मिल सकती है। वहीं, जिनके प्रेम जीवन में कोई परेशानी चल रही थी, अब वह भी दूर हो जाएगी। लेकिन, 02 जून से 31 अक्टूबर 2026 के दौरान बृहस्पति ग्रह द्वादश भाव में रहेंगे जो कि एक कमज़ोर बिंदु कहा जाएगा। हालांकि, गुरु ग्रह उच्च अवस्था में होंगे इसलिए कोई बड़ी परेशानी नहीं आने देंगे।

लेकिन, द्वादश भाव में उच्च अवस्था में होने के कारण जातकों को साथी से मिलने के मौके कम मिल सकते हैं अथवा किसी कारण से थोड़ी दूरी आ सकती है। हालांकि, चिंता की कोई बात नहीं होगी, परंतु फिर भी आपको सावधानी बरतनी होगी। वहीं, 31 अक्टूबर 2026 के बाद बृहस्पति महाराज पहले भाव में बैठकर पंचम भाव को देखेंगे और यह स्थिति प्रेम जीवन के लिए अनुकूल रहेगी।

कर्क राशिफल 2026 भविष्यवाणी करता है कि 12 में से 5 महीने बृहस्पति देव कमज़ोर और 7 महीने आपको अच्छे परिणाम प्रदान करेंगे। कुल मिलाकर, वर्ष 2026 आपके प्रेम जीवन के लिए काफ़ी हद तक अनुकूल रह सकता है। लेकिन, शनि की दशम दृष्टि पंचम भाव पर पड़ रही होगी। ऐसे में, जिद करने वाले अथवा सीमाओं से बाहर जाने वाले जातकों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है इसलिए प्रेम जीवन में सीमाओं में रहकर रिश्ता निभाएंगे, तो आपको अनुकूल परिणाम मिल सकेंगे।

कार्यक्षेत्र

कर्क राशिफल 2026 के अनुसार, कर्क राशि वालों की नौकरी के लिए वर्ष 2026 औसत से बेहतर रहेगा। आपके कर्म भाव के स्वामी मंगल इस वर्ष आपको मिले-जुले परिणाम दे सकते हैं। वहीं, छठे भाव के स्वामी बृहस्पति देव साल की शुरुआत से लेकर 02 जून 2026 तक द्वादश भाव में रहेंगे। ऐसे में, घर से दूर रहकर नौकरी करने वालों के लिए समय अनुकूल रहेगा। लेकिन, भागदौड़ अधिक करनी पड़ सकती है जबकि कार्यों के नतीजे कमज़ोर रह सकते हैं। इसके बावजूद भी आप काफ़ी हद तक संतुष्ट नज़र आ सकते हैं।

02 जून 2026 से लेकर 31 अक्टूबर 2026 तक आपके छठे भाव तथा भाग्य भाव के स्वामी बृहस्पति प्रथम भाव में उच्च अवस्था में रहेंगे जो कार्यों में आपको सफलता दिलाने का काम करेंगे। साथ ही, आपके वरिष्ठ और बॉस आपके काम से खुश दिखाई देंगे। ऐसे में, आपके पदोन्नति के योग बनेंगे और मान-सम्मान भी प्राप्त होगा।

कर्क राशिफल 2026 कहता है कि 31 अक्टूबर 2026 के बाद बृहस्पति दूसरे भाव में जाकर आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने का संकेत कर रहे हैं। ऐसे में, यह स्थिति आपका इंक्रीमेंट करवाने का काम करेगी। हालांकि, राहु-केतु का गोचर आपके लिए ज्यादा अनुकूल नहीं कहा जा सकता है इसलिए इस दौरान सहकर्मियों के साथ व्यर्थ की बातचीत करने से बचें। विशेष रूप से किसी की निंदा या चुगली बिल्कुल भी न करें क्योंकि आपकी बातों को बढ़ा-चढ़ा कर बताया जा सकता है जिससे आपकी छवि खराब हो सकती है। ऐसे में, आपके लिए बेहतर होगा कि आप शांति से अपना काम करें जिससे आपको बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे।

धन

कर्क राशिफल 2026 के अनुसार, कर्क राशि के जातकों के आर्थिक जीवन के लिए वर्ष 2026 मिलाजुला रह सकता है। साल की शुरुआत में धन के कारक ग्रह बृहस्पति आपके लाभ भाव में रहेंगे जो सामान्य तौर पर एक अच्छी स्थिति मानी जाती है। इस वर्ष के शुरू से लेकर 02 जून 2026 तक बृहस्पति महाराज आर्थिक जीवन में आपकी सहायता करेंगे क्योंकि अष्टम भाव के स्वामी लाभ भाव में रहेंगे। इसके परिणामस्वरूप, आपको अप्रत्याशित रूप से भी धन प्राप्त हो सकता है।

02 जून से 31 अक्टूबर 2026 तक बृहस्पति देव का गोचर

आपके द्वादश भाव में रहेगा जिसे अच्छा नहीं माना जाता है। हालांकि, गुरु ग्रह उच्च अवस्था में अष्टम भाव के स्वामी के रूप में द्वादश भाव में जाएंगे और इस प्रकार, विपरीत राजयोग की स्थिति निर्मित होगी। इसका फ़ायदा कुछ लोगों को मिल सकता है, विशेषकर उन्हें जो विदेश में रहकर कोई काम कर रहे हैं या अपने जन्मस्थान से दूर रहते हैं। कर्क राशिफल 2026 के अनुसार, 31 अक्टूबर के बाद बृहस्पति देव की स्थिति आपके लिए औसत रहेगी। ऐसे में, यह आपको वर्ष 2026 में अनुकूल परिणाम दे सकता है।

वहीं, आपके लाभ भाव और धन भाव के स्वामी बुध ग्रह इस वर्ष अपना एक चक्र पूरा करेंगे। सरल शब्दों में कहें तो, बुध देव साल की शुरुआत में धनु राशि से चलकर साल के अंत में धनु राशि में प्रवेश कर जाएंगे। ऐसे में, वर्ष के ज्यादातर समय बुध महाराज आपको अच्छे परिणाम देने का काम करेंगे। कुल मिलाकर, आर्थिक जीवन के लिए वर्ष 2026 कर्क राशि वालों के लिए काफ़ी हद तक अनुकूल रहेगा, विशेषकर आय के मामले में। इस साल आप अधिक बचत करने में असमर्थ रह सकते हैं क्योंकि शनि की दृष्टि आपके बचत भाव पर होगी। ऐसे में, आपकी आय इस साल अच्छी रहेगी जबकि बचत कमज़ोर रह सकती है।

उपाय

माथे पर नियमित रूप से केसर का तिलक लगाएं। प्रत्येक चौथे महीने जटा वाले 4 नारियल बहते हुए जल में प्रवाहित करें।

चांदी का एक चौकोर टुकड़ा अपने साथ रखें।

सिंह राशि वालों के जीवन के विभिन्न आयामों जैसे कि करियर, प्रेम, शिक्षा, व्यापार और पारिवारिक जीवन आदि के लिए कैसा रहेगा। वर्ष 2026 के लिए सिंह राशिफल 2026 को ग्रहों के गोचर और स्थिति के आधार पर तैयार किया गया है जिसके अंतर्गत आपको कुछ सरल एवं अचूक उपाय भी प्रदान किए गए हैं। तो चलिए अब हम आगे बढ़ते हैं और जानते हैं कि सिंह राशि के जातकों के लिए सिंह राशिफल 2026 क्या कुछ लेकर आएगा।

परिवार

सिंह राशिफल 2026 के अनुसार, सिंह राशि के जातकों का पारिवारिक जीवन वर्ष 2026 में थोड़ा कमज़ोर रहने की आशंका है क्योंकि साल के ज्यादातर समय आपके दूसरे भाव पर शनि ग्रह की दृष्टि होगी। बता दें कि सिंह राशि के जातकों के लिए शनि ग्रह को बहुत अच्छा नहीं कहा जा सकता है। ऐसे में, शनि देव की दूसरे भाव पर दृष्टि परिवार के सदस्यों के बीच समस्याएं पैदा करने का काम कर सकती है। इस दौरान छोटी-छोटी बातें बड़ी बन सकती हैं जिन्हें आपको बहुत सावधानीपूर्वक नियंत्रित करने की आवश्यकता होगी। हालांकि, बुध का गोचर साल के अधिकांश समय आपके लिए अनुकूल रहेगा।

दूसरी तरफ, इस वर्ष शुभ ग्रह बृहस्पति का साथ भी आपको ज्यादा न मिलने की संभावना है। लेकिन, साल की शुरुआत से लेकर 2 जून तक बृहस्पति लाभ भाव में रहेंगे जो जीवन के हर क्षेत्र में आपका साथ देंगे, विशेष रूप से पारिवारिक जीवन में कोई बड़ी समस्या नहीं आने देंगे। बता दें कि 02 जून तक गुरु देव की कृपा से आपका पारिवारिक जीवन अनुकूल रह सकता है। लेकिन इसके बाद बृहस्पति का संबंध न तो दूसरे भाव से रहेगा और न ही ऐसे भावों से रहेगा जो पारिवारिक जीवन से जुड़े होंगे, इसलिए यह साल पारिवारिक जीवन के लिए थोड़ा कमज़ोर रह सकता है।

सिंह राशिफल 2026 कह रहा है कि गृहस्थ जीवन के लिए वर्ष 2026 ठीक-ठाक रहने का अनुमान है क्योंकि साल की शुरुआत से लेकर 2 जून तक बृहस्पति लाभ भाव में रहेंगे जो कि एक अनुकूल स्थिति है। वहीं, 02 जून से 31 अक्टूबर तक बृहस्पति महाराज द्वादश भाव में बैठकर आपके चतुर्थ भाव को देखेंगे। ऐसे में, यह आपके गृहस्थ जीवन में कोई बड़ी समस्या नहीं आने देंगे। भले ही घर से दूर रहने के कारण गृहस्थ जीवन के सुखों को आप पूरी तरह से न भोग पाएं, लेकिन अपने घर को सुख-सुविधाओं से पूर्ण बनाने के लिए मेहनत करते रहेंगे।

इस प्रकार, गृहस्थ जीवन में कोई नकारात्मकता नहीं आएगी, बल्कि इस दौरान आप कुछ महत्वपूर्ण और महंगी वस्तुएं भी खरीद सकते हैं। 31 अक्टूबर के बाद की अवधि में बृहस्पति देव का संबंध चतुर्थ भाव से नहीं रहेगा, परंतु सप्तम भाव से रहेगा और सप्तम भाव चतुर्थ से चतुर्थ भाव होता है। सरल शब्दों में कहें तो, चौथ से चौथा भाव होता है। इसके परिणामस्वरूप, पारिवारिक जीवन में गुरु ग्रह इन जातकों की ज्यादा मदद नहीं कर पाएंगे, लेकिन थोड़े बहुत वह आपके पक्ष में परिणाम दे सकते हैं। कुल मिलाकर, वर्ष 2026 पारिवारिक जीवन के लिए कमज़ोर रह सकता है जबकि सिंह राशि के जातकों का गृहस्थ मामलों काफ़ी हद तक अनुकूल रहेगा।

स्वास्थ्य

सिंह राशिफल 2026 के अनुसार, सिंह राशि के जातकों के स्वास्थ्य के लिए वर्ष 2026 अच्छा नहीं कहा जा सकता है। हालांकि, बृहस्पति महाराज की स्थिति साल के शुरुआत से लेकर 2 जून तक अनुकूल रहेगी और यह आपके पक्ष में परिणाम देंगे जो कि सकारात्मक स्थिति है। लेकिन इसके बावजूद भी प्रथम भाव पर राहु-केतु का प्रभाव 05 दिसंबर 2026 तक बना रहेगा और इसे अच्छी स्थिति नहीं कह सकते हैं। वहीं, शनि देव आपके आठवें भाव में उपस्थित होंगे और चंद्र कुंडली के

अनुसार, यह स्थिति शनि की ढैया मानी जाती है। ऐसे में, इस वर्ष आपके स्वास्थ्य में कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। विशेष कर ऐसे लोग जिन्हें मस्तिष्क, शरीर के ऊपरी हिस्से में, कमर या जननांगों से जुड़ी समस्या पहले से है। साथ ही, गैस से संबंधित कोई परेशानी बनी रहती है, तो उन्हें इस वर्ष बहुत ही सावधानी बरतनी होगी।

आठवें भाव में शनि की स्थिति को देखते हुए इन जातकों को वाहन सतर्कता से चलाने की सलाह दी जाती है। प्रत्येक काम को धैर्य के साथ करना होगा और किसी भी तरह की जल्दबाजी से बचना होगा, अन्यथा चोट-खरोच लगने की आशंका है। बता दें कि 02 जून 2026 तक बृहस्पति का गोचर अनुकूल रहेगा इसलिए इस दौरान समस्याएं कम रहने की संभावना है। हालांकि, आप थोड़ी सावधानी बरतकर अपने स्वास्थ्य को अच्छा बनाए रख सकते हैं। सिंह राशिफल 2026 कहता है कि 02 जून 2026 से लेकर 31 अक्टूबर 2026 के बीच बृहस्पति की स्थिति कमज़ोर रह सकती है। और नकारात्मक ग्रहों का प्रभाव आप पर बना रहेगा। इसके परिणामस्वरूप, इस अवधि में आपको अपने स्वास्थ्य का अत्यधिक ध्यान रखना होगा।

दूसरी तरफ, 31 अक्टूबर के बाद बृहस्पति की स्थिति तुलनात्मक रूप से बेहतर होगी। ऐसे में, आप राहत का अनुभव कर सकेंगे। हालांकि, अष्टमेश होकर बृहस्पति पहले भाव में प्रवेश करेंगे और इसके फलस्वरूप, आपको चोट लगने का भय रह सकता है। कुल मिलाकर, स्वास्थ्य की दृष्टि से साल 2026 थोड़ा कमज़ोर रहने का अनुमान है। बता दें कि साल का पहला हिस्सा बेहतर रहेगा जबकि साल के दूसरे हिस्से में स्वास्थ्य को लेकर आपको अपेक्षाकृत अधिक जागरूक रहने की आवश्यकता होगी। जातकों को पेट, कमर या फिर मन-मस्तिष्क से संबंधित समस्या से परेशान लोगों को सतर्क रहना होगा।

प्रेम

सिंह राशिफल 2026 के अनुसार, सिंह राशि वालों का प्रेम जीवन वर्ष 2026 में काफ़ी हद तक अच्छा रहेगा। इस पूरे साल शनि देव की दशम दृष्टि आपके पंचम भाव पर रहेगी और इसे सामान्य तौर पर अच्छा नहीं कहा जा सकता है।

हालांकि, वह लोग चिंता न करें जो सच में एक-दूसरे से प्रेम करते हैं और ताउम्र साथ रहने की इच्छा रखते हैं क्योंकि शनि महाराज आपको परेशान नहीं करेंगे। वहीं, अन्य लोगों के बीच नाराजगी या किसी जिद की वजह से रिश्ते में परेशानियां बनी रह सकती हैं जो कि आप दोनों के बीच कभी-कभार जन्म ले सकती हैं। बता दें कि पंचम भाव के स्वामी बृहस्पति देव साल के शुरू से लेकर 2 जून 2026 तक आपके लाभ भाव में रहेंगे और वहां से पंचम भाव पर अपनी दृष्टि डालेंगे। ऐसे में, यह स्थिति प्रेम संबंधों में अनुकूलता देने के साथ-साथ प्रेम विवाह करने के इच्छुक लोगों की भी मनोकामना पूर्ति करने में सहायक बनेगी।

हालांकि, 02 जून 2026 से लेकर 31 अक्टूबर 2026 तक बृहस्पति महाराज आपके द्वादश भाव में रहेंगे। इसकी परिणामस्वरूप, इन जातकों को पार्टनर से मौके कम मिलने की आशंका है और आप दोनों के बीच किसी न किसी वजह से दूरी बनी रह सकती है। इसके विपरीत, जो जातक लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में हैं, उनके लिए यह समय ज्यादा अच्छा कहा जा सकता है क्योंकि पंचमेश उच्च के होकर द्वादश भाव में रहेंगे। ऐसे में, रिश्ते में दूरी होने के बावजूद प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। इस प्रकार, ऐसे जातक जिनके लिए 02 जून तक का सफर बहुत अच्छा रहेगा, उनको 02 जून से 31 अक्टूबर के बीच में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, जो लोग साथी से ज्यादा नहीं मिल पाए थे, उन्हें अब मिलने के मौके मिल सकते हैं।

कार्यक्षेत्र

सिंह राशिफल 2026 कहता है कि सिंह राशि वालों की नौकरी के लिए वर्ष 2026 औसत रहेगा। इस दौरान आपको मेहनत की तुलना में सफलता नहीं मिलने की आशंका है। ऐसे में, आप थोड़े निराश रह सकते हैं। आपके छठे भाव के स्वामी शनि अष्टम भाव में रहेंगे और शनि महाराज की इस स्थिति को अच्छा नहीं माना जाता है। लेकिन, छठे भाव से तीसरे भाव में होने के कारण आपको कड़ी मेहनत करने के बाद संतोषप्रद परिणाम मिल सकेंगे।

बता दें कि साल की शुरुआत से लेकर 20 जनवरी 2026 तक शनि ग्रह बृहस्पति देव के नक्षत्र में विराजमान रहेंगे जबकि गुरु ग्रह लाभ भाव में मौजूद होंगे। इसके परिणामस्वरूप, इस समय आपको नौकरी में अधिक मेहनत के बाद अनुकूल सफलता मिल सकेगी। साथ ही, आप अपने लक्ष्यों को भी किसी न किसी तरह पूरा करने में सक्षम होंगे। ऐसे में, आप मित्रों तथा सहकर्मियों के बीच प्रशंसा के पात्र बन सकेंगे।

वहीं, 20 जनवरी 2026 से 17 मई 2026 के बीच का समय आपसे अधिक मेहनत करवा सकता है क्योंकि यह अवधि आपके लिए मुश्किल रहेगी। इस दौरान आपको सहकर्मियों के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखना होगा और किसी की भी निंदा या चुगली करने से बचना होगा। ऐसा करके आप विवाद से बच सकेंगे। हालांकि, 17 मई 2026 से लेकर 9 अक्टूबर 2026 के बीच बुध ग्रह के नक्षत्र में शनि देव रहेंगे। ऐसे में,यह अवधि आपके लिए अच्छी साबित होगी। लेकिन, 22 जून से 7 जुलाई के बीच द्वादश भाव में बुध का गोचर आपको थकान या चिंता देने का काम कर सकता है। इस दौरान आप किसी से भी ऐसी कोई बात न करें या दोस्त से इस तरह की कोई भी बात न कहें जिसमें किसी दूसरे इंसान की निंदा की गई हो या फिर नौकरी में समस्याएं उत्पन्न हो सकती हों।

सिंह राशिफल 2026 के अनुसार, 9 अक्टूबर के बाद शनि महाराज पर शनि के ही नक्षत्र का प्रभाव रहेगा क्योंकि शनि अष्टम भाव में बैठे होंगे। इसके फलस्वरूप, आपके जीवन में एक के बाद एक समस्या आ सकती हैं। हालांकि, 31 अक्टूबर के बाद बृहस्पति ग्रह की स्थिति बेहतर होगी जो आपको राहत देने का काम करेगी। कुल मिलाकर, वर्ष 2026 सिंह राशि वालों को नौकरी में मिले-जुले परिणाम देता हुआ प्रतीत हो रहा है।

धन

सिंह राशि वालों के आर्थिक जीवन के लिए वर्ष 2026 औसत रहेगा क्योंकि इस दौरान आपके द्वारा किए जा रहे प्रयास थोड़े कमज़ोर पड़ सकते हैं। ऐसे में, आपको कार्यों में मिलने वाले परिणाम मिले-जुले रह सकते हैं। सामान्य रूप से आर्थिक जीवन के कारक ग्रह बृहस्पति साल की शुरुआत से लेकर 2 जून तक बहुत अच्छी स्थिति में रहेंगे और यह आपको कार्यों में काफ़ी अच्छे परिणाम देना चाहेंगे।

बता दें कि 31 अक्टूबर 2026 के बाद बृहस्पति महाराज आपके पहले भाव में आ जाएंगे और इनसे मिलने वाले परिणाम 2 जून 2026 से पहले की तुलना में कमज़ोर और 2 जून से 31 अक्टूबर की अवधि की तुलना में मज़बूत रह सकते हैं।

सिंह राशिफल 2026 कहता है कि इस अवधि में आपके धन भाव पर शनि की दृष्टि लगातार बनी रहेगी। ऐसे में, आपको बचत करने में परेशानियों से दो-चार होना पड़ सकता है और कई बार बचत किए हुए पैसे भी अप्रत्याशित रूप से खर्च हो सकते हैं। जैसे कि हमने आपको बताया कि यह वर्ष आपके आर्थिक जीवन के लिए औसर रहेगा, लेकिन कुछ लोग अपनी मेहनत के बल पर इसे बेहतर बनाने में सक्षम होंगे क्योंकि इस वर्ष बुध और गुरु ग्रह दोनों आपके पक्ष में परिणाम देने का काम करेंगे।

लेकिन, शनि का गोचर आर्थिक जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। कुल मिलाकर, वर्ष 2026 आर्थिक जीवन के लिए औसत या औसत से बेहतर रहेगा।

उपाय

बंदरों को महीने के पहले या तीसरे रविवार गुड़ खिलाएं। प्रत्येक माह के चौथे शनिवार को बहते हुए जल में कोयला प्रवाहित करें। नहाने के पानी में एक चम्मच दूध डालकर नहाएं।

यह राशिफल पूर्ण रूप से वैदिक ज्योतिष पर आधारित है और आप कन्या राशिफल 2026 की सहायता से जीवन के विभिन्न क्षेत्रों जैसे करियर, व्यापार, प्रेम, वैवाहिक जीवन का पूरा लेखा-जोखा जान सकेंगे। साथ ही, इस वर्ष के ग्रहों के गोचर के आधार पर हम आपको कुछ उपाय भी बताएंगे जिनकी मदद से आप इस साल को बेहतर बनाने में सक्षम होंगे। तो चलिए फिर आगे बढ़ते हैं और जानते हैं कि कन्या राशि के जातकों के लिए कन्या राशिफल 2026 क्या भविष्यवाणी कर रहा है।

परिवार

कन्या राशिफल 2026 के अनुसार, कन्या राशि वालों के पारिवारिक जीवन के लिए वर्ष 2026 सामान्य रहेगा। इस अवधि में किसी बड़े ग्रह का नकारात्मक प्रभाव दूसरे भाव पर नहीं होगा। वहीं, दूसरे भाव के स्वामी शुक्र साल के अधिकांश समय आपको अनुकूल परिणाम देना चाहेंगे जबकि बृहस्पति महाराज साल की शुरुआत से लेकर 02 जून तक दशम भाव में बैठकर अपनी पंचम दृष्टि से दूसरे भाव को प्रभावित करेंगे। ऐसे में, यह पारिवारिक जीवन में सौहार्द और सामंजस्य को बढाने का काम करेंगे।

साथ ही, 02 जून से लेकर 31 अक्टूबर तक गुरु ग्रह पारिवारिक जीवन समेत सभी मामलों में आपको शुभ फल प्रदान करेंगे। इसके बाद यानी कि 31 अक्टूबर के बाद की अवधि में गुरु देव की स्थिति आपका सहयोग नहीं कर पाएगी इसलिए इस समय आपको सावधानी बरतनी होगी। हालांकि, दूसरे भाव पर लंबे समय तक किसी अन्य पापी ग्रह का प्रभाव नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में, आपको पारिवारिक जीवन में वर्ष 2026 काफ़ी हद तक अच्छे परिणाम दे सकता है और\ किसी बड़ी समस्या के योग नहीं हैं।

कन्या राशिफल 2026 भविष्यवाणी कर रहा है कि शनि की दशम दृष्टि पूरे वर्ष आपके चतुर्थ भाव पर रहेगी जो गृहस्थ जीवन में समस्याएं पैदा कर सकती है। सप्तम भाव में शनि का गोचर चतुर्थ से चतुर्थ भाव में होता है। ऐसे में, यह स्थिति संकेत कर रही हैं कि गृहस्थ जीवन में कुछ परेशानियां बनी रह सकती हैं। हालांकि, चतुर्थेश बृहस्पति इस साल के ज्यादातर समय चतुर्थ भाव की रक्षा करने का प्रयास करेंगे क्योंकि साल की शुरुआत में बृहस्पति सप्तम दृष्टि से चतुर्थ भाव पर दृष्टि डालेंगे। वहीं, 02 जून से 31 अक्टूबर के बीच चतुर्थेश बृहस्पति उच्च अवस्था में होंगे और इसके बाद गुरु ग्रह पंचम दृष्टि से चतुर्थ भाव को देखेंगे।

कन्या राशिफल 2026 कहता है कि गुरु ग्रह किसी न किसी तरह से गृहस्थ जीवन के लिए सुरक्षा कवच का काम करेंगे। लेकिन फिर भी आपको शनि की दृष्टि की वजह से सावधानी बरतनी होगी। कुल मिलाकर, वर्ष 2026 पारिवारिक जीवन के लिए अच्छा रहेगा, परंतु गृहस्थ जीवन के लिए औसत या औसत से कमज़ोर रह सकता है। सरल शब्दों में, गृहस्थ जीवन में समस्याएं आएंगी, लेकिन समझदारी से आप न सिर्फ़ उन्हें दूर कर सकेंगे, बल्कि गृहस्थ जीवन का आनंद भी ले सकेंगे।

स्वास्थ्य

कन्या राशिफल 2026 के अनुसार, कन्या राशि वालों के स्वास्थ्य के लिए वर्ष 2026 औसत या औसत से थोड़ा कमज़ोर रह सकता है। हालांकि, आपके लग्न या राशि के स्वामी बुध साल के ज्यादातर समय आपके पक्ष में परिणाम देंगे। लेकिन, इनका बीच-बीच में अस्त और वक्री होना नकारात्मक कहा जा सकता है। साथ ही, शनि की सप्तम दृष्टि पहले भाव पर होना भी शुभ नहीं माना जाएगा। आपके स्वास्थ्य के लिए

बृहस्पति का गोचर भी ज्यादा अनुकूल नहीं रहेगा, परंतु 02 जून 2026 से 31 अक्टूबर 2026 के बीच यह आपको सकारात्मक फल प्रदान करेंगे। इन सब परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इस पूरे वर्ष आपको स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहने की सलाह दी जाती है।

शनि ग्रह के प्रभाव की वजह से आपको कभी-कभी सुस्ती, थकावट, शरीर और जोड़ों में दर्द जैसी समस्याएं बनी रह सकती हैं। वहीं, जिन लोगों को स्वास्थ्य समस्याएं जैसे सांस लेने में तकलीफ और फेफड़ों की परेशानी आदि पहले से रही हैं, तो उन्हें विशेष रूप से सावधानी बरतनी होगी। बुध ग्रह की बात करें तो, साल की शुरुआत में बुध ग्रह 02 जनवरी से 05 फरवरी के बीच अस्त रहेंगे इसलिए इस दौरान सेहत का ख्याल रखें। दूसरी तरफ, 26 फरवरी से लेकर 21 मार्च के बीच बुध ग्रह वक्री रहेंगे। इस अवधि में कार्यों में बाधाएं पैदा हो सकती हैं जिसके चलते आप तनाव में नज़र आ सकते हैं। बता दे कि बुध महराज 01 मार्च से 18 मार्च और 27 अप्रैल से 23 मई की अवधि में अस्त रहेंगे; जिसे एक कमज़ोर स्थिति माना जाएगा।

दूसरी तरफ, बुध ग्रह 11 अप्रैल से 30 अप्रैल के बीच अपनी नीच राशि मीन में रहेंगे और इसे शुभ नहीं कहा जा सकता है। कन्या राशिफल 2026 के अनुसार, स्वास्थ्य की दृष्टि से साल 2026 ज्यादा अच्छा नहीं रहने की आशंका है। ऐसे में, आपको अपनी सेहत को ध्यान में रखते हुए खानपान अपनाना होगा। साथ ही, नियमित दिनचर्या का पालन करते हुए आपके लिए योग और व्यायाम करना फलदायी रहेगा। स्वयं पर आलस हावी न होने दें और धैर्यपूर्वक जीवन व्यतीत करें। जैसे कि हम आपको बता चुके हैं कि वर्ष 2026 कन्या राशि के स्वास्थ्य के लिए औसत से कमज़ोर रहेगा। ऐसे में, सेहत के प्रति आपको सावधानी बरतनी होगी।

प्रेम

कन्या राशिफल 2026 के अनुसार, कन्या राशि वालों का प्रेम जीवन वर्ष 2026 में औसत रहेगा। अगर आप सीमाओं में रहकर अपना रिश्ता निभाएंगे और बेकार की जिद से बचेंगे, तो यह समय और भी बेहतर बन सकता है। पंचम भाव के स्वामी शनि सप्तम भाव में रहेंगे और सप्तम भाव में शनि की उपस्थिति को शुभ नहीं माना जाता है। लेकिन, पंचमेश का सप्तम भाव में जाना दर्शाता है कि प्रेम विवाह के इच्छुक जातक प्रयास करने पर सफल हो सकते हैं। वहीं, जो लोग अपने रिश्ते को लेकर गंभीर हैं और आगे की जिंदगी साथ में बिताना चाहते हैं, शनि देव उनकी सहायता कर सकते हैं। इसके विपरीत, जो लोग प्यार को लेकर गंभीर नहीं हैं, उनके रिश्ते में खटास आ सकती है।

बता दें कि पंचमेश का अपने से तीसरे भाव में गोचर पुराने साथी से आपका रिश्ता टूटने की तरफ संकेत करता है और कोई नया शख़्स आपके जीवन में दस्तक दे सकता है। हालांकि, यह सब उतनी आसानी से नहीं होगा, जितना आप सोच रहे हैं क्योंकि आपको विवादों और समस्याओं के बाद नए साथी का साथ मिलेगा। आपके प्रेम जीवन की बागडोर शनि महाराज के हाथ में होगी इसलिए अपने रिश्ते के प्रति गंभीर बने रहें। वहीं, सप्तम भाव के स्वामी बृहस्पति की कृपा 02 जून से लेकर 31 अक्टूबर तक आप पर प्रत्यक्ष रूप से बनी रहेगी। इस दौरान आपका रिश्ता सही दिशा में आगे बढ़ेगा। इसके बाद, गुरु ग्रह की स्थिति कमज़ोर हो जाएगी।

कार्यक्षेत्र

कन्या राशिफल 2026 भविष्यवाणी कर रहा है कि कन्या राशि के जातकों की नौकरी के लिए वर्ष 2026 मिला-जुला रहेगा। हालांकि, आपके छठे भाव के स्वामी शनि सप्तम भाव में रहेंगे जो कि एक बहुत अच्छी स्थिति नहीं होगी। लेकिन, छठे भाव में राहु महाराज 05 दिसंबर 2026 तक रहेंगे और ऐसे में, यह आपको नौकरी में किसी न किसी तरह से लाभप्रदान करेंगे। इस दौरान आप कुछ मुश्किल कामों को भी आसानी से कर जाएंगे और इसके परिणामस्वरूप, सहकर्मी और बॉस आपको सम्मान की नज़रों से देखेंगे। लेकिन, इस बात का ध्यान रखें कि यह मान-सम्मान और सफलता आपको राहु के द्वारा दी जा रही है जो स्थिर नहीं मानी जाती है। इस प्रकार, कार्यक्षेत्र में अपनी छवि अच्छी बनाए रखने की कोशिश करें और काम को मेहनत के साथ पूरा करें। इस दौरान आप अपनी क्षमताओं को मज़बूत बनाने का काम करें जिससे आपको राहु का साथ न मिलने पर समस्याएं न आएं।

सामान्य शब्दों में कहें तो, नौकरी के लिए समय अनुकूल रहेगा, लेकिन फिर भी आपको स्किल्स को बढ़ाना होगा। बृहस्पति महाराज साल की शुरुआत से लेकर 02 जून तक दशम भाव में मौजूद होंगे और ऐसे में, कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी आपकी परीक्षा ले सकते हैं इसलिए आपको पहले से तैयार रहना होगा। हालांकि, राहु और बृहस्पति का प्रभाव आपको सफलता दिला सकता है। कन्या राशिफल 2026 के अनुसार, 02 जून से 31 अक्टूबर 2026 तक की अवधि उत्तम रहेगी और ऐसे में, इस दौरान आप कोई बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए दिखाई दे सकते हैं।

इस अवधि में आपके इंक्रीमेंट के योग बनेंगे या फिर कुछ ऐसे निर्णय लिए जा सकते हैं जो बाद में आपके इंक्रीमेंट का मार्ग प्रशस्त करेंगे। जब 31 अक्टूबर के बाद बृहस्पति ग्रह द्वादश में प्रवेश करेंगे, तो इस स्थिति को अच्छा नहीं कहा जाएगा। लेकिन, छठे भाव पर इनकी दृष्टि होने के कारण आपको काफ़ी भागदौड़ करने के बाद मनचाहे परिणाम मिल सकेंगे। कुल मिलाकर, वर्ष 2026 आपसे अधिक करवाएगा, परंतु बुद्धिमानी से काम करने के बाद आप औसत से बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकेंगे।

धन

कन्या राशिफल 2026 के अनुसार, कन्या राशि के जातकों का आर्थिक जीवन वर्ष 2026 में काफ़ी हद तक अनुकूल रहेगा। जैसे कि हम आपको ऊपर बता चुके हैं कि यह साल करियर के लिए औसत या औसत से बेहतर रहेगा। इसी प्रकार, आर्थिक जीवन भी इस वर्ष आपको ऐसे ही परिणाम मिलने के आसार है। वर्ष 2026 में शुक्र का गोचर ज्यादातर समय आपके पक्ष में रहेगा जो कि अनुकूल बिंदु कहा जाएगा।

वहीं, बृहस्पति की स्थिति भी आपके लिए अनुकूल रहेगी और यह इस साल की शुरुआत से लेकर 2 जून तक अपनी पंचम दृष्टि से धन भाव को देखेंगे। ऐसे में, इनकी दृष्टि धन-धान्य को बढ़ाने में मददगार साबित होगी। अगर आपका धन खर्च भी होता है, तो वह अच्छे कामों में होगा। वहीं, 02 जून से 31 अक्टूबर 2026 तक धन के कारक गुरु ग्रह लाभ भाव में उच्च अवस्था में विराजमान होंगे।

लेकिन, 31 अक्टूबर के बाद बृहस्पति का गोचर ठीक नहीं कहा जा सकता है क्योंकि इस दौरान आपके सामने बेकार के खर्चे आ सकते हैं और आपको अधिक भागदौड़ भी करनी पड़ सकती है। वहीं, धन से जुड़े मामलों के लिए 31 अक्टूबर के बाद का समय मुश्किल रह सकता है, परन्तु इससे पहले का समय अच्छा रहेगा।

कन्या राशिफल 2026 के अनुसार, शनि की स्थिति इस साल आपके लिए अनुकूल नहीं होगी, परंतु फिर भी धन भाव के स्वामी और धन के कारक ग्रह बृहस्पति देव की स्थिति आर्थिक जीवन के लिए वर्ष 2026 को काफ़ी बेहतर बनाने का काम कर सकती है। अगर आप मेहनत करेंगे, तो आप और भी अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकेंगे।

उपाय

काली गाय की सेवा करें।

भगवान गणेश की नियमित रूप से पूजा करें। भाई-बहनों के साथ मधुर संबंध बनाए रखें।

पंचगुली ज्योतिष केंद्र
9247132654

अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत

दिसंबर में जीएसटी कलेक्शन 6.1% बढ़ा, 1.75 लाख करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। जीएसटी कलेक्शन दिसंबर 2025 में पिछले साल के मुकाबले 6.1% बढ़ा है। यह बढ़कर लगभग 1.75 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यह बढ़ोतरी देश की मजबूत आर्थिक गतिविधि और बेहतर कर अनुपालन को दर्शाती है। 2025-26 के वित्तीय वर्ष (अप्रैल-दिसंबर) के दौरान, कुल जीएसटी कलेक्शन 8.6% बढ़कर लगभग 16.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि के 15.2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है। यह लगातार बढ़ोतरी भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

इसमें जीएसटी परिषद ने प्रणाली को सरल और व्यवसाय-अनुकूल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दिसंबर 2025 में केंद्रीय जीएसटी और राज्य जीएसटी संग्रह में बढ़ोतरी देखी गई। वहीं, एकीकृत जीएसटी में साल-दर-साल गिरावट आई। हालांकि, 2025-26 के वित्तीय वर्ष के अब तक के आंकड़ों के अनुसार, सीजीएसटी, एसजीएसटी और आईजीएसटी सभी कम्पोनेंटमें में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह दर्शाता है कि समग्र रूप से जीएसटी प्रणाली अच्छा प्रदर्शन कर रही है। 2024-25 के वित्तीय वर्ष में भारत के जीएसटी प्रणाली ने एक बड़ा मुकाम हासिल किया। इसमें रिकॉर्ड सकल संग्रह 22.08 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वर्ष की तुलना में 9.4% की बढ़ोतरी है। इस अवधि के दौरान औसत मासिक जीएसटी संग्रह 1.84 लाख करोड़ रुपये रहा, जो 2017 में जीएसटी की शुरुआत के बाद से सबसे अधिक है। जीएसटी संग्रह में यह लगातार बढ़ोतरी मजबूत आर्थिक गतिविधियों और बेहतर अनुपालन का परिणाम है। जीएसटी संग्रह में पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है। 2020-21 में यह 11.37 लाख करोड़ रुपये था, जो 2023-24 में बढ़कर 20.18 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह बढ़ोतरी भारत की अर्थव्यवस्था के मजबूत होने और करदाताओं की ओर से नियमों का बेहतर पालन करने का संकेत देती है। जीएसटी परिषद ने इस प्रणाली को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस परिषद की अध्यक्षता केंद्रीय वित्त मंत्री करते हैं और इसमें राज्यों के वित्त मंत्री और अन्य प्रमुख अधिकारी शामिल होते हैं। अपनी स्थापना 2016 से परिषद ने 55 बैठकें की हैं और जीएसटी प्रणाली को सरल और अधिक व्यवसाय-अनुकूल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। 3 सितंबर, 2025 को अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार के तहत बड़े बदलाव किए गए। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से इसकी घोषणा के कुछ दिनों बाद हुआ। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को सरल बनाने के एक ऐतिहासिक कदम के तहत जीएसटी परिषद ने अपनी 56वीं बैठक में जीएसटी संरचना को चार स्लैब (5%, 12%, 18%, 28%) से घटाकर दो मुख्य दरें - 5% (मेरिट दर) और 18% (मानक दर) कर दीं। इसके अलावा, सिन और लक्जरी वाले सामानों के लिए 40% की विशेष दर भी रखी गई। इसका उद्देश्य नागरिकों पर कर का बोझ कम करना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना था। 22 सितंबर को नवरात्र के पहले दिन जीएसटी दरों में सभी बदलाव प्रभावी हो गए।

ट्रेडर के अकाउंट में गलती से आए 40 करोड़ रुपए

20 मिनट में कमाए 1.75 करोड़ रुपए; कोर्ट बोला– मुनाफा ट्रेडर का, ब्रोकर का नहीं

मुंबई,1 जनवरी (एजेंसियां)। कोटक सिक्योरिटीज के एप में आई एक तकनीकी खराबी ने एक साधारण ट्रेडर को करोड़पति बना दिया। लेकिन असली जंग एनएसई अपीलेट फोरम और बॉम्बे हाई कोर्ट में जीती गई। कोर्ट ने कहा- अगर ब्रोकर की गलती से किसी ट्रेडर के अकाउंट में ज्यादा मार्जिन मनी दिखता है और वह अपनी सूझबूझ से मुनाफा कमाता है, तो उस पैसे पर हक ट्रेडर का ही होगा। कोर्ट ने कोटक सिक्योरिटीज की उस दलील को खारिज कर दिया जिसमें मुनाफे को 'गलत तरीके से कमाई' बताया गया था। कोटक को 12% ब्याज के साथ पैसा लौटाने को कहा गया है।

राजगुरु नाम के एक ट्रेडर का कोटक सिक्योरिटीज में डीमैट अकाउंट था। 26 जुलाई 2022 को उनके अकाउंट में सिर्फ 3,175.69 पैसे थे। लेकिन सिस्टम की एक तकनीकी खराबी के कारण उनके अकाउंट में अचानक 40 करोड़ का मार्जिन मनी रिफ्लेक्ट होने लगा।

राजगुरु ने इस मौके को हाथ से जाने नहीं दिया। उन्होंने अपनी ट्रेडिंग स्किल का इस्तेमाल किया और अगले 20 मिनट में करीब 94.81 करोड़ के फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस सौदे कर डाले।

राजगुरु की किस्मत और समझ ने साथ दिया। इन 20 मिनटों में उन्हें पहले 54 लाख का घाटा भी हुआ, लेकिन बाद में उन्होंने 2.38 करोड़ का ग्रॉस प्रॉफिट कमाया। टैक्स और अन्य चार्जेस काटने के बाद उनका नेट प्रॉफिट 1.75 करोड़ रहा। शाम को कोटक ने उन्हें कॉन्ट्रैक्ट नोट भी जारी किया और उनके अकाउंट में 1.83 करोड़ क्रेडिट कर दिए। लेकिन जैसे ही ब्रोकर को अपनी गलती का अहसास हुआ, उन्होंने यह पैसा वापस निकाल लिया।

'गाय हमारी तो बछड़ा भी हमारा'

कोटक सिक्योरिटीज ने कहा कि यह मामला वैसा ही है जैसे किसी की गाय किसी दूसरे के पास हो और वह बछड़ा दे दे, तो बछड़े पर हक गाय के मालिक का ही होगा। कोटक का कहना था कि चूंकि मुनाफा उनके 40 करोड़ के इस्तेमाल से हुआ, इसलिए वह मुनाफा भी उन्हीं का है। मामले की सुनवाई के दौरान यह भी सामने आया कि कोटक सिक्योरिटीज ने राजगुरु के साथ सेटलमेंट की कोशिश की थी। ब्रोकर ने ऑफर दिया था कि राजगुरु 1.75 करोड़ का दावा छोड़ दें और उसके बदले 50 लाख ले लें।

नए साल के जश्न में हर मिनट 1336 बिरयानी का हुआ ऑर्डर

नई दिल्ली,1 जनवरी (एजेंसियां)। नया साल, मतलब कि साल 2026 की शुरुआत हो चुकी है। इससे एक दिन पहले ही साथ ही भारत के शहरों में फूड ऑर्डर की बाढ़ आ गई। 31 दिसंबर को तो मांग में जबरदस्त उछाल देखा गया। खासकर बिरयानी, पिज्जा और बर्गर की खूब मांग रही। स्विगी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बड़े शहरों और छोटे शहरों के लोग नए साल का जश्न मनाने के लिए अपने पसंदीदा कम्फर्ट फूड की ओर भागे। इस रिपोर्ट का कहना है कि नए साल का जश्न छोटे शहरों में जल्दी ही शुरू हो गया था। पटना, सूरत, वडोदरा, नागपुर, जयपुर, पुणे और इंदौर जैसे शहरों में 31 दिसंबर की शाम से ही ऑर्डर आने लगे थे। शुरुआती घंटों में केक, पिज्जा और बिरयानी सबसे ज्यादा ट्रेंडिंग आइटम रहे। अक्सर लोग सवाल करते हैं कि भारत का पसंदीदा पार्टी फूड कौन सा है? बिरयानी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि यह भारत का पसंदीदा पार्टी फूड है। कल शाम 7:30 बजे से पहले ही 2,18,993 बिरयानी ऑर्डर किए गए। रात 8 बजे से ठीक पहले तो हर मिनट 1,336 बिरयानी ऑर्डर हो रहे थे, जो कि एक रिकॉर्ड था।

सर्विस चार्ज वसूलने वाले रेस्टोरेंट सुधर जाएं बोरा बोरा पर लगा 50 हजार का जुर्माना

नई दिल्ली,1 जनवरी (एजेंसियां)। सरकार ने नियम बना दिया है कि रेस्टोरेंट वाले ग्राहकों से जबरिया सर्विस चार्ज नहीं वसूल सकते। लेकिन रेस्टोरेंट इसे मान ही नहीं रहे हैं। तभी तो मुंबई के 'बोरा बोरा' रेस्टोरेंट पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगा है। यह रेस्टोरेंट चाइना गेट रेस्टोरेंट प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी चलाती है। इन पर ग्राहकों से जबरन सर्विस चार्ज वसूलने का आरोप है।

चाइना गेट रेस्टोरेंट प्राइवेट लिमिटेड पर जुर्माना लगाने का आदेश केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने बीते 29 दिसंबर को दिया है। सीसीपीए ने कहा कि रेस्टोरेंट ग्राहकों के बिल में अपने आप 10% सर्विस चार्ज जोड़ रहा था। इतना ही नहीं, इस सर्विस चार्ज पर जीएसटी भी वसूला जा रहा था। यह बिल्कुल गलत है क्योंकि नियम साफ कहते हैं कि सर्विस चार्ज देना ग्राहकों की मर्जी है, इसे बिल में अपने आप नहीं जोड़ा जा सकता।

यह कार्रवाई एक मुंबई के ग्राहक की शिकायत पर हुई। ग्राहक ने नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन के जरिए शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया था कि 'बोरा बोरा' रेस्टोरेंट ने सर्विस चार्ज बिल से हटाने से मना कर दिया था। जब ग्राहक ने इस बारे में बात की तो रेस्टोरेंट के कर्मचारियों ने बदसलूकी भी की। सीसीपीए ने बताया कि दिल्ली हाई कोर्ट ने 28 मार्च 2025 को एक फैसले में साफ कर दिया था कि जबरन सर्विस चार्ज लेना गैरकानूनी है। यह फैसला नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया बनाम यूनियन ऑफ इंडिया मामले में आया था। हाई कोर्ट ने सीसीपीए के दिशानिर्देशों को भी सही ठहराया था। इसके बावजूद, रेस्टोरेंट अपने बिलिंग सिस्टम से अपने आप सर्विस चार्ज जोड़ता रहा।

सीसीपीए के महानिदेशक (जांच) ने जब जांच की तो पता चला कि 28 मार्च से 30 अप्रैल 2025 तक सभी बिलों में सर्विस चार्ज अपने आप जोड़ा गया था। इससे साफ हो गया कि यह चार्ज ग्राहकों की मर्जी से नहीं, बल्कि सभी पर लागू किया जा रहा था।

जांच में यह भी पाया गया कि रेस्टोरेंट ने ग्राहक की शिकायत पर ध्यान नहीं दिया, कई नोटिस मिलने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की। सर्विस चार्ज पर जीएसटीलेना नियमों के खिलाफ था।

एनटीपीसी का बड़ा दांव

न्यूक्लियर एनर्जी में नया मोड़; साथ आए भारत और अमेरिका

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। भारत की ऊर्जा जरूरतें लगातार बढ़ रही हैं और इसी के साथ देश अब ऐसे विकल्पों पर ध्यान दे रहा है जो सुरक्षित, सस्ते और लंबे समय तक टिकाऊ हों. इसी दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए अमेरिका की एक न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी कंपनी और भारत की सबसे बड़ी पावर कंपनी एनटीपीसी के बीच साझेदारी की तैयारी हो रही है. इस सहयोग का मकसद भारत में थोरियम आधारित न्यूक्लियर फ्यूल को आगे बढ़ाना है.

थोरियम पर क्यों है भारत का फोकस

भारत के पास यूरेनियम के सीमित भंडार हैं, जबकि थोरियम दुनिया के सबसे बड़े भंडारों में से एक भारत में मौजूद है. यही वजह है कि दशकों से थोरियम को देश की ऊर्जा सुरक्षा का भविष्य माना जाता रहा है. थोरियम से बिजली उत्पादन न सिर्फ लंबे समय के लिए भरोसेमंद हो सकता है, बल्कि इससे न्यूक्लियर कचरा भी अपेक्षाकृत कम पैदा होता है.

एनटीपीसी और अमेरिकी कंपनी की रणनीतिक साझेदारी

अमेरिका की शिकागो स्थित न्यूक्लियर फ्यूल टेक्नोलॉजी कंपनी अब भारत में एनटीपीस के साथ मिलकर काम करने की योजना बना रही है. इस साझेदारी के तहत एनटीपीस उस अमेरिकी कंपनी में सीमित हिस्सेदारी ले सकती है. इसका मकसद नई टेक्नोलॉजी तक पहुंच बनाना और भविष्य की न्यूक्लियर फ्यूल जरूरतों के लिए खुद को तैयार करना है.

मौजूदा रिएक्टरों में भी हो सकेगा इस्तेमाल

इस सहयोग की सबसे खास बात यह है कि थोरियम आधारित नया फ्यूल भारत के मौजूदा प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टरों में भी

इस्तेमाल किया जा सकता है. यानी देश को नए सिरे से पूरा न्यूक्लियर ढांचा खड़ा करने की जरूरत नहीं होगी. इससे लागत कम होगी और ऊर्जा उत्पादन बढ़ाया जा सकेगा.

नए कानून से खुला रास्ता

हाल ही में पास हुए नए न्यूक्लियर एनर्जी कानून ने इस तरह की साझेदारियों को आसान बनाया है. पहली बार निजी और विदेशी कंपनियों को भारत के न्यूक्लियर सेक्टर में सीमित भूमिका निभाने का मौका मिला है, खासकर फ्यूल और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में. इससे भारत को आधुनिक तकनीक और निवेश दोनों मिल सकते हैं.

ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की ओर कदम

थोरियम आधारित फ्यूल का इस्तेमाल बढ़ने से भारत की आयातित न्यूक्लियर ईंधन पर निर्भरता कम हो सकती है. इससे देश को लंबे समय में ऊर्जा के मामले में ज्यादा आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी. साथ ही, बिजली उत्पादन की लागत घटने और सुरक्षा मानकों के बेहतर होने की उम्मीद भी है. विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह योजना सफल होती है, तो भारत अपने तीन-चरणीय न्यूक्लियर प्रोग्राम को नई गति दे सकता है. मौजूदा रिएक्टरों से थोरियम का बेहतर इस्तेमाल कर भविष्य में पूरी तरह थोरियम आधारित ऊर्जा सिस्टम की नींव रखी जा सकती है.

नए साल के पहले ही दिन चांदी लुढ़की

सोना फ्लैट, आज का रेट

नई दिल्ली,1 जनवरी (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमत में पिछले साल रेकॉर्ड तेजी आई थी। इस दौरान सोना 62 फीसदी और चांदी 144 फीसदी उछली। नए साल के पहले दिन आज सोना लगभग फ्लैट ट्रेड कर रहा है जबकि चांदी की कीमत में 1800 रुपये से अधिक की गिरावट आई है। एमसीएक्स पर 5 फरवरी की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,35,447 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था और आज 1,35,299 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार के दौरान यह 1,35,080 रुपये तक लो और 1,35,559 रुपये तक हाई गया। दोपहर बाद 12.50 बजे सोना 7 रुपये की गिरावट के साथ 1,35,440 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह 5 मार्च की डिलीवरी वाली चांदी पिछले सत्र में 235701 रुपये प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी और आज 235701.00 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में यह 1,800 रुपये से अधिक गिरावट के साथ 2,33,850 रुपये तक लुढ़क गई थी। 12.50 बजे यह 751 रुपये यानी 0.32 फीसदी गिरावट के साथ 2,34,950 रुपये पर ट्रेड कर रही थी।

सर्राफा कीमत

इससे पहले कमजोर वैश्विक रुख और मजबूत डॉलर को देखते हुए बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमत में गिरावट आई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9% शुद्धता वाले सोने की कीमतों में लगातार तीसरे दिन गिरावट जारी रही और यह 1,300 रुपये टूटकर 1,37,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा। चांदी की कीमतों में भी गिरावट आई और छह दिन की रिकॉर्ड तेजी का सिलसिला टूट गया। स्थानीय सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 2,000 रुपये गिरकर 2,39,000 रुपये प्रति किलोग्राम रही।

288 शेयरों में से 184 में गिरावट, एलआईसी को किसने दिया झटका और किसने मल्टीबैगर रिटर्न

नई दिल्ली,1 जनवरी (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी संस्थागत निवेशक एलआईसी के लिए साल 2025 मिला-जुला रहा। इस दौरान एलआईसी के पोर्टफोलियो में शामिल 288 शेयरों में से 64% यानी 184 शेयरों में गिरावट रही। खुद एलआईसी के शेयर में भी करीब 6% की गिरावट देखी गई। जिन 184 शेयरों में गिरावट आई, उनमें से 136 शेयरों में तो 10% से लेकर 90% तक की भारी गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज्यादा नुकसान छोटे शेयरों में हुआ। सबसे ज्यादा 90% गिरावट वीएल ई-गवर्नेंस एंड आईटी सॉल्यूशंस के शेयर में आई। फ्लेक्सीटफ वेंचर्स इंटरनेशनल और वक्रांगी जैसे शेयर भी पीछे नहीं रहे।

इनमें क्रमशः 80% और 77% की गिरावट आई। लॉन्गव्यू टी कंपनी, क्वाड्रेंट टेलीवेंचर्स, डीसीएम श्रीराम इंडस्ट्रीज, जय कॉर्प, इंडसट्रियल इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट, ईजी ट्रिप प्लानर्स, सीमेंस, त्रिवेणी ग्लास और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स जैसे शेयरों में भी 50% से ज्यादा की गिरावट देखी गई। रिलायंस कम्युनिकेशंस, पंजाब एंड सिंध बैंक, ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर, आरईसी, टाटा टेक्नोलॉजीज, इंडियन एनर्जी एक्सचेंज, अडानी टोटल गैस, जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज, आईटीसी होटल्स, इन्फो एज (इंडिया), रिलायंस पावर, आईटीसी, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, इंडसइंड बैंक, इन्फोसिस, विप्रो और अडानी एंटरप्राइजेज भी 10% से 45% तक गिरे।

48 शेयरों में सिंगल डिजिट यानी 10% से कम की गिरावट आई। इनमें सिप्ला, एनटीपीसी, टेक महिंद्रा और परसिस्टेंट सिस्टम्स जैसे जाने-माने नाम भी शामिल थे।

हालांकि, एलआईसी के पोर्टफोलियो में ऐसे शेयर भी थे जिन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। कुल 104 शेयर ऐसे थे जिन्होंने 2025 में मुनाफा कमाया। यह एलआईसी के कुल पोर्टफोलियो का 36% हिस्सा है। इनमें से

77 शेयरों ने तो डबल डिजिट यानी 10% से ज्यादा का रिटर्न दिया जो 160% तक पहुंचा। सोमा पेपर्स एंड इंडस्ट्रीज ने 119% का रिटर्न दिया, जबकि कोठारी इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन 160% का शानदार रिटर्न देकर एलआईसी के लिए मल्टीबैगर साबित हुए। इसके अलावा पूनावाला फिनकॉर्प, यूपीएल, अशोक लीलैंड, श्रीराम फाइनेंस, लॉरस लैब्स, नवीन फ्लोरिन इंटरनेशनल, टूरिज्म फाइनेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, आरबीएल बैंक, आदित्य बिड़ला कैपिटल और हिंदुस्तान कॉपर जैसे शेयरों ने 50% से 97% तक का रिटर्न दिया।

इसी तरह बीएसई, बजाज फाइनेंस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, नेशनल एल्युमिनियम कंपनी, हिंदुस्तान जिंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, हीरो मोटोकॉर्प, वेदांता, भारती एयरटेल, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, हुंडई मोटर इंडिया, बजाज फिनसर्व, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन, टाटा स्टील और टाइटन कंपनी ने भी बेंचमार्क इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया। साल 2025 में निफ्टी ने करीब 10% का रिटर्न दिया, जबकि सेंसेक्स 9% बढ़ा। एलआईसी के कुछ अन्य शेयर जैसे एक्सिस बैंक, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, पंजाब नेशनल बैंक, नेस्ले इंडिया, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और एशियन पेंट्स ने भी एलआईसी के लिए अच्छी कमाई की। एलआईसी ने सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही में 31% की वृद्धि के साथ 10,098 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। वहीं, राजस्व 5% बढ़कर 242,569 करोड़ रुपये हो गया।

नए साल के पहले कारोबारी दिन बाजार में सुस्ती

तंबाकू शेयरों में गिरावट का असर

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार ने वर्ष 2026 के पहले कारोबारी सत्र की शुरुआत काफी हद तक सपाट नोट पर की। शुरुआती उत्साह के बावजूद, तंबाकू उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एक्साइज ड्यूटी) की सरकारी अधिसूचना के चलते आईटीसी सहित सिगरेट निर्माताओं के शेयरों में हुई भारी बिकवाली और विदेशी निवेशकों की निकासी ने बाजार की बढ़त पर लगाम लगा दी। गुरुवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 32 अंक या 0.04 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 85,188.60 के स्तर पर बंद हुआ। दिन के दौरान सेंसेक्स में 350 अंकों का उतार-चढ़ाव देखा गया, जहां इसने 85,451.70 का उच्च स्तर और 85,101.52 का निचला स्तर छुआ। वहीं, दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का 50 शेयरों वाला निफ्टी 16.95 अंक या 0.06 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 26,146.55 के स्तर पर स्थिर हुआ।

वैश्विक बाजारों के बंद होने और घरेलू नीतिगत बदलावों के कारण बाजार में स्पष्ट दिशा का अभाव दिखा। बाजार में आज की सबसे बड़ी हलचल तंबाकू और सिगरेट क्षेत्र में देखने को मिली। केंद्र सरकार द्वारा 1 फरवरी 2026 से तंबाकू उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क और पान मसाला पर 'हेल्थ सेस' लगाने की अधिसूचना जारी करने के बाद निवेशकों ने इन शेयरों से दूरी बना ली। सेंसेक्स के 30 शेयरों में आईटीसी सबसे अधिक 9.69 प्रतिशत टूटकर बंद हुआ। गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया के शेयरों में 17.09 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और आईसीआईसीआई बैंक भी दबाव में रहे।

गिरावट के माहौल के बीच बिजली और बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कंपनियों ने बाजार को सहारा दिया। एनटीपीसी (एनटीपीसी), इटरनल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) और पावर ग्रिड प्रमुख लाभ कमाने वाले शेयरों में शामिल रहे। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 3,597.38 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। इसके विपरीत, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने बाजार को संभालते हुए 6,759.64 करोड़ रुपये की खरीदारी की। नववर्ष के अवकाश के कारण गुरुवार को अधिकांश एशियाई और यूरोपीय बाजार बंद रहे। अमेरिकी बाजारों में बुधवार को गिरावट दर्ज की गई थी, जिसका असर शुरुआती सत्र में भारतीय बाजार पर भी दिखा।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000 — सूर्योदय 06-49
भोग्य कलि वर्ष. - 426874 — सूर्यास्त. 17-48
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - पौष शुक्ल पक्ष शुक्रवार 02 January 2026
तिथि - चतुर्दशी 18-53 तक उपरान्त पूर्णिमा
नक्षत्र - मृगशिरा 20-04 रात्रि तक उप
योग - शुक्ल 13-06 तक उप.
करण - गर 08-37 तक उप वणिज

पूर्णिमा व्रत श्री शाकंभरी ज.

गृह स्थिति			लग्नारभ समय		
सूर्य	धनु	मे	धनु.....	06-08	बजे
चंद्र	वृष	मे	मकर...	08-13	बजे
मंगल	धनु	मे	कुंभ....	09-56	बजे
बुध	धनु	मे	मीन....	11-26	बजे
गुरु	मिथुन	मे	मेष......	12-52	बजे
शुक्र	धनु	मे	वृष....	14-29	बजे
शनि	मीन	मे	मिथुन..	16-26	बजे
राहु	कुंभ	मे	कर्क...	18-39	बजे
केतु	सिंह	मे	सिंह---	20-58	बजे
			कन्या--	23-14	बजे
			तुला---	01-28	बजे
			वृश्चिक..	03-46	बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 10-47 से 12-20 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06-49 - 08-11	शुभ	रोग	17-48 - 19-30	अशुभ
लाभ	08-11 - 09-34	शुभ	काल	19-30 - 21-06	अशुभ
अमृत	09-34 - 10-57	शुभ	लाभ	21-06 - 22-43	शुभ
काल	10-57 - 12-20	अशुभ	उत्पात	22-43 - 00-20	अशुभ
शुभ	12-20 - 13-43	शुभ	शुभ	00-20 - 01-57	शुभ
रोग	13-43 - 15-06	अशुभ	अमृत	01-57 - 03-34	शुभ
उत्पात	15-06 - 16-29	अशुभ	चंचल	03-34 - 05-11	शुभ
चंचल	16-29 - 17-48	शुभ	रोग	05-11 - 06-49	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे । आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे । हालंकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज हर कोई आपकी तरफ आकर्षित होगा । सब आपकी समझ और शिष्टता से प्रभावित होंगे । खूब प्रशंसा मिलेगी । इस बेहतरीन समय का प्रयोग नए दोस्त बनाने और नए लोगों से मिलने जुलने में करें । इससे आपके सामने नए अवसर खुलेंगे । आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते । हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी। आज आपको स्वास्थ्य सम्बन्धी छोटी दिक्कतें हो सकती हैं।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज का दिन आपके लिए विशेष हो सकता है । आपके दृष्टिकोण में आज कोई नया आयाम जुड़ेगा या आप किसी अपरिचित व्यक्ति के दृष्टिकोण से अत्यधिक प्रभावित होंगे । आपको यह सीख मिलेगी कि अपना भविष्य तय करने में तथा अपनी जिंदगी में फिलहाल चल रही समस्या से जूझने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आप०को ही निभानी है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और किसी अधूरे पड़े काम को हाथ में लेंगे । समस्याएं आएँगी लेकिन आपका रास्ता नही रोक पाएंगी । कोई अच्छा दोस्त आपका साथ देगा । कार्यस्थल पर मिलने वाले एक महत्वपूरण सम्बन्ध की सहायता से नया मौका मिलेगा ।अतीत के फेर से निकलकर आगे की सोचें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज चलते हुए सावधान रहें । हलकी खरोचें आ सकती हैं । न चाहते हुए भी आप किसी करीबी को बातों-बातों में नाराज कर सकते हैं । आज केवल अपने काम से ही मतलब रखना उपयुक्त रहेगा । सिनेमा या किसी और मनोरंजक कार्यकलाप में समय बिता सकते हैं । हालाँकि आपकी सेहत अच्छी है लेकिन इसके हिसाब से आपमें स्टैमिना कम है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी । वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यव्सायिक जिंदगी में क्या चल रहा है । आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें और केवल अपने काम पर ध्यान दें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज पैसे को संभलकर खर्च करें । सितारों के अनुसार आज आप बिना किसी बात के काफी खर्च कर सकते हैं । अगर आप ध्यान नही देंगे तो काफी बड़ी रकम आज आपसे खर्च हो सकती है । आज विवादो और टकराव से बचना ही बेहतर होगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी कोई परेशानी नही होगी और आप बाहर घुमने का आनंद ले सकते हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी ।आप मजे मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं । भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए । आप भावनाओ की बाढ़ को अनुभव करेंगे । पुराने दोस्तों या परिचित के सामने आने से खुशी होगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप आज रियल एस्टेट से जुडा कोई लाभकारी लेनदेन पूरा करने वाले हैं । सकारात्मक सोच आपकी शक्ति है और आपको इसका लाभ उठाना है ,आपका कोई करीबी भी आपको इसके लिए प्रोत्साहित करेगा । आप आध्यात्मिक विकास के साथ साथ जीवन की भौतिक खुशियों का भी आनंद ले पायेंगे । नयी सोच से समृद्धि हासिल होगी।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
यह समय मजे और स्वतन्त्रता दोनों में से किसी एक को चुनने का है । अगर आप जिम्मेदार हैं तो आपको स्वतंत्रता भी मिल ही जायेगी । हालाँकि अत्यधिक परिश्रम के बाद भी आप अपनी मंजिल पर तो नही पहुंच पायेंगे लेकिन बाद में आपको इसका फल जरुर मिलेगा इसलिए परिश्रम करते रहें । वित्तीय स्थिति के लिए भी परेशान न हों,समय के साथ ठीक होती जायेगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
प्रयास करने वाले भी पहले व्यक्ति बनें और उसका श्रेय लेने में भी आगे रहें । अपने आप को ज्यादा ना थकाएं और कम महत्वपूर्ण विषयों के लिए अधिक मेहनत ना करें । दूसरों को अच्छी ना लगने वाली बातें कहकर उनका दिल ना दुखाएं । आज किसी परिजन को थोडा बीमार होने के कारण आपकी देखभाल की जरुरत पड़ सकती है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

बिना राज्यपाल की अनुमति नहीं होगी यूनिवर्सिटी जांच

अधिकारी-कर्मचारियों पर जांच से पहले मंजूरी जरूरी कांग्रेस बोली- गवर्नर को सरकार पर भरोसा नहीं

रायपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की सरकारी यूनिवर्सिटी में अब किसी भी अधिकारी, शिक्षक या कर्मचारी के खिलाफ जांच शुरू करने से पहले राज्यपाल की अनुमति अनिवार्य कर दी गई है। यह आदेश लोक-भवन से जारी किया गया है।

जांच पूरी होने के बाद अंतिम निर्णय लेने के लिए भी कुलाधिपति यानी राज्यपाल की स्वीकृति जरूरी रहेगी। इस आदेश के बाद प्रदेश में राज्यपाल और राज्य सरकार के बीच अधिकारों को लेकर टकराव की स्थिति बनती नजर आ रही है।

अब तक विश्वविद्यालयों में कुलपति स्तर तक के मामलों में राज्यपाल का अधिकार क्षेत्र माना जाता था। जबकि उससे नीचे के अधिकारियों और कर्मचारियों से जुड़े मामलों में राज्य सरकार निर्णय लेती थी। लेकिन नई व्यवस्था में कुलसचिव या प्रभारी कुलसचिव को छोड़कर बाकी सभी अधिकारियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के खिलाफ जांच शुरू

राज्यपाल रमेन डेका

करने से पहले राज्यपाल की अनुमति लेनी होगी।

वहीं कांग्रेस ने कहा इस आदेश के अनुसार बिना अनुमित के जांच नहीं हो सकती। ये सीधा-सीधा भ्रष्टाचार को सरंक्षण देना है। विश्वविद्यालयों में गड़बड़ी हुई। सरकार उनको बचा रही है। लोक भवन और सरकार के बीच टकराव नजर आ रहा है। इस आदेश से राज्यपाल को सरकार पर भरोसा नहीं ऐसा प्रतीत होता है।

प्रदेश में फिलहाल कई शासकीय विश्वविद्यालयों में विभागीय जांच चल रही है। इनमें छत्तीसगढ़ कृषि विश्वविद्यालय का बीज घोटाला, बिलासपुर स्थित अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में कथित भ्रष्टाचार और आदर्श महाविद्यालय लोहारकोट में जेम पोर्टल के जरिए 1.06 करोड़ की खरीदी जैसे मामले शामिल हैं।

नए आदेश के बाद इन मामलों की जांच प्रक्रिया पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। लोक भवन की ओर से जारी आदेश में राज्य के 15 शासकीय विश्वविद्यालयों से जुड़े अधिनियमों का हवाला दिया गया है, जिनके तहत राज्यपाल विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति होते हैं।

विश्वविद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी नियुक्ति प्रक्रिया या अनुशासनात्मक कार्रवाई से पहले आवश्यक अनुमोदन लिया जाए, साथ ही जांच के बाद लिए जाने वाले हर अंतिम फैसले में भी कुलाधिपति की मंजूरी जरूरी होगी।

बिलासपुर के अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को लेकर 5 जून 2025 को छात्रों ने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक को शिकायत की थी। छात्रों का आरोप है कि प्रभारी कुलसचिव डॉ. शैलेंद्र दुबे और कुलपति प्रो. एडीएन वाजपेई की मिलीभगत से प्रशासनिक, शैक्षणिक और वित्तीय कार्यों में अनियमितताएं हो रही है।

कुलपति के निज सहायक उपेन चंद्राकर की 2024 में हुई नियुक्ति पर सवाल उठे। छात्रों का कहना है कि उनका प्रमाण पत्र एनसीटीई से मान्य नहीं है और मध्य प्रदेश हाईकोर्ट इसे अमान्य घोषित कर चुका है।

क्या निशांत को लॉन्च कर रहे नीतीश कुमार

नालंदा में गांव में नेताओं-महिलाओं से मिलवाया कंबल बांट रहे, कार्यकर्ताओं के साथ नाश्ता

नालंदा, 1 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल पर पहली बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार पूरी तरह एक्टिव नजर आ रहे हैं। सुबह-सुबह नीतीश कुमार उन्हें अपने साथ लेकर नालंदा पहुंचे।

अपने पैतृक गांव कल्याण बिगहा में मुख्यमंत्री ने मां परमेश्वरी देवी की पुण्यतिथि पर कविराज रामलखन सिंह स्मृति वाटिका में जाकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

इस मौके पर मुख्यमंत्री के बेटे निशांत कुमार मौजूद रहे। निशांत ने अपनी दादी परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि दी। उसके बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों से मुलाकात की और उनसे बातचीत की।

पार्टी के कार्यकर्ताओं ने निशांत को घेर लिया, उनसे अपनी बातें करने लगे। गांव के लोगों ने भी उन्हें अपनी समस्या बताईं। इस पर निशांत ने कहा कि देखते हैं हम करवाते हैं।

इसके बाद निशांत गांव की महिलाओं से मिले। गरीब लोगों

और बच्चों के बीच कंबल भी बांटे। वहीं गेस्ट हाउस की भी कुछ तस्वीरें सामने आईं, जिसमें निशांत और नीतीश कुमार साथ-साथ नाश्ता करते दिखाई दिए। नाश्ते पर भी निशांत पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बात करते नजर आए।

5 दिसंबर को पटना एयरपोर्ट पर जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और निशांत कुमार एक साथ दिखे। संजय झा ने कहा, 'जेडीयू के कार्यकर्ता, समर्थक और शुभचिंतक सभी चाहते हैं कि अब निशांत कुमार पार्टी में सक्रिय भूमिका निभाएं। पार्टी में हर कोई उन्हें काम करते देखना चाहता है। अब अंतिम निर्णय निशांत कुमार को ही लेना है।' खास बात है कि इस बार संजय झा ने यह बयान मीडिया के बिना सवाल पूछे दिया है। मतलब अपने से बयान दिया है और वह भी निशांत कुमार के सामने। जबकि, इससे पहले 3 सितंबर को एक इंटरव्यू में संजय झा ने कहा था, 'फिलहाल निशांत कुमार राजनीति में नहीं आएंगे। ऐसी कोई बात नहीं है। नीतीश कुमार फिलहाल सक्रिय हैं।'

चुनाव के रिजल्ट के दूसरे दिन 16 नवंबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बड़े भाई सतीश कुमार ने निशांत कुमार के बारे में कहा, 'उनको राजनीति में आना चाहिए। हालांकि, यह उनकी इच्छा पर निर्भर है। उनकी जब इच्छा होगी, तब आएंगे।'

चुनाव से पहले 5 सितंबर को राष्ट्रीय लोक मोर्चा नेता उपेंद्र कुशवाहा ने कहा था, 'मेरे बाउंड्रीवाल के पीछे पार्टी कार्यालय में बैठे लोग सुन रहे होंगे। यदि समय रहते उत्तराधिकारी तय नहीं होगा तो वही स्थिति हो सकती है, जैसी शोषित समाज दल के साथ हुई थी।

यदि उस पार्टी को उत्तराधिकारी मिला होता, तो आज वह बिहार की सबसे बड़ी ताकत होती।'

केजीएमयू डॉक्टर ने शादी का झांसा देकर धोखा दिया

नर्सिंग छात्रा ने एफआईआर कराई, बोली- फोटो वायरल करने की धमकी दे रहा

लखनऊ, 1 जनवरी (एजेंसियां)। लखनऊ केजीएमयू में नर्सिंग छात्रा ने इंटर्न डॉक्टर पर शादी का झांसा देकर संबंध बनाने का आरोप लगाया है। छात्रा ने आरोपी डॉ. मोहम्मद आदिल के खिलाफ एफआईआर कराई है। पीड़िता ने इसमें बताया कि डॉक्टर ने उससे शादी का वादा किया। इसके बाद फ्लैट पर बुलाकर कई बार उसके साथ संबंध बनाए। बाद में आरोपी शादी से मुकर गया।

पीड़िता का कहना है कि जब उसने डॉक्टर से शादी के लिए कहा तो वह मुकर गया। धमकाया कि अगर किसी से कहा कि प्राइवेट फोटो वायरल कर देगा। कैसरबाग पुलिस ने एफआईआर दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

केजीएमयू में 15 दिनों में यह दूसरा मामला सामने आया है। इससे पहले पश्चिम बंगाल की रहने वाली एक डॉक्टर ने अपने साथी डॉक्टर रमीजुद्दीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी। डॉक्टर ने आरोप लगाया था

कि डॉक्टर रमीजुद्दीन ने उसे लव-जिहाद में फंसाया। शादी से पहले धर्म परिवर्तन करने का दबाव डाला। इस मामले में सीएम योगी ने भी पीड़ित डॉक्टर से बात की है। डॉक्टर रमीजुद्दीन अभी फरार है। पीड़ित छात्रा केजीएमयू से नर्सिंग की पढ़ाई कर रही है। वह अलीगंज के एक पीजी में रहती है। पीड़ित ने बताया कुछ समय पहले उसकी मुलाकात कैसरबाग में रहने वाले मो. आदिल से हुई थी। आदिल बरेली का रहने वाला है। वह केजीएमयू से इंटर्न है। आदिल ने पहले दोस्ती की। फिर प्यार का इजहार कर शादी का वादा किया। छात्रा का आरोप है कि शादी का वादा करके उसने फ्लैट पर बुलाया। वहां फिजिकल रिलेशन बनाए। बाद में जब छात्रा ने शादी के लिए कहा तो आरोपी मुकर गया। उसने पीड़ित की निजी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। परेशान होकर छात्रा ने पुलिस से शिकायत की।

लाठी-डंडे से पीटकर युवक की हत्या

आजमगढ़, 1 जनवरी (एजेंसियां)। आजमगढ़ में दोस्त के साथ घर लौट रहे युवक की लाठी-डंडे से पीट कर हत्या कर दी गई। हमलावरों ने बाइक सवार युवकों पर पीछे से हमला किया। जिसके बाद दोस्त बाइक को तेजी से भगाने लगा। इस दौरान पीछे बैठा दोस्त नीचे गिर गया। हमलावर उसे लाठी-डंडो से पीटने लगे। ये देखते ही बाइक चला रहा युवक घर से परिजनों को लेने के लिए भागा।

परिजनों के वापस आने पर युवक की स्थिति गंभीर बनी हुई थी। अस्पताल लेने जाने पर युवक ने दम तोड़ दिया। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। मामले में छानबीन की जा रही है। सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बड़ी संख्या में गांव के लोगों ने गुरुवार सुबह सड़क जाम करके प्रदर्शन किया। 12 घंटे के अंदर अपराधियों को पकड़ने की मांग की।

फॉरेंसिक टीम डॉग स्क्वायड और सर्विलांस टीम को इस पूरी घटना के खुलासे के लिए लगा दिया गया है। मामला मेंहनाजपुर थाना क्षेत्र के दरियापुर नेवादा के ईटैली बाजार का देर रात का है।

मेंहनाजपुर का रहने वाला अखिलेश सोनकर(24) ईटैली बाजार में फास्ट फूड की दुकान चलाता था। बुधवार वह अपने दोस्त संदीप के साथ बाजार गया था।

देर रात बाजार से घर वापस लौटते समय हमलावरों ने पीछे से लाठियों से हमला किया गया। जब पीछे से आरोपियों ने अखिलेश सोनकर के सिर पर प्रहार किया तो अखिलेश ने अपने साथी संदीप को बाइक और तेज भागने के लिए कहा।

इसी बीच अखिलेश सोनकर बाइक से नीचे जमीन पर गिर गया। उधर, संदीप बाइक से सीधे अखिलेश के घर पहुंचा। उसने परिजनों को घटना की जानकारी दी। देर रात पहुंचे परिजनों ने गंभीर हालत में इलाज के लिए युवक को अस्पताल ले गए। जहां से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। हायर सेंटर के डॉक्टरों ने अखिलेश सोनकर को मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

अखिलेश की हत्या से आक्रोशित परिजनों और गांव के लोगों ने सुबह 6:00 बजे से 9:00 बजे तक लगभग 3 घंटे तक सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने 12 घंटे के अंदर घटना में शामिल अपराधियों को पकड़ने की मांग की है।

मामले की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचे पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारियों ने परिजनों को समझा बूझाकर जाम खाली कराया।

पुलिस ने बताया- 8 महीने पहले उधारी को लेकर मृतक अखिलेश का तीन लड़कों से झगड़ा हुआ था। सभी जौनपुर के रहने वाले थे। इस मामले में मृतक के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

रजरप्पा छिन्नमस्तिका मंदिर में नववर्ष पर उमड़ी भीड़

झारखंड-बिहार सहित अन्य राज्यों से पहुंचे श्रद्धालु, पूजा-अर्चना कर लिया आशीर्वाद

रामगढ़, 1 जनवरी (एजेंसियां)। नववर्ष के पहले दिन गुरुवार को रामगढ़ जिले के प्रसिद्ध सिद्धपीठ रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिके मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। झारखंड और बिहार सहित अन्य राज्यों से हजारों भक्त मां का आशीर्वाद लेने पहुंचे।

सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं। भक्तों ने कतारबद्ध होकर मंदिर में प्रवेश किया और मां छिन्नमस्तिके की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर नए साल की शुरुआत की।

रामगढ़ से लगभग 28 किलोमीटर दूर स्थित यह मंदिर एक प्रमुख धार्मिक स्थल है। पूजा-अर्चना के बाद दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर की प्राकृतिक वादियों में अपने परिजनों और मित्रों के साथ पिकनिक का आनंद लिया। कई भक्तों ने दामोदर नदी के संगम स्थल पर नौका विहार भी किया।

श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ को देखते हुए रजरप्पा पुलिस और मां छिन्नमस्तिका मंदिर न्यास समिति ने व्यापक प्रबंध किए थे। भीड़ को नियंत्रित करने और भक्तों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए पुलिसकर्मी सुबह से ही मंदिर क्षेत्र में तैनात थे।

दो दुकानों में लगी भीषण आग

धनबाद, 1 जनवरी (एजेंसियां)। धनबाद के धनसार थाना क्षेत्र के नई दिल्ली रोड पर देर रात दो दुकानों में भीषण आग लग गई। इस घटना में लाखों रुपए की संपत्ति जलकर खाक हो गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

जिस स्थान पर आग लगी, उसके ठीक बगल में टाटा मोटर्स का शोरूम स्थित है। यदि समय रहते फायर ब्रिगेड और टाटा मोटर्स के कर्मचारियों की सतर्कता नहीं होती, तो एक बड़ी दुर्घटना घट सकती थी। उनकी तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया।

सूचना मिलने पर धनसार थाना प्रभारी मनोहर करमाली पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि आग की जानकारी मिलते ही झरिया और धनबाद दोनों फायर स्टेशनों को अलर्ट किया गया। इसके बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। आग दो गुमटीनुमा दुकानों में लगी थी, जिस पर फायर ब्रिगेड की मदद से पूरी तरह काबू पा लिया गया।

थाना प्रभारी के अनुसार, प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट प्रतीत हो रहा है। हालांकि, मामले की विस्तृत जांच अभी जारी है। स्थानीय निवासी अभिषेक सिंह उर्फ ढोलक सिंह ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास करने लगे। उन्होंने बताया कि आग दो राशन दुकानों में लगी थी और दुकानों के बगल में स्थित बिजली के पोल के कारण आग लगने की आशंका है। इस घटना में किसी प्रकार की जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन दुकानदारों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

खंडोली में नव वर्ष पर उमड़े सैकड़ों पर्यटक

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, उत्सव का माहौल बोटिंग और घुड़सवारी का भी लुत्फ उठाया

गिरिडीह, 1 जनवरी (एजेंसियां)। नव वर्ष के अवसर पर गिरिडीह का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल खंडोली पर्यटकों से गुलजार रहा। नए साल का स्वागत करने के लिए जिले के विभिन्न प्रखंडों के साथ-साथ धनबाद, बोकारो, हजारीबाग, कोडरमा और देवघर जैसे पड़ोसी जिलों से भी बड़ी संख्या में लोग खंडोली पहुंचे।

सुबह से ही खंडोली जाने वाले मुख्य मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। पार्किंग स्थल भी पूरी तरह भरे हुए थे, जिससे पूरा क्षेत्र उत्सवमय माहौल में रंग गया। खंडोली पहुंचे सैलानियों ने यहां की प्राकृतिक सुंदरता का भरपूर आनंद लिया। पहाड़ों से घिरा यह स्थल अपनी हरियाली, स्वच्छ हवा और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है।

पर्यटकों ने परिवार और दोस्तों के साथ पिकनिक मनाई। बच्चों के लिए बने पार्क, झूले और खेल-कूद की सुविधाएं विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। युवाओं और अन्य पर्यटकों ने बोटिंग और घुड़सवारी का भी लुत्फ उठाया। झील में बोटिंग के दौरान प्रवासी साइबेरियन पक्षियों को देखकर सैलानी काफी उत्साहित हुए। कई लोगों ने इन पक्षियों के साथ तस्वीरें लीं और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किए।

लगभग 20 किलोमीटर दूर से परिवार सहित पिकनिक मनाने आए गोबिंद कुमार राय ने बताया कि वे हर साल नव वर्ष पर खंडोली आते हैं। उन्होंने यहां के शांत और शुद्ध वातावरण की सराहना की, जो पूरे परिवार को सुकून देता है। उन्होंने बच्चों के लिए मनोरंजन की पर्याप्त व्यवस्था और बोटिंग के विशेष आनंद का भी जिक्र किया।

पर्यटक गोबिंद कुमार राय ने पुलिस-प्रशासन की मौजूदगी से मिलने वाली सुरक्षा की भावना पर भी संतोष व्यक्त किया। नव वर्ष पर भारी भीड़ को देखते हुए गिरिडीह पुलिस और जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। खंडोली सहित जिले के सभी प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। वर्दीधारी पुलिसकर्मियों के साथ-साथ सादे कपड़ों में भी जवान तैनात थे, ताकि असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा सके। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रवेश और निकास मार्गों पर भी निगरानी बढ़ाई गई थी।

शिमला को भी पछाड़ रही रांची की ठंड

रांची, 1 जनवरी (एजेंसियां)। नववर्ष के पहले दिन झारखंड में ठंड ने रिकॉर्ड बना दिया। राजधानी रांची का तापमान शिमला से भी नीचे दर्ज किया गया। रांची का न्यूनतम तापमान 2.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि शिमला में यह 8.7 डिग्री रहा। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अगले तीन दिनों तक राज्य में ठंड से राहत मिलने के आसार नहीं हैं।

सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। इससे जनजीवन के साथ-साथ यातायात भी प्रभावित हो रहा है। रांची, पलामू, गढ़वा, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, देवघर, पश्चिमी सिंहभूम और पूर्वी सिंहभूम के कई इलाकों में सुबह घना कोहरा छाया रहा।

मौसम विभाग ने बताया कि कुछ जिलों में दृश्यता 50 से 200 मीटर तक सिमट सकती है। दिन में धूप निकलने की संभावना है, लेकिन तापमान में खास बढ़ोतरी नहीं होगी। बीते 24 घंटे में रांची के तापमान में 1.6 डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई, फिर भी ठंड का असर बरकरार है।

अन्य शहरों की बात करें तो गुमला का न्यूनतम तापमान 3.9 डिग्री, मेदिनीनगर का 5.1 डिग्री और कांके का 3.0 डिग्री सेल्सियस रहा। बोकारो में 6.1, जमशेदपुर में 9.0 और चाईबासा में 8.8 डिग्री न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया।

घने कोहरे का असर हवाई यातायात पर भी पड़ा। दिल्ली में खराब मौसम और अन्य कारणों से इंडिगो एक्सप्रेस की दिल्ली-रांची विमान सेवा रद्द करनी पड़ी। वहीं बेंगलुरु से कोलकाता होते हुए रांची आने वाली उड़ान भी प्रभावित रही। इंडिगो की दिल्ली-रांची फ्लाइट शाम 5:15 बजे के बजाय रात 7 बजे पहुंची।

इसके अलावा रांची-बेंगलुरु विमान सुबह 8:55 की जगह 10:10 बजे उड़ा। रांची-दिल्ली विमान दोपहर 2:45 की जगह 3:40 बजे और दूसरी फ्लाइट शाम 5:45 की जगह 7:50 बजे रवाना हुई। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक ठंड और कोहरे के बने रहने की चेतावनी दी है। रांची मौसम केंद्र के मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि नए साल के मौके पर राज्य में शीतलहर, घना कोहरा और पाले का असर देखने को मिलेगा।

घोटाला: बैकडेट में अफसरों ने किया जमीन का बंटवारा

रायपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत रायपुर-विशाखापत्तनम हाईवे के लिए जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया में एक बड़े मुआवजे घोटाले का पर्दाफ़ाश हुआ है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 29 दिसंबर को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत रायपुर और महासमुंद में 9 जगहों पर एक साथ छापे मारे।

इस ऑपरेशन के दौरान एजेंसी ने लगभग 40 लाख कैश, कई डिजिटल डिवाइस और बड़ी संख्या में आपत्तिजनक दस्तावेज़ जब्त किए। जांच एजेंसी ने अब अपनी जांच का दायरा बढ़ा दिया है। जांच में पता चला कि अधिकारियों ने जमीन के सीमांकन (जमीन या प्रॉपर्टी के बंटवारे) की तारीख पीछे कर दी थी। यह कार्रवाई एसीबी/ईओडब्ल्यू रायपुर में दर्ज एफआईआर के आधार पर की गई थी। एफआईआर में तत्कालीन सब-डिविज़नल ऑफिसर (राजस्व) निर्भय साहू सहित कई अधिकारियों और प्राइवेट लोगों के नाम हैं, जिन पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की अलग-अलग धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। जांच एजेंसी के अनुसार, आरोपियों ने सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत अधिग्रहित जमीन के राजस्व रिकॉर्ड में हेरफेर किया। सरकार से असल रकम से कहीं ज़्यादा मुआवजा लिया।

ईडी की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने साजिश के तहत जमीन के बड़े टुकड़ों को परिवार के सदस्यों के नाम पर छोटे-छोटे हिस्सों में बांटा। यह बंटवारा कागजों में पिछली तारीख दर्शाकर किया गया, ताकि यह दिखाया जा सके कि अधिग्रहण से पहले ही जमीन कई खातेदारों में बंटी हुई थी।

इस तरह मुआवजा नीति का फायदा उठाते हुए हर हिस्सेदार के नाम अलग-अलग मुआवजा स्वीकृत कराया गया और सरकारी खजाने से करोड़ों रुपए की राशि निकाली गई।

तलाशी के दौरान ईडी को करीब 40 लाख रुपए कैश, मोबाइल, लैपटॉप, पेनड्राइव सहित कई डिजिटल डिवाइस और जमीन से जुड़े अहम दस्तावेज मिले हैं। इसके साथ ही एजेंसी ने अपराध की आय (पीओसी) से खरीदी गई। ईडी अधिकारियों का कहना है कि कई चल-अचल संपत्तियों की भी पहचान की है, जिन्हें जल्द अटैच किया जा सकता है। जांच अभी शुरुआती चरण में है और आने वाले दिनों में इस मुआवजा घोटाले में और बड़े नामों के सामने आने की संभावना है।

ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) के अनुसार, जमीन अधिग्रहण के दौरान मुआवजे तय करने और पेमेंट में गड़बड़ियों में कई लोग शामिल हैं। जांच में कुछ प्राइवेट लोगों, उनके साथियों, सरकारी अधिकारियों और ज़मीन मालिकों के ठिकानों को शामिल किया गया है। ईडी की कार्रवाई में हरमीत सिंह खनूजा, उनके साथी, कुछ सरकारी अधिकारी और ज़मीन अधिग्रहण से जुड़े जमीन मालिक शामिल हैं।

दिल्ली के फर्जी कॉल-सेंटर का बस्तर पुलिस ने भंडाफोड़ किया

बीमा पॉलिसी के नाम पर युवक से ठगे 20 लाख, 4 युवतियों समेत 5 आरोपी गिरफ्तार

बस्तर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बस्तर पुलिस ने दिल्ली में स्थित फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। इस कॉल सेंटर के माध्यम से इंश्योरेंस के नाम पर बस्तर जिले के एक युवक से करीब 20 लाख रुपए ठगे थे। मामले की एफआईआर के बाद पुलिस दिल्ली पहुंची। जहां से 4 युवतियों समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मामला नगरनार थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, एक युवक ने थाने में एफआईआर दर्ज करवाई की बीमा अभिकर्ता अंचल हिल के माध्यम से बजाज एलियांज इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की बीमा पॉलिसी फ्यूचर गेन साल 2020 में लिया था। जिसमें मुझे एजेंट ने जानकारी दी कि एकमुश्त एक लाख रुपए जमा किए जाने पर 10 साल बाद रकम

दोगुना प्राप्त होगी। अच्छा मुनाफा का लालच देकर तरह-तरह के प्रोसेसिंग फीस भुगतान करने के नाम पर लगभग 20 लाख रुपए अलग-अलग खाते में ऑनलाइन ट्रांजेक्शन करवाकर धोखाधड़ी की गई। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज किया। जिसके बाद एसपी शलभ सिन्हा ने जवानों की एक टीम बनाई।

मामला साइबर सेल से जुड़ा हुआ था। जिसके बाद साइबर सेल प्रभारी डीएसपी गीतिका साहू के नेतृत्व में टीम बनाई गई। टीम ने बैंक ट्रांजेक्शन, खातों की जांच, सिम की जांच की। जिसके बाद आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम को दिल्ली भेजा गया। जहां जनकपुरी में स्थित कॉल सेंटर पहुंचकर 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में सभी ने अपना नाम ओम प्रकाश गुप्ता, दक्षा उर्फ नेहा, शिखा गुप्ता, खुशी और अंजली चौधरी बताया।

एसपी शलभ सिन्हा ने कहा कि, मौके से इनके पास से 6 मोबाइल, अलग-अलग बैंक के खाते, 2 रजिस्टर, वायरलेस, डीवीआर समेत अन्य सामान बरामद किए गए हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि इंश्योरेंस के लिए किसी भी अनजान के कॉल या मैसेज पर विश्वास न करें।

स्विट्जरलैंड के रिसॉर्ट में न्यू ईयर सेलिब्रेशन के दौरान ब्लास्ट

40 लोगों के मारे जाने की खबर, 100 घायल, शहर नो-फ्लाई जोन घोषित

बर्न, 1 जनवरी (एजेंसियां)। स्विट्जरलैंड के क्रांस मोंटाना शहर के 'अल्पाइन स्की रिसॉर्ट' में गुरुवार को न्यू ईयर सेलिब्रेशन के दौरान विस्फोट हुआ। न्यूज मीडिया द मिरर ने लोकल मीडिया से हवाले से बताया कि विस्फोट में 40 लोग मारे गए हैं, जबकि 100 से ज्यादा घायल हैं।

पुलिस के मुताबिक, यह विस्फोट कॉन्स्टेलेशन बार में लोकल समय के मुताबिक रात 1:30 बजे हुआ। इसमें कई दर्जन लोग मारे गए हैं। हालांकि उन्होंने कोई संख्या नहीं बताई। पुलिस ने यह भी कहा कि मृतकों में कई देशों के नागरिक शामिल हैं।

पुलिस और इमरजेंसी टीम मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू में जुटी हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, अस्पताल झुलसे हुए मरीजों से भर गए हैं। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

हादसे की वजह की जांच जारी है। फिलहाल क्रांस-मोंटाना शहर को नो फ्लाई जोन घोषित कर दिया गया है। स्विस पुलिस आज दोपहर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हादसे की डिटेल्स शेयर करेगी।

स्विस न्यूज आउटलेट ब्लिक के मुताबिक यह धमाका और उसके बाद लगी आग शायद एक कॉन्सर्ट के दौरान आतिशबाजी की वजह से हुई हो सकती है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की टीमें मौके पर पहुंच गईं। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। एहतियात के तौर पर विस्फोट वाली जगह और उसके आसपास के इलाके को सील कर दिया गया है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि धमाके के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हर 10 मिनट में रेस्क्यू हेलिकॉप्टर उड़ते नजर आए। स्विस मीडिया के मुताबिक, सभी उपलब्ध रेस्क्यू हेलिकॉप्टर मदद के काम में लगाए गए हैं। इटली ने भी एक हेलिकॉप्टर भेजा है।

क्रांस-मोंटाना स्विट्जरलैंड के आल्प्स पर्वत क्षेत्र में स्थित एक लग्जरी स्की रिसॉर्ट है। यह जगह स्विस राजधानी बर्न से करीब दो घंटे की दूरी पर है और यहां हर साल बड़ी संख्या में टूरिस्ट आते हैं, खासकर सर्दियों और नए साल के समय।

यह देश के सबसे खास और महंगे इलाकों में गिना जाता है और अपनी सालभर की धूप के लिए मशहूर है। इसकी वजह यह है कि यह रोन घाटी में एक दक्षिण की ओर ढलान वाले पठार पर स्थित है। समुद्र तल से करीब 1,500 मीटर की ऊंचाई पर बसे इस इलाके से आल्प्स पर्वत के शानदार नजारे दिखते हैं। क्रांस-मोंटाना की आबादी करीब 15 हजार है।

फॉरेंसिक टीमें मौके से सबूत जुटा रही हैं और बार में मौजूद लोगों से पूछताछ की जा रही है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कुछ वीडियो में बार में आग लगी हुई दिखाई दे रही है, हालांकि पुलिस ने इन वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

रूस-यूक्रेन शांति समझौता 90 फीसदी तैयार

नए साल पर जेलेंस्की का दावा, पुतिन ने दिखाया दूसरा रुख

कीव, 1 जनवरी (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की ने नए साल पर अपने संदेश में रूस के साथ युद्ध खत्म होने पर बड़ा दावा किया है। जेलेंस्की ने बताया है कि रूस-यूक्रेन शांति समझौता 90 फीसदी तैयार हो चुका है।

जेलेंस्की ने कहा कि अब सिर्फ डील का आखिरी 10 प्रतिशत हिस्सा बचा है। यह यूक्रेन और यूरोप का भविष्य तय करने और लाखों लोगों की जान बचाने पर है। उन्होंने रूस के हमले के खिलाफ मजबूती से खड़े रहने पर जोर दिया। दूसरी ओर पुतिन ने अपने नए साल के संदेश में भरोसा जताया कि उनका देश इस युद्ध में जीत की ओर बढ़ रहा है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस के साथ युद्ध खत्म करने के लिए शांति समझौता 90% तैयार है। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में जेलेंस्की ने यह भी कहा कि यूक्रेन किसी भी कीमत पर शांति नहीं चाहता है। हम युद्ध का अंत चाहते हैं लेकिन यूक्रेन का अंत नहीं चाहते हैं। हम रूस की 'गलत और बेतुकी' शर्त नहीं मानेंगे।

डोनबास क्षेत्र पर विवाद

जेलेंस्की ने कहा कि पूर्वी डोनबास क्षेत्र से यूक्रेनी सैनिकों की वापसी का मतलब है कि सब कुछ खत्म हो जाएगा। रूस की शांति समझौते में इस क्षेत्र पर पूरा नियंत्रण हासिल करने की कोशिश है। रूस फिलहाल डोनेट्स्क के 75% और पड़ोसी लुहांस्क के 99% हिस्से को नियंत्रित करता है।

डोनेट्स्क और लुहांस्क, ये दोनों क्षेत्रों को सामूहिक रूप से डोनबास के नाम से जाना जाता है। इस क्षेत्र पर रूस और यूक्रेन के बीच तनातनी है और यह बातचीत में बड़ी बाधा रहा है। रूस लगातार डोनबास पर पूरा नियंत्रण हासिल करने के अपने लक्ष्य पर समझौता करने को तैयार नहीं है।

जेलेंस्की ने फिर से शांति समझौते में यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी पर जोर दिया है।

जेलेंस्की ने अपने भाषण में कहा कि कमजोर समझौतों पर दस्तखत सिर्फ युद्ध को बढ़ावा देते हैं। दुनिया रूस को नहीं रोकेगी तो वह दुनिया को अपने युद्ध में घसीट लेगा। दुनिया को इस और ध्यान देने की जरूरत है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नए साल के मौके पर देश के नाम संबोधन में कहा कि मॉस्को को विश्वास है कि वह यूक्रेन में जीतेगा, भले ही यह संघर्ष एक और साल तक खिंच जाए। पुतिन ने यूक्रेन में लड़ रहे सैनिकों को हीरो बताया और कहा कि हमें आप पर और हमारी जीत पर विश्वास है।

बांग्लादेश में फिर हिंदू शख्स को भीड़ ने जलाया

धारदार हथियारों से हमला, अस्पताल में भर्ती 15 दिन में हिंदू को जलाने का दूसरा मामला

ढाका, 1 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में फिर से एक हिंदू शख्स को जलाने का मामला सामने आया है। शरियतपुर जिले में 31 दिसंबर को 50 वर्षीय खोकोन दास पर भीड़ ने हमला कर दिया।

खोकोन दास घर लौट रहे थे, तभी कुछ लोगों की भीड़ ने उन्हें घेर लिया। पहले उन पर धारदार हथियारों से हमला किया गया, फिर बेरहमी से पीटा गया और आग के हवाले कर दिया गया। इस हमले में वे गंभीर रूप से झुलस गए।

घायल अवस्था में खोकोन दास को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बांग्लादेश में 15 दिन के भीतर दूसरी बार हिंदू शख्स को हवाले किया गया है। इससे पहले 18 दिसंबर को मैमनसिंह जिले में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला था। इसके बाद उनके शव को पेड़ पर लटकाकर आग लगा दी गई थी।

दीपू दास को भीड़ ने ईशनिंदा के झूठे आरोप लगाकर पीटा था। वे एक कपड़ा फैक्ट्री में काम करते थे। इस मामले की जांच में यह सामने आया कि जिस दावे के आधार पर भीड़ ने हमला किया था, उसके कोई सबूत नहीं मिले।

दरअसल, सोशल मीडिया पर यह आरोप लगाया जा रहा था कि दीपू चंद्र दास ने फेसबुक पर ऐसी टिप्पणी की थी, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुईं, लेकिन जांच एजेंसियों का कहना है कि अब तक ऐसी किसी भी पोस्ट या टिप्पणी के प्रमाण नहीं मिले हैं।

बांग्लादेश में 12 दिन के भीतर 3 हिंदुओं की हत्या की जा चुकी है। 18 दिसंबर को दीपू चंद्र की हत्या के बाद 24 दिसंबर को भीड़ ने एक हिंदू युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी।

आर्थिक संकट के खिलाफ चौथे दिन भी प्रदर्शन जारी

1 पुलिसकर्मी की मौत, 13 घायल 'मुल्लाओं को जाना होगा' के नारे लगे

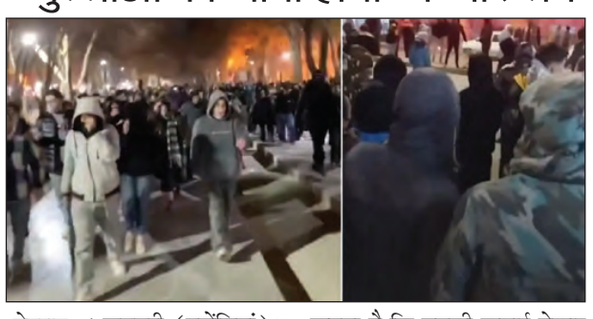

तेहरान, 1 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान में आर्थिक संकट के खिलाफ शुरू हुआ प्रदर्शन चौथे दिन भी जारी हैं। देश के कई बड़े शहरों में लोग सड़कों पर उतर आए हैं। प्रदर्शन के चलते 31 दिसंबर को एक 21 साल के पुलिसकर्मी की मौत हो गई और लगभग 13 पुलिसकर्मी घायल हैं। ईरान में जारी आंदोलन की सबसे बड़ी वजह ईरानी मुद्रा रियाल में आई भारी गिरावट है।

रियाल की कीमत गिरने के चलते लोग खाने-पीने की चीजें, दवाइयां और रोजमर्रा का सामान नहीं खरीद पा रहे हैं। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लोगों का कहना है कि उनकी कमाई बेकार हो गई है और जीवन मुश्किल होता जा रहा है। वहीं एक व्यापारी ने कहा कि पहले जो पैसा महीने भर चलता था, अब वह कुछ दिनों में खत्म हो जाता है।

ईरान के बड़े शहरों में दुकानदारों ने सरकार के विरोध में दुकानें बंद की हैं। प्रदर्शनकारियों ने कई शहरों में सरकारी इमारतों पर भी हमला किया है। प्रदर्शन के दौरान लोग सरकार और ईरान की लीडरशिप के खिलाफ नारे भी लगा रहे हैं।

प्रदर्शनकारी 'मुल्लाओं को जाना होगा' और 'तानाशाही नहीं चलेगी' जैसे नारे लगा रहे हैं।

भारतीय कैदियों को जल्द रिहा करने की मांग

दोनों देशों ने सूची का किया आदान-प्रदान

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने गुरुवार को पाकिस्तान से 167 भारतीय मछुआरों और आम कैदियों को उनकी जेल की सजा पूरी होने के बाद जल्द से जल्द रिहा करने और वापस भेजने का आग्रह किया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि इसके अलावा पाकिस्तान से उसकी हिरासत में मौजूद 35 आम कैदियों और मछुआरों को तुरंत काउंसलर पहुंच देने के लिए भी कहा गया है, जिनके भारतीय होने का संदेह है। नई दिल्ली ने यह अनुरोध दोनों देशों द्वारा नागरिक कैदियों और मछुआरों की सूचियों के आदान-प्रदान के संदर्भ में किया है, जो 2008 के एक समझौते के ढांचे के तहत प्रत्येक कैलेंडर वर्ष में 1 जनवरी और 1 जुलाई को ऐसा करने की प्रथा का हिस्सा है।

जापान में महिला सांसदों की टॉयलेट के लिए लड़ाई

पीएम ताकाइची का मिला साथ

टोक्यो, 1 जनवरी (एजेंसियां)। जापान की महिला सांसदों को पार्लियामेंट में लेडीज टॉयलेट की कमी के चलते परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में महिला नेताओं ने इसके लिए मांग उठाई है, जिसमें प्रधानमंत्री साने ताकाइची भी शामिल हैं। साने ने संसद में महिलाओं के टॉयलेट बनाने की मांग को लेकर 50 से ज्यादा महिला सांसदों के साथ एक पिटीशन साइन की है। उनका कहना है कि महिलाओं की संख्या बढ़ने से बाथरूम के बाहर लंबी लाइनें लग रही हैं। इससे महिला सांसदों को लंबा इंतजार और परेशानी का सामना करना पड़ता है। महिला सांसद यासुको कोमियामा ने बताया है कि अक्सर महिला सांसद टॉयलेट के सामने लाइन में खड़ी दिखती हैं।

सीएनएन के मुताबिक, 12 दिसंबर को महिला सांसदों की ओर से दायर एक याचिका में कहा गया है कि टोक्यो के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव (निचले सदन) में 73 महिला मेंबर के लिए सिर्फ दो टॉयलेट हैं। ऐसे में महिलाओं के लिए और ज्यादा टॉयलेट बनाएं जाएं। विपक्षी कॉन्स्टिट्यूशनल डेमोक्रेटिक पार्टी (सीडीपी) ने बताया है कि पिछले साल चुनी गईं देश की पहली महिला पीएम साने ताकाइची उन 58 सांसदों में शामिल हैं, जिन्होंने इसका समर्थन किया है। इसे सात पार्टियों का समर्थन मिला है।

महिलाओं की संख्या बढ़ी

जापान की राजनीति में पुरुषों का दबदबा रहा है। पिछले साल ताकाइची का पीएम के तौर पर चुनाव हुआ और महिला सांसदों की संख्या बढ़कर 73 हो गई। विपक्षी महिला सांसद टोमोए इशी ने बताया कि टॉयलेट की कमी लंबे समय से एक मुद्दा रही है लेकिन हालिया समय में ये बढ़ गया है कि टोक्यो के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव (निचले सदन) में 73 महिला मेंबर के लिए सिर्फ दो टॉयलेट हैं। ऐसे में महिलाओं के लिए और ज्यादा टॉयलेट बनाएं जाएं। विपक्षी कॉन्स्टिट्यूशनल डेमोक्रेटिक पार्टी (सीडीपी) ने बताया है कि पिछले साल चुनी गईं देश की पहली महिला पीएम साने ताकाइची उन 58 सांसदों में शामिल हैं, जिन्होंने इसका समर्थन किया है। इसे सात पार्टियों का समर्थन मिला है।

महिलाओं की संख्या बढ़ी

जापान की राजनीति में पुरुषों का दबदबा रहा है। पिछले साल ताकाइची का पीएम के तौर पर चुनाव हुआ और महिला सांसदों की संख्या बढ़कर 73 हो गई। विपक्षी महिला सांसद टोमोए इशी ने बताया कि टॉयलेट की कमी लंबे समय से एक मुद्दा रही है लेकिन हालिया समय में ये बढ़ गया है। शौचालय का मुद्दा उठाने में एक आम झिझक की वजह से भी इस पर बात नहीं हुई।

महिला सांसदों को उम्मीद

योमिउरी शिंबुन अखबार के अनुसार, निचली सदन की बिल्डिंग में 67 स्टॉल वाले 12 पुरुषों के टॉयलेट और कुल 22 क्यूबिकल वाली नौ महिलाओं की सुविधाएं हैं। 64 साल की ताकाइची ने कहा है कि उम्मीद जताई है कि महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी संघर्षों के बारे में जागरूकता बढ़ेगी और संसद से इसकी शुरुआत होगी।

ताइवान कोई हलवा नहीं है जो निगल जाएगा चीन

क्या जापान, दक्षिण कोरिया और यूएस के साथ खड़ा होगा भारत?

ताइपे, 1 जनवरी (एजेंसियां)। चीन ने पिछले साल के अंत में ताइवान को चारों तरफ से घेरकर शक्ति प्रदर्शन किया है। इस शक्ति प्रदर्शन के दौरान एक वक्त ऐसा भी लग रहा था कि कहीं चीन, ताइवान पर हमला ना कर दे। चीनी लड़ाकू विमानों, युद्धपोतों और सैनिकों ने ताइवान को चारों तरफ से घेर लिया था। ये ताइवान पर हमले से पहले एक ट्रायल रन लग रहा था। ये युद्धाभ्यास करीब 10 घंटे का था और इस दौराना चीनी सैनिक लगातार लाइव फायरिंग कर रहे थे। ताइवान के रक्षा अधिकारियों ने कहा कि ये ड्रिल प्रमुख ठिकानों पर हमले का अभ्यास करने के लिए थीं, जिसमें एचआईएमएआरएस जैसे अमेरिका द्वारा दिए गए हथियार सिस्टम के खिलाफ भी अभ्यास शामिल थे। आपको बता दें कि पिछले साल दिसंबर में अमेरिका ने ताइवान को सुरक्षा के लिए 11.1 अरब डॉलर के हथियार सप्लाई को मंजूरी दी है।

ताइवान के लिए अमेरिका जो हथियार पैकेज भेजे हैं उनमें एचआईएमएआरएस रॉकेट सिस्टम, हॉवित्जर, जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइलें, अल्टियस लोइटरिंग म्यूनिशन ड्रोन और दूसरे उपकरणों के पार्ट्स शामिल थे। ताइवान का सामान्य रक्षा खर्च सालाना लगभग 19 अरब डॉलर के करीब है। जबकि नवंबर 2025 में, ताइवान ने चीन का मुकाबला करने के लिए अगले आठ सालों में रक्षा खर्च के लिए 40 अरब डॉलर का स्पेशल बजट पेश किया था।

इसके अलावा अगले साल सालाना रक्षा खर्च को जीडीपी के 3 प्रतिशत से से बढ़ाने और 2030 तक 5 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना भी बनाई। संयुक्त राज्य अमेरिका ताइवान को पर्याप्त आत्मरक्षा क्षमता बनाए रखने और तेजी हथियारों की सप्लाई कर रहा है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि चीन 2027 तक ताइवान पर हमला करने वाला है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने एक बार कहा था कि ताइवान के एकीकरण के लिए वो बल प्रयोग की संभावना से इनकार नहीं करते हैं। जिससे साफ है कि ताइवान पर हमला जरूर होगा। इसीलिए उसने इस बार के अभ्यास को जस्टिस मिशन-2025 नाम दिया था।

युद्धपोतों, लड़ाकू विमानों, मिसाइल फायरिंग और समुद्री नाकेबंदी के अभ्यास के जरिए चीन ने यह दिखाने की कोशिश की है, कि वह ताइवान पर हमला करने की सैन्य क्षमता रखता है और बाहरी हस्तक्षेप को रोकने के लिए तैयार है। लेकिन हथियार पैकेज जारी कर अमेरिका ने संदेश देने की कोशिश की है कि ताइवान को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा।

हिमाचल में 500 दवा कंपनियां बंद होंगी

50 हजार लोग बेरोजगार, जुकाम से कैंसर तक दवाओं का संकट होगा, क्यों आई नौबत

शिमला, 1 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के फैसले से हिमाचल प्रदेश की 'फार्मा इंडस्ट्री' पर बड़ा संकट खड़ा हो गया है। लगभग 500 फार्मा यूनिट पर ताला लटकने के आसार बन गए हैं। इससे 50 हजार लोगों का रोजगार छिन जाएगा।

इससे भी बड़ी चिंता ये है कि अगर इन फार्मा कंपनियों में प्रोडक्शन ठप हुई तो सामान्य दर्द-बुखार से लेकर कैंसर तक की दवाओं का भी संकट खड़ा हो सकता है।

इसकी वजह है फार्मा कंपनी में लागू किया गया रिवाइज्ड शेड्यूल 'एम' (एम फॉर्म), जिसके मानक पूरे करने की डेडलाइन 31 दिसंबर की रात 12 बजे खत्म हो गई है। केंद्र ने अभी अतिरिक्त समय नहीं दिया है।

देश में हिमाचल प्रदेश एक बड़ा फार्मा हब है। यहां के बद्दी, बरोटीवाला, नालागढ़, ऊना, सोलन और पांवटा साहिब जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में कुल 655 फार्मा यूनिट्स चल रहे हैं। जिनका सालाना टर्नओवर 40,000-60,000 करोड़ तक है। इसमें से सरकार को भी टैक्स के रूप में कमाई होती है। इसके अलावा हजारों लोगों को इन कंपनियों में रोजगार मिला हुआ है।

इन कंपनियों में सर्दी-जुकाम, बुखार, दर्द और सूजन से जुड़ी दवाइयों के साथ-साथ डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर से लेकर कैंसर और हृदय रोगों की दवाएं बनती हैं। इसके अलावा एंटीबायोटिक, एंटी-एलर्जिक, गैस-एसिडिटी, पाचन रोग, विटामिन-मल्टीविटामिन सप्लीमेंट, त्वचा रोग और मानसिक सेहत से जुड़ी दवाइयों का भी बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है। केंद्र सरकार के अधीन आते केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने करीब डेढ़ साल पहले रिवाइज्ड 'एम' फॉर्म लागू किया। जिसके बाद इसे लागू करने के लिए 31 दिसंबर 2025 तक का टाइम दिया गया। पिछले कुछ वर्षों में देश में दवाओं की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठे हैं।

कुछ मामलों में घटिया दवाओं और संदिग्ध सिरप से बच्चों की मौत जैसी घटनाओं ने सरकार को सख्त कदम उठाने के लिए मजबूर किया। केंद्र का मानना है कि जब तक दवा निर्माण प्रक्रिया पूरी तरह नियंत्रित और मानकीकृत नहीं होगी, तब तक मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती। इसी कारण, रिवाइज्ड 'एम' फॉर्म को अनिवार्य किया गया है।

रिवाइज्ड शेड्यूल 'एम' दरअसल ड्रग्स एंड कॉस्मैटिक रूल्स, 1945 के तहत तय किए गए गुड मेन्यूफेक्चरिंग प्रेक्टिस (जीएमपी) का नया और सख्त संस्करण है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश में बनने वाली दवाएं इंटरनेशनल स्टेंडर्ड, खासकर डब्ल्यूएचओ-जीएमपी के अनुरूप हों।

इसमें यूनिट के जमीन पर्याप्त जमीन, माइक्रो लैब, एयर होल्डिंग सिस्टम, वाटर सिस्टम, जीएमपी मार्क वाली मशीनरी वगैरह अनिवार्य की गई है, ताकि मिलावट रहित, सुरक्षित और प्रभावी दवाई तैयार की जा सके। इसी तरह, दवा निर्माण से जुड़े हर चरण के लिए स्पष्ट और सख्त नियम तय किए गए हैं। जिनमें उत्पादन क्षेत्र का डिजाइन और स्वच्छता, आधुनिक और प्रमाणित मशीनरी का उपयोग, मॉडर्न लैब, ट्रेंड टेक्निकल स्टाफ होना अनिवार्य है।

भारत के डिप्लोमेट ने जमात-ए-इस्लामी के कट्टरपंथी नेता के साथ गुप्त बैठक की है?

सीक्रेट मीटिंग की खबरों पर बवाल

ढाका, 1 जनवरी (एजेंसियां)। क्या भारत के एक राजनयिक ने ढाका में बांग्लादेश के जमात-ए-इस्लामी के एक कट्टरपंथी नेता के साथ गुप्त बैठक की है? बांग्लादेश में ऐसी खबर तैर रही है, जिसपर जमकर बवाल शुरू हो गया है। हालिया घटनाक्रमों को देखते हुए ऐसा लग रहा है कि भारत, बांग्लादेश की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ा रहा है। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बेगम खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में भाग लिया था, जबकि ऐसी भी अपुष्ट खबरें हैं कि एक भारतीय राजनयिक ने जमात-ए-इस्लामी के अमीर डॉ. शफीकुर रहमान से एक गुप्त बैठक की है। बुधवार को समाचार एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि रहमान और एक भारतीय राजनयिक के बीच यह बैठक 2025 की शुरुआत में हुई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैठक को लेकर जमात के अमीर ने रॉयटर्स को बताया है कि भारतीय अधिकारी के अनुरोध पर इस मामले को गुप्त रखा गया था। हालांकि, दूसरे देशों के राजनयिक उनसे खुले तौर पर मिले थे। जबकि, जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर रहमान ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया है जिनमें दावा किया गया था कि उन्होंने भारत के साथ एक 'गुप्त बैठक' की थी। उन्होंने स्थानीय मीडिया के कुछ हिस्सों की तरफ से ऐसी कवरेज को गुमराह करने वाला और बेबुनियाद बताया है।

भारत ने अभी तक इन रिपोर्टों पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। लेकिन जमात के अमीर ने कहा कि पार्टी हमेशा एक-दूसरे के लिए खुली रही है। उन्होंने कहा, संबंधों को बेहतर बनाने का कोई विकल्प नहीं है। रहमान ने रॉयटर्स को बताया कि यह बैठक उनके घर पर हुई जब वह इलाज के बाद घर लौटे थे। उन्होंने कहा, जब मैं साल के बीच में बीमार पड़ने के बाद इलाज करवाकर घर लौटा, तो देश-विदेश से कई लोग मुझसे मिलने आए। जैसे दूसरे देशों के राजनयिक आए, वैसे ही दो भारतीय राजनयिक भी मेरे घर मुझसे मिलने आए। दूसरों की तरह, मैंने उनसे भी बात की। लेकिन बवाल होने के बाद उन्होंने इस रिपोर्ट से मुंह मोड़ लिया है। बांग्लादेशी अखबार टीबीएस न्यूज के मुताबिक उन्होंने सीक्रेट मुलाकात की खबरों को बेबुनियाद बताया है।

यूपी के 35 शहरों में घना कोहरा, राजस्थान-हरियाणा में बारिश

पूरे बिहार में कोल्ड डे-कोहरे का अलर्ट दिल्ली में 31 दिसंबर 6 साल में सबसे ठंडा दिन

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ, 1 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के 35 जिलों में आज घना कोहरा छाया हुआ है। कोल्ड वेव भी है। मेरठ-गाजियाबाद समेत 14 जिलों में बारिश की संभावना है। बुधवार को कानपुर सबसे ठंडा रहा, यहां मिनिमम टेम्परेचर 4.6°C रहा।

राजस्थान के जयपुर-चित्तौड़गढ़ में गुरुवार सुबह तेज बारिश हुई। आज 8 से ज्यादा जिलों में बारिश की चेतावनी है। हरियाणा के कुछ शहरों में बारिश हुई है। प्रदेश के सभी स्कूलों में आज से विंटर वेकेशन घोषित किए गए। पंजाब के ज्यादातर जिलों में घना कोहरे छाया। बूंदाबादी भी हुई, कोल्ड वेव भी है। मौसम विभाग ने सभी का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। गुरदासपुर में सबसे कम टेम्परेचर 5.2°सी रहा।

पहाड़ी राज्यों हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी जारी है। दिल्ली में 31 दिसंबर को पिछले 6 साल में सबसे कम टेम्परेचर 6.4°सी रहा था। 2019 में ये 9.4°सी था। आज दिल्ली में भी बारिश का अलर्ट है।

पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़ में घने कोहरे का अलर्ट। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के निचले इलाकों में बारिश हो सकती है। पहाड़ी राज्यों के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी बर्फबारी के आसार, जिससे सर्दी और बढ़ेगी।

पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ में कोहरे का अलर्ट।

राहुल गांधी की शादी पर डोटासरा ने बीजेपी को सुनाई खरी-खरी

निजी जीवन पर टिप्पणी करना आरएसएस के संस्कार?

सीकर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राज्य की भजनलाल सरकार और मंत्री सुमित गोदारा पर तीखा हमला बोला है। डोटासरा ने राहुल गांधी की सगाई को लेकर दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि सरकार के मंत्री जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, वह उनकी सोच और संस्कारों को दर्शाता है।

डोटासरा ने कहा कि आरएसएस की पाठशाला में क्या इसी तरह की बातें सिखाई जाती है। कौन कब शादी करेगा और कौन नहीं करेगा। आपको किसी के निजी जीवन में झांकने का अधिकार किसने दे दिया। सरकार के मंत्री सुमित गोदारा किस तरीके की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, क्या उनको ये ही संस्कार है। उन्होंने मंत्री गोदारा के बयान पर सवाल उठाया कि किसी के निजी जीवन पर टिप्पणी करने का अधिकार आखिर उन्हें किसने दिया है। डोटासरा ने आरोप लगाया कि सरकार के पास विकास का कोई विजन नहीं है, इसी वजह से अनर्गल बयानबाजी की जा रही है। दरअसल, गत दिवस मंत्री सुमित गोदारा ने राजधानी जयपुर में जनसुनवाई के दौरान मीडिया से बातचीत में कहा था कि प्रियंका गांधी के बेटे रेहान वाड्रा गांधी की सगाई हो रही है यह अच्छी बात है लेकिन अगर राहुल गांधी भी शादी कर ले तो तो वे भी सही चलने लग जाएंगे।

मीडिया से बातचीत में डोटासरा ने कहा कि बजट घोषणाओं की हालत यह है कि 10 से 15 प्रतिशत काम भी धरातल पर नहीं उतरा है। कई योजनाओं की तो आज तक डीपीआर तक नहीं बनी। शेखावाटी के सीकर- झुंझुनूं में सरकार की ओर से यमुना जल का पानी शीघ्र लाएं जाने वाले समझौतों और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और सरकार के तमाम मंत्रियों द्वारा समय-समय पर दिए भाषणों को लेकर डोटासरा ने कहा कि पानी आना तो बहुत, अभी तो इस योजना की डीपीआर भी नहीं बनी हैं। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार एआई आधारित पढ़ाई की बात कर रही है, जबकि प्रदेश में 500 से ज्यादा स्कूल भवन जर्जर हालत में हैं और करीब 200 स्कूल ऐसे हैं, जहां बैठने की भी समुचित व्यवस्था नहीं है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हजारों स्कूलों में तत्काल मरम्मत की जरूरत है। झालावाड़ हादसे का जिक्र करते हुए डोटासरा ने बताया कि सर्वे में सामने आया था कि स्कूल भवनों की मरम्मत के लिए करीब 16 हजार करोड़ रुपये की आवश्यकता है, लेकिन एक साल से ज्यादा समय बीतने के बावजूद वहां अब तक नए भवन नहीं बने। कई जगहों पर आज भी बच्चे पेड़ों के नीचे बैठकर पढ़ने को मजबूर हैं।

डोटासरा ने शिक्षा नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक तरफ सरकार अंग्रेजी पढ़ाई बंद करने की बात करती है और दूसरी तरफ एआई मॉडल की शिक्षा का दावा कर रही है। बिना अंग्रेजी के एआई कैसे आएगी, यह सरकार बताए। उन्होंने कहा कि पहले बुनियादी सुविधाएं मजबूत करनी चाहिए, उसके बाद बड़े-बड़े दावे करने चाहिए।

बीएसएफ ने पाकिस्तान से आया घुसपैठिया पकड़ा, कोहरे का फायदा उठाकर घुसा

जैसलमेर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल के जश्न के बीच राजस्थान के जैसलमेर जिले से सटी भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता एक बार फिर काम आई। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने नाचना सेक्टर में कोहरे के बीच सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की कोशिश कर रहे एक पाकिस्तानी नागरिक को हिरासत में लिया है।

जब इलाके में नियमित गश्त चल रही थी और बॉर्डर पर पहले से ही हाईअलर्ट घोषित था। बीएसएफ की 72वीं बटालियन के जवान नाचना क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर निगरानी कर रहे थे। इसी दौरान शाम ढलने के साथ हल्का कोहरा फैलने लगा। कम विजिबिलिटी के बीच संतरी की नजर सीमा पार से भारतीय इलाके की ओर बढ़ते एक व्यक्ति पर पड़ी।

संदिग्ध गतिविधि को देखते हुए तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी गई और जवानों ने इलाके में घेराबंदी शुरू कर दी। जैसे ही वह व्यक्ति तारबंदी के पास भारतीय सीमा में दाखिल हुआ, बीएसएफ जवानों ने उसे दबोच लिया। सामने हथियारबंद जवानों को देखकर वह घबरा गया और भागने का प्रयास नहीं कर सका।

पकड़े गए व्यक्ति को तत्काल नजदीकी बॉर्डर आउट पोस्ट लाया गया, जहां प्राथमिक पूछताछ की गई। पूछताछ में उसकी पहचान इशरत (35) पुत्र राणा मोहम्मद असलम के रूप में हुई है। उसने खुद को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोधा जिले का निवासी बताया। प्रारंभिक पूछताछ में वह सहमा हुआ नजर आया और उसके बयान बार-बार बदलते रहे, जिससे सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता और बढ़ गई।

बीएसएफ सूत्रों के मुताबिक, तलाशी के दौरान उसके पास से कोई हथियार, नक्शा, दस्तावेज या अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई है। हालांकि, उसका अस्थिर व्यवहार और लगातार बदलते बयान कई सवाल खड़े कर रहे हैं।

सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत घुसपैठिए का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है, ताकि उसकी मानसिक स्थिति की पुष्टि हो सके। इसके साथ ही बीएसएफ, पुलिस और खुफिया एजेंसियों की संयुक्त टीम उससे गहन पूछताछ कर रही है। जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसे नाचना थाना पुलिस को सौंपा जाएगा।

जैसलमेर जिला पहले भी जासूसी गतिविधियों को लेकर सुर्खियों में रहा है। वर्ष 2025 में अब तक जिले में पांच संदिग्ध जासूस पकड़े जा चुके हैं, जिनमें सरकारी कर्मचारी, निजी संस्थानों से जुड़े लोग और स्थानीय निवासी शामिल रहे हैं। इन घटनाओं ने सुरक्षा एजेंसियों को और चौकन्ना कर दिया है।

1 करोड़ का इनाम और शादी का कार्ड

टीना डाबी की बहन रिया डाबी किस विवाद में फंस गईं

जयपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में जल संचयन को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से बीते दिनों देश के आईएएस अफसरों को पुरस्कार दिए गए, लेकिन इस पुरस्कार को लेकर राजस्थान के दो जिले विवादों के घेर में हैं। दोनों ही विवाद चर्चित आईएएस बहने टीना डाबी और रिया डाबी से जुड़े हुए हैं, इस कारण यह मामला और भी सुर्खियों में है। इनमें पहला पुरस्कार बाड़मेर की कलेक्टर टीना डाबी को मिला था, तो दूसरा पुरस्कार उदयपुर की मुख्य कार्यकारी अधिकारी के तौर पर उनकी बहन रिया डाबी ने हासिल किया। दोनों अफसरों पर गलत आंकड़े और फोटों के जरिए पुरुस्कार लेने के आरोप हैं। इसको लेकर खुद कलेक्टर टीना डाबी को भी अपनी सफाई देनी पड़ी। वहीं अब टीना डाबी की छोटी बहन रिया डाबी को लेकर भी उदयपुर कलेक्टर को सफाई देनी पड़ी है, जो अब काफी चर्चा में है। इधर, बाड़मेर की कलेक्टर टीना डाबी के बाद आईएएस रिया डाबी पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। इस मामले में खुद उदयपुर के कलेक्टर को भी अब रिया डाबी का बचाव कर सफाई देनी पड़ी है। दरअसल, उदयपुर को मिले पुरस्कार के मामले में सवाल उठे हैं कि पोर्टल पर शादी का कार्ड पुरुस्कार की प्रक्रिया में अपलोड कर दिया गया। इसके बाद उदयपुर कलेक्टर ने सफाई देते हुए कहा कि ग्राम पंचायत के कनिष्ठ अभियंता ने जन संचयन अभियान की पोर्टल पर गलती वश शादी का कार्ड अपलोड कर दिया गया था। कलेक्टर ने कहा कि इस फोटो का जल संचयन जन भागीदारी को लेकर मिले अवार्ड से कोई संबंध नहीं हैं। कलेक्टर ने कहा कि जिस कनिष्ठ सहायक की तरफ से यह गलती हुई है, उसे सस्पेंड कर दिया गया है। बता दें कि जल संचयन को लेकर राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू ने बाड़मेर जिले को पहले पुरस्कार से सम्मानित किया था। इसके तहत कलेक्टर टीना डाबी ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। जिसमें दो करोड रुपए की प्रोत्साहन राशि मिली। इस मामले में सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल समेत गई जनप्रतिनिधियों ने गलत आंकड़े पेश कर यह पुरस्कार हासिल करने का आरोप लगाया। इसको लेकर आईएएस टीना डाबी को बुधवार को खुद अपनी सफाई देनी पड़ी। टीना डाबी ने कहा कि उन्हें गलत तरीके से टारगेट किया जा रहा हैं। पोर्टल में ब्लॉक और जिला स्तर पर जो भी फोटो अपलोड हुए हैं। वह सत्यापित आंकड़े और फोटो के साथ हुए हैं।

बीजेपी ने राजस्थान महिला मोर्चा की कमान युवा प्रवक्ता को सौंपी

जयपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश महिला मोर्चा की कमान राखी राठौड़ को सौंपी है। नए साल की पहली तारीख यानी 1 जनवरी, गुरुवार को प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ की ओर से इसकी घोषणा की गई। प्रदेशाध्यक्ष ने बताया कि केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार जयपुर जिले से राखी राठौड़ को बीजेपी राजस्थान प्रदेश महिला मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। राखी राठौड़, राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की युवा नेता और प्रखर वक्ता हैं। प्रदेश संगठन में भूमिका निभाने से पहले राखी राठौड़ को राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए गठित भाजपा की प्रदेश संकल्प समिति में सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इस समिति के जरिए पार्टी ने अपने चुनावी एजेंडे को अंतिम रूप दिया था। इन नियुक्तियों से पहले ही राखी राठौड़ जयपुर से भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता के रूप में सक्रिय थीं और संगठन की ओर से लगातार मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर पक्ष रखती रही थीं। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी अनिल चौपड़ा की जीत में सबसे बड़ा रोड़ा राखी राठौड़ बनी थीं। यूं तो कर्नल राठौड़ वर्तमान में झोटवाड़ा से विधायक थे और भजनलाल सरकार में कैबिनेट मंत्री भी थे। वे दो बार झोटवाड़ा लोकसभा क्षेत्र से सांसद भी रह चुके थे, लेकिन भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता राखी राठौड़ ने इस चुनाव में बेहतरीन काम किया।

राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ पर बुरा फंसा प्रशासन

सुरक्षा एजेंसी भी हैरान, पाक सीमा के पास कैसे बनी चिमनी?

बीकानेर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। बीकानेर में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास ईंट भट्ठे के निर्माण ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौती पैदा कर दी है। सीमा से सिर्फ ढाई किमी दूरी खड़ी 100 फीट से ऊंची भट्ठ की चिमनी पर सुरक्षा एजेंसियों ने गंभीर आपत्ति दर्ज कराई है। खाजूवाला क्षेत्र में इस ईंट के भट्ठे का निर्माण हो रहा है। यह विशाल चिमनी पाकिस्तान की सीमा चौकियों से साफ दिखाई देती है। एजेंसियों ने आशंका जताई है कि पाकिस्तानी एजेंसियां और तस्कर इस ऊंची चिमनी को लैंडमार्क मानकर ड्रोन के जरिए हथियारों और मादक पदार्थों की सटीक डिलीवरी कर सकते हैं। गौरतलब है कि इस क्षेत्र में पहले भी ड्रोन के जरिए हेरोइन और अवैध हथियारों की तस्करी के कई मामले सामने आ चुके हैं।

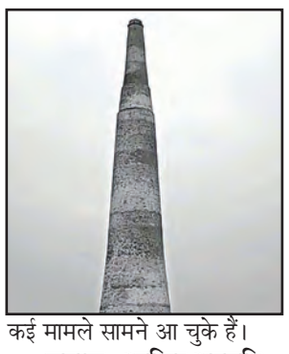

सवाल- आखिर अनुमति मिली कैसे?

चिंता इस बात को लेकर है कि इतनी ऊंची चिमनी तस्करों के लिए नेविगेशन को और आसान बना देगी। इन भट्ठों पर बाहरी राज्यों के श्रमिक बिना पुलिस वेरिफिकेशन के रह रहे हैं, जो सुरक्षा के लिहाज से एक बड़ी समस्या है। हैरानी इस बात को लेकर भी जताई जा रही है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के इतने करीब इस संवेदनशील निर्माण को स्थानीय स्तर पर हरी झंडी दे दी गई।

बीकानेर कलेक्टर ने एसडीएम से मांगा जवाब

जानकारी के मुताबिक, खाजूवाला एसडीएम ने सीमा से महज 2.15 किमी दूर निर्माण कार्य की स्वीकृति दी। साथ ही स्थानीय सरपंच द्वारा एनओसी भी जारी की। मामला सामने आने के बाद बीकानेर और श्रीगंगानगर जिला कलेक्टर हरकत में आए हैं। बीकानेर कलेक्टर ने खाजूवाला एसडीएम से इस पूरे मामले पर तथ्यात्मक रिपोर्ट तलब की है। प्रशासनिक स्तर पर जांच की जा रही है कि सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस क्षेत्र में इतनी ऊंची चिमनी की अनुमति किन नियमों के तहत दी गई।

दिग्गज नेता नाथूराम मिर्धा के बेटे भानुप्रकाश का निधन

जोधपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। दिग्गज किसान नेता स्वर्गीय नाथूराम मिर्धा के पुत्र और नागौर के पूर्व सांसद भानुप्रकाश मिर्धा का आज (गुरुवार) सुबह निधन हो गया। वे 72 साल के थे। नागौर में पहली बार 'कमल' खिलाने वाले भानुप्रकाश का अंतिम संस्कार 2 जनवरी को जोधपुर में किया जाएगा। उनके पुत्र मनीष मिर्धा के अनुसार, भानु प्रकाश मिर्धा ने गुरुवार सुबह करीब 10:45 बजे अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से राजनीतिक गलियारों और किसान समाज में शोक की लहर दौड़ गई है। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। भानु प्रकाश मिर्धा का जन्म 27 मार्च 1953 को हुआ था। वे 11वीं लोकसभा के सदस्य रहे। वरिष्ठ किसान नेता नाथूराम मिर्धा के छोटे बेटे थे और पारिवारिक राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने वाले प्रमुख चेहरों में शामिल रहे। 1996 में अपने पिता नाथूराम मिर्धा के निधन के बाद खाली हुई नागौर सीट पर 1997 में हुए उपचुनाव में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा था।

कांग्रेस विधायक के फीता काटने पर नाराज हुई भाजपा जिलाध्यक्ष

पीएमओ को सुनाई खरी-खोटी; बोलीं- अपमान बर्दाश्त नहीं करूंगी, मजाक समझकर रखा है

मकराना, 1 जनवरी (एजेंसियां)। डीडवाना-कुचामन जिले में मकराना से कांग्रेस विधायक और बीजेपी जिलाध्यक्ष में विवाद हो गया। विवाद मकराना उपजिला अस्पताल में डायलिसिस रूम का फीता काटने को लेकर हुआ।

समारोह के दौरान अतिथियों के नाम बोलते समय पहले बीजेपी जिलाध्यक्ष सुनीता रांदड़ का नाम बोला गया। इस पर विधायक जाकिर हुसैन गैसावत नाराज हो गए। उन्होंने बीच में ही रोकते हुए कहा- यह प्रोटोकॉल के खिलाफ है। यह पार्टी का कार्यक्रम नहीं है। कार्यक्रम में प्रधान सुमिता भींचर भी मौजूद थीं। इसके बाद उद्घाटन के समय विधायक ने प्रोटोकॉल का हवाला देते हुए डायलिसिस रूम का फीता काट दिया। इससे जिलाध्यक्ष नाराज हो गईं। उन्होंने मौके पर ही अस्पताल के पीएमओ डॉ. रामनिवास आंवला को खरी-खोटी सुना दी। उन्होंने कहा- मैं अपना और मेरी पार्टी का अपमान बर्दाश्त नहीं करूंगी। मजाक समझ रखा है क्या?

सुनीता रांदड़ ने पीएमओ को ऊंची आवाज में कहा- ये सरकारी कार्यक्रम है और भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, ये पता होना चाहिए सबको। मैं अपमान बर्दाश्त नहीं करूंगी। आई हूं, जब से देख रही हूं। ये प्रोटोकॉल की बात करते हैं तो जिलाध्यक्ष का क्या प्रोटोकॉल होता है, वो पता होना चाहिए। मजाक समझ कर रखा है।

आप यहां बुलाकर मेरी पार्टी का अपमान कर रहे हैं। प्रधान मुझसे आगे कैसे जाएगी, ये मेरी टीम की उपाध्यक्ष है। और अगर इतना ही कैंचियों से काटने का शौक है तो फिर तीन कैंचियां मंगवाकर रखते आप। कार्यक्रम के बाद मीडिया से विधायक गैसावत ने कहा- मेरे पास यहां के इंचार्ज का उद्घाटन के लिए फोन आया था। इसलिए मैं यहां आया और मुझे बहुत खुशी है। मैंने यहां पर मशीनों और उपकरणों के लिए बार-बार विधानसभा में खड़े होकर बोला है। जब मैं पहले विधायक था, तब इस हॉस्पिटल को मैंने 30 बेड से 60 बेड में अपडेट करवाया। ये छुटपुटिया नेता हैं, इनको पता ही नहीं होता सरकार की क्या पॉलिसी होती है?

उन्होंने कहा- मैं भी नागौर और डीडवाना जिले का जिलाध्यक्ष रहा हूं। आप जिलाध्यक्ष हो तो अपनी पार्टी के कार्यक्रमों में लोकार्पण करो। पार्टी कार्यालय में लोकार्पण करो। हॉस्पिटल का लोकार्पण सरकारी प्रोग्राम है, यहां प्रोटोकॉल होता है विधायक का, प्रधान का। अगर विधायक प्रतिनिधि भी है तो कोई दिक्कत नहीं। आप एक चुनाव लड़कर आओ, फिर पता चलेगा।

विवाद के बाद सोनोग्राफी रूम और दवा वितरण केंद्र का भी फीता काटकर उद्घाटन किया गया।

नए साल में ब्यूरोक्रेसी में ये बदलाव

61 आईएएस, 40 आईपीएस, 23 आईएफएस को प्रमोशन

जयपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल 2026 की शुरुआत राजस्थान के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के लिए बड़ी सौगात लेकर आई है। राज्य सरकार ने 61 आईएएस, 40 आईपीएस, 23 आईएफएस अधिकारियों को पदोन्नति देने के आदेश जारी कर दिए हैं। कार्मिक विभाग के अनुसार सभी प्रमोशन 1 जनवरी 2026 से प्रभावी होंगे। आईएएस कैडर में अजिताभ शर्मा, आलोक गुप्ता, दिनेश कुमार और राजेश कुमार यादव को अतिरिक्त मुख्य सचिव पद पर पदोन्नत किया गया है। इन्हें अवव सुपर टाइम स्केल से चीफ सेक्रेटरी वेतन श्रेणी में प्रमोट किया गया है। वहीं, नवीन जैन और के.के. पाठक को सचिव से प्रमुख सचिव बनाया गया है।

जयपुर कलेक्टर जितेंद्र सोनी सहित 11 आईएएस अधिकारियों को सिलेक्शन स्केल से सुपर टाइम स्केल में पदोन्नति मिली है। इसके अलावा प्रदीप गवांडे समेत 22 आईएएस अधिकारियों को जूनियर स्केल से सिलेक्शन स्केल में प्रमोट किया गया है।

आईपीएस कैडर में भी बड़े स्तर पर पदोन्नतियां हुई हैं। प्रफुल्ल कुमार और राघवेंद्र सुहासा को एडीजी रैंक दी गई है। नौ आईपीएस अधिकारियों को डीआईजी से आईजी बनाया गया है, जबकि 11 आईपीएस अधिकारी नए साल से डीआईजी रैंक संभालेंगे।

वन सेवा में 23 अधिकारियों को पदोन्नति दी गई है, जिनमें से 11 अधिकारी वन संरक्षक बनाए गए हैं। इसमें डॉ. कविता सिंह, अजय चित्तौड़ा, अशोक कुमार महरिया सहित कई नाम शामिल हैं। इसके अलावा राजस्थान पुलिस के 44 इंस्पेक्टरों को आरपीएस के पद पर पदोन्नत किया गया है।

गृह विभाग ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। जयपुर ग्रामीण के चौमूं थाने के एसएचओ प्रदीप शर्मा भी प्रमोट होकर डिप्टी रैंक के अधिकारी बन गए हैं। कुल मिलाकर, नए साल में हुए इन प्रमोशनों से राज्य के प्रशासनिक, पुलिस और वन विभागों में नई ऊर्जा और प्रशासनिक मजबूती आने की उम्मीद जताई जा रही है।

25,000 की घूस लेते यूडीसी रंगे हाथों गिरफ्तार

सवाई माधोपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के सवाई माधोपुर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने नए साल 2026 के पहले दिन ही भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ काम किया है। एसीबी की टीम ने सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय पर बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला उद्योग केंद्र में कार्यरत यूडीसी को 25,000 रू की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों दबोचा। यूडीसी की पहचान सूर्य प्रकाश नामा कर्मचारी के रुप में हुई है। जानकारी के अनुसार, यह पूरी कार्रवाई अंबेडकर प्रोत्साहन योजना से जुड़ी है। इस योजना के तहत एक लाभार्थी के खाते में सरकार के जरिए दी जाने वाली सब्सिडी की राशि आनी थी। आरोपी यूडीसी सूर्य प्रकाश नामा ने इस सब्सिडी की राशि को जारी करने और लाभार्थी के खाते में डलवाने की एवज में रिश्वत की पेशकश की थी। परेशान उपभोक्ता ने एसीबी कार्यालय पहुंचकर आरोपी यूडीसी के खिलाफ लिखित में शिकायत दर्ज कराई थी।

भीषण सड़क हादसा, 8 साल के बच्चे सहित 3 लोगों की दर्दनाक मौत

भीलवाड़ा, 1 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले में नए साल के दिन भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से कार सवार 3 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मरने वालों में 8 साल का बच्चा भी शामिल है। वहीं, बच्चे की बहन और मां गंभीर रूप से घायल हो गई। घायलों को उदयपुर रैफर किया गया है।

हादसा नेशनल हाईवे-758 पर गुरुवार दोपहर 12 बजे भीलवाड़ा जिले के बीगोद थाना क्षेत्र में हुआ। कार सवार लोग भीलवाड़ा के मांडलगढ़ की ओर से आ रहे थे। तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने कार को टक्कर मार दी। हादसा इतना जबरदस्त था कि दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और एक घायल ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान नारायण, नकुल और भानू प्रताप के रूप में हुई है। वहीं, हादसे में घायल गनिया और उसकी बेटी मन्नू को एम्बुलेंस की मदद से महात्मा गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां से दोनों को गंभीर हालत में उदयपुर के एमबी अस्पताल रैफर कर दिया।

घायल महिला गनिया का भीलवाड़ा के मेजा गांव में ससुराल है। वह अपने 2 बच्चे मन्नू, नकुल और जीजा नारायण के साथ अपने पीहर मांडलगढ़ जा रही थी। तभी बजरी से भरे डंपर ने कार को टक्कर मार दी। हादसे के वक्त कार में ड्राइवर सहित 5 लोग सवार थे।

हादसा इतना जबरदस्त था कि कार का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ऐसे में मृतक और घायल कार के अंदर बुरी तरह फंस गए। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद घायलों और मृतकों को बाहर निकाला। मृतकों के शवों को महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

'एके-47' और 'सरपंच' लिखे स्टिकर वाली मॉडिफाइड बाइकों पर ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई

अलवर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर शहर में यातायात नियमों की अनदेखी और सड़कों पर हुड़दंग की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए ट्रैफिक पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। ट्रैफिक थाना पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर अवैध रूप से मॉडिफाई की गई सात बाइकों को जब्त किया। पुलिस को लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ युवक अपनी बाइकों में अवैध बदलाव कर तेज और कानफोड़ू आवाजें निकाल रहे हैं। जांच के दौरान सामने आया कि बाइकों पर 'AK-47' की तस्वीरें और 'सरपंच' जैसे शब्द लिखे हुए आपत्तिजनक स्टिकर लगे थे, जो नियमों का उल्लंघन होने के साथ सामाजिक रूप से भी अनुचित माने गए।

अभियान के दौरान रोकी गई बाइकों में अवैध साइलेंसर लगे पाए गए, जिनसे ध्वनि प्रदूषण फैल रहा था। ट्रैफिक थाना प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि इस तरह के मॉडिफिकेशन न केवल मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन हैं, बल्कि राहगीरों, बुजुर्गों और आम नागरिकों के लिए परेशानी का कारण भी बनते हैं।

एक कमरे में 6 युवतियां और 2 युवक! पुलिस रेड में स्पा सेंटर का चौंकाने वाला सच सामने आया

चूरू, 1 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के चूरू जिले में पुलिस ने नए साल के आगाज के साथ ही अनैतिक गतिविधियों के खिलाफ अपना डंडा चला दिया है। रतनगढ़ पुलिस ने बीकानेर लिंक रोड पर स्थित एक स्पा सेंटर पर छापेमारी कर बड़े सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस की इस अचानक हुई कार्रवाई से इलाके के स्पा सेंटर्स और होटल संचालकों में हड़कंप मच गया है। रतनगढ़ थाना पुलिस को पिछले काफी समय से शिकायतें मिल रही थीं कि लिंक रोड पर स्थित स्पा सेंटर में मसाज के नाम पर जिस्मफरोशी और अनैतिक कार्य संचालित किए जा रहे हैं। इन शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी इनसार अली के मार्गदर्शन में एक स्पेशल टीम का गठन किया गया। सीआई गौरव खिड़िया के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल शैलेंद्र कुमार और उनकी टीम ने जब स्पा सेंटर पर दबिश दी, तो वहां का नजारा देख पुलिस भी दंग रह गई। स्पा सेंटर के कमरों में युवक और युवतियां संदिग्ध अवस्था में पाए गए।

पुलिस ने मौके से कुल 8 लोगों को हिरासत में लिया है, जिनमें शामिल हैं। पकड़ी गई युवतियों की उम्र 25 से 35 वर्ष के बीच है, जिनसे फिलहाल गहन पूछताछ की जा रही है। थाना अधिकारी गौरव खिड़िया ने बताया कि रतनगढ़ क्षेत्र में इस तरह की अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले भी एक अन्य स्पा सेंटर पर ऐसी ही कार्रवाई की गई थी। पुलिस ने साफ कर दिया है कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और अनैतिक गतिविधियों में लिप्त किसी भी संस्थान को बख्शा नहीं जाएगा।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने में जनता की भागीदारी बनाए रखने की अपील

सचिवालय, चारमीनार और केबीआर पार्क में समारोह आयोजित

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नववर्ष 2026 के आगमन के अवसर पर बुधवार की मध्यरात्रि 12 बजे तेलंगाना राज्य सचिवालय, चारमीनार एवं केबीआर पार्क में भव्य समारोह आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में हैदराबाद सिटी पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर केक काटा और नववर्ष का स्वागत किया।

इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर सज्जनार ने हैदराबाद शहर की जनता, पुलिस विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके परिवारजनों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बीते वर्ष में पुलिस विभाग को मिले नागरिकों के सहयोग के लिए उन्होंने धन्यवाद दिया और वर्ष 2026 में भी शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में जनता की भागीदारी इसी तरह बनी रहने की अपील की। त्योहारों और विशेष अवसरों पर भी अपने परिवार से दूर रहकर कर्तव्य निभाने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की उन्होंने सराहना की।

हैदराबाद को और अधिक सुरक्षित तथा अपराधमुक्त शहर के रूप में विकसित करना पुलिस विभाग का मुख्य लक्ष्य है।, इन समारोहों में संयुक्त पुलिस आयुक्त, अन्य जॉइंट कमिश्नर, डीसीपी एवं अनेक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए उत्साह और हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

नव वर्ष पर नेहरू चिड़ियाघर में भारी भीड़, 25,900 पर्यटक पहुंचे

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नव वर्ष के अवसर पर गुरुवार को हैदराबाद के नेहरू चिड़ियाघर में भारी संख्या में पर्यटक पहुंचे। अधिकारियों के अनुसार, चिड़ियाघर में लगभग 25,900 आगंतुकों ने दिन बिताया। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को विभिन्न स्थानों पर तैनात किया गया था ताकि आगंतुकों की सुगम आवाजाही और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मोबाइल फोन के जरिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग और अतिरिक्त काउंटरों ने आगंतुकों को चिड़ियाघर में शीघ्र प्रवेश दिलाने में मदद की। सभी पशु बाड़ों में सुरक्षा गार्ड और कर्मचारी तैनात थे। बाघ, शेर, हाथी, जिराफ और ज़ेबरा के बाड़ों में अधिक संख्या में पर्यटक देखे गए। सफारी पार्क, ट्रेन और बैटरी वाहन सवारी के साथ सरीसृप घर और रात्रिचर पशु घर ने भी आगंतुकों को आकर्षित किया।

गौशामहल स्थित कुमावत प्रीमियर लीग-10 फाईनल मुकाबले के लिए विधायक टी.राजासिंह को बत्तौर मुख्यअतिथि निमंत्रण देकर आमंत्रित करते हुए आयोजक नाथुराम लारणा, दिनेश बाकरेचा, सुरेश भाई व अन्य।

कुमावत प्रीमियर लीग-10 के सेमीफाईनल मैच सम्पन्न

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शिवरामपल्ली स्थित विजय आनन्द क्रिकेट ग्राउंड में कुमावत प्रीमियर लीग-10 पांच दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाईनल मैच गुरुवार 1 जनवरी को खेले गये।

प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक कार्यकर्ता नाथुराम लारणा, रमेश अडाणीया, वासुदेव दुबलदिया, ओमकार दुबलदिया ने संयुक्त रूप से बताया कि सेमीफाईनल मैचोफ्क का शुभारम्भ मुख्यअतिथि टॉस के लाभार्थी भाकरराम लारणा, महेश लारणा, रमेश अडाणीया, पूनमचन्द डैया द्वारा किया गया। प्रथम मुकाबला कुमावत यंगस्टर एवं कुमावत रॉयल चैंलेजर द्वारा खेला गया। जिसमें कुमावत यंगस्टर की टीम विजेता रही। दूसरा मैच कुमावत चैम्पियन स्टार एवं कुमावत महादेव 11 के मध्य खेला गया। पहले बैटिंग करते हुए ओमकार कुमावत की कप्तानी में कुमावत चैम्पियन स्टार ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 150 सम्मानजनक रन बनाये। रनोफ्क का पीछा करते हुए कुमावत महादेव 11 ने 17.3 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 154 रन बनाकर मैच जीत लिया। कप्तान सुरेश कुमावत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 48 बॉल पर 81 रन बनाये। जिसमें 12 चौके व 1 छक्का लगाया। शुक्रवार 2 जनवरी को प्रात: 9.15 फाईनल मैच कुमवत यंगस्टर व कुमावत महादेव 11 के मध्य खेला जाएगा। भोजन की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की जाएगी। फाईनल मैच के पश्चात् समापन्न समारोह आयोजित किया जाएगा। आयोजक कार्यकर्ताओफ्क ने समाज बन्धुओं व खिलाड़ियोफ्क से निवेदन किया है समय पर पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

मां और बच्चों ने कीटनाशक पीकर आत्महत्या का प्रयास, दो की मौत

नागरकर्नूल, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को कालवाकुर्थी में एक मां और उसके दो बच्चों ने कथित रूप से कीटनाशक का सेवन कर आत्महत्या का प्रयास किया। अस्पताल में इलाज के दौरान महिला प्रसन्ना (40) और उसकी 13 वर्षीय बेटी की मौत हो गई, जबकि उसका बेटा गंभीर अवस्था में है। जानकारी के अनुसार, परिवार के मुखिया प्रकाश, जो पेब्बैर के मूल निवासी थे, पिछले साल नवंबर में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। प्रकाश की मौत के सदमे से उबर न पाने के कारण प्रसन्ना और उसके बच्चों ने कीटनाशक का सेवन किया।

भावना कालोनी गणेश मंदिर में हनुमान चालीसा के पाठ में लोढ़ा भाईपा संघ के विनयसिंह लोढ़ा, गणेश मंदिर सेवा समिति के सदस्य राजीव सरीन, संतोष, प्रसाद, राकेश जोशी, राखी लोढ़ा, आशु सरीन, तरुणी नहाटा, एवं पुजारी श्रीनाथ तिवारी एवं अन्य उपस्थित थे।

माधापुर में 6 जनवरी को मेगा जॉब फेयर का आयोजन

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री साई गार्डन फंक्शन हॉल, मेरिडियन पब्लिक स्कूल के सामने, माधापुर 100 फीट रोड पर 6 जनवरी (मंगलवार) को सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक मेगा जॉब फेयर का आयोजन किया जाएगा। एक प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक मन्नान खान ने बताया कि इस जॉब फेयर में कई कंपनियां भाग लेंगी। फार्मा, स्वास्थ्य सेवा, आईटी और आईटीईएस, शिक्षा, बैंकिंग सहित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। कुछ कंपनियां वर्क फ्रॉम होम का विकल्प भी देंगी। उन्होंने बताया कि एसएससी (कक्षा 10) न्यूनतम योग्यता रखने वाले उम्मीदवार साक्षात्कार में शामिल हो सकते हैं। प्रारंभिक साक्षात्कार जॉब फेयर स्थल पर ही आयोजित किए जाएंगे।

बिहार यूपी के लोगों को एक मंच पर आने का आह्वान

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति के अध्यक्ष विनय कुमार यादव के आवास पर नव बर्ष की बैठक आयोजित की गई। इसमें विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। इस मौके पर नॉर्थ पीपुल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजनरायन सिंह ने नव वर्ष पर सभी बिहार यूपी के लोगों को एक मंच पर आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में उत्तर भारतीयों के सामने कई समस्याएं आए दिन खडी होती हैं। इसके लिए एक मंच पर आने से किसी भी सरकार पर समस्या के हल के लिए दबाव बनेगा। इस मौके पर बिहार सहयोग समिति द्वारा मल्काजगिरी में दुर्गा माता मंदिर निर्माण के बारे में भी चर्चा की गई । मौके पर हरिश्चन्द्र सिंह उर्फ पप्पू सिंह ,अजय सिंह धनंजय सिंह, सचिन सिंह, मिथलेश कुमार पांडेय ने अपना भरपूर सहयोग देने की भरोसा दिया है।

खड़ी टैक्सी में लगी आग, कार जलकर खाक

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अब्दुल्लापुरमेट इलाके में गुरुवार को एक टैक्सी में अचानक आग लग गई। आग की चपेट में आकर कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। जानकारी के अनुसार टैक्सी ने रामोजी फिल्म सिटी के पास यात्रियों को उतारने के बाद बाहर निर्धारित पार्किंग स्थल पर गाड़ी खड़ी की थी। ड्राइवर के गाड़ी से बाहर निकलते ही उसमें आग लग गई। आग लगते देख स्थानीय लोगों ने बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद दमकल विभाग को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी ने आग पर काबू पाया। प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

हैदराबाद में सड़क सुरक्षा पर हास्य पुस्तक 'बंदी शतकम' का विमोचन

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मोटर चालकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से डॉ. शंकर नारायण द्वारा रचित 116 काव्य पंक्तियों वाली हास्य पुस्तक 'बंदी शतकम' का हैदराबाद में विमोचन किया गया। पुस्तक में सड़क सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों को कविताओं के माध्यम से रचनात्मक और हास्यपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया है, जिससे सामाजिक संदेश के साथ-साथ जन व्यवहार पर सकारात्मक प्रभाव डाला जा सके। सर्वेजना फाउंडेशन द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक का औपचारिक विमोचन बुधवार को इसके अध्यक्ष डॉ. ए.वी. गुरुवा रेड्डी ने किया। फाउंडेशन के सीईओ और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी डॉ.बी. जनार्दन रेड्डी ने कहा कि यह पुस्तक गंभीर विषयों में हास्य का समावेश कर लोगों की सोच बदलने के उद्देश्य से शुरू की गई पहल का हिस्सा है। विमोचन समारोह में लेखक डॉ. शंकर नारायण और फाउंडेशन के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

साँझ के साथी ने डॉ. अहिल्या मिश्रा को श्रद्धांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दी साहित्य की स्तंभ के रूप में प्रतिष्ठित डॉ. अहिल्या मिश्र का 78 वर्ष की आयु में निधन पर साहित्यिक संस्था साँझ के साथी ने गहरा शोक व्यक्त किया। अध्यक्ष अजित गुप्ता ने कहा कि उनके निधन से हिन्दी की अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि अहिल्या मिश्र साहित्य की विभिन्न विधाओं में लेखन एवं समाज सेवा के क्षेत्र में जीवन भर सक्रिय रहीं। हैदराबाद में महिला रचनाकारों को प्रोत्साहित कर उनका मार्गदर्शन कर उन्हें लेखन हेतु प्रेरित करने के लिए वे हमेशा याद की जाएंगी। परामर्शदाता वेणुगोपाल भट्टड ने बताया कि बिहार के मधुबनी में सागरपुर में जमींदार और स्वतंत्रता सेनानी परिवार में 1948 में उनका जन्म हुआ था। विवाह के पश्चात वे हैदराबाद आई। उन्होंने कर्म भूमि के रूप में हैदराबाद को चुना। हिन्दी में एम.ए., एम.फिल.. पीएच.डी. और एम.एड. की शिक्षा प्राप्त कर नगर में नवजीवन बालिका विद्यालय, रामकोट में शिक्षिका, प्राचार्य मानद प्रशासक, निर्देशक आदि पदों पर कार्य किया। हैदराबाद में कादम्बिनी क्लब सहित विभिन्न संस्थाओं की स्थापना में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय में वह हिन्दी सलाहकार परिषद की सदस्य रहीं। साँझ के साथी के साथ उनका जुड़ाव पिछले चालीस वर्षों से रहा। संस्था के अध्यक्ष अजित गुप्ता, उपाध्यक्ष बिशनलाल संघी, मानद मंत्री नन्दगोपाल भट्टड़, संयुक्त मंत्री ज्योतिनारायण, कोषाध्यक्ष कैलाश भट्टड़, परामर्शदाता वेणुगोपाल भट्टड़, नरेन्द्र राय, डॉ. ऋषभदेव शर्मा, रवि श्रीवास्तव, पं. रामकृष्ण पाण्डेय, भँवरलाल उपाध्याय, अनिल कुमार वाजपेयी, डॉ. मोहन गुप्ता, ओमप्रकाश अग्रवाल, बजरंग भगत ने डॉ. अहिल्या मिश्र के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

चालक नहीं रहने से बेकार पड़ा है एंबुलेंस

मदनूर, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानिक मंडल केंद्र में 30 बिस्तरों वाला एक सरकारी अस्पताल निर्माण किया गया है। यह अस्पताल पांच एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है। प्रतिदिन सैकड़ों मरीज अस्पताल आते हैं। इसी प्रकार, हर सप्ताह परिवार नियोजन के ऑपरेशन भी किए जाते हैं। अस्पताल में डॉक्टरों और स्थानीय लोगों की आवाजाही के कारण हमेशा भीड़ रहती है। लेकिन अस्पताल में एंबुलेंस चालक नहीं रहने से वह बेकार पड़ा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जहीराबाद के पूर्व सांसद बीबी पाटिल ने कुछ वर्ष पहले संसद निधि से मदनूर सरकारी दवाखाना को एंबुलेंस मंजूर किया था। आज यह एंबुलेंस चालक के अभाव में दवाखाना परिसर में खड़ा है। लोगों ने बताया कि कुछ माह पहले चालक उपस्थित थे, लेकिन जिला वैद्यकीय अधिकारियों ने चालकों को जिला व डिविजन केंद्र में अचानक भेज दिया। लोगों ने अधिकारियों से तुरंत कार्रवाई करते हुए अस्पताल में बेकार पड़े एंबुलेंस को चलाने की व्यवस्था की मांग की है।

अग्रणी महिला मंच द्वारा नए वर्ष की शुरूआत जगदीश मंदिर में अग्रसेन महाराज के दर्शन से की गई। अवसर पर अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, स्मिथ शाह, श्रद्धा सुखिया, रितु गोयल, संगीता जजोड़िया, प्रीति गोयल, सपना जैन, सुनयना नर्सरियों, अंजना मेहता, बीना पारीख एवं पवन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

महेश बैंक के उपाध्यक्ष गोविंद राठी ने जन्म दिवस मनाया

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा नेता एवं महेश बैंक के वाइस चेयरमैन का जन्म दिवस 31 दिसंबर को हसमतगंज में धूमधाम से मनाया गया।

इस अवसर पर नगर के भाजपा कार्यकर्ता समाज बंधु एवं धर्म गुरु की उपस्थिति रही। रामानुजिया स्वामी संस्थान के सत्यनारायण स्वामी तथा जगन्नाथ मठ के स्वामी अछूत रामानुज स्वामी द्वारा गोविंद नारायण राठी एवं कमला राठी को मंत्र उच्चारण करते हुए जन्म दिवस के अवसर पर आशीर्वाद प्रदान किया। अवसर पर हरियाणा के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, मेट्रो रेल के मैनेजिंग डायरेक्टर एनवीएस रेड्डी, एग्जीबिशन समिति के सेक्रेटरी राजेश्वर, डॉ. भगवंत राव, रमेश कुमार बंग, कॉरपोरेटर शंकर यादव, राकेश जयसवाल, महेश बैंक अध्यक्ष मुरली मनोहर पालोद, एमएलसी दयानंद गुप्ता, अरुण डकोटिया, महेश बैंक के डायरेक्टर अमित लड़ा, रुपेश सोनी, विनोद बैंग, देवेंद्र जवाहर, दीपक बैंग, सुमन बांग, कैलाश मंत्री, मुकंदलाल बहती, पवन कुमार लॉय, एडिशनल डीसीपी ईस्ट जोन नरसैया एसीपी सुल्तान बाजार एम मुथैया सुरेश जैन, कलावती जाजू, सोहनलाल कड़ेल, श्याम सुंदर मुंद्रा, रघुनाथ यादव, लक्ष्मी नारायण राठी, किशन यादव, शैलेश अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, अरुण मालानी, शकुंतला नवंबर, उर्मिला साबू, श्याम नवंबर, शकुंतला राठी, प्रेमलता कोंकणी, कमल नारायण राठी, हरिनारायण राठी, रामदेव भूतड़ा, सुरेंद्र रेड्डी, कमल जाजू, अरुण ज्योति, आनंद शर्मा, नंद गोपाल भट्टा, मनोज जायसवाल, आल पुरुषोत्तम एवं अन्य उपस्थित थे।

वेतन और बकाया भुगतान को लेकर सरकारी डॉक्टरों में असंतोष

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य का स्वास्थ्य विभाग इन दिनों सरकारी डॉक्टरों के बढ़ते असंतोष से घिरता नजर आ रहा है। पिछले कुछ हफ्तों से वेतन में देरी और वर्षों से लंबित वित्तीय बकाया को लेकर डॉक्टर खुलकर विरोध जता रहे हैं, जिससे सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। तेलंगाना गवर्नमेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने वेतन में लगातार हो रही देरी के लिए राज्य सरकार की आलोचना की है। वहीं, तेलंगाना टीचिंग गवर्नमेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन वर्षों से लंबित बकाया राशि के तत्काल भुगतान की मांग कर रहा है।

डॉक्टरों का कहना है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में उनकी अहम भूमिका के बावजूद सरकार उनकी समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है। तेलंगाना वैद्य विधान परिषद के अंतर्गत कार्यरत डॉक्टरों ने बताया कि परिषद या निगम ढांचे के तहत काम करने के कारण उन्हें सरकारी तंत्र में सबसे आखिर में वेतन मिलता है। एसोसिएशन ने कहा कि जहां अन्य सरकारी कर्मचारियों को राजकोष से समय पर वेतन मिल जाता है, वहीं टीवीवीपी के डॉक्टरों को सहायता अनुदान के लिए इंतजार करना पड़ता है, जिससे वेतन में लगातार देरी होती है। टीजीडीए ने इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए टीवीवीपी को माध्यमिक स्वास्थ्य सेवा निदेशालय में बदलने की मांग की है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

2026 में बदल ...

इनका टर्म ऐसे समय पूरा होगा जब मोदी सरकार में बड़े बदलाव की भी संभावना बतायी जा रही है। महाराष्ट्र में रामदास अठावले बीजेपी के समर्थन से दो बार से राज्यसभा जा रहे हैं। लेकिन, हाल में उनका एनडीए में संबंध कोई बहुत बेहतर नहीं रहा है। बीएमसी चुनाव में भी वह सीट शेयरिंग को लेकर नाराज हैं। मंत्रिमंडल फेरबदल में कई पुराने मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है।

बिहार में 5 सीट, आरजेडी का घटेगा रूतबा :

विहार में अप्रैल में राज्यसभा की पांच सीटें खाली हो रही है। राज्यसभा में जिन सांसदों का कार्यकाल खत्म हो रहा है, उनमें राष्ट्रीय जनता दल के प्रेम चंद गुप्ता, केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर, आरएलएम उपेंद्र कुशवाहा, जेडीयू के हरिवंश नारायण शामिल हैं। 243 सदस्यीय विधानसभा में एक सीट पर जीत के लिए 41 विधायकों के के सपोर्ट की जरूरत है, 202 विधायकों के साथ एनडीए के खाते में 5 में से 4 सीटें आ जाए तो हैरानी की बात नहीं होगी, हालांकि 35 सीटों के साथ इंडिया गठबंधन एक भी सीट अपनी जीतने की स्थिति में नहीं है, ऐसे में 5 विधायकों वाले एआईएमआईएम की भूमिका अहम होगी। इससे राज्यसभा में आरजेडी का रूतबा कम होगा और उनकी गिनती अन्य दलों में होगी।

बंगाल की स्थिति :

बंगाल से पांच सीटों पर चुनाव होगा, खाली होने वाली सीटों में चार टीएमसी से है। सीपीएम के विकास रंजन भट्टाचार्य का कार्यकाल भी अप्रैल में खत्म हो रहा है। राज्य में मार्च-अप्रैल में चुनाव हो सकते हैं। इस लिहाज से विधानसभा की स्थिति बदल जाएगी और जिससे ये चुनाव प्रभावित होंगे। मध्य प्रदेश में राज्यसभा की 3 सांसदों का कार्यकाल पूरा हो रहा है। संख्या बल के मुताबिक तो 230 सदस्यों वाली विधानसभा में राज्यसभा की एक सीट के लिए 58 वोट चाहिए। संख्याबल के मुताबिक बीजेपी को 2 सीटें तो एक सीट कांग्रेस के खाते में जा सकती है। राज्यसभा में फिलहाल एनडीए के पास 129 सीटें हैं, जबकि विपक्ष के खाते में 78 सीटें हैं। ऐसे में 75 सीटों के चुनाव से सदन की तस्वीर बदलनी तय है।

यूपी से 10 राज्यसभा सीटें होंगी खाली :

मौजूदा वक्त में इनमें से 8 सीटें बीजेपी के पास है। नवंबर में जिन बीजेपी सांसदों का कार्यकाल खत्म हो रहा है, उनमे नीरज शेखर, दिनेश शर्मा, हरदीप पुरी, वीएस वर्मा, वृज लाल और सीमा द्विवेदी शामिल हैं। समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव और बीएसपी के रामजी गौतम का कार्यकाल भी नए साल के नवंबर महीने में खत्म हो रहा है। राज्य विधानसभा में बीजेपी की स्थिति को देखते हुए पार्टी अपनी 8 सीटों को कायम रख सकती है, समाजवादी पार्टी को भी दो सीटें मिल सकती है। बीएसपी के पास इतने नंबर नहीं है कि वह अपने किसी नेता को राज्यसभा भेज सके। ऐसे में लगभग दो दशक बाद ऐसे हालात बनेगे कि बीएसपी को एक भी सांसद नहीं होगा।

भारतवंशी जोहरान ममदानी ...

कहा जा रहा है कि पॉकेट साइज कुरान 18वीं सदी के अंत या 19वीं सदी की की है। यह कुरान न्यूयॉर्क पब्लिक लाइब्रेरी के शॉम्बर्ग सेंटर फॉर रिसर्च इन ब्लैक कल्चर के संग्रह का हिस्सा है। ममदानी ने 4 नवंबर को न्यूयॉर्क शहर के मेयर का चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया था। ममदानी पिछले 100 सालों में न्यूयॉर्क के सबसे युवा, पहले भारतवंशी और पहले मुस्लिम मेयर हैं। ममदानी मानसून वेडिंग और सलाम बॉम्बे जैसी फिल्में डायरेक्ट करने वाली भारतीय मूल की मीरा नायर के बेटे हैं।

चुनाव में जीत के बाद ममदानी ने ब्रुकलिन पैरामाउंट थिएटर में समर्थकों को संबोधित किया था। अपनी विक्ट्री स्पीच में उन्होंने जवाहरलाल नेहरू के 15 अगस्त, 1947 की आधी रात को दिए गए 'ट्रिस्ट विद डेस्टिनी' का जिक्र किया था। इस दौरान उनकी पत्नी रामा दुवाजी, पिता महमूद ममदानी और मां मीरा नायर भी मौजूद थे।

भाषण के बाद 'धूम मचा ले' गाने पर झूमे ममदानी :

ममदानी ने भाषण के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की इमिग्रेशन नीतियों पर निशाना साधते हुए कहा था- न्यूयॉर्क इमिग्रेंट्स का शहर है। इस शहर को प्रवासियों ने बनाया, उन्होंने मेहनत से इसे चलाया, और आज से, यह शहर प्रवासी ही चलाएगा। यह हमारी पहचान है और हम इसे बचाएंगे।

भाषण के बाद वे अपनी पत्नी के साथ 'धूम मचा ले' गाने पर झूमते नजर आए। मां मीरा नायर ने मंच पर आकर उन्हें गले लगा लिया। पिता महमूद ममदानी भी मौजूद रहे।

आरएसएस के सांगठनिक ...

अब प्रांत प्रचारकों की जगह राज्य प्रचारक बनाने का प्रस्ताव है। ये राज्य की इकाई के हिसाब से ही होंगे।

बड़े राज्यों में कई प्रांत प्रचारक :

जैसे अभी संघ के हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड जैसे राज्यों में एक ही प्रांत प्रचारक है, जो एक तरह से पूरे राज्य के ही प्रचारक है। जो बड़े राज्य हैं, उनमें कई प्रांत प्रचारक है। जैसे राजस्थान में 3 और यूपी में 6 प्रांत प्रचारक हैं। बदलाव के बाद सभी राज्यों में राज्य प्रचारक होंगे। अभी बड़े राज्यों में कामकाज के हिसाब से ज्यादा प्रांत प्रचारक बनाए गए हैं। राज्य प्रचारक के साथ संभाग प्रचारक का पद भी बनाया जाएगा। ये एक संभाग यानी कमिश्नरी के प्रचारक होंगे। ये विभाग प्रचारक और राज्य प्रचारक के बीच की इकाई होंगे।

काम के विस्तार के कारण संगठन में होगी बदलाव की बात :

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े सूत्रों ने बताया कि संघ के काम का विस्तार हो रहा है। उसी हिसाब से संगठन का ढांचा बनाने का प्रस्ताव है। इससे काम का विकेंद्रीकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संघ ने समाज जागरण सहित पंच परिवर्तन का जो काम तय किया है, उसे ठीक से संचालित करने के लिए संगठन के ढांचे में बदलाव की जरूरत महसूस की जा रही है। अक्टूबर 2026 तक संघ के शताब्दी वर्ष के ही कई कार्यक्रम है, इसलिए अगर बदलाव के प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है, तब भी ये साल 2027 तक ही लागू हो पाएगा।

विजय हजारे ट्रॉफी : 38 कप्तानों के बीच रिंकू सिंह बने नंबर 1

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। रिंकू सिंह का कमाल विजय हजारे ट्रॉफी में रुकने का नाम नहीं ले रहा। टूर्नामेंट के आगाज के साथ ही उनका धमाल भी दिखना शुरू हो गया। अब सबसे बड़ा कमाल तो रिंकू सिंह ने ये कर डाला है कि वो विजय हजारे ट्रॉफी में खेल रहे 38 टीमों के कप्तानों के बीच नंबर 1 बन गए हैं। अब आप कहेंगे कि भला वो कैसे? तो अपनी ये धौंस रिंकू सिंह ने टूर्नामेंट में अपनी टीम उत्तर प्रदेश के लिए प्रदर्शन कर और उसे जीत दिलाकर जमाई है। रिंकू सिंह ने कभी बल्लेबाज बनकर तो कभी फिनिशर के तौर पर यूपी की टीम के लिए अपना योगदान दिया, जिसने उन्हें कप्तान नंबर 1 बना दिया है।

विजय हजारे ट्रॉफी में कप्तान रिंकू सिंह का जलवा

विजय हजारे ट्रॉफी में खेल रही 38 टीमों को 4 एलिट ग्रुप के अलावा एक प्लेट ग्रुप में बांटा गया है। एलिट ग्रुप A, B, C, D है। रिंकू सिंह की टीम यूपी, ग्रुप B का हिस्सा है, जिसमें उसके साथ विदर्भ, बंगाल, बड़ौदा, जम्मू-कश्मीर, असम, हैदराबाद (इंडिया) और चंडीगढ़ की टीम है। रिंकू सिंह अपने इस ग्रुप में शामिल सभी टीमों के कप्तानों से तो बेस्ट हैं ही, उसके अलावा दूसरे ग्रुप वाले सारे कप्तानों को मिलाने के बाद भी उन जैसा खेल अब तक किसी कप्तान का नहीं दिखा।

विजय हजारे ट्रॉफी के मौजूदा सीजन में रिंकू सिंह की कप्तानी में यूपी की टीम ने अब तक खेले अपने सभी 4 मैच जीते हैं। अपने ग्रुप में यूपी इकलौती टीम है, जो एक भी मुकाबला नहीं हारी है। यूपी की इस जीत में रिंकू सिंह का योगदान क्या रहा है, अब जरा वो जान लीजिए।

रिंकू सिंह का धमाकेदार प्रदर्शन

रिंकू सिंह ने 4 मैचों की 4 पारियों में 136।50 की औसत से 273 रन बनाए हैं, जिसमें 1 शतक और 2 अर्धशतक शामिल रहे। इस दौरान उन्होंने 11 छक्के और 23 चौके लगाए। इतना ही नहीं वो दो पारियों में नॉटआउट भी रहे। इसमें एक तो उनकी शतकीय पारी रही और दूसरी वो जिसमें वो मैच जिताकर नाबाद लौटे। ये इनिंग रिंकू सिंह ने 31 दिसंबर को असम के खिलाफ खेली, जिसमें उन्होंने नाबाद 37 रन बनाए।

इन 2 मामलों में बने नंबर 1

अब विजय हजारे ट्रॉफी में ऐसे प्रदर्शन के बाद रिंकू सिंह कैसे और किन मामलों में 38 कप्तानों के बीच नंबर 1 हैं, जरा वो भी जान लीजिए। 38 कप्तानों के बीच वो अब तक सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कप्तान हैं। इसके अलावा उनका बैटिंग औसत बाकी कप्तानों के मुकाबले अब तक सबसे बेहतर है। रिंकू सिंह का यही दमखम टूर्नामेंट में यूपी की सफलता की कहानी लिख रहा है। वो कहते हैं ना जैसा कप्तान, वैसी टीम।

पीडब्ल्यूएल की नीलामी, अमन सहरावत और युई सुसाकी का सबसे अधिक आधार मूल्य

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक्स के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत 18 लाख रुपये के आधार मूल्य के साथ प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) की नीलामी में सबसे महंगे घरेलू खिलाड़ी के तौर पर शामिल हुए हैं, जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता युई सुसाकी और दिग्गज खिलाड़ी युस्नेलिस गुजमेन लोपेज को भी इतने ही आधार मूल्य के वर्ग में रखा गया है।

पीडब्ल्यूएल नीलामी तीन जनवरी को होनी है, जबकि लीग 15 जनवरी से एक फरवरी तक होगी। आगामी सत्र में मुकाबला करने वाली छह फ्रेंचाइजी हरियाणा थंडर्स, टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल, पंजाब रॉयल्स, महाराष्ट्र केसरी, दिल्ली दंगल वारियर्स और यूपी डॉमिनेटर्स हैं।

विश्व चैंपियनशिप के दौरान वजन प्रबंधन नहीं करने के कारण 21 साल के सहरावत पर लगा प्रतिबंध हाल ही में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने हटा दिया था। वह हाल के सत्रों में भारत के सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उन्होंने ओलंपिक खेलों और एशियाई खेलों में पदक जीते।

विश्व और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता दीपक पूनिया का आधार मूल्य 10 लाख रुपये है। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता नवीन भी इसी वर्ग में हैं। मौजूदा समय में भारत के सबसे अच्छे पहलवानों में से एक सुजीत कलकल ने हालांकि अपना आधार मूल्य सिर्फ सात लाख रुपये रखा है।

विदेशी पुरुषों के वर्ग में यूरोपीय और यूरेशियाई पहलवानों का दबदबा है। पूर्व विश्व और यूरोपीय चैंपियन रूस के अबासगदजी मागोमेदोव का आधार मूल्य 10 लाख है। इसी वर्ग में आर्मेनिया के विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता अरमान एंड्रियासियन और हंगरी के 2023 के विश्व चैंपियन इस्जमेल मुसुकाजेव भी हैं।

कई बार के विश्व और यूरोपीय पदक विजेता और ओलंपियन आर्मेनिया के आर्सेन हारुत्युनियन और मौजूदा विश्व और यूरोपीय चैंपियन रूस के उस्मानोव अखमेद पर बड़ी बोली लगाने की उम्मीद है। दोनों का आधार मूल्य 10 लाख रुपये है। महिला कुश्ती में विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता और भारत की स्टार खिलाड़ी अंतिम पंघाल को 10 लाख रुपये आधार मूल्य के वर्ग में रखा गया है जबकि फॉर्म हासिल करने के लिए जूझ रही अंशु मलिक भी इसी वर्ग में हैं।

स्वाति शिंदे, पूजा गहलोत भी उन शीर्ष भारतीय नामों में शामिल हैं जिनमें काफी दिलचस्पी होने की उम्मीद है। टोक्यो ओलंपिक की स्वर्ण और पेरिस खेलों की कांस्य पदक विजेता जापान की सुसाकी का आधार मूल्य 18 लाख है जो महिला पहलवानों में सबसे अधिक है। पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता क्यूबा की लोपेज को भी इसी वर्ग में जगह मिली है।

नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट आंशिक रूप से लागू

नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड और ट्रिब्यूनल की तैयारी शुरू, 1975 में पहली बार प्रपोजल लाया गया था

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। देश में खेल प्रशासन से जुड़ा नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट गुरुवार से आंशिक रूप से लागू हो गया है। इसके तहत केंद्र सरकार ने उन प्रावधानों को लागू कर दिया है, जिनसे नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड और नेशनल स्पोर्ट्स ट्रिब्यूनल के गठन की प्रक्रिया शुरू हो सकेगी।

यह कानून पिछले साल 18 अगस्त को अधिसूचित किया गया था और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने इसे देश का अब तक का सबसे बड़ा खेल सुधार बताया था।

इस बिल को 23 जुलाई को लोकसभा में पेश किया गया और 11 अगस्त को इसे वहां पारित कर दिया गया। इससे एक दिन बाद राज्यसभा ने दो घंटे से ज्यादा समय तक चली चर्चा के बाद इसे पारित कर दिया था।

नेशनल स्पोर्ट्स बिल को लाने की शुरुआत 1975 से हुई थी। लेकिन हर बार राजनीतिक कारणों के चलते यह बिल कभी संसद नहीं जा पाया था।

एनएसबी में एक चेयरपर्सन और सदस्य होंगे

नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड और नेशनल स्पोर्ट्स ट्रिब्यूनल का गठन भी आंशिक रूप से लागू होने के साथ शुरू हो जाएगा। एनएसबी में एक चेयरपर्सन और सदस्य होंगे जिन्हें केंद्र सरकार नियुक्त करेगी, जिनके पास पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, स्पोर्ट्स गवर्नेंस, स्पोर्ट्स लॉ और दूसरे संबंधित क्षेत्रों में खास जानकारी या प्रैक्टिकल अनुभव हो।

ये नियुक्तियां एक सर्च-कम-सिलेक्शन कमेटी की सिफारिशों के आधार पर की जाएंगी। मंत्रालय ने कहा, एक्ट को धीरे-धीरे लागू करने का मकसद कानूनी स्पोर्ट्स गवर्नेंस फ्रेमवर्क में आसानी से बदलाव सुनिश्चित करना है।

23 जुलाई को बिल पेश किया था

खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने 23 जुलाई को लोकसभा में नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल, 2025 पेश किया था।

इस बिल में खेलों के विकास के लिए नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बॉडी, नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड, नेशनल खेल इलेक्शन पैनल और नेशनल स्पोर्ट्स ट्रिब्यूनल बनाने के प्रावधान हैं। संसद में इस बिल को जीपीसी में भेजने की मांग भी उठी है।

1975 से शुरुआत हुई

नेशनल स्पोर्ट्स बिल को लाने की शुरुआत 1975 में हुई थी। लेकिन राजनीतिक कारणों से यह कभी संसद तक नहीं पहुंच सका था। 2011 में नेशनल स्पोर्ट्स कोड बना, जिसे बाद में बिल में बदलने की कोशिश हुई, लेकिन वह भी अटक गया।

अब 2036 ओलिंपिक की बोली लगाने की तैयारी के तहत खेल प्रबंधन में पारदर्शिता और अंतरराष्ट्रीय स्तर की व्यवस्था लाने के लिए इसे लाया गया है।

फीफा रैफरी सूची में तीन और भारतीयों को मिली जगह, एक महिला शामिल

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बताया कि एक महिला सहित तीन भारतीय रैफरी को फीफा की 2026 अंतरराष्ट्रीय मैच अधिकारियों की सूची में शामिल किया गया है। गुजरात की रचना कमानी को महिला रैफरी की फीफा सूची में शामिल किया गया है जबकि पुडुचेरी के अश्विन कुमार और दिल्ली के आदित्य पुरकायस्थ को पुरुष रैफरी के रूप में जगह मिली है।

एआईएफएफ ने कहा कि अश्विन कुमार और आदित्य पुरकायस्थ ने मलेशिया के कुआलालंपुर में एएफसी रैफरी अकादमी का कोर्स पूरा कर लिया है, जबकि रचना कमानी वर्तमान में यह कोर्स कर रही हैं। इसके अलावा पुडुचेरी के मुरलीधरन पांडुरंगन और महाराष्ट्र के पीटर क्रिस्टोफर को फीफा सहायक रैफरी के रूप में शामिल किया गया है। इस तरह 2026 के लिए फीफा अंतरराष्ट्रीय मैच अधिकारियों की सूची में भारत के कुल 19 अधिकारी शामिल हो गए हैं। इसमें आठ रैफरी, 10 सहायक रैफरी और एक फुटसाल रैफरी शामिल हैं।

ब्राजील के पूर्व डिफेंडर रॉबर्टो कार्लोस की हृदय की सर्जरी

ब्रासीलिया, 1 जनवरी (एजेंसियां)। ब्राजील के पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी रॉबर्टो कार्लोस की अचानक तबीयत बिगड़ गई जिस कारण उनकी हृदय की सर्जरी करानी पड़ी है। कार्लोस नए साल के मौके पर छुट्टियों का आनंद ले रहे थे, लेकिन तभी उन्हें अचानक से सर्जरी करानी पड़ी। आइए जानते हैं अब कार्लोस की तबीयत कैसी है।

ब्राजील और रीयाल मैड्रिड के पूर्व डिफेंडर रॉबर्टो कार्लोस की हृदय से जुड़ी समस्या के लिए सर्जरी हुई है। मैड्रिड के मौजूदा एंबेसडर और 52 साल के पूर्व फुल बैक खिलाड़ी कार्लोस कथित तौर पर अपने देश में छुट्टियां मना रहे थे जब एक जांच में हृदय में समस्या का पता चला।

ठीक से काम नहीं कर रहा था हृदय

कार्लोस ने शुरू में अपने पैर में खून के एक छोटे थक्के के लिए परीक्षण करवाए थे। हालांकि शरीर के पूर्व एमआरआई से पता चला कि उनका हृदय ठीक से काम नहीं कर रहा था। उन्हें कैथेटर डालने की सर्जरी के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। रिपोर्ट के अनुसार, ऑपरेशन 40 मिनट तक चलने वाला था, लेकिन एक जटिलता के कारण इसमें लगभग तीन घंटे लग गए। यह प्रक्रिया सफल रही।

कार्लोस का करियर

कार्लोस को खतरे से बाहर बताया जा रहा है लेकिन डॉक्टर उन पर करीबी नजर रखे हुए हैं और उबरने की प्रक्रिया के तहत उन्हें 48 घंटे अस्पताल में रहना होगा। अब तक के सबसे अटैकिंग लेफ्ट बैक में से एक कार्लोस ने ब्राजील के लिए 125 मैच खेले। वह मैड्रिड में 11 साल तक खेले। कार्लोस उस विश्व कप टीम के सदस्य थे जो 1998 में फाइनल में पहुंची और 2002 में ट्रॉफी जीती। उन्होंने 1997 और 1999 में ब्राजील को कोपा अमेरिका जिताने में भी मदद की और मैड्रिड के साथ तीन बार चैंपियन्स लीग खिताब जीता।

टी-20 वर्ल्डकप के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्रोविजनल टीम का ऐलान

तीन खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप डेब्यू का मौका; पैट कमिंस को भी जगह

मेलबोर्न, 1 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने ICC मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 (भारत और श्रीलंका में प्रस्तावित) के लिए अपनी प्रोविजनल 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान मिचेल मार्श को सौंपी गई है। इस बार चयनकर्ताओं ने स्पिन गेंदबाजी पर ज्यादा भरोसा जताया है।

हॉबर्ट हरिकेन्स के विस्फोटक बल्लेबाज मिचेल ओवेन को टीम में जगह नहीं मिली, जो चयन का सबसे बड़ा सरप्राइज माना जा रहा है। इसके अलावा 2021 की चैंपियन टीम के विपरीत इस बार किसी भी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है।

तीन खिलाड़ियों को मिल सकता है वर्ल्ड कप डेब्यू

स्पिनर मैथ्यू कुह्नेमन , ऑलराउंडर कूपर कोनोली और तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। कूपर कोनोली का चयन चौंकाने वाला रहा, क्योंकि उन्होंने पिछले 12 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा नहीं लिया था।

पैट कमिंस की वापसी

टीम में ग्लेन मैक्सवेल और कैमरन ग्रीन जैसे अनुभवी ऑलराउंडर शामिल हैं। गेंदबाजी विभाग में पैट कमिंस और जोश हेजलवुड के साथ एडम जम्पा और मार्कस स्टोइनिस अहम भूमिका निभा सकते हैं, खासकर भारतीय पिचों पर।

ऑस्ट्रेलियाई चयन समिति के चेयरमैन जॉर्ज बेली ने कहा,' टी-20 टीम ने हाल के सालों में शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे हमें भारत और श्रीलंका जैसी परिस्थितियों के लिए संतुलित टीम चुनने की आजादी मिली।'

उन्होंने यह भी बताया कि पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और टिम डेविड की फिटनेस पर नजर रखी जा रही है, लेकिन उम्मीद है कि ये सभी वर्ल्ड कप के लिए उपलब्ध रहेंगे।

ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में शामिल है, जहां उसके साथ श्रीलंका, जिम्बाब्वे, ओमान और आयरलैंड की टीमें हैं। टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई टीम का पहला मुकाबला 11 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ आर प्रेमादासा क्रिकेट स्टेडियम में है। अपने ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया सबसे मजबूत टीम है, लेकिन उसे श्रीलंका और आयरलैंड से कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया का श्रीलंका के साथ 16 फरवरी को मुकाबला होगा। टीम अपना आखिरी लीग मैच 20 फरवरी को ओमान के खिलाफ खेलेगी। उससे पहले उसे 13 फरवरी को जिम्बाब्वे से भी भिड़ना है।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए ऑस्ट्रेलिया का स्क्वाड

मिचेल मार्श, जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनली, पैट कमिंस, टिम डेविड, कैमरन ग्रीन, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुह्नेमन , ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस और एडम जम्पा।

एसए 20 में पार्ल रॉयल्स की जीत

सनराइजर्स ईस्टर्न केप को 5 विकेट से हराया;डेविड मिलर ने खेली 71 रन की नाबाद पारी

खेल डेस्क, 1 जनवरी (एजेंसियां)। सेंट जॉर्ज पार्क में खेले गए SA20 लीग मुकाबले में पार्ल रॉयल्स ने कप्तान डेविड मिलर की नाबाद अर्धशतकीय पारी के दम पर सनराइजर्स ईस्टर्न केप को 5 विकेट से हरा दिया। 150 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल्स ने 2 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की।

सनराइजर्स ईस्टर्न केप की पारी

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स ईस्टर्न केप की टीम 20 ओवर में 149 रन ही बना सकी। जॉर्डन हरमन ने सर्वाधिक 47 रन बनाए, जबकि जॉनी बेयरस्टो ने 33 रन की पारी खेली। कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स ने 16 गेंदों में 17 रन बनाए और मार्को यानसन ने 9 गेंदों पर 17 रन जोड़े। बाकी बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं कर सके।

पार्ल रॉयल्स की ओर से 19 साल के तेज गेंदबाज नकोबानी मोकोएना ने अपने SA20 करियर के दूसरे ही मैच में 4 विकेट झटके। उन्होंने 4 ओवर में 34 रन दिए। वहीं ऑटनील बार्टमैन ने घरेलू मैदान पर 3/36 के आंकड़े दर्ज किए।

35/4 पर लड़खड़ाई पार्ल रॉयल्स

150 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पार्ल रॉयल्स की शुरुआत बेहद खराब रही। मार्को यानसन और एनरिख नॉर्टजे की तेज गेंदबाजी के सामने टीम ने 35 रन पर 4 विकेट गंवा दिए। इस दौरान ल्हुआन-ड्रे प्रिटोरियस, आसा ट्राइब, रुबिन हरमन और काइल वेरिन पवेलियन लौट गए। यानसन ने इस मैच में SA20 का अपना 50वां विकेट भी पूरा किया।

मिलर–लायन-कैशे की मैच जिताऊ साझेदारी

मुश्किल हालात में कप्तान डेविड मिलर ने युवा बल्लेबाज कीगन लायन-कैशे के साथ मिलकर 5वें विकेट के लिए 114 रन की अहम साझेदारी की। मिलर ने 38 गेंदों पर नाबाद 71 रन बनाए, जबकि कीगन लायन-कैशे ने 40 गेंदों में 45 रन की संयमित पारी खेली।

आखिरी ओवर की वाइड ने टाला सुपर ओवर

मुकाबला अंतिम ओवर तक रोमांचक बना रहा। दर्शकों को सुपर ओवर की उम्मीद थी, लेकिन आखिरी ओवर में लुईस ग्रेगरी की एक वाइड गेंद ने पार्ल

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेमियन मार्टिन कोमा में

मेनिन्जाइटिस के चलते दिमाग में सूजन; 1999-2003 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम में शामिल थे

मेलबोर्न, 1 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेमियन मार्टिन इस समय मेनिनजाइटिस जैसी जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं और उन्हें इंड्यूस्ड कोमा (कृत्रिम कोमा) में रखा गया है। 54 वर्षीय मार्टिन को 26 दिसंबर को तबीयत बिगड़ने के बाद गंभीर हालत में ब्रिस्बेन के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। मार्टिन को मेनिनजाइटिस है, जो दिमाग और रीढ़ की हड्डी को ढकने वाली झिल्लियों में सूजन पैदा करने वाली बीमारी है। यह बीमारी दिमाग में सूजन का कारण बन सकती है और जानलेवा साबित हो सकती है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज़ और मार्टिन के करीबी दोस्त एडम गिलक्रिस्ट ने उनके परिवार की ओर से जनता को जानकारी दी कि मार्टिन को अस्पताल में इलाज दिया जा रहा है।

क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू के हवाले से गिलक्रिस्ट ने कहा, 'उन्हें बेहतरीन इलाज मिल रहा है और (मार्टिन की पार्टनर) अमांडा और उनका परिवार जानता है कि कई लोग उनके लिए दुआएं और शुभकामनाएं भेज रहे हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने भी मार्टिन के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।' डेमियन मार्टिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना डेब्यू 1992 में ब्रिस्बेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मैच से किया था, जहां उन्होंने दोनों पारियों में क्रमशः 36 और 15 रन बनाए थे। अपने करियर के दौरान मार्टिन अपनी खूबसूरत और स्टाइलिश बल्लेबाज़ी के लिए जाने गए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 67 टेस्ट और 208 वनडे मैच खेले।

दाएं हाथ के बल्लेबाज़ डेमियन मार्टिन 1990 के दशक के अंत और 2000 के दशक में ऑस्ट्रेलिया के दबदबे वाले दौर में मिडिल ऑर्डर की रीढ़ रहे। वे 1999 और 2003 वर्ल्ड कप विजेता ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थे।

2003 वर्ल्ड कप फाइनल में भारत के खिलाफ उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। मार्टिन ने नाबाद 88 रन (84 गेंद) बनाए और कप्तान रिकी पोंटिंग (121 गेंदों में 140* रन) के साथ 234 रन की विशाल साझेदारी की। इस साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवरों में 359/2 का विशाल स्कोर खड़ा किया। मार्टिन 2006 चैंपियंस ट्रॉफी में भी ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ रहे। उन्होंने पांच पारियों में 241 रन बनाए, उनका औसत 80।33 रहा और इसमें दो अर्धशतक शामिल थे।

इसके अलावा, भारत में ऑस्ट्रेलिया की ऐतिहासिक 2-1 टेस्ट सीरीज़ जीत में भी मार्टिन का अहम योगदान रहा। उन्होंने उस सीरीज़ में 444 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ का तमगा हासिल किया।

साइबराबाद में नववर्ष 2026 का शांतिपूर्ण और दुर्घटनामुक्त स्वागत

> साइबराबाद पुलिस आयुक्त ने पूरी रात स्थिति पर नजर रखी
> 928 लोगों को शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पकड़ा गया

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद में नववर्ष 2026 के अवसर पर आयोजित समारोह पूरी तरह शांतिपूर्ण, सुरक्षित और बिना किसी बड़ी घटना अथवा सड़क दुर्घटना के संपन्न हुए। यह सफलता साइबराबाद पुलिस की सटीक योजना, निरंतर निगरानी और जमीनी स्तर पर समन्वित कार्रवाई का परिणाम रही। पूरे आयोजन की निगरानी उच्च स्तर पर की गई। साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश ने पूरी रात अपने कार्यालय से स्थिति पर नजर रखी और अधिकारियों को रियल-टाइम निर्देश देते रहे। वहीं, साइबराबाद संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) डॉ. गजराव भूपाल, सभी लॉ एंड ऑर्डर डीसीपी एवं ट्रैफिक डीसीपी के साथ रातभर फील्ड में मौजूद रहे और यातायात व्यवस्था, कानून-व्यवस्था तथा सुरक्षित उत्सव सुनिश्चित किया। सड़क दुर्घटनाओं और अप्रिय घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से साइबराबाद पुलिस ने 31 दिसंबर 2025 की रात से 1 जनवरी 2026 की सुबह तक नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। इस दौरान 55 विशेष टीमों को तैनात किया गया, जिनके द्वारा 928 लोगों को शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पकड़ा गया और उनके विरुद्ध मामले दर्ज किए गए। वाहनों के अनुसार कार्रवाई में 695 दोपहिया वाहन, 31 तिपहिया वाहन, 199 चारपहिया वाहन और 3 भारी वाहन शामिल हैं। आरोपियों के ड्राइविंग लाइसेंस जब्त कर मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 19 के तहत निलंबन के लिए संबंधित आरटीए को भेजे जाएंगे। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए चालकों में 419 व्यक्तियों का अल्कोहल स्तर 100 मि.ग्रा./100 मि.ली. से अधिक, 35 व्यक्तियों का 300 मि.ग्रा./100 मि.ली. से अधिक तथा 5 व्यक्तियों का अत्यंत अधिक, 500 मि.ग्रा./100 मि.ली. से भी ऊपर पाया गया। सर्वाधिक मामले मियापुर, आरसी पुरम, रायदुर्गम, गाचीबोवली, कुकटपल्ली, मेडचल, नरसिंगी, राजेंद्रनगर और केपीएचबी ट्रैफिक पुलिस थाना क्षेत्रों से दर्ज किए गए। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस की व्यापक योजना और सख्त प्रवर्तन के चलते नववर्ष समारोह के दौरान पूरे साइबराबाद क्षेत्र में कहीं भी कोई बड़ी सड़क दुर्घटना दर्ज नहीं हुई। यातायात सुगमता के लिए साइबराबाद सिक्योरिटी काउंसिल सोसाइटी ने साइबराबाद पुलिस और ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से 31 दिसंबर की मध्यरात्रि से प्रमुख पार्टी स्थलों से नजदीकी मेट्रो स्टेशनों और निर्धारित कैब पिक-अप पॉइंट्स तक निःशुल्क शटल सेवा संचालित की।

इस पहल से उत्सव क्षेत्रों में भीड़ कम हुई और रात 2 बजे तक प्रमुख सड़कों पर यातायात सामान्य हो गया। साइबराबाद पुलिस ने नागरिकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और स्पष्ट किया कि नशे में वाहन चलाने के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत यह विशेष अभियान पूरे वर्ष जारी रहेगा। पुलिस ने सभी नागरिकों को नववर्ष 2026 की शुभकामनाएं देते हुए सड़क सुरक्षा के हित में जिम्मेदार व्यवहार अपनाने की अपील की है।

एयर मार्शल सीतेपल्ली श्रीनिवास ने संभाला वायु सेना के ट्रेनिंग कमांड का कार्यभार

✲ पुष्पचक्र अर्पित कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एयर मार्शल सीतेपल्ली श्रीनिवास ने बुधवार को भारतीय वायु सेना के ट्रेनिंग कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (एओसी-आईएन-सी) के रूप में पदभार ग्रहण किया।

कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने ट्रेनिंग कमांड वॉर मेमोरियल पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र एयर मार्शल श्रीनिवास को 13 जून 1987 को भारतीय वायु सेना के फाइटर स्ट्रीम में कमीशन प्राप्त हुआ था। वे कैटेगरी ए योग्य फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर हैं और उन्हें मिग-21, इस्क्रा, किरण, पीसी-7 एमके-II, एचपीटी-32 और माइक्रोलाइट सहित विभिन्न विमानों पर 4200 घंटे से अधिक का उड़ान अनुभव है। इसके अतिरिक्त वे चेतक/चीता हेलीकॉप्टर पर द्वितीय पायलट के रूप में तथा पेचोरा मिसाइल प्रणाली पर ऑपरेशंस ऑफिसर के रूप में भी योग्य हैं। अपने दीर्घ और विशिष्ट करियर में एयर मार्शल श्रीनिवास ने कई महत्वपूर्ण कमांड और स्टाफ नियुक्तियाँ निभाई हैं। वे एयर फोर्स अकादमी के कमांडेंट, पश्चिमी सीमा पर एक अग्रिम फाइटर बेस और एक प्रमुख फ्लाइंग ट्रेनिंग बेस के एयर ऑफिसर कमांडिंग रह चुके हैं।

इसके अलावा उन्होंने एडवांस मुख्यालय पश्चिमी वायु कमान (जयपुर), फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर्स स्कूल, इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोस्पेस सेफ्टी और बेसिक फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूल में भी नेतृत्वकारी जिम्मेदारियाँ संभाली हैं। पदभार ग्रहण करने से पूर्व वे मुख्यालय साउथ वेस्टर्न एयर कमांड में सीनियर एयर स्टाफ ऑफिसर के रूप में कार्यरत थे। शैक्षणिक रूप से भी एयर मार्शल श्रीनिवास का रिकॉर्ड उल्लेखनीय है। वे राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज, कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट और डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज के स्नातक हैं तथा रक्षा एवं सामरिक अध्ययन में एम.फिल., मास्टर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज और मास्टर ऑफ साइंस की उपाधियाँ प्राप्त कर चुके हैं। उनकी उत्कृष्ट और सराहनीय सेवाओं के लिए उन्हें वर्ष 2017 में विशिष्ट सेवा मेडल तथा वर्ष 2024 में माननीय राष्ट्रपति द्वारा अति विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया गया है।

नववर्ष पर हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस का अभियान

नशे में वाहन चलाने के 1,198 मामले दर्ज

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नववर्ष समारोह के मद्देनज़र हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए नशे में वाहन चलाने के खिलाफ विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। यह अभियान 31 दिसंबर 2025 की शाम 7 बजे से 1 जनवरी 2026 को दोपहर 3 बजे तक संचालित किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि यात्री सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुँचें, नशे में वाहन चलाने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगे और नववर्ष के दौरान घातक व गैर-घातक सड़क दुर्घटनाओं के जोखिम को कम किया जा सके। ट्रैफिक पुलिस का लक्ष्य बिना किसी दुर्घटना के नववर्ष का स्वागत करना था, ताकि नागरिक जिम्मेदारी और सुरक्षित तरीके से उत्सव मना सकें।

विशेष अभियान के दौरान नशे की हालत में वाहन चलाने पर कुल 1,198 मामलों में कार्रवाई की गई। इनमें 1,042 दोपहिया वाहन चालक, 51 तिपहिया वाहन चालक तथा 105 चारपहिया एवं अन्य वाहन चालकों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशे में वाहन चलाने के मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी और यह विशेष अभियान आगे भी जारी रहेगा। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित व जिम्मेदार तरीके से वाहन चलाकर पुलिस को सहयोग दें।

मलकाजगिरी कमिश्नरेट में नववर्ष दुर्घटनामुक्त रहा : अविनाश मोहंती

✲ नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान ✲ 605 व्यक्तियों को पकड़ा गया

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मल्काजगिरी पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में नववर्ष 2026 के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण और दुर्घटनामुक्त रहे। सड़क दुर्घटनाओं एवं अन्य अप्रिय घटनाओं की रोकथाम के लिए मलकाजगिरी ट्रैफिक पुलिस द्वारा 31 दिसंबर की रात से 1 जनवरी की सुबह तक नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया।

इस अभियान के तहत मल्काजगिरी ट्रैफिक पुलिस की 36 विशेष टीमों ने विभिन्न स्थानों पर ड्रंक ड्राइव जांच की, जिसमें शराब के नशे में वाहन चलाते हुए 605 व्यक्तियों को पकड़ा गया और उनके विरुद्ध मामले दर्ज किए गए। सभी आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर उन्हें नियमानुसार न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। इसके अलावा, सभी आरोपियों के ड्राइविंग लाइसेंस जब्त कर मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 19 के अंतर्गत निलंबन हेतु संबंधित आरटीए को भेजे जाएंगे। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए चालकों में लगभग 230 व्यक्तियों का अल्कोहल स्तर 100 मि.ग्रा./100 मि.ली. से अधिक पाया गया, जबकि 8 व्यक्तियों का स्तर 300 मि.ग्रा./100 मि.ली. से भी अधिक था। अधिकांश मामले एलबी नगर, वनस्थलीपुरम, उप्पल और कुशाईगुडा क्षेत्रों से दर्ज किए गए। मलकाजगिरी ट्रैफिक पुलिस की सख्त निगरानी, प्रभावी प्रवर्तन और सड़क सुरक्षा योजना के चलते पूरे कमिश्नरेट क्षेत्र में नववर्ष समारोह के दौरान कहीं भी कोई बड़ी सड़क दुर्घटना दर्ज नहीं हुई। मल्काजगिरी पुलिस ने सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहयोग देने के लिए नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया है। साथ ही स्पष्ट किया कि नशे में वाहन चलाने के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत यह विशेष अभियान मलकाजगिरी कमिश्नरेट की सीमाओं में आगे भी जारी रहेगा। पुलिस आयुक्त, मल्काजगिरी कमिश्नरेट अविनाश मोहंती ने मल्काजगिरी पुलिस की ओर से सभी नागरिकों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए अपील की है।

तेलंगाना में नए साल पर शराब की बिक्री 1,350 करोड़ रुपये के करीब पहुंची

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में नव वर्ष के जश्न के दौरान शराब प्रेमियों ने रिकॉर्ड उत्साह दिखाया, जिससे राज्य में शराब की बिक्री लगभग 1,350 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। त्योहारी अवधि में खुदरा दुकानों, बार और होटलों में अभूतपूर्व भीड़ देखी गई। आबकारी विभाग के आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर के आखिरी तीन दिनों में ही 980 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की गई, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में काफी अधिक है। अधिकारियों ने बताया कि दिसंबर में लागू हुई नई आबकारी नीति और बेहतर उपलब्धता के कारण यह वृद्धि हुई। संशोधित नीति के तहत लाइसेंस प्राप्त दुकानों ने 1 दिसंबर से संचालन शुरू किया। लगभग 3,620 खुदरा दुकानें और 1,100 बार, क्लब और होटल शामिल हैं। कई दुकानों के काउंटर देर रात तक भरे रहे। आबकारी विभाग के अनुसार, 29 दिसंबर को बिक्री लगभग 280 करोड़ रुपये, 30 दिसंबर को 380 करोड़ रुपये और 31 दिसंबर को 315 करोड़ रुपये दर्ज की गई। दिसंबर 2024 के अंतिम तीन दिनों में 738 करोड़ रुपये की बिक्री की तुलना में यह आंकड़े काफी अधिक हैं।

वन भूमि पर इंदिराम्मा घरों के निर्माण को लेकर वन विभाग और जिला प्रशासन में विवाद

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वन भूमि पर इंदिराम्मा घरों के निर्माण की मंजूरी को लेकर वन विभाग और कुछ जिला प्रशासनों के बीच विवाद गहराता जा रहा है। वन विभाग ने बिना उसकी सहमति और भूमि अभिलेखों के सत्यापन के आवास निर्माण की अनुमति दिए जाने पर आपत्ति जताई है। पूर्व आदिलाबाद, खम्मम और नालगोंडा जिलों के कुछ विधायक वन भूमि पर इंदिराम्मा आवासों के निर्माण की अनुमति न मिलने से नाराज हैं। विधायकों ने इस संबंध में राज्य सरकार से शिकायत भी की है।

खानपुर विधायक वेदमा भोज्जू ने सोमवार को विधानसभा में यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि उनका निर्वाचन क्षेत्र कावल बाघ अभ्यारण्य के अंतर्गत आता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा मंजूरी दिए जाने के बावजूद वन विभाग ने अब तक एक भी इंदिराम्मा घर के निर्माण की अनुमति नहीं दी है। यह मामला आदिलाबाद के प्रभारी मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव के संज्ञान में भी लाया गया है। विधायक ने बताया कि इस्नापुर में कपास किसानों द्वारा अस्थायी सड़कें बनाए जाने के बावजूद उन्हें भी अनुमति नहीं दी गई। वहीं, वन अधिकारियों ने जिला प्रशासन की आलोचना करते हुए कहा कि बिना विभाग से परामर्श और जमीन की जांच किए ही मकानों के निर्माण की अनुमति दी जा रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वन भूमि का संरक्षण विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है और ऐसे मामलों में अनुमति नहीं दी जा सकती।

जर्मनी अग्निकांड में जनगांव के छात्र की मौत

जनगांव, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नव वर्ष के दिन जर्मनी में हुए एक अग्निकांड में जनगांव जिले के एक छात्र की मौत हो गई। इस घटना से परिवार और गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। सूत्रों के अनुसार, जनगांव जिले के चिलपुर मंडल के मलकापुर गांव निवासी थोकला हृथिक रेड्डी उच्च शिक्षा के लिए जर्मनी गए थे। वे जिस अपार्टमेंट में रह रहे थे, उसी इमारत में अचानक आग लग गई। आग से बचने के प्रयास में हृथिक रेड्डी इमारत से कूद गए, जिससे उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। छात्र की असामयिक मौत की खबर मिलते ही मलकापुर गांव में मातम का माहौल छा गया।

सिद्दिपेट में पति से अलग महिला की हत्या, जांच शुरू

सिद्दिपेट, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वारगल मंडल के नचाराम में एक महिला की हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान मेदक जिले के तुप्रान मंडल के इस्लामपुर निवासी 26 वर्षीय मंतूर कल्पना के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, कल्पना का विवाह लगभग छह साल पहले सिद्दिपेट जिले के कन्याराम निवासी गणेश से हुआ था। कुछ समय पहले वह अपने पति से अलग हो गई थी और पिछले छह महीनों से इस्लामपुर में अपने माता-पिता के साथ रह रही थी। पुलिस ने बताया कि कल्पना ने 30 दिसंबर को अपने माता-पिता को यह कहकर घर छोड़ा था कि वह हैदराबाद डॉक्टर से सलाह लेने जा रही है। 31 दिसंबर की रात को उसकी हत्या कर दी गई। वारगल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच अभी जारी है और पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

मानव तस्करी रैकेट में बच्चों की अवैध बिक्री का भंडाफोड़, पुलिस जांच तेज

मंचरियाल, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में हाल ही में उजागर हुए मानव तस्करी रैकेट की पुलिस ने तेज जांच शुरू कर दी है। जांच में पता चला कि एक अंतरराज्यीय गिरोह बच्चों की अवैध बिक्री में शामिल था। शमशाबाद विशेष अभियान दल और मियापुर पुलिस ने 24 दिसंबर को रैकेट के ग्यारह सदस्यों को गिरफ्तार किया। आरोप है कि पिछले दो वर्षों में गिरोह ने निःसंतान दंपतियों को लगभग 60 बच्चे बेचे।

इसी सिलसिले में लक्सेट्टीपेट के एक दंपत्ति के खिलाफ महिला एवं बाल कल्याण विभाग में शिकायत दर्ज कराई गई। तीन वर्षीय बच्ची को बचाकर आदिलाबाद स्थित एक गृह भेज दिया गया। जांच के दौरान पता चला कि उसी क्षेत्र के एक अन्य दंपति को भी 2 लाख रुपये में शिशु बेचा गया। यह शिशु नासपुर के एक निजी अस्पताल के सफाईकर्मी के माध्यम से महाराष्ट्र से लाया गया था।

पुलिस ने बताया कि रैकेट के मुख्य साजिशकर्ता की पहचान और नेटवर्क को खत्म करने के लिए विशेष टीम बनाई गई है। टीम महाराष्ट्र और अन्य स्थानों में पूछताछ कर रही है। कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया गया, जबकि एक व्यक्ति को कथित तौर पर छोड़ दिए जाने के आरोपों की पुलिस ने खंडन किया। पुलिस ने कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही रैकेट का पूरा खुलासा किया जाएगा और जनता से अफवाहों पर भरोसा न करने की अपील की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.